THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com

पीएम नरेंद्र मोदी ने रेखा पात्रा को बताया 'शक्ति स्वरूपा' फोन पर की बात

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल के बशीरहाट से बीजेपी की उम्मदीवार और संदेशखाली पीड़ितों में से एक रेखा पात्रा से फोन पर बात की है। सूत्रों द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, पीएम नरेंद्र मोदी ने रेखा पात्रा से उनकी प्रचार की तैयारियों, लोगों के बीच बीजेपी के प्रति समर्थन और अन्य मुद्दों पर बात की। पीएम नरेंद्र मोदी ने रेखा पात्रा को 'शक्ति स्वरूपा' बताया। रेखा पात्रा ने संदेशखाली में महिलाओं द्वारा सामना की जाने वाली कठिन2इयों का प्रधानमंत्री को विवरण दिया।

वर्ष-28 अंक : 369 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) चैत्र कृ.2 2080 बुधवार, 27 मार्च-2024

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद नगर पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

पाकिस्तान में आत्मघाती हमला

5 चीनी नागरिकों की मौत : विस्फोटकों से भरे वाहन ने इंजीनियरों की गाड़ी में टक्कर मारी, गाड़ी खाई में गिरी, पाक पीएम चीनी राजदूत को सफाई देने पहुंचे

इस्लामाबाद, 26 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा में हुए एक आत्मघाती हमले में 5 चीनी इंजीनियरों और एक पाकिस्तानी नागरिक की मौत हो गई। पाकिस्तान के मीडिया हाउस के मुताबिक हमला मंगलवार को उस वक्त हुआ जब चीन के इंजीनियरों की गाड़ी बेशम शहर से गुजर रही थी।

इसी दौरान विस्फोटकों से भरे आतंकियों के वाहन ने इंजीनियरों की गाड़ी में टक्कर मार दी। मरने वाले लोगों में एक महिला इंजीनियर भी शामिल है। आतंकी हमले के घंटे भर बाद ही पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ इस्लामाबाद पहुंच गए और चीन के राजदूत से मुलाकात कर सफाई दी। शरीफ ने राजदूत को आश्वासन दिलाया कि पाकिस्तान आतंकवाद के अंत तक इसके खिलाफ लड़ाई जारी रखेगा।

पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े नेवल बेस में घुसे आतंकी :

इससे पहले आतंकी देर रात बलूचिस्तान में पाकिस्तान के दूसरे सबसे बड़े नेवल बेस में घुस गए थे। इसमें एक सैनिक की मौत हो गई। सुरक्षा बलों ने 4 आतंकियों को मार गिराया था। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक नौसेना के अड्डे से आतंकियों को निकालने के लिए 8 घंटों तक ऑपरेशन चला। इस दौरान बेस वॉर जोन में बदल गया।

सोशल मीडिया पर कई वायरल वीडियो में नेवल बेस पर सेना के हेलिकॉप्टर उड़ते दिखाई दे रहे थे। मरे हुए आतंकियों के पास से बड़ी तादाद में विस्फोटक और हथियार मिले हैं। हमले की जिम्मेदारी बलोच लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने ली है।

बीएलए ने दावा किया है कि चीन के निवेश के खिलाफ उसके लड़ाके बलूचिस्तान के तुरबत शहर में स्थित नेवल बेस में घुसे। यहां चीन के ड्रोन तैनात थे। प्रधानमंत्री शाहबाज शरीफ ने ऑपरेशन के दौरान एक सैनिक की मौत पर दुख जताया है। उन्होंने कहा कि हमारे सैनिकों ने देश का बड़ा नुकसान होने से बचाया है।

बीएलए का 7 दिन में दूसरा हमला

बलोच लिबरेशन आर्मी की मजीद ब्रिगेड का नेवल बेस पर अटैक इस हफ्ते किया गया दूसरा हमला है। इससे पहले इस संगठन ने 20 मार्च को ग्वादर में मिलिट्री इंटेलिजेंस के हेडक्वार्टर पर हमला किया था। इसमें 2 पाकिस्तानी सैनिक मारे गए थे, जबकि सिक्योरिटी फोर्सेस ने 8 आतंकियों को ढेर किया था। बीएलए के ग्वादर में हमले का भी चीन से कनेक्शन है। दरअसल, चीन-पाकिस्तान इकोनॉमिक कॉरिडोर के तहत ग्वादर पोर्ट का ज्यादातर मैनेजमेंट चीनी कंपनियों के पास है।

>14

सुप्रीम कोर्ट ने निचली अदालत का आदेश पलटा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। अभिव्यक्ति की आजादी के मामले में सुप्रीम कोर्ट की तीन जजों की पीठ ने बड़ा आदेश पारित किया है। अंतर्राष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग से जुड़ी अवमानना याचिका के मामले में चीफ जस्टिस डीवाई चंद्रचूड़ की अध्यक्षता वाली तीन जजों की पीठ ने कहा, अदालतों को असाधारण मामलों को छोड़कर किसी समाचार लेख के प्रकाशन के खिलाफ एकपक्षीय निषेधाज्ञा नहीं देना चाहिए। अदालत ने साफ किया कि लेखक की अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता के अधिकार और जनता के जानने के अधिकार पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है।

इस टिप्पणी के साथ शीर्ष अदालत ने देश की मशहूर मीडिया समूह के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक समाचार लेख का प्रकाशन रोकने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेश को भी निरस्त कर दिया।

अंतर्राष्ट्रीय मीडिया समूह ब्लूमबर्ग पर जी एंटरटेनमेंट के खिलाफ अपमानजनक लेख लिखने का आरोप है।

बीजेपी सांसद दिलीप घोष बोले- ममता अपना पिता तय करें

खुद को कभी गोवा, कभी त्रिपुरा की बेटी कहती हैं टीएमसी की ईसी से शिकायत

कोलकाता, 26 मार्च (एजेंसियां)। पश्चिम बंगाल की मुख्यमंत्री ममता बनर्जी पर भाजपा सांसद दिलीप घोष की टिप्पणी को लेकर राजनीति तेज हो गई है। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने मंगलवार 26 मार्च को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर घोष का एक वीडियो शेयर किया। इसमें घोष ने ममता के पिता को लेकर बयान दिया है।

दिलीप घोष ने कहा, ममता जब गोवा जाती हैं तो खुद को गोवा की बेटी कहती हैं। त्रिपुरा में खुद को वहां की बेटी बताती हैं। वे तय करें कि उनके पिता कौन है। किसी की भी बेटी बन जाना अच्छा नहीं है। वीडियो में दिलीप घोष बंगाल विधानसभा चुनाव 2021 में टीएमसी के नारे 'बांग्ला निजेर मेये के चाय' यानी (बंगाल अपनी बेटी चाहता है) का जिक्र कर रहे थे।

हालांकि, ये वीडियो कब और कहां का है, ये अभी स्पष्ट नहीं है। टीएमसी ने ममता पर आपत्तिजनक टिप्पणी और आदर्श आचार संहिता उल्लंघन करने के आरोप में घोष के खिलाफ राज्य चुनाव आयोग से शिकायत की है। साथ ही घोष से माफी की मांग की है।

टीएमसी बोली- घोष ने मां दुर्गा के पूर्वजों को भी चुनौती दी :

इससे पहले टीएमसी ने एक्स पर लिखा- मां दुर्गा के पूर्वजों को चुनौती देने से लेकर सीएम ममता के वंश पर सवाल उठाने वाले दिलीप घोष का नैतिक दिवालियापन हो चुका है। हिंदू धर्म की देवी हों या भारत की एकमात्र महिला मुख्यमंत्री, घोष के मन में महिलाओं के लिए कोई सम्मान नहीं है।

दरअसल, दिलीप घोष ने 2021 में मां दुर्गा पर टिप्पणी की थी। उन्होंने कहा था, भगवान राम एक राजा थे। कुछ लोग उन्हें अवतार मानते हैं। हम उनके पूर्वजों के नाम जानते हैं। क्या हम दुर्गा के पूर्वजों के बारे में जानते हैं? घोष के बयान को लेकर काफी विवाद हुआ था।

कीर्ति आजाद बोले, दिलीप घोष की मानसिक स्थिति खराब

बंगाल के वर्धमान सीट से टीएमसी के लोकसभा उम्मीदवार कीर्ति आजाद ने भी दिलीप घोष की आलोचना की।

>14

पंजाब के कांग्रेसी सांसद बीजेपी में शामिल

रवनीत बिट्टू के दादा बेअंत सिंह की खालिस्तानियों ने की थी हत्या, लुधियाना से लड़ सकते हैं चुनाव

लुधियाना, 26 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री स्व. बेअंत सिंह के पोते और लुधियाना से कांग्रेसी सांसद रवनीत सिंह बिट्टू मंगलवार (26 मार्च) को भाजपा में शामिल हो गए। नई दिल्ली स्थित भाजपा मुख्यालय में जनरल सेक्रेटरी विनोद तावड़े ने पटका पहनाकर उनका पार्टी में स्वागत किया।

भाजपा ने मंगलवार सुबह ही पंजाब में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया था। इसके कुछ घंटे बाद ही रवनीत सिंह बिट्टू की पार्टी में एंट्री हो गई। वह लुधियाना लोकसभा सीट से भाजपा के उम्मीदवार हो सकते हैं। बिट्टू कांग्रेस के टिकट पर लगातार 3 बार सांसद बन चुके हैं। 2009 लोकसभा चुनाव में उन्होंने श्री आनंदपुर साहिब सीट से चुनाव जीता था। इसके बाद 2014 और 2019 के चुनाव में वह लुधियाना लोकसभा सीट से सांसद चुने गए।

बिट्टू ने कहा, पंजाब के लिए कुछ करना चाहते हैं मोदी-शाह

भाजपा जॉइन करने के बाद रवनीत बिट्टू ने कहा कि वह शहीद बेअंत सिंह के परिवार से ताल्लुक रखते हैं। उन्होंने पंजाब में अंधेरे का समय भी देखा है। उस अंधेरे को कैसे ठीक किया गया, वह भी देखा। आज बड़े विश्वास से कह सकता हूं कि मैंने 10 साल में खुद देखा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह को पंजाब से कितना ज्यादा प्यार है। ये दोनों पंजाब के लिए बहुत कुछ करना चाह रहे हैं। बाकी स्टेट कहां से कहां पहुंच गए।

के.कविता को 9 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली की अदालत ने बीआरएस नेता के कविता को 9 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। उनकी जमानत याचिका पर सुनवाई 1 अप्रैल को होगी। के कविता के वकील ने बताया कि बेटे की परीक्षा के आधार पर दिल्ली की अदालत में अंतरिम जमानत की मांग की गई है।

इस दौरान के कविता ने कहा, यह मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं है बल्कि पॉलिटिकल लॉन्ड्रिंग का मामला है। यह एक मनगढ़ंत और झूठा मामला है। इस दौरान उनके वकील ने कहा कि ईडी जो पूछताछ कर रही है उसकी सीसीटीवी फुटेज सुरक्षित रखी जाए।

सुप्रीम कोर्ट ने याचिका सुनने से कर दिया था इनकार :

इससे पहले शुक्रवार को, सुप्रीम कोर्ट ने दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले में के कविता की जमानत याचिका पर विचार करने से इनकार कर दिया और उनसे इस निर्देश के साथ ट्रायल कोर्ट जाने को कहा था कि दायर की गई जमानत याचिका पर तेजी से फैसला किया जाएगा।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना, न्यायमूर्ति एमएम सुंदरेश और न्यायमूर्ति बेला एम त्रिवेदी की पीठ ने टिप्पणी की कि उसे सभी के लिए एक समान नीति का पालन करना होगा और लोगों को जमानत के लिए सीधे शीर्ष अदालत में जाने की अनुमति नहीं दी जा सकती क्योंकि वे राजनीतिक लोग हैं।

विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने 9 अप्रेल तक हिरासत बढ़ाने का आदेश पारित किया है।

कार्यवाही के दौरान कविता के वकील नितेश राणा ने उनके नाबालिग बेटे की परीक्षा के आधार पर अंतरिम जमानत की मांग की थी। ईडी ने जमानत याचिका का विरोध किया। शराब नीति घोटाला मामले में ईडी ने के कविता को 15 मार्च को हैदराबाद से गिरफ्तार किया था। के कविता के हैदराबाद स्थित घर पर ईडी ने छापेमारी के कुछ घंटों के बाद उन्हें गिरफ्तार कर लिया था। दरअसल शराब नीति घोटाला मामले में के कविता ने ईडी के कुछ समन को नजरअंदाज कर दिया था।

1 अप्रैल को होगी जमानत याचिका पर सुनवाई

मंत्री बोले- मोदी-मोदी चिल्लाने वाले स्टूडेंट्स को थप्पड़ मारो

भाजपा ने कहा- इससे युवा वोटर्स डर जाएंगे, चुनाव आयोग में शिकायत की

बेंगलूरू, 26 मार्च (एजेंसियां)। कर्नाटक के संस्कृति मंत्री शिवराज एस तंगदागी ने कोप्पल जिले में चुनाव प्रचार के दौरान कहा, पीएम मोदी ने दो करोड़ नौकरियों का वादा किया था, लेकिन पूरा नहीं किया। जो युवा और स्टूडेंट्स मोदी-मोदी चिल्लाते हैं, उन्हें थप्पड़ मारना चाहिए।

शिवराज ने कहा, भाजपा अपना चुनाव प्रचार लेकर आ रही है। अब वे किस मुंह से वोट मांग रहे हैं? यदि स्टूडेंट्स रोजगार मांगते हैं, तो वे उनसे पकौड़ा बेचने के लिए कहते हैं। भाजपा को शर्म आनी चाहिए। शिवराज के बयान के खिलाफ कर्नाटक के नेता प्रतिपक्ष और भाजपा नेता आर अशोक ने चुनाव आयोग में शिकायत दर्ज कराई है। अशोक ने कहा कि शिवराज के बयान से युवा वोटर्स में डर पैदा होगा। वे वोटिंग से दूरी बना सकते हैं। शिवराज का बयान आदर्श आचार संहिता का उल्लंघन है। उन्हें चुनाव और कांग्रेस के पक्ष में प्रचार करने से रोका जाना चाहिए।

भाजपा नेता बोले, युवाओं ने राहुल गांधी को रिजेक्ट किया है :

भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा, कांग्रेस के मंत्री पीएम मोदी के पक्ष में नारे लगाने वाले छात्रों को थप्पड़ मारने की बात कहते हैं। देश के युवाओं ने राहुल गांधी को बार-बार रिजेक्ट किया है और चाहा है कि पीएम मोदी ही देश को लीड करें, लेकिन कांग्रेस उन युवाओं को पीटना चाहती है।

अमित मालवीय ने कहा, यह शर्मनाक है। एक तरफ पीएम मोदी यंग इंडिया में निवेश कर रहे हैं और राहुल गांधी की कांग्रेस युवाओं को उन्हें थप्पड़ मारना चाहती है।

>14

'यूपीएससी समय की बर्बादी'

अर्थशास्त्री संजीव सान्याल के बयान पर जानकारों ने समर्थन और विरोध में दिए तर्क

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद के सदस्य और अर्थशास्त्री संजीव सान्याल के यूपीएससी को लेकर दिए बयान के बाद इस पर चर्चा तेज हो गई है। संजीव सान्याल ने सिद्धार्थ अहलूवालिया के पॉडकास्ट 'द नियॉन शो' में ये कहा कि यूपीएससी समय की बर्बादी है। उन्होंने 'पावर्टी ऑफ एस्पिरेंट्स' पर भी बात की, जिसे भारत ने दशकों से झेला है। सान्याल ने इसके लिए पश्चिम बंगाल और बिहार का भी उदाहरण दिया।

मनी कंट्रोल की रिपोर्ट के मुताबिक संजीव सान्याल ने कहा, जैसे बंगाल छद्म बुद्धिजीवियों और नेताओं की आकांक्षा रखता है, वैसे ही बिहार छोटे-मोटे स्थानीय गुंडों के राजनेता बनने की आकांक्षा रखता है। ऐसे माहौल में जहां वे रोल मॉडल हैं, आप या तो स्थानीय गुंडा बन सकते हैं, या फिर आपका रास्ता सिविल सेवक बनने का होगा।

सान्याल ने कहा, सिविल सेवक गुंडा होने से बेहतर है, लेकिन फिर भी ये महत्वाकांक्षा की गरीबी है। यदि आपको सपना ही देखना ही है, तो आपको एलोन मस्क या मुकेश अंबानी बनने का सपना देखना चाहिए, आप संयुक्त सचिव बनने का सपना क्यों देखते हैं? आपको ये सोचने की जरूरत है कि एक समाज जोखिम लेने के बारे में कैसे सोचता है। मुझे लगता है कि बिहार जैसी जगह की समस्याओं में से एक ये नहीं है कि वहां बुरे नेता थे, बुरे नेता उस समाज की आकांक्षाओं का प्रतिबिंब हैं।

यूपीएससी मेंटर और अंतर्राष्ट्रीय संबंधों पर लिखने वाले दीपांशु सिंह संजीव सान्याल से अपनी सहमति जताते हुए इसके समर्थन में कई तर्क दिए। उन्होंने एक्स पर एक के बाद एक कई पोस्ट कर कहा कि सिविल सेवाओं को लेकर धारणाएं जो हैं उनसे वास्तविकता काफी अलग है। वहीं मार्केटिंग और कंटेंट स्ट्रैटेजिस्ट ऋषिकेश टकसाले ने कहा कि लोअर मिडिल क्लास के लिए यूपीएससी जीवन बदलने वाला हो सकता है, क्योंकि ये उन्हें उच्च स्तर पर ले जाएगा। वहीं मध्यम वर्ग के लिए अच्छी शिक्षा के साथ, खुद कुछ बनने का मौका देता है। जबकि उच्च मध्यम वर्ग और अभिजात्य वर्ग, जिनके पास बड़े विश्वविद्यालयों में शिक्षा हासिल करने की क्षमता है, वो यूपीएससी चुनने को समय की बर्बादी समझते हैं।

14

भारत के सैटेलाइट लॉन्च का अब अंतरिक्ष में नहीं रहेगा मलबा

इसरो को मिली एक और कामयाबी

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। इसरो ने अंतरिक्ष के क्षेत्र में एक और उपलब्धि हासिल कर ली है। पीएसएलवी ने शून्य कक्षीय मलबा मिशन पूरा कर लिया है। अब भारत अंतरिक्ष में कोई भी सैटेलाइट लॉन्च करेगा तो उसका मलबा अंतरिक्ष में नहीं बिखरेगा। यह अपने आप में एक बड़ी उपलब्धि है। इसरो ने यह उपलब्धि ऐसे समय में हासिल की है जब अंतरिक्ष में सैटेलाइट का मलबा एक बड़ी चुनौती बना हुआ है। इसरो ने कहा कि पीएसएलवी-सी58/एक्सपोसैट मिशन ने व्यावहारिक रूप से कक्षा में शून्य मलबा छोड़ा है।

इसरो के मुताबिक सैटेलाइट को उसकी कक्षा में पहुंचाने के बाद पीएसएलवी तीन हिस्सों में बंट जाता है। इसे ही पीओएम-3 का नाम दिया गया है। इसमें सबसे पहले पीएसएलवी को 650 किलोमीटक की ऊंचाई वाली कक्षा से 350 किलोमीटर वाली कक्षा में लाया गया। इससे पीएसएलवी अपनी कक्षा में जल्दी पहुंच गया। इसका सबसे बड़ा फायदा यह है कि इससे एक्सीडेंट का खतरा भी कम हो गया।

एक महीने में तैयार हुए पेलोड

पीओईएम-3 पर जो पेलोड लगाए गए हैं उन्हें एक महीने के अंदर तैयार किया गया है। यह प्रायोगिक पेलोड हैं। इसरो ने इसमें निजी भागीदारी को भी शामिल किया है। बता दें कि हाल ही में इसरो ने रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक को लेकर एक सफलता हासिल की थी। इसरो की रीयूजेबल लॉन्च व्हीकल तकनीक (लॉन्च व्हीकल को दोबारा इस्तेमाल करने की तकनीक) का परीक्षण सफल रहा था।

मुफ्त में उपहार बांटने की शिकायत पर निर्वाचन आयोग सख्त

चुनाव अधिकारी को तत्काल कार्रवाई का निर्देश

बेंगलूरू, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव होने में अब एक महीने से भी कम समय रह गया है। ऐसे में चुनाव आयोग सख्ती बरत रहा है। वह लगातार शिकायतों पर कार्रवाई कर रहा है। अब आयोग ने जेडीएस अध्यक्ष एचडी देवगौड़ा की कांग्रेस सांसद डी के सुरेश के खिलाफ शिकायत पर संज्ञान लिया है। उसने कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी (सीईओ) को तत्काल कार्रवाई करने का निर्देश दिया है।

दरअसल, देवगौड़ा ने आरोप लगाया है कि कांग्रेस सांसद डी के सुरेश कथित तौर पर मुफ्त उपहारों के बांटने की योजना बना रहे हैं और राज्य का चुनाव तंत्र इस पर कार्रवाई करने में विफल रहा है।

अनुपालन रिपोर्ट भी मांगी

कर्नाटक के मुख्य निर्वाचन अधिकारी को लिखे पत्र में चुनाव आयोग ने उनसे आदर्श आचार संहिता के प्रावधानों और संबंधित कानूनों को ध्यान में रखते हुए कार्रवाई करने के लिए कहा और जल्द से जल्द अनुपालन रिपोर्ट मांगी है। बता दें, पूर्व प्रधानमंत्री गौड़ा की शिकायत के आधार पर चुनाव अधिकारी को 21 मार्च को पत्र भेजा गया।

जेडीएस के नेता ने आरोप लगाया कि बेंगलूरू (ग्रामीण) लोकसभा सीट पर भ्रष्ट गतिविधियों को रोकने के लिए राज्य का चुनाव तंत्र कार्रवाई करने में विफल रहा है। यहां तक कि मुफ्त में उपहार बांटे गए, उसे भी चुनाव आयोग रोकने में नाकामयाब रहा। उन्होंने कहा कि संबंधित अधिकारी ने न केवल अपने कर्तव्यों में लापरवाही बरती बल्कि मौजूदा सांसद के खिलाफ कार्रवाई करने से भी डरे हुए हैं, जो उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार के भाई हैं।

मुंबई में छह मंजिला इमारत में लगी भीषण आग

50 लोगों को बचाया गया कोई हताहत नहीं

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। मुंबई के उपनगरीय मुलुंड इलाके में छह मंजिला कॉर्पोरेट इमारत में मंगलवार को सुबह आग लगने के बाद करीब 50 लोगों को सुरक्षित निकाला गया। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। नगर निगम के एक अधिकारी ने बताया कि आग सुबह करीब 9।25 बजे छठी मंजिल पर लगी और इमारत में धुआं भरने की वजह से विभिन्न मंजिलों पर ये लोग फंस गए थे। अधिकारी ने कहा कि सीढ़ियों की मदद से लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया। उन्होंने कहा, ''अभी तक किसी के घायल होने की कोई खबर नहीं है।'' एक अन्य अधिकारी ने बताया कि एलबीएस रोड पर स्थित एवियर कॉर्पोरेट पार्क के छठे तल पर आग लग गई थी। उन्होंने कहा कि आग से इमारत के तारों, बिजली के उपकरणों, एसी, लकड़ी के फर्नीचर और आधिकारिक दस्तावेजों को नुकसान पहुंचा है।

23 लाख की फिरौती मांग बच्चे को उतारा मौत के घाट बोरी में मिला मासूम का शव

ठाणे, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के ठाणे जिले के बदलापुर में एक मासूम बच्चे की हत्या का मामले सामने आया है। नौ साल के बच्चे का अपहरण कर उसकी हत्या कर दी गई। घटना बदलापुर ग्रामीण पुलिस थाना क्षेत्र की है। बताया जा रहा है कि इबादत बुबेर नाम का बच्चा कल रात मस्जिद से नमाज पढ़कर बाहर निकला था। इस दौरान गांव के रहने वाले एक शख्स ने बच्चे का अपहरण कर लिया। अपहरण करने वाले ने इबादत के पिता को फोन कर 23 लाख रुपये की फिरौती मांगी। इसके बाद उसने अपना फोन बंद कर दिया। बच्चे के परिजनों ने स्थानीय पुलिस थाने में इसकी शिकायत दी। इसके बाद बदलापुर ग्रामीण पुलिस और क्राइम ब्रांच ने रात भर मासूम की तलाश में जुटी रही। तलाशी के दौरान बच्चे का शव बरामद हुआ। बच्चे का शव गांव के रहने वाले शख्स के घर से बोरी में भरा हुआ मिला। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर मासूम के शव को मुंबई में पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। ऐन त्योहार के समय बच्चे की हत्या से पूरे इलाके में मातम पसरा हुआ है।

'केजरीवाल को रिहा करो'

दिल्ली सीएम की गिरफ्तारी के विरोध में आप कार्यकर्ताओं का प्रदर्शन; हिरासत में लिए गए

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में आज मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के कार्यकर्ता प्रदर्शन कर रहे हैं। आप के नेता व कार्यकर्ता केजरीवाल की गिरफ्तारी के विरोध में दिल्ली के पटेल चौक मेट्रो स्टेशन के बाहर प्रदर्शन कर रहे हैं। इस दौरान दिल्ली का कोई बड़ा नेता मौजूद नहीं। करोल बाग के विधायक सहित कुछ विधायक, पार्षद मौजूद हैं।

हिरासत में लिए गए आप नेता व कार्यकर्ता

आप कार्यकर्ताओं ने सड़क पर लेटकर चक्का जाम करने की कोशिश की, लेकिन पुलिस ने उन्हें हिरासत में ले लिया। इस दौरान आप कार्यकर्ता केजरीवाल को रिहा करो केजरीवाल को रिहा करो के नारे लगा रहे हैं। मौके पर विधानसभा उपाध्यक्ष राखी बिड़ला भी पहुंची हैं। विधायक और लोकसभा सीट से प्रत्याशी सोमनाथ भारती को भी हिरासत में लिया गया है। बता दें कि आप के नेता व कार्यकर्ताओं ने आज सीएम की गिरफ्तारी के विरोध में प्रधानमंत्री आवास का घेराव करने का एलान किया है।

केजरीवाल के इस्तीफे की मांग लेकर भाजपा का प्रदर्शन

उधर, केजरीवाल ने गिरफ्तारी के बाद भी पद छोड़ने से मना कर दिया है। आम आदमी पार्टी का कहना है कि केजरीवाल जेल से सरकार चलाएंगे। वह तर्क दे रहे हैं कि कानून में किसी आरोप में गिरफ्तारी के बाद मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने की बात नहीं है। वहीं, भाजपा उनके इस्तीफे की मांग कर रही है। पार्टी के नेता व कार्यकर्ता आज मंगलवार को अरुण जेटली स्टेडियम (फिरोजशाह कोटला) से दिल्ली सचिवालय तक रोष मार्च निकालकर केजरीवाल के इस्तीफे की मांग कर रहे हैं

आम आदमी पार्टी के नेताओं में नहीं बची नैतिकता- भाजपा

इस संबंध में भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा अन्य नेताओं का कहना है कि आम आदमी पार्टी के नेताओं में नैतिकता नहीं बची है। यही कारण है कि मुख्यमंत्री आबकारी नीति घोटाले के आरोप में गिरफ्तार होने के बाद भी पद नहीं छोड़ रहे हैं। भाजपा उनके इस्तीफे के लिए आंदोलन तेज करेगी। उन्होंने कहा कि भाजपा के संघर्ष के कारण आबकारी घोटाले की जांच सीबीआई और ईडी को सौंपी गई।

इस मामले में पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया व सांसद संजय सिंह जेल में हैं। सिसोदिया को अपना पद छोड़ना पड़ा। केजरीवाल को भी पद छोड़ना पड़ेगा। उनके इस्तीफे को लेकर पार्टी राजघाट पर प्रदर्शन कर चुकी है। उसी कड़ी में मंगलवार को रोष मार्च निकाला जा रहा है। सोशल मीडिया पर भी इसे लेकर अभियान चल रहा है। उनके इस्तीफे तक आंदोलन जारी रहेगा।

आवारा जानवरों को मांस खिलाने पर महिला के खिलाफ एक्शन, केस दर्ज

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में कथित तौर पर आवारा जानवरों को मांस खिलाने के मामले में एक महिला पर एक्शन लिया गया है। पुलिस ने दक्षिण मुंबई की रहने वाली 40 वर्षीय महिला के खिलाफ मामला दर्ज किया है। महिला पर आरोप है कि उसने कथित तौर पर महालक्ष्मी मंदिर के पास आवारा जानवरों को मांस खिलाया था। इस मामले में शिकायत के बाद गामदेवी पुलिस ने महिला के खिलाफ केस दर्ज किया। रिपोर्ट के मुताबिक गामदेवी पुलिस ने दक्षिणी मुंबई की रहने वाली महिला के खिलाफ पूजा स्थल को अपवित्र करने और स्थानीय निवासियों की धार्मिक भावनाओं को ठेस पहुंचाने का मामला दर्ज किया है। जानकारी के मुताबिक स्थानीय लोगों की कई शिकायतों के बाद बीएमसी के दो पशु चिकित्सा अधिकारियों और दो पुलिस अधिकारियों की एक कमेटी बनाई गई थी। महिला को आवारा जानवरों को मांस न खिलाने की हिदायत दी गई। हालांकि, जब उसने कथित तौर पर निर्देश का पालन नहीं किया तो पुलिस में शिकायत दर्ज की गई। उस पर पूजा स्थल को नुकसान पहुंचाने और अपवित्र करने, शांति भंग करने और आपराधिक धमकी देने सहित कड़ी धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। इस मामले में एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने घटनाक्रम की पुष्टि करते हुए कहा, "हमने अभी तक महिला को गिरफ्तार नहीं किया है। हम मामले की जांच कर रहे हैं क्योंकि शिकायतकर्ता ने आरोप लगाया है कि वह जानबूझकर सड़कों पर आवारा जानवरों बिल्लियों और कुत्तों को मटन, चिकन और मछली खिलाती थी, जहां भक्त महालक्ष्मी और धकलेश्वर मंदिर के दर्शन के लिए कतार में खड़े होते थे।

'देश की बेटी के लिए ऐसी अभद्र भाषा' बांसुरी स्वराज का कंगना रनौत मामले में कांग्रेस पर तंज

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले कांग्रेस नेता सुप्रिया श्रीनेत की कंगना रनौत पर कथित टिप्पणी का मामला गरमा गया है। बीजेपी लगातार इस मुद्दे पर कांग्रेस को घेरने में लगी है। नई दिल्ली लोकसभा सीट से बीजेपी उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने भी कंगना रनौत पर कांग्रेस नेता की टिप्पणी को बेहद ही शर्मनाक करार दिया है। उन्होंने कहा कि देश की बेटी के लिए ऐसी अभद्र भाषा का इस्तेमाल शर्मसार करने वाली बात है। बीजेपी नेता और नई दिल्ली लोकसभा सीट से पार्टी की उम्मीदवार बांसुरी स्वराज ने कहा कि कंगना रनौत पर टिप्पणी से कांग्रेस की मानसिकता का साफ तौर से पता चलता है। बीजेपी नेता बांसुरी स्वराज ने कहा, जो भारत की बेटी और महिला है, उसके लिए ऐसी अभद्र भाषा का इस्तेमाल किया गया। यह बेहद चौंकाने वाला है और इससे कांग्रेस की मानसिकता का पता चलता है। कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व को इसके लिए माफी मांगनी चाहिए। उन्होंने आगे कहा कि कांग्रेस नेता ने कंगना रनौत के खिलाफ बहुत ही अभद्र भाषा का प्रयोग किया। सोनिया गांधी एक मातास्वरुपा हैं और एक पुत्री की मां हैं। क्या उनको उनकी आत्मा नहीं कटोचती है कि ऐसी भाषा का प्रयोग उनकी पार्टी के लोगों ने किया है।

सुप्रिया श्रीनेत पर आरोप है कि उन्होंने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स के जरिए वॉलीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत पर विवादित टिप्पणी की थी। हालांकि बाद में सुप्रिया श्रीनेत ने इन आरोपों का खंडन किया और कहा कि उनका अकाउंट हैक हो गया था। उन्होंने स्पष्ट किया कि सोशल मीडिया पर किसी पैरोडी अकाउंट ने संबंधित पोस्ट किया है। इस मसले पर बीजेपी के कई नेता सुप्रिया श्रीनेत के साथ कांग्रेस को घेरने में जुटे हैं। इससे पहले शाइना एनसी ने भी इस मसले को लेकर कांग्रेस पर सवाल खड़े किए और कहा कि अब समय आ गया है कि हम रूढ़िवादिता से लड़ें।

महाराष्ट्र में मस्जिद की दीवार पर लिखा गया 'श्री राम' का नारा, केस दर्ज

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में 25 मार्च को बीड में एक मस्जिद की दीवार पर 'श्री राम' का नारा लिखा हुआ मिला। एसडीपीओ धीरज कुमार ने कल कहा, एक कुख्यात व्यक्ति ने मरकज मस्जिद की दीवार पर 'श्री राम' लिखा था। घटना की प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। आरोपी को जल्द ही गिरफ्तार कर लिया जाएगा। माजलगांव के उप-विभागीय पुलिस अधिकारी धीरज कुमार ने कहा, "शाम करीब 5 बजे कुछ असामाजिक तत्वों ने मस्जिद की दीवार पर 'श्री राम' लिख दिया। हमने धारा 295 (जानबूझकर किसी पूजा स्थल को नष्ट करने या अपवित्र करने के लिए) के तहत एफआईआर दर्ज की है। हम अपराधी का पता लगा रहे हैं और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लेंगे।"

कंगना और सुप्रिया विवाद में आया नया मोड़

कांग्रेस नेता की सफाई पर बीजेपी नेता ने दिया ये तर्क

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 में मंडी लोकसभा सीट से बीजेपी ने कंगना रनौट को अपना उम्मीदवार बनाया है। एक्ट्रेस को टिकट मिलने पर कई कांग्रेस नेताओं ने टिप्पणी की। इसी बीच कांग्रेस प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत के सोशल मीडिया हैंडल से एक ऐसा पोस्ट किया गया, जिससे सियासी गलियारे में हंगामा मच गया है। कांग्रेस नेता के पोस्ट पर राष्ट्रीय महिला आयोग की अध्यक्ष ने आपत्ति जाहिर की।

सुप्रिया श्रीनेत ने दी सफाई

हालांकि, मामले ने जब तूल पकड़ा तो सुप्रिया श्रीनेत ने पोस्ट को हटा दिया। इसके बाद उन्होंने सफाई देते हुए कहा कि उनके फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट तक कई लोगों की पहुंच है और उनमें से किसी ने आज बेहद अनुचित पोस्ट किया। कांग्रेस नेता के इस सफाई पर अमित मालवीय ने सवाल उठाए हैं।

पैरोडी अकाउंट पर बीजेपी नेता ने दिया जवाब

अमित मालवीय ने सोशल मीडिया हैंडल एक्स पर लिखा, यदि आपका अकाउंट वही पोस्ट कर रहा है जिसे पैरोडी अकाउंट ने पोस्ट किया है तो इसका सीधा सा मतलब है कि दोनों अकाउंट के एडमिन एक ही हैं। ऐसा करने के लिए व्यक्ति को विक्षिप्त होने की हद तक आत्म-अभिमानी होना पड़ता है।

दरअसल, सुप्रिया श्रीनेत के अकाउंट से कंगना रनौट की तस्वीर साझा की गई। जहां लिखा था कि क्या भाव चल रहा है मंडी में कोई बताएगा? इस पोस्ट पर कंगना ने जवाब दिया। उन्होंने कहाःप्रिय सुप्रिया जी, एक कलाकार के रूप में अपने करियर के पिछले 20 वर्षों में मैंने हर तरह की महिलाओं की भूमिका निभाई है। क्वीन में एक भोली लड़की से लेकर धाकड़ में एक आकर्षक जासूस तक, मणिकर्णिका में एक देवी से लेकर चंद्रमुखी में एक राक्षसी तक, रज्जो में एक वेश्या से लेकर थलाइवी में एक क्रांतिकारी नेता तक। कंगना ने आगे कहा सभी महिलाएं अपनी गरिमा की हकदार हैं। हमें अपनी बेटियों को पूर्वाग्रहों के बंधनों से मुक्त करना चाहिए, हमें उनके बॉडी पार्ट्स को लेकर जिज्ञासा से ऊपर उठना चाहिए और सबसे बढ़कर हमें जीवन या परिस्थितियों को चुनौती देने वाली यैन संबंध वर्कर्स को किसी प्रकार के दुर्व्यवहार या अपमान के रूप में इस्तेमाल करने से बचना चाहिए।

राधिका सरथकुमार के पास 53.45 करोड़

विजया प्रभाकरन के पास 17.95 करोड़ रुपये की संपत्ति, नामांकन दाखिल किया

विरुधुनगर, 26 मार्च (एजेंसियां)। तमिलनाडु की विरुधुनगर सीट से उम्मीदवार- आर राधिका सरथकुमार और अभिनेता एवं नेता विजयकांत (देसिया मुरपोक्कु द्रविड़ कषगम) के बेटे वी विजया प्रभाकरन ने अपने-अपने चुनावी हलफनामों में क्रमशः 53.45 करोड़ रुपये और 17.95 करोड़ रुपये की संपत्ति घोषित की है। अभिनेत्री से नेता बनीं राधिका ने दक्षिणी लोकसभा क्षेत्र से चुनावी किस्मत आजमाने के लिए सोमवार को भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की उम्मीदवार के तौर पर नामांकन दाखिल किया। उनके पास 27,05,34,014 रुपये की चल संपत्ति है, जिसमें 33.01 लाख रुपये नकद, 750 ग्राम सोना और पांच किलोग्राम चांदी के आभूषण शामिल हैं।

राधिका अभिनेता एवं नेता आर सरथ कुमार की पत्नी हैं, जिन्होंने हाल में अपनी 'ऑल इंडिया समथुवा मक्कल काची' का भाजपा में विलय किया था। राधिका 'रादान मीडिया वर्क्स इंडिया लिमिटेड' की प्रबंध निदेशक हैं। राधिका (61) की अचल संपत्ति का मूल्य 26,40,00,000 रुपये है और उनके हलफनामे के अनुसार उनकी कुल देनदारियां 14.79 करोड़ रुपये हैं। विजया प्रभाकरन के पास 2.50 लाख रुपये नकद, 192 ग्राम सोना एवं 560 ग्राम चांदी है और उनकी चल संपत्ति का मूल्य 11,38,04,371.54 रुपये है। चुनावी राजनीति में पदार्पण कर रहे चेन्नई के 33 वर्षीय उम्मीदवार की अचल संपत्ति का मूल्य 6,57,55,000 रुपये है। उन पर कुल 12,80,78,587 रुपये की देनदारी है।

'टिकट देने से इनकार नहीं होगा'

वरुण गांधी के कांग्रेस में शामिल होने के सवाल पर क्या बोले अधीर रंजन

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 के लिए सियासी दंगल शुरू हो चुका है। इस बीच बीजेपी ने पीलीभीत लोकसभा सीट से वरुण गांधी का टिकट काट दिया है। अब कांग्रेस की ओर से उन्हें पार्टी में शामिल होने का न्योता मिला है। पश्चिम बंगाल के मुर्शिदाबाद जिले की बहरामपुर से सांसद और निवर्तमान लोकसभा में कांग्रेस के नेता रहे अधीर रंजन चौधरी ने वरुण गांधी को कांग्रेस में शामिल होने का न्योता दिया है। उन्होंने यह भी आश्वासन दिया है कि उन्हें चुनाव लड़ने के लिए टिकट भी मिलेगा। अधीर चौधरी ने कहा है कि बीजेपी ने वरुण गांधी का टिकट इसलिए काटा है क्योंकि उनका गांधी परिवार से संबंध है। चौधरी ने कहा है कि वरुण बड़े नेता हैं। उनका टिकट बिल्कुल नहीं कटेगा। अधीर रंजन चौधरी ने कहा है, वरुण गांधी को कांग्रेस में आना तो चाहिए, उनके आने से खुशी होगी। बड़े दबंग नेता हैं, शिक्षित आदमी हैं। साफ सुथरी छवि है और गांधी परिवार से जुड़ाव भी है। इसीलिए उनको बीजेपी ने टिकट देने से इनकार किया है। इसलिए मुझे लगता है कि उनको आना चाहिए। बता दें कि लोकसभा चुनाव 2024 के लिए बीजेपी ने रविवार (24 मार्च) को देशभर की 111 सीटों पर उम्मीदवारों का ऐलान किया। इसमें पीलीभीत सीट खासा चर्चा में आ गई है। इसकी वजह थी कि यहां से मौजूदा सांसद वरुण गांधी का टिकट काटकर योगी सरकार में मंत्री जितिन प्रसाद को उम्मीदवार बनाया गया है। वरुण गांधी पिछले कुछ समय से अपनी ही सरकार के खिलाफ मुखर थे। हालांकि हाल में उन्होंने बीजेपी नेताओं के साथ मंच साझा किया था और पीएम मोदी की तारीफ की थी, लेकिन पहले से ही इस बात की अटकलें थीं कि उनका टिकट काटा जा सकता है। अब जब उनकी जगह जितिन प्रसाद को उतारा गया है। जितिन प्रसाद योगी सरकार में मौजूदा मंत्री हैं।

मौलाना तौकीर रज़ा की तबीयत बिगड़ी आया था हार्ट अटैक, दिल्ली हुए रेफर

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। इत्तेहाद ए मिल्लत काउंसिल (आईएमसी) के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा को परसो देर शाम हार्ट अटैक आया था। इसके बाद उनके परिजनों ने उन्हें बरेली के एक अस्पताल में भर्ती कराया। मगर उनकी तबीयत में कुछ खास फर्क नहीं पड़ा। सोमवार की सुबह अचानक मौलाना तौकीर रजा को सांस लेने में दिक्कत होने लगी जिसके बाद इन्हें दिल्ली रेफर कर दिया गया जहां उनका इलाज चल रहा है। मौलाना तौकीर रजा हार्ट के मरीज हैं और पिछले साल ही उनके हार्ट में रिंग पड़ चुका है। आपको बता दें कि मौलाना तौकीर रजा 2 मार्च 2010 में बरेली में हुए दंगों का आरोपी है।

इस मामले के संबंध में मौलाना को 27 मार्च 2024 को कोर्ट में सरेंडर करना था मगर उससे पहले ही उसकी तबीयत बिगड़ गई। 2 मार्च 2010 को बारावफात के दिन होली का जुलूस निकलने वाला था जिसको लेकर गतिरोध शुरू हुआ। मगर दोनों ही जुलूस काफी शांतिपूर्ण तरीके से निकल गए। मगर आरोप यह है कि आईएमसी के प्रमुख मौलाना तौकीर रजा खां ने एक जन समूह को भड़काऊ भाषण दिया था। इस भाषण के बाद कोतवाली के कुतुब खाने से लेकर प्रेम नगर थाना क्षेत्र के कुहाड़ा पीर बाजार तक दंगा हुआ। इस दंगे में पुलिस चौकी और बहुसंख्यकों के घरों में आग लगा दी गई। इस दंगे के कारण पूरे शहर में 27 दिनों तक कॉर्फ्यू लगा रहा।

चीन ने फिर किया अरुणाचल पर दावा तो बोले मल्लिकार्जुन खरगे, ये मोदी की चाइनीज गारंटी है

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। अरुणाचल प्रदेश के कई इलाकों पर दावा करने को लेकर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने चीन की निंदा की है। उन्होंने इसके लिए मोदी सरकार का जिम्मेदार ठहराया है। खरगे ने कहा कि 2020 के गलवान हमले के लिए भी मोदी सरकार ने चीन को क्लीन चिट दे दी। इसी का परिणाम आज देश भुगत रहा है। खरगे ने कहा कि मोदी सरकार चीन को खुश करने वाली नीति पर काम कर रही है। खरगे ने सोशल मीडिया प्लैटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए कहा, 20 भारतीय जवानों ने देश के लिए कुर्बानी दे दी, लेकिन मोदी सरकार गलवान पर चीन को क्लीन चिट दे देती है। पीएम मोदी चीन की लाल आंख का कुछ नहीं कर पा रहे हैं। इसीलिए उसके हौसले बढ़े हुए हैं। उन्होंने कहा, अरुणाचल सीमा के पास गांव बसाना हो या फिर हमारे लोगों को सीमा से किडनैप कर लेना। यह सब मोदी सरकार की 'प्लीज चाइना पॉलिसी' के चलते हो रहा है। इससे हमारे अरुणाचल प्रदेश की सुरक्षा खतरे में पड़ गई है। बता दें कि सोमवार को चीन के विदेश मंत्री लिन जियान ने कहा था कि भारत द्वारा कब्जा किए जाने से पहले अरुणाचल हमेशा ही चीन का हिस्सा था। इससे पहले विदेश मंत्री एस जयशंकर ने सिंगापुर के विश्वविद्यालय में कहा था कि अरुणाचल भारत का अभिन्न हिस्सा है और इस मामले में चीन के सारे दावे ग लत हैं। उन्होंने कहा था, यह काफी हास्यास्पद है कि अरुणाचल प्रदेश चीन का हिस्सा है क्योंकि यह भारत का अभिन्न हिस्सा है। सीमा पर तवान के लिए एस जयशंकर ने ड्रैगन को लताड़ लगाई थी। खरगे ने कहा कि एक महीने में ही चार बार चीन यह दावा कर चुका है। इसके अलावा चीन अरुणाचल की जगहों के नाम बदल रहा है। भारत की अखंडता के लिए हमें राजनीति से ऊपर उठकर काम करना चाहिए। उन्होंने कहा, मोदी की चीनी गारंटी अरुणाचल प्रदेश और लद्दाख में चल रही है। मोदी सरकार की नीतियों के चलते भारत ने अपने ही इलाके पर कंट्रोल खो दिया है। उन्होंने कहा, मुझे उम्मीद है कि मोदी सरकार चीन को कड़ा जवाब देगी।

उद्धव गुट के नेता अनिल देसाई के करीबी दिनेश बोभाटे पर ईडी का शिकंजा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। उद्धव ठाकरे गुट के नेता अनिल देसाई के करीबी दिनेश बोभाटे पर प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने शिकंजा कसा है। ईडी ने मनी लॉन्ड्रिंग मामले में दिनेश बोभाटे को तलब किया। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने बताया कि मनी लॉन्ड्रिंग मामले में शिवसेना (यूबीटी) गुट के नेता अनिल देसाई के सहयोगी दिनेश बोभाटे को तलब किया गया है। उन्हें इस सप्ताह ईडी के समक्ष मौजूद रहने को कहा गया है। बता दें कि पिछले साल दिसंबर में सीबीआई ने दिनेश बोभाटे और उनकी पत्नी के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति का मामला दर्ज किया था। ईडी ने सीबीआई के भ्रष्टाचार मामले के आधार पर बोभाटे के खिलाफ मनी लॉन्ड्रिंग का मामला शुरू किया है। उन पर आरोप है कि बोभाटे और उनकी पत्नी ने आय से अधिक संपत्ति अर्जित की। इससे पहले 3 मार्च को मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा (ईओडब्ल्यू) ने शिवसेना (यूबीटी) नेता अनिल देसाई को तलब किया था। मुंबई पुलिस की आर्थिक अपराध शाखा इस बात की जांच कर रही है कि पैसे कैसे निकाले गए और किसने इसे निकाला। उल्लेखनीय है कि पिछले साल जून में एकनाथ शिंदे ने उद्धव ठाकरे से बगावत कर दी थी। इसके चलते उनके साथ कई विधायकों और सांसदों ने भी पार्टी से बगावत कर दी थी। एकनाथ शिंदे ने बीजेपी के साथ गठबंधन कर राज्य में नई सरकार बनाई।

ईडी छापों की आशंका में शाहजहां ने पहले ही बनाई थी हमले की योजना

कोलकाता, 26 मार्च (एजेंसियां)। शेख शाहजहां को पहले ही इस बात का आभास हो चुका था कि पीडीएस मामले में जांच एजेंसी उसके यहां छापेमारी कर सकती है, इसलिए उसने संदेशखाली में ईडी और सीएपीएफ अधिकारियों पर हमला करने की योजना पहले ही बना ली थी। सूत्रों ने बताया कि टीएमसी नेता ने अपने आवास पर ईडी और सीएपीएफ अधिकारियों पर हमले के लिए सभी तरह के हथियार संभाल कर रख लिए थे ताकि वो भीड़ में आसानी से पहुंच बनाकर जांच एजेंसियों के अधिकारियों पर हमला कर सकें। सबसे पहला सबूत वो वीडियो है, जिसमें शाहजहां अपने सहयोगियों से यह कहता हुआ नजर आ रहा है, कि अब समय आ चुका है कि हम जांच एजेंसियों के अधिकारियों को कड़ा सबक सिखाएं। यह वीडियो सीबीआई के पास है। तो वहीं, दूसरा सबूत यह है, कि शाहजहां के आवास के बाहर ढेर सारे ईंट रखी हुई देखी जा सकती हैं। ये ईंट जांच अधिकारियों पर हमला करने के मकसद से एकत्रित की गई थी। जांच में खुलासा हुआ है, कि इन एकत्रित ईंटों का उपयोग ईडी अधिकारियों के कार के कांच को तोड़ने के लिए किया गया, इस हमले में कई लोग घायल हो गए थे। जांच एजेंसियों ने बताया कि इन ईंटों का निर्माण शाहजहां के भट्ठी में ही हुआ था। ईंटों पर अंकित ट्रेडमार्क के जरिए इसका खुलासा हुआ है।

सूत्रों ने बताया कि गत वर्ष दिसंबर महीने में ईडी ने जब पहली बार शेख शाहजहां को नोटिस जारी किया था, तभी उसे इस बात का एहसास हो चुका था कि ईडी उसके आवास पर छापेमारी कर सकती है, इसलिए उसने नोटिस का अनुपलान करने के बजाय सर्च ऑपरेशन के दौरान ईडी अधिकारियों पर हमला करने की योजना बनाई। सूत्रों ने बताया कि सीबीआई हिरासत में लिए गए सभी लोगों से पूछताछ कर रही है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

बुधवार, 27 मार्च, 2024 3

युविचार

बुरे वक्त में कंधे पर रखा गया हाथ, आपकी कामयाबी पर बजने वाली तालियों से कई गुणा ज्यादा मूल्यवान होता है।

पीएम मोदी ने तेलंगाना के लिए कुछ नहीं किया : सीएम रेवंत

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर निशाना साधते हुए आरोप लगाया कि उन्होंने पिछले दस वर्षों में तेलंगाना के विकास के लिए कोई काम नहीं किया है। मुख्यमंत्री ने मंगलवार को यहां चेवेल्ला संसद क्षेत्र की एक बैठक में भाग लिया और चुनाव अभियान के लिए उठाए जाने वाले कदमों पर पार्टी कैडर को संबोधित किया। इस अवसर पर बोलते हुए, रेवंत रेड्डी ने कहा कि नरेंद्र मोदी गुजरात के लिए बुलेट ट्रेन लेकर गए, लेकिन तेलंगाना राज्य के विकाराबाद में एमएमटीएस ट्रेन भी नहीं लाए। उन्होंने आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री तेलंगाना के प्रति सौतेला व्यवहार कर रहे हैं और सवाल किया कि मुसी रिवरफ्रंट और क्षेत्रीय रिंग रोड (आरआरआर) परियोजनाओं के विकास के लिए धन क्यों नहीं दिया गया। रेवंत रेड्डी ने सवाल किया, लोगों को तीसरी बार मोदी को वोट क्यों देना चाहिए जब मोदी तेलंगाना राज्य के विकास के लिए धन आवंटित करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि सामाजिक न्याय केवल कांग्रेस के साथ ही होगा, मुख्यमंत्री ने विश्वास जताया कि कांग्रेस पार्टी तेलंगाना में 17 संसदीय सीटों में से 14 सीटें जीतेगी। पार्टी के उम्मीदवारों का चयन मैदानी स्तर पर सभी की राय और सर्वेक्षणों के आधार पर किया जाता है। चेवेल्ला, सिकंदराबाद और मल्काजगिरी लोकसभा क्षेत्र एक-दूसरे से संबंधित हैं। चेवेल्ला से रंजीत रेड्डी, मल्काजगिरी से सुनीता महेंदर रेड्डी और सिकंदराबाद से दानम नागेंद्र को चुना गया है। रेवंत रेड्डी ने कहा, सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए पार्टी के उम्मीदवारों के रूप में घोषणा की गई। मुख्यमंत्री ने दोहराया कि लोकसभा चुनाव में जीत तेलंगाना में कांग्रेस सरकार के 100 दिन के प्रशासन पर जनमत संग्रह है। प्राणहिता चेवेल्ला पिछले केसीआर शासन के दौरान पूरा नहीं हुआ था। एमएमटीएस ट्रेन को विकाराबाद तक नहीं लाया गया था। अभी, कांग्रेस सरकार के तहत, यह तेलंगाना को विकसित करने का एक बड़ा अवसर है।

हमारा क्षेत्र तभी विकसित होगा जब कांग्रेस के उम्मीदवार होंगे। रेवंत रेड्डी ने कहा कि हाल के तेलंगाना विधानसभा चुनावों के संबंध में तुक्कुगुडा बैठक में छह गारंटियों की घोषणा की गई है, मुख्यमंत्री ने बताया कि कांग्रेस पार्टी एक बार फिर 6 या 7 अप्रैल को उसी परिसर से अपनी राष्ट्रीय स्तर की गारंटियों की घोषणा करने जा रही है और एआईसीसी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और राहुल गांधी समेत अन्य शीर्ष नेता जनसभा में शामिल होंगे।

लोगों को हमारी सरकार का शासन याद रहा : विधायक तलसानी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री और बीआरएस पार्टी के विधायक तलसानी श्रीनिवास यादव ने आज कहा कि राज्य के लोगों को कांग्रेस पार्टी के पिछले 100 दिनों के शासन में उनकी पार्टी का शासन याद है।

सिकंदराबाद लोकसभा क्षेत्र के पार्टी कार्यकर्ताओं और नेताओं की एक बैठक को संबोधित करते हुए तलसानी ने कहा कि पूर्व सीएम केसीआर का शासन देश में अनुकरणीय था। इन सौ दिनों में गांवों में पानी की समस्या, किसानों की समस्या शुरू हो गई। अब तो पीने का पानी भी नहीं आ रहा है। सीआर के प्रशासन की पूरे देश ने प्रशंसा की है। तेलंगाना राज्य में भी आने वाले दिनों में बहुत कुछ बदल जाएगा। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार कल्याण लक्ष्मी योजना को लागू करने में विफल रही है, हालांकि उसने एक लाख रुपये के साथ एक तोला सोना देने का वादा किया था।

दिल्ली शराब मामला.. केंद्रीय मंत्री किशन रेड्डी ने पूर्व सीएम केसीआर को दी चुनौती

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। केंद्रीय मंत्री और बीजेपी तेलंगाना अध्यक्ष किशन रेड्डी ने फोन टैपिंग मामले में सख्त कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को मीडिया से बात करते हुए उन्होंने संदेह जताया कि बीजेपी कार्यालय के कर्मचारियों के फोन भी टैप किए गए थे। तत्कालीन मुख्यमंत्री केसीआर ने खुद इस मामले की जिम्मेदारी लेने की मांग की। यदि आप फोन टैप करना चाहते हैं तो आपको उच्च अधिकारियों की अनुमति लेनी होगी।

दूसरी ओर, यह कहना गलत है कि एमएलसी कविता को दिल्ली शराब घोटाला मामले में अवैध रूप से गिरफ्तार किया गया था। उन्होंने कहा बीआरएस नेता मीडिया के सामने इस बात से फूले नहीं समा रहे हैं कि शराब घोटाले में कविता की कोई भूमिका नहीं है। इस बीच तेलुगू राज्यों में सनसनी मचाने वाले फोन टैपिंग मामले में हर दिन एक अहम मुद्दा सामने आ रहा है। मालूम हो कि दो शीर्ष पुलिस अधिकारी भुजंगाराव और थिरुपतन्ना को गिरफ्तार कर लिया गया है।

कोर्ट ने कविता को तिहाड़ जेल में घर का बना खाना ले जाने की इजाजत दी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। नई दिल्ली में राउज एवेन्यू डिस्ट्रिक्ट कोर्ट ने बीआरएस एमएलसी कविता को तिहाड़ जेल में घर का बना खाना खाने की अनुमति दी, जहां वह दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति मामले के सिलसिले में बंद हैं। मंगलवार को अदालत द्वारा 9 अप्रैल तक न्यायिक हिरासत में भेजे जाने के बाद बीआरएस नेता के कविता को तिहाड़ जेल ले जाया गया। हालांकि, कोर्ट ने कविता को घर का बना खाना और गद्दे, चप्पल, कपड़े, चादर, किताबें और कंबल समेत अन्य सुविधाएं ले जाने की इजाजत दे दी है। उसे कलम और कागज़ की शीट, दवाइयां और आभूषण पहनने की भी अनुमति है। कविता को केंद्रीय जांच एजेंसी ने 15 मार्च को दिल्ली उत्पाद शुल्क नीति से जुड़े मनी-लॉन्ड्रिंग मामले में गिरफ्तार किया था। अदालत में प्रवेश करने से पहले पत्रकारों से बात करते हुए, बीआरएस नेता ने दावा किया, यह एक अवैध मामला है। उनके खिलाफ मामला मनी लॉन्ड्रिंग का मामला नहीं है, बल्कि 'राजनीतिक लॉन्ड्रिंग' का मामला है। बीआरएस नेता ने विश्वास जताया कि वह बेदाग होकर सामने आएंगी और उन्हें इस संबंध में न्यायपालिका पर पूरा भरोसा है।

आरपीएफ ने मानव तस्करी विरोधी कार्यशाला आयोजित की

एएचटीयू पर पुस्तिका का विमोचन

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रेलवे सुरक्षा बल, सिकंदराबाद मंडल, एससीआर द्वारा आज रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ), एससीआर और राजकीय रेलवे पुलिस (जीआरपी) की दायर संरचनाओं और मानव तस्करी विरोधी इकाइयों की एक दिवसीय कार्यशाला का आयोजन रेल संचालन भवन, सिकंदराबाद में किया गया। कार्यशाला में लगभग 105 आरपीएफ और जीआरपी अधिकारी और कर्मचारी शामिल हुए। महेश भागवत, अतिरिक्त महानिदेशक पुलिस, रेलवे ने इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई और सुश्री अरोमा सिंह ठाकुर, आईजी सह प्रधान मुख्य सुरक्षा आयुक्त, एससीआर और भरतेश कुमार जैन, मंडल रेल प्रबंधक, सिकंदराबाद मंडल की उपस्थिति में एससीआर की एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट (एएचटीयू) पुस्तिका का विमोचन किया। महेश भागवत ने कार्यशाला को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय रेलवे दुनिया के सबसे बड़े रेलवे नेटवर्क में से एक है। बड़ी संख्या में लोग विभिन्न उद्देश्यों से रेलवे स्टेशन पहुंचते हैं। इस आबादी में एक बड़ा हिस्सा बेहतर जीवन पाने की उम्मीद के साथ शहरों तक पहुंचने के लिए रेलवे नेटवर्क का उपयोग करने वाले बच्चों का है। दूसरी ओर तस्कर अपने स्वार्थ की पूर्ति के लिए श्रम, यौन शोषण आदि के लिए बच्चों की तस्करी के लिए रेलवे के साधनों का भी उपयोग करते हैं।

परिणामस्वरूप बच्चे गलत हाथों में पड़ जाते हैं। इसलिए बच्चों और अन्य मनुष्यों के अधिकारों को रोकने और उनकी रक्षा करने के इस मुद्दे पर ध्यान देने की सख्त आवश्यकता है। मानव तस्करी विरोधी कार्यशाला आयोजित करने का उद्देश्य विशेष रूप से सभी विभागों के सामने आने वाले मुद्दों को संबोधित करके और स्थायी रणनीतियां प्रदान करके सभी हितधारकों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित करना था। कार्यक्रम में मोहम्मद शादाब जेडबी खान, डीआइजी-सह-मुख्य सुरक्षा आयुक्त, एससीआर; शेख सलीमा, अधीक्षक रेलवे पुलिस, सिकंदराबाद और श्रीमती देबाश्मिता सी बनर्जी वरिष्ठ मंडल सुरक्षा आयुक्त, सिकंदराबाद मंडल भी उपस्थित थे।

बंडलागुडा स्थित श्री आईमाता बडेर में सीरवी समाज एल.बी.नगर वेल्फेयर एसोशिएशन समाज बन्धुओं द्वारा होली महोत्सव में आयोजित रंगारंग गैर नृत्य कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष जगदीशप्रसाद काग, वेनाराम चोयल, प्रकाश सेपटा, गैरिये व समाज बन्धु।

आखिरी दाने तक धान खरीदा जाना चाहिए : शांति कुमारी

आसिफाबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। राज्य की मुख्य सचिव शांति कुमारी ने कहा कि किसानों से अनाज की खरीदारी सरकार द्वारा बनाये गये क्रय केंद्रों के माध्यम से की जाए । मंगलवार को हैदराबाद के अन्य उच्च अधिकारियों के साथ वीडियो कॉन्फ्रेंस के माध्यम से सभी जिलों के कलेक्टरों, अपर कलेक्टरों, कृषि और नागरिक आपूर्ति विभाग के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक की गई।

इस मौके पर सरकार के मुख्य सचिव ने कहा कि सरकार किसानों के कल्याण के लिए कई कदम उठाएगी और इसी क्रम में राज्य भर में सरकार द्वारा स्थापित क्रय केंद्रों के माध्यम से किसानों से धान की खरीदारी की जायेगी। उन्होंने कहा कि क्रय केन्द्रों पर धान बेचने आने वाले किसानों की सुविधा के लिए पूरे इंतजाम किए जाएं तथा गर्मी का मौसम होने के कारण छाया, पेयजल एवं अन्य सुविधाएं उपलब्ध कराई जाएं। उन्होंने कहा कि लोगों को पानी की कमी की समस्या नहीं हो, इसके लिए आवश्यक कदम उठाये जाए। जिला कलेक्टर वेंकटेश धोत्रे, जिला अतिरिक्त कलेक्टर दीपक तिवारी, दसारी वेणु, जिला ग्रामीण विकास अधिकारी सुरेंद्र, जिला कृषि विभाग अधिकारी श्रीनिवास राव, नागरिक आपूर्ति विभाग अधिकारी तारामणि और नरसिंगा राव ने एकीकृत जिला कलेक्ट्रेट भवन परिसर में वीडियो कॉन्फ्रेंस हॉल से भाग लिया। इस अवसर पर जिला कलेक्टर ने कहा कि नागरिक आपूर्ति विभाग, आईकेपी निर्देशन के तहत 37 क्रय केन्द्र स्थापित करने की कार्यवाही की जायेगी तथा क्रय केन्द्रों पर किसानों को कोई असुविधा न हो इसकी पूरी व्यवस्था की जायेगी। छाया एवं पेयजल सुविधाओं के लिए शामियाना की व्यवस्था के साथ-साथ आवश्यक तिरपाल उपलब्ध कराने के उपाय किये जा रहे हैं। प्रत्येक क्रय केंद्र पर कृषि विभाग एवं कृषि विस्तार अधिकारियों के साथ निगरानी की व्यवस्था की गई है। अनाज को तौल के तुरंत बाद मिलों तक पहुंचाने के लिए कदम उठाए जा रहे हैं, अनाज की व्यवस्था के साथ-साथ सीमा पर चेक पोस्ट भी स्थापित किए गए हैं ।

नारसिंगी स्थित कृष्णा गौशाला में होली महोत्सव पर माताजी नवयुवक मंडल माधापुर, हाईटेकसिटी, मनीकोन्डा, टॉली चौकी, दरगाह, नारसिंगी, अंजैय्यानगर, गच्चीबावली, अल्कापुर व नानकरामगुडा समाज बन्धुओं द्वारा आयोजित होली दहन, रंगारंग गैर नृत्य, बच्चों के ढूंढोत्सव व भोजन प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित पदाधिकारी व समाज बन्धु।

अखिल भारतीय बिश्नोई युवा संगठन होली पाहल एवं हवन संपन्न

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। अखिल भारतीय बिश्नोई युवा संगठन हैदराबाद-सिकन्दराबाद द्वारा आयोजित होली पाहल एवं हवन कार्यक्रम में संत : महंत श्री आनन्द प्रकाश जी महाराज (जाम्बा) भव्य रूप से स्वागत किया गया । इस अवसर पर मुख्य अतिथि श्रीमान मोहनरामजी खिचड़, भूत पुर्व सैनिक लोहावट, श्री सुनिल जी कड़वासरा सब इंस्पेक्टर एनएसजी कमाण्डो फतेह सागर पीलवा, रमेश जी भंवाल इंटेलीजेंस ब्यरो मानेवड़ा, श्री महीपाल जी ढाका आर्मी लक्ष्मण नगर चाडी ने कार्यक्रम में भाग लिया।

कमेटी के सदस्य श्री आईदानराम जी सियाग, भगवानाराम जी खिचड़, राकेश जी गीला, मोगीलाल जी गोदारा, महीपाल जी सियाग, अशोक जी ऊदाणी, हेतराम जी जंवर श्री आशोक जी मांझू, जितेन्द्र जी सियाग ने कार्यक्रम भव्य रूप से योगदान दिया।

नाबालिग के साथ मक्के के खेत में दुष्कर्म आरोपी फरार

लखीसराय, 26 मार्च (एजेंसियां)। मेदनी चौकी थाना क्षेत्र में सोमवार की रात शौच करने गई एक नाबालिग मक्के को खेत में ले जाकर दुष्कर्म किया है। दुष्कर्मी ने रात भर किशोरी को अपने कब्जे में रखा। जानकारी के अनुसार 16 वर्षीय नाबालिग शौच करने खेत में गई थी। इसी दौरान, गांव के ही झंडू राम के पुत्र शिवनंदन उर्फ लेलो राम ने नाबालिग को खींचकर मक्के के खेत में लेकर चला गया और उसके साथ पूरी रात दुष्कर्म किया। नाबालिग को सुबह में उसने मुक्त किया।

इधर, रात भर पीड़िता के स्वजन उसकी खोजबीन करते रहे। सुबह में पीड़िता जब घर आई तो तो पूछने पर बताया कि गांव के ही शिवनंदन राम ने उसको कब्जे में कर रखा था और मक्के के खेत में ले जाकर रात भर दुष्कर्म किया।

बृजभूषण सिंह और बहुगुणा के टिकट पर सस्पेंस, एक दर्जन सीट पर अभी भी बीजेपी ने नहीं खोले पत्ते?

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में बीजेपी अपने कोटे की 75 लोकसभा सीटों में से 63 सीट पर उम्मीदवारों के नाम का ऐलान कर चुकी है। बीजेपी ने अभी तक अपने 9 मौजूदा सांसदों के टिकट काटे हैं। पार्टी ने एक दर्जन सीट पर अभी पत्ते नहीं खोले हैं, जिसमें बृजभूषण शरण सिंह से लेकर रीता बहुगणा जोशी जैसे दिग्गज नेताओं की सीट पर सस्पेंस बना हुआ है। इतना ही नहीं बीजेपी ने कांग्रेस की मजबूत गढ़ रायबरेली और मुलायम परिवार की परंपरागत सीट मैनपुरी सीट पर नाम तय नहीं कर सकी है। बता दें कि यूपी की कुल 80 लोकसभा सीटों में से 75 सीटें बीजेपी ने अपने पास रखी हैं जबकि पांच सीटें सहयोगी दलों के लिए छोड़ रखी हैं। इनमें बिजनौर और बागपत सीट आरएलडी को दी तो मिर्जापुर और रॉबर्टसगंज सीट अपना दल (एस) के लिए छोड़ी है। वहीं, घोसी सीट पर सुभासपा चुनाव लड़ रही है। बीजेपी अपने कोटे की 75 सीटों में 63 सीटों पर उम्मीदवार घोषित कर चुकी है

जबकि एक दर्जन सीट पर अभी तक सस्पेंस बना हुआ है।

बीजेपी ने अभी भी 12 सीट नहीं खोले पत्ते

बीजेपी ने यूपी की जिन एक दर्जन सीटों पर अभी पत्ते नहीं खोले है, जिसमें रायबरेली, मछलीशहर, कैसरगंज, प्रयागराज, फुलपुर, कौशांबी, बलिया, गाजीपुर, भदोही, देविरया, मैनपुरी और फिरोजाबाद सीट है। इन एक दर्जन सीट में से तीन सीट पर विपक्ष का कब्जा है तो 9 सीटें बीजेपी के पास है। बीजेपी की नजर 2024 में क्लीन स्वीप करने पर है, जिसके चलते काफी मंथन के बात टिकट तय किए जा रहे हैं। बलिया और फूलपुर सीट पर भी मामला फंसा हुआ है।

बृजभूषण और बहुगणा का क्या होगा

बीजेपी के दिग्गज नेता बृजभूषण शरण सिंह कैसरगंज सीट से सांसद हैं, लेकिन पार्टी ने अभी तक उनके नाम का ऐलान नहीं किया। ऐसे ही रीता बहुगुणा जोशी की प्रयागराज सीट पर भी मामला फंसा हुआ है। रीता बहुगुणा जोशी ने विधानसभा चुनाव के दौरान ही लोकसभा चुनाव नहीं लड़ने का संकेत दे चुकी हैं, जिसके चलते माना जा रहा है कि उनकी जगह पार्टी किसी नए चेहरे पर दांव खेल सकती है। इसी तरह बृजभूषण सिंह को लेकर मामला फंसा हुआ है, क्योंकि उनके कुश्ती संघ के अध्यक्ष रहते हुए देश की जानी मानी महिला पहलवानों ने गंभीर आरोप भी लगाए थे, जिसके चलते उनके खिलाफ मुकदमा भी दर्ज हुआ था। वरुण गांधी का टिकट काटने के बाद से कैसरगंज सीट से मौजूदा बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह की धड़कनें बढ़ गई हैं। बृजभूषण सिंह के साथ ही राजनीतिक पंडितों की निगाहें भी कैसरगंज सीट पर टिकी हुई हैं, क्योंकि बृजभूषण शरण सिंह को लेकर तमाम तरह की चर्चाएं चल रही हैं। माना जा रहा है कि बीजेपी बृजभूषण शरण सिंह का टिकट काट सकती है और कैसरगंज सीट से किसी नए चेहरे पर दांव लगाएगी। हालांकि, पिछले दिनों बीजेपी सांसद बृजभूषण शरण सिंह ने एक सवाल के जवाब में कहा था कि अभी कई लोकसभा क्षेत्र के टिकट फाइनल होना बाकी हैं। उन्होंने कहा कि हमको लगता है कि यह सारे भ्रम दो-तीन दिन में समाप्त हो जाएंगे।

रायबरेली-मैनपुरी सीट पर सस्पेंस

गांधी परिवार के गढ़ रायबरेली सीट पर भी बीजेपी अभी उम्मीदवार तय नहीं कर सकी। 2019 में कांग्रेस एकलौती रायबरेली सीट ही जीत सकी थी और सोनिया गांधी सांसद चुनी गई थी। अमेठी के बाद बीजेपी की नजर रायबरेली पर है। कांग्रेस ने भी अभी अपने पत्ते नहीं खोले हैं कि कौन चुनाव लड़ेगा। इस तरह कांग्रेस और बीजेपी दोनों ही वेट एंड वॉच के मूड में हैं। वहीं, मैनपुरी लोकसभा सीट मुलायम कुनबे की परंपरागत सीट मानी जाती है, जहां से सपा प्रमुख अखिलेश यादव की पत्नी डिंपल यादव सांसद हैं और 2024 के रणभूमि में फिर से उतरी हैं। बीजेपी इस सीट पर भी निगाहें लगाए हैं, मोदी लहर में इस सीट पर भी खाता नहीं खुला है। ऐसे में बीजेपी रायबरेली व मैनपुरी सीट पर मजबूत प्रत्याशी उतारने की कोशिश में है, जिसके लिए मंथन किया जा रहा है।

बीजेपी ने 9 सांसदों के टिकट काटे

बीजेपी ने उत्तर प्रदेश में अभी तक अपने मौजूदा 9 सांसदों के टिकट काटे हैं। बरेली से आठ बार के सासंद रहे संतोष गंगवार, पीलीभीत के सांसद वरुण गांधी, गाजियाबाद से केन्द्रीय मंत्री जनरल वीके सिंह, बाराबंकी के सांसद उपेन्द्र रावत, बदायूं से स्वामी प्रसाद मौर्य की बेटी संघमित्रा मौर्य, कानपुर नगर सीट से सत्यदेव पचौरी, मेरठ सीट से राजेंद्र अग्रवाल, बहराइच (आरक्षित) से अक्षयवर लाल गौड़, हाथरस (आरक्षित) के सांसद राजवीर सिंह दिलेर का टिकट बीजेपी ने काट दिया है। हालांकि, जनरल वीके सिंह और सत्यदेव पचौरी सूची से पहले ही खुद चुनाव न लड़ने का ऐलान कर दिया था।

अनुसूचित जाति के परिवारों पर हमला करने के मामले में मायावती ने जताया दुख

सरकार से की कार्रवाई की मांग

मेरठ, 26 मार्च (एजेंसियां)। यूपी के बिजनौर के नजीबाबाद के मुख्तियापुर गांव में दबंगों द्वारा अनुसूचित जाति के परिवारों पर जानलेवा हमला करने के मामले में बसपा सुप्रीमो मायावती ने पोस्ट किया है। सोशल मीडिया पर मायावती ने दुख जताया है, साथ ही सरकार से सख्त कार्रवाई की मांग की है। मंगलवार को मायावती ने पोस्ट करते हुए लिखा, जिला बिजनौर में नजीबाबाद के मुखत्यारपुर गांव में सामंती तत्वों द्वारा दलित परिवारों पर जानलेवा हमले में अनेक लोगों के घायल होने की घटना गंभीर व अति-दुःखद है। सरकार एससी/एसटी एक्ट के तहत दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करे ताकि चुनावी माहौल न बिगड़े। चुनाव आयोग भी इसका संज्ञान ले।

क्या है मामला?

नजीबाबाद के गांव मुख्तियापुर में होली के दिन मामूली विवाद को लेकर दो पक्ष आपस में भिड़ गए। इस दौरान दोनों पक्षों के बीच जमकर खूनी संघर्ष हुआ। दोनों तरफ से धारदार हथियार भी चले। इसमें कई लोग घायल हुए और एक की हालत गंभीर बनी हुई है। ग्राम पंचायत खलीलपुर के मौजा मुख्तियारपुर में शिवम का गांव में ही एक युवक से किसी बात को लेकर विवाद हो गया था। विवाद इतना बढ़ गया कि दो पक्षों में जमकर खूनी संघर्ष हुआ। होली पर दोपहर में लगभग डेढ़ बजे हुए विवाद में एक पक्ष के प्रदीप और शिवम सहित दोनों पक्ष के कई लोग घायल हो गए। धारदार हथियार से प्रदीप की गर्दन पर गहरा घाव हो गया। घायल प्रदीप और शिवम को पूजा नर्सिंग होम में भर्ती कराया गया। प्रदीप की हालत गंभीर बनी हुई है। उधर, सूचना मिलने पर थाना प्रभारी राजेंद्र सिंह पुंडीर के नेतृत्व में पुलिस टीम गांव में पहुंची। दोनों पक्षों की ओर से रिपोर्ट दर्ज कराई गई है। वहीं, दो बिरादरियों के बीच हुए खूनी संघर्ष के बाद गांव में पुलिस बल तैनात कर दिया गया है।

परिवार दंगा एसोसिएशन है 'पीडीए'

बीजेपी का नहीं कर सकता मुकाबला, सीएम योगी का अखिलेश पर बड़ा अटैक

लखनऊ, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विपक्षी नेता अखिलेश यादव पर बड़ा हमला बोला है। उन्होंने कहा कि समाजवादी पार्टी का 'पीडीए' परिवार दंगा एसोसिएशन है। यह फॉर्मूला लोगों को गुमराह करने के लिए बना है। योगी ने अपने विपक्षी नेताओं पर भी हमला बोलते हुए कहा कि सरकार सुरक्षा के बारे में सोच रही है

जबकि विपक्ष अराजकता के बारे में बात कर रहा है। उन्होंने अयोध्या को लेकर भी कहा कि यह उनके लिए राजनीति का विषय नहीं है, बल्कि यह आस्था का विषय है। अखिलेश यादव ने लोकसभा चुनाव में लगातार 'पीडीए' की वकालत की है, जो पिछड़े, दलित और अल्पसंख्यकों को समर्थन देने का दावा करता है। इस पर सीएम योगी ने उनको चुनौती देते हुए कहा कि उनकी सरकार ने देशवासियों को सबका साथ, सबका विकास का सिद्धांत अपनाया है। सीएम योगी ने अपनी बात जारी रखते हुए कहा कि हमारे सामने किसी भी सीट पर चुनौती नहीं है। उन्होंने बताया कि पिछले उपचुनाव में आजमगढ़ और रामपुर जैसे कठिन मोर्चों पर भी हमने जीत हासिल की थी।

अब चिराग पासवान किस पर खेलेंगे दांव

खगड़िया सीट पर महागठबंधन का कैंडिडेट फाइनल सीपीआई(एम) ने कर दिया क्लियर

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार में महागठबंधन के घटक दलों के बीच अब तक सीट फाइनल नहीं हो पाई है। सीट बंटवारे से पहले ही सहयोगी दलों ने बिहार में कुछ सीटों पर अपना कैंडिटेट फाइनल करना शुरू कर दिया है। राजद ने 10 से अधिक सीटों पर अपने प्रत्याशियों को हरी झंडी दे दी है। अब सीपीआई(एम) ने भी एक उम्मीदवार को फाइनल कर दिया है। सीपीआई (एम) ने कहा कि बिहार के खगड़िया लोकसभा सीट से महागठबंधन समर्थित उम्मीदवार संजय कुमार होंगे। इस घोषणा के बाद बिहार में सियासत तेज हो गई है। अब तक इस मामले में कांग्रेस और राजद की तरफ से कोई बयान सामने नहीं आया है। वहीं, एनडीए ने भी इस सीट पर अब तक अपने पत्ते नहीं खोले हैं। यह सीट चिराग पासवान के खाते में गई है। अब देखने वाली बात यह होगी कि चिराग किस पर दांव खेलेंगे।

10 प्रत्याशियों को चुनावी सिंबल बांट चुका है राजद

राजद, कांग्रेस और वाम दलों के महागठबंधन में सीट बंटवारे को लेकर भले ही सहमति में देर हो, लेकिन राजद ने मैदान में अपने कैंडिडेट उतारना शुरू कर दिया है। बिना किसी सहमति के राजद अब तक अपने 10 प्रत्याशियों को चुनावी सिंबल बांट चुका है। हालांकि, इस पांच सीटों पर अब तक राजद ने अपना प्रत्याशी फाइनल नहीं किया है, लेकिन जमुई से अर्चना रविदास को सिंबल देने की बात चल रही है।

मुख्तार अंसारी की हालत बेहद गंभीर, प्रशासन ने अफजाल समेत पूरे परिवार को बुलाया बांदा

बांदा, 26 मार्च (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश स्थित बांदा जेल में बंद मुख़्तार अंसारी की हालत काफ़ी गंभीर है। जानकारी के मुताबिक पूरे परिवार को बांदा बुलाया गया है। वायरलेस मैसेज जो बांदा जेल से आज सुबह मुख़्तार के परिवार को भेजा गया है। इसमें लिखा है कि जीवन रक्षार्थ उसे तत्काल बांदा मेडिकल कॉलेज में भर्ती कराया जा रहा है। मुख़्तार अंसारी के बड़े भाई अफ़ज़ाल, पत्नी अफशां और बेटे उमर को वायरलेस से मेसेज देकर तुरंत बुलाया गया। महमूदाबाद थाने पर भेजा गया वायरलेस मैसेज परिवार रास्ते में है। परिवार का आरोप है कि खाने में धीमा ज़हर दिया गया है। परिवार का आरोप - उसरीचट्टी मामले में गवाही से रोकने के लिए ये सब किया गया है। उसरीचट्टी में ब्रजेश सिंह के ख़िलाफ़ गवाही देनी है। मुख़्तार को उसरीचट्टी साल 2001 का बड़ा कांड है जिसमें मुख़्तार और ब्रजेश के बीच जमकर गोलीबारी हुई थी। इसमें मुख़्तार को गोली लगी थी। इस मामले में मुख़्तार की गवाही होनी है।

मेडिकल कॉलेज ने जारी किया बुलेटिन

उधर मुख़्तार अंसारी की सेहत को लेकर मेडिकल कॉलेज प्रशासन ने प्रेस रिलीज जारी किया। प्रेस रिलीज के मुताबिक मुख़्तार की हालत अभी स्थिर है। मुख़्तार के पेट मे जो समस्या थी उसका इलाज किया गया है जिससे उसके स्वास्थ्य में सुधार हो रहा है। मेडिकल कॉलेज की ओर से जारी हेल्थ बुलेटिन में कहा गया है कि मुख़्तार अंसारी उम्र-62वर्ष/मु। पता-जिला जेल, बांदा 26-03-2024 को सुबह 03:55 बजे दर्द की शिकायत के साथ आरडीएमसी बांदा में भर्ती कराया गया। पेट में दिक्कत थी। मरीज भर्ती है और उपचार शुरू हो गया है। मरीज की हालत फिलहाल स्थिर है। इसके अलावा मुख़्तार अंसारी के वकील नसीम हैदर ने कहा कि उनके पेट में बुहत ज्यादा तकलीफ है । हालत हल्की फुल्की ठीक है। दूसरी ओर मुख़्तार से मिलने बांदा पहुंचे परिजनों का दावा है कि उन्हें मुख़्तार अंसारी से मिलने नही दिया गया। परिजन ने कहा कि जेल प्रशासन से लिखित आदेश लाये। परिजनों की मांग है कि बाहर बड़े अस्पताल में मुख़्तार का इलाज प्रशासन कराए। फिलहाल मेडिकल कॉलेज के आईसीयू में मुख़्तार का इलाज चल रहा है।

कोर्ट ने बेल रिजेक्ट किया तो बदमाशों ने नेताजी के बेटे को मार दी गोली, हालत गंभीर

आरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिहार के आरा में सोमवार की रात पुरानी रंजिश में पहले से घात लगाए अपराधियों ने पूर्व पंचायत समिति सदस्य के पुत्र समेत दो को गोली मार दी। घटना जिले के उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव की है। इस घटना में पूर्व पंचायत समिति सदस्य के पुत्र को दो गोली है मारी गई जबकि उसके दोस्त को भी एक गोली लगी है। पुलिस ने दोनों को आनन-फानन में इलाज के लिए बाबू बाजार स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया है। घटना के बारे में बताया जा रहा है कि सोमवार की दोपहर में कुख्यात बूटन चौधरी के भतीजे ने घर के पास फायरिंग की थी जिसके बाद पुलिस भी आई थी। रात में जब दोनों खाना खाने के बाद घर के बाहर निकले तब उन्हें गोली मार दी गई।

हैंडपंप पर पानी पी रहे थे दोनों

जख्मियों में उदवंतनगर थाना क्षेत्र के बेलाउर गांव के पूर्व पंचायत समिति सदस्य स्व।दीपक कुमार गुप्ता के 18 वर्षीय पुत्र आयुष कुमार गुप्ता और उसी गांव के निवासी रंजन पासवान के 17 वर्षीय बेटे दीपू कुमार के रूप में हुई है। घायल आयुष कुमार गुप्ता ने बताया कि रात वह घर के बाहर हैंडपंप से पानी निकाल रहे थे। उसका दोस्त दीपक भी वहीं मौजूद था। कुमार हैंडपंप चला रहा था जहां पहले से घात लगाकर झाड़ी में बैठे गांव के कुख्यात अपराधी बुटन चौधरी के भतीजों ने ताबड़तोड़ फायरिंग की। जिससे दोनों गंभीर रूप से जख्मी हो गए। बताया जा रहा है कि एक साल पहले चुनावी रंजीश को लेकर उसके पिता पूर्व पंचायत समिति सदस्य दीपक कुमार गुप्ता की गोली मारकर हत्या कर दी गई थी। वह अपने पिता की हत्या में मुख्य गवाह भी है। इस मामले में गांव के ही कुख्यात अपराधी बुटन चौधरी के भाई उपेंद्र चौधरी का बेल रिजेक्ट हो गया था। जिसके बौखला कर बुटन चौधरी का भतीजा करीमन चौधरी, सुमित चौधरी और राज यादव यादव पर अपने दोस्त को गोली मारने का आरोप लगाया है।

बाराबंकी में ट्रॉली पलटी, बाइकें भिड़ीं, हादसों में आठ की मौत, चार गंभीर रूप से घायल

बाराबंकी, 26 मार्च (एजेंसियां)। होली के त्योहार के बीच जिले के विभिन्न क्षेत्रों में हुई सड़क दुर्घटनाओं में सात लोगों की मौत हो गई जबकि चार लोग गंभीर घायल हैं। इसे लेकर जिला अस्पताल से पोस्टमार्टम हाउस तक परिजनों में चीत्कार मची रही। घायलों का इलाज जारी है। इस दौरान हादसे में लहूलुहान होकर अस्पताल पहुंचे करीब 17 लोगों का इलाज किया गया। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र में दोपहर भिटरिया हैदरगढ़ मार्ग पर दयारामपुरवा गांव के पास आमने-सामने भिड़ंत में दो बाइकों के परखच्चे उड़ गए। दर्दनाक हादसे में चंदौली निवासी गोविंद विश्वकर्मा (30) की मौके पर मौत हो गई। जबकि अन्य चार घायल थाना असन्द्रा के मरखापुर निवासी सोनू (32), चिकवनपुरवा निवासी धर्मेंद्र (18), रामसनेहीघाट के बेलहा चौराहा निवासी रंजीत (32) व चंदौली निवासी शिवमगन (28) को जिला अस्पताल रेफर किया गया। जहां इलाज के दौरान बेलहा चौराहा निवासी रंजीत व मरखापुर निवासी सोनू की भी मौत हो गई। धर्मेंद्र व शिवमगन की हालत नाजुक है। रामसनेहीघाट कोतवाली क्षेत्र में भिटरिया-दरियाबाद मार्ग पर रविवार देर शाम गन्ना लदी ट्रैक्टर ट्रॉली बगल से गुजर रही बाइक पर पलट गई। जिसमें गोड़ियन पुरवा मजरे असेना निवासी कुलदीप कुमार निषाद (18) व राकेश निषाद (22) घायल हो गए।

'भीतरी' बनाम 'बाहरी' की लड़ाई, मिथिलेश तिवारी के सामने सुधाकर सिंह

बक्सर, 26 मार्च (एजेंसियां)। बक्सर को बिहार का हॉट सीट माना जाता है, जहां भाजपा का दबदबा रहा है। यहां से जीतकर लोकसभा पहुंचे अश्विनी चौबे केंद्र की मोदी सरकार में मंत्री बनाये गए थे। अब भाजपा ने उन्हें बेटिकट कर दिया है और मिथिलेश तिवारी को यहां से उम्मीदवार बनाया है। पिछले दो चुनाव से यहां भाजपा का कमल खिलता रहा है। चौबे का टिकट काटकर मिथिलेश तिवारी को टिकट दिए जाने को लेकर कहा जा रहा है कि मिथिलेश तिवारी को शुरू से ही अश्विनी चौबे का वरदहस्त प्राप्त होता रहा है। मिथिलेश तिवारी की गिनती भाजपा के तेज तर्रार युवा नेता के रूप में होती रही है। माना जा रहा है कि इन्हें चौबे के नजदीक रहने के कारण भी बक्सर का उम्मीदवार बनाया गया है।

वैसे, मिथिलेश तिवारी के लिए बक्सर की रहा इतनी आसान भी नहीं है। कारण कि बक्सर के लोगों के लिए ये नाम सच में चौंकाने वाला था क्योंकि मिथिलेश तिवारी मूल रूप से गोपालगंज के रहने वाले हैं। विरोधी यहां की लड़ाई को 'भीतरी' और 'बाहरी' भी बनाने की तैयारी कर सकते हैं। मिथिलेश तिवारी

गोपालगंज जिला के बैकुंठपुर विधानसभा के डुमरिया गांव के रहने वाले हैं। फिलहाल वह भाजपा में प्रदेश महामंत्री हैं। जिनकी गिनती भाजपा के तेज तरह युवा नेता के रूप में होती रही है। 2015 में गोपालगंज के बैकुंठपुर विधानसभा से भाजपा के टिकट पर जीतकर विधायक रह चुके हैं। राजनीतिक सफर की बात करें तो पहली बार गोपालगंज के कुचायकोट विधानसभा से 2005 में भाजपा के टिकट पर चुनाव लड़े। यहां बसपा के उम्मीदवार रहे अमरेंद्र उर्फ पप्पू पांडेय को जीत मिली और राजद प्रत्याशी रही किरण राय से भाजपा के मिथिलेश तिवारी को हार मिली। इन सब के बीच आईपीएस सेवा से वीआरएस लेकर बक्सर संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ने का मन बना रहे आनंद मिश्रा को भी बड़ा झटका लगा है। बक्सर के लोग भी काफी हैरान हैं। लोगों को उम्मीद थी कि पूर्व आईपीएस अधिकारी आनंद मिश्रा को भाजपा अपना उम्मीदवार बना सकती है। इस बीच युवाओं ने कहा है कि इस बार बक्सर में बाहरी उम्मीदवार नहीं चलेगा। इससे पहले बक्सर के दो बार सांसद रहे अश्विनी चौबे का भी संबंध भागलपुर से रहा है। इसी बीच आनंद मिश्रा ने कहा कि मेरी तो इच्छा थी कि मैं बक्सर संसदीय क्षेत्र से चुनाव लड़ूं और नरेंद्र मोदी के विजन को पूरा कर सकूं, लेकिन भाजपा की तरफ से टिकट नहीं मिल सका। उन्होंने कहा कि बक्सर की जनता अगर चाहेगी तो वह निर्दलीय चुनाव लडने के लिए तैयार हैं। मैं अपने लोगों के लिए आया था। बक्सर के लिए जो सही होगा वही करूंगा। मैं हमेशा अपने लोगों के बीच रहूंगा। यहां के लिए काम करता रहूंगा। मिश्रा ने कहा कि मैंने जॉब छोड़ा कि काम करूंगा मुझे लगा कि मैं मोदी जी का सिपाही बन के विजन को धरातल पर उतारूंगा। लोग मुझे बक्सर का बेटा कहते हैं मैं वापस लौटकर नहीं जाउंगा। मैं पूरी तरीके से यहीं रहूंगा। मिश्रा ने कहा कि मोदी जी विजन लेकर चले हैं, मेरा सपना उसके साथ होना था।

काम करने की इच्छा प्रबल होनी चाहिए। बक्सर के लोग मेरे साथ हैं। बता दें कि बक्सर लोकसभा क्षेत्र में छह विधानसभा सीटें आती हैं। इनमें ब्रह्मपुर, डुमरांव, बक्सर, राजपुर और कैमूर जिले का रामगढ़ और रोहतास जिले की दिनारा विधानसभा सीट शामिल है। पिछले लोकसभा चुनाव में भाजपा उम्मीदवार अश्विनी चौबे ने राजद उम्मीदवार जगदानंद सिंह को हराया था।

भाजपा नेता ने खुद को गोली से उड़ाया, तमंचे को सटाकर की फायरिंग, आवाज सुन पत्नी पहुंची तो लहूलुहान शव मिला

अमरोहा, 26 मार्च (एजेंसियां)। होली की रात भाजपा नेता अजीत चौधरी (30) ने किराए के मकान की छत पर खुद को गोली से उड़ा लिया। दिल के ऊपर सटाकर गोली मारी गई है। मौके पर पहुंची पुलिस ने पड़ताल की और तमंचे को घटनास्थल से बरामद कर लिया। भाजपा नेता के आत्मघाती कदम उठाने से हर कोई अचंभित है। मृतक अजीत चौधरी मूलरूप से डिडौली कोतवाली क्षेत्र के वासीपुर गांव के रहने वाले थे। उनके पिता जन्म सिंह का करीब दस साल पहले निधन हो गया था। परिवार में माता सुमन देवी, पत्नी सिंपल, बेटी एंजिल हैं। अजीत सिंह के बड़े भाई मनमीत सिंह काफी समय से गजरौला में रहते हैं। फिलहाल नौकरी की तलाश में दिल्ली गए हुए थे। उनका मंगलवार को इंटरव्यू था। अजीत सिंह भाजपा के सक्रिय कार्यकर्ताओं में से एक थे। दो बार जिला पंचायत सदस्य पद का चुनाव लड़ चुके थे, जबकि मंडल महामंत्री जोया के पद पर भी रहे थे।

गाजियाबाद में जुल्म की इंतेहा

घरेलू सहायिका को बंधक बनाकर पिटाई, एक साल से मालकिन ढा रही थी सितम; ऐसे बची जान

गाजियाबाद, 26 मार्च (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद की एक सोसाइटी से हैरान करने वाली खबर सामने आई है। यहां एक नाबालिग घरेलू सहायिका को मकान मालिक द्वारा बंधक बनाकर पीटा गया है। एक एनजीओ ने उसे बचाया। इसके बाद इंदिरापुरम थाने में आरोपी महिला के खिलाफ शिकायत दी गई है। जानकारी के अनुसार, इंदिरापुरम थाना इलाके में स्थित जनसत्ता अपार्टमेंट में एक घरेलू सहायिका के साथ बंधक बनाकर मारपीट करने का मामला सामने आया है। आरोप है कि महिला 17 साल की सहायिका को पिछले एक साल से प्रताड़ित कर रही थी। सूचना मिलने के बाद एक एनजीओ की मदद से नाबालिग को मुक्त कराया गया। सहायिका के शरीर पर कई जगह चोट के निशान मिले हैं। नाबालिग सिलीगुड़ी की रहने वाली बताई जा रही है। सोसायटी के लोगों की मदद से उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुसिल को भी इस बारे में जानकारी दे दी गई है। जब नाबालिग से इसके बारे में बात की गई तो उसने बताया कि मालकिन उसे तरह तरह से प्रताड़ित करती है। शारीरिक और मानसित प्रताड़ना का यह दौर काफी लंबे समय से चल रहा है। उसने बताया कि 24 मार्च की रात में एक बार फिर उसके साथ मारपीट हुई, जिसके बाद वह घर से भागकर सोसाइटी में सीढ़ियों के नीचे छिप गई थी। जब सोसाइटी के अन्य लोगों की नजर उस पर पड़ी तो उन्होंने पुलिस और एनजीओ से संपर्क करने की कोशिश की।

पश्चिम बंगाल में भाजपा को खड़ा करने वाले नेता का लोकसभा क्षेत्र बदला

कोलकाता, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव 2024 की जंग में 370 सीटों का टार्गेट लेकर चल रही भाजपा के लिए पश्चिम बंगाल एक सबसे अहम राज्य है। यहां लोकसभा की 42 सीटें हैं। यहां मुख्य मुकाबला सत्ताधारी तृणमूल कांग्रेस और भाजपा के बीच है। बीते लोकसभा चुनाव में इस राज्य में भाजपा का प्रदर्शन शानदार रहा था। उसे 18 सीटों पर जीत मिली थी। उस वक्त राज्य में भाजपा की कमान दिलीप घोष के हाथों में थी। अब दिलीप घोष के बारे में ही कई खबरें आ रही हैं। पहली खबर यह है कि इस लोकसभा चुनाव में दिलीप घोष का निर्वाचन क्षेत्र बदल दिया गया है। उन्हें उनकी परिचित सीट मेदिनीपुर से टिकट नहीं मिला है। उन्हें यहां से हटाकर बर्दवान-दुर्गापुर निर्वाचन क्षेत्र में भेजा गया है। रविवार रात को भाजपा उम्मीदवारों की एक और सूची आई। दिलीप घोष अब मेदिनीपुर से उम्मीदवार नहीं हैं। उनकी जगह अग्निमित्रा को मेदिनीपुर से उम्मीदवार बनाया गया है। इस सूची में बंगाल के 18 अन्य क्षेत्रों के लिए उम्मीदवारों की घोषणा की गई। लेकिन, दिलीप घोष की सीट बदलने की चर्चा सबसे ज्यादा है।

यहां से चुनाव लड़ेंगे दिलीप घोष

वैसे ऐसी अटकलें थीं कि दिलीप घोष को मेदिनीपुर से हटाया जा सकता है। बंगाल के पूर्व भाजपा अध्यक्ष को अब एक कठिन क्षेत्र में भेजा गया है। वहां उनके प्रतिद्वंद्वी पूर्व विश्व कप विजेता क्रिकेटर और भाजपा के टिकट पर दो बार सांसद रहे कीर्ति आजाद हैं। इस बार कीर्ति आजाद बर्दवान-दुर्गापुर सीट से तृणमूल के टिकट पर मैदान में हैं। दरअसल, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष पद से हटने के बाद से ही दिलीप घोष की सक्रियता लगातार कम होती गई। नरेंद्र मोदी की राज्य की पिछली कुछ यात्राओं में दिलीप को नहीं देखा गया था। इस महीने की शुरुआत में आरामबाग और कृष्णानगर में मोदी की बैठकों में दिलीप घोष मौजूद नहीं थे। इसके साथ ही भाजपा की पहले चरण की 20 सीटों की सूची में दिलीप घोष का नाम नहीं था। लेकिन, दिलीप घोष को मेदिनीपुर से बर्दवान-दुर्गापुर क्यों भेजा गया? एक अंदरूनी सूत्र के मुताबिक भाजपा शीर्ष नेतृत्व मेदिनीपुर में तृणमूल उम्मीदवार के खिलाफ एक महिला चेहरे को मैदान में उतारना चाहता था। इसलिए अग्निमित्रा को चुना गया। फिर दिलीप को बर्दवान-दुर्गापुर भेजने के पीछे तर्क यह है कि दिलीप ने आरएसएस प्रचारक रहते हुए बर्दवान-दुर्गापुर क्षेत्र में लंबे समय तक काम किया है। वह पूरे इलाके को जानते हैं।

बेटी की मौत के आरोप में पिता गिरफ्तार, परिवार ने बच्ची के साथ मारपीट करने का लगाया इल्जाम

मलप्पुरम, 26 मार्च (एजेंसियां)। (केरल)। केरल में एक पिता को उसके ढाई साल की बेटी को मारने के आरोप में गिरफ्तार कर लिया गया। यह तब हुआ जब परिवार ने व्यक्ति पर बच्ची की मौत को लेकर संदेह जताया। जिसके बाद केरल पुलिस ने व्यक्ति को हिरासत में ले लिया। बच्ची को उसके पिता रविवार को वंडूर के एक अस्पताल में लेकर आए थे, उनका दावा था कि खाना खाने से उसका दम घुट गया था। हालांकि, उसे बचाया नहीं जा सका। बाद में उसके परिजनों ने आरोप लगाया कि उसने बच्ची के साथ मारपीट की गई है। उन्होंने कहा, हमने अप्राकृतिक मौत का मामला दर्ज कर लिया है और वह फिलहाल हिरासत में है। वे मामले को आगे बढ़ाने के लिए पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रहे हैं।

नारी शक्ति के कल्याण के कामों की 'दरबारी' कर रहे गलत व्याख्या, स्मृति ईरानी का जयराम रमेश पर पलटवार

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने कांग्रेस पार्टी के महासचिव जयराम रमेश के बीजेपी सरकार में महिलाओं के कल्याण वाले बयान पर हमला बोला है। स्मृति ईरानी सोशल मीडिया एक्स पर इस बाबत एक पोस्ट शेयर की है, और जयराम रमेश की ओर से लगाए गए आरोप को लेकर निशाना साधा है। स्मृति ईरानी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बिना नाम लिये जयराम रमेश को गांधी परिवार का 'दरबारी' बताया है। उन्होंने लिखा है- जब कोई मूर्ख किसी को मूर्ख बनाने की कोशिश करता है तो समझा जा सकता है कि वो खुद कितना बड़ा मूर्ख है। स्मृति ईरानी ने आगे लिखा है- लंबे समय से वंशवादी शासक और उनके उत्तराधिकारियों ने देश की संपत्ति लूटने का काम किया है। अब उसी शासक के दरबारी महिलाओं के कल्याण के लिए बीजेपी सरकार की ओर से किये जा रहे प्रयासों को कमजोर करने का काम कर रहे हैं और आंकड़ों में हेरफेर करके लोगों को सही तथ्यों से भटका रहे हैं। केंद्रीय मंत्री ने लिखा है बौद्धिकता की आड़ में गुमराह करने वाले प्रयासों के तहत महिला एवं बाल विकास मंत्रालय की भूमिका और जनादेश की शर्मनाक व्याख्या की जा रही है। उनका यह बयान उनकी लापरवाही को और उनकी अज्ञानता को जगजाहिर करता है खासतौर पर बीजेपी सरकार की ओर से नारी शक्ति के लिए किए गए अहम कार्यों के संदर्भ में। इससे पहले सोमवार को कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने बीजेपी सरकार के काम काज पर सवाल उठाया था। उन्होंने कहा कि पिछले दस सालों में महिला एवं बाल विकास मंत्रालय के तहत कोई उल्लेखनीय और सफलतापूर्वक काम नहीं किया गया। उन्होंने इसे भारी विफलताओं से भरा हुआ दशक बताया था। जयराम रमेश ने इसी के साथ यह भी कहा कि जून 2024 में कांग्रेस के नेतृत्व वाली सरकार बनने के बाद 'महिलाओं के लिए 10 साल का अन्याय' का दौर समाप्त हो जाएगा। उन्होंने यह कहकर बीजेपी सरकार पर हमला बोला था कि 10 सालों से डब्ल्यूसीडी मंत्रालय ने केवल अक्षमता, उदासीनता और महिला विरोधी मानसिकता देखी है।

'अगले साल जनवरी या फरवरी में कांग्रेस के भूपेन वोरा भाजपा में होंगे शामिल', असम के सीएम सरमा का बड़ा दावा

तेजपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। चुनावी माहौल के बीच असम के मुख्यमंत्री हिमंत बिस्वा सरमा ने बड़ा दावा किया है। उन्होंने कहा कि राज्य कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा अगले साल की शुरुआत में भगवा पार्टी में शामिल होंगे। हालांकि, बोरा ने मंगलवार को सीएम के दावे को खारिज कर दिया और कहा कि सरमा वास्तविक मुद्दों से ध्यान भटकाने के लिए 'माइंड गेम' खेल रहे हैं। सरमा ने सबसे पुरानी पार्टी को भाजपा को 'फिक्स्ड डिपॉजिट' करार दिया, जिससे वह जरूरत पड़ने पर सदस्यों को अपनी ओर कर लेते है।

2025 तक भूपेन बोरा भाजपा में होंगे शामिल

सोमवार शाम पार्टी के सोनितपुर निर्वाचन क्षेत्र के उम्मीदवार रंजीत दत्ता के आवास पर सरमा ने पत्रकारों से बात की। इस दौरान उन्होंने कहा, 'मैं कह सकता हूं कि जनवरी-फरवरी 2025 तक भूपेन बोरा भाजपा में शामिल हो जाएंगे। मैंने उनके लिए दो निर्वाचन क्षेत्र तैयार रखे हैं, हालांकि अभी उनका नाम नहीं बताऊंगा।' सरमा ने विपक्षी कांग्रेस को भाजपा की 'फिक्स्ड डिपॉजिट' करार देते हुए दावा किया कि 'जब भी जरूरत होती है, हम उन्हें ले आते हैं।'

'कांग्रेस को वोट देना मतलब राहुल गांधी को वोट देना'

भाजपा नेता ने तंज कसते हुए कहा कि कुछ 'नीले खून वाले' लोगों को छोड़कर, बाकी सभी हमारे हैं। सरमा ने कहा कि कांग्रेस को वोट देने का मतलब राहुल गांधी को वोट देना है और बीजेपी को वोट देने का मतलब मोदी को वोट देना है। सीएम ने दावा किया, 'जो लोग मोदी से प्यार करते हैं और भारत को 'विश्व गुरु' बनाना चाहते हैं, वे बीजेपी को वोट देंगे। राहुल गांधी का खुद का भविष्य अंधकारमय है, उनके अनुयायियों का भविष्य और भी अंधकारमय है। उन्होंने यह भी दावा किया कि अगर वह उन्हें फोन करें तो सोनितपुर में कांग्रेस उम्मीदवार भी भगवा पार्टी में शामिल हो जाएंगे।

भाजपा को बताया 'फिक्स्ड डिपॉजिट'

सरमा ने कहा कि जो यहां चुनाव लड़ रहा है, अगर मैं बुलाऊं तो वह तुरंत हमारे साथ जुड़ जाएगा, लेकिन मैं चुनाव के बाद फोन करूंगा। हम नहीं चाहते कि वे नामांकन वापस लें क्योंकि हमें प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी को लोगों का समर्थन दिखाना है। सरमा ने कहा कि हनुमान ने अपना सीना चीरकर अपना प्यार दिखाया। कलयुग में हमें वोटों के जरिए प्यार दिखाना होगा।

'माइंड गेम' खेल रहे सरमा-बोहरा ने क्या कहा?

मंगलवार को जोरहाट में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए, असम कांग्रेस अध्यक्ष भूपेन कुमार बोरा ने सीएम के दावे को खारिज किया। उन्होंने कहा कि सरमा वास्तविक मुद्दे से ध्यान भटकाने के लिए 'माइंड गेम' खेल रहे हैं। बोरा ने असम के सीएम से सवाल किया कि 'मैं पूछना चाहता हूं कि मुझे भाजपा में क्यों शामिल होना चाहिए? अगर मैं शामिल होता हूं, तो क्या वर्षों से अनुसूचित जनजाति का दर्जा मांग रहे छह समुदायों को यह मिलेगा? क्या नई नौकरियां पैदा होंगी? क्या भूमिहीन स्वदेशी परिवारों को भूमि अधिकार मिलेगा?'

माइंड गेम के जाल में नहीं फंसेगी कांग्रेस

राज्य कांग्रेस प्रमुख ने कहा, 'मुख्यमंत्री माइंड गेम खेल रहे हैं। जब भी हम ज्वलंत मुद्दों के बारे में बात करते हैं, तो वह ध्यान भटकाने की कोशिश करते हैं क्योंकि उनके पास कोई समाधान नहीं है।

लेकिन कांग्रेस इस तरह के माइंड गेम के जाल में नहीं फंसेगी। कांग्रेस ने मौजूदा विधायक दत्ता के खिलाफ राज्य पार्टी महासचिव प्रेमलाल गंजू को मैदान में उतारा है, जो पूर्व राज्य मंत्री और पूर्व भाजपा प्रदेश अध्यक्ष भी हैं। इस सीट पर पहले चरण में 19 अप्रैल को मतदान होना है।'

नहीं माने प्रकाश आंबेडकर तो एमवीए में टूट का डर? सीट शेयरिंग पर फंसा महाविकास अघाड़ी

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाराष्ट्र में सीट शेयरिंग पर महाविकास अघाड़ी में पेंच अभी तक फंसा हुआ है। कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा ये अभी तक साफ नहीं हो पाया है। इस बीच प्रकाश आंबेडकर से बातचीत के बाद भी कोई हल अभी तक नहीं निकला है। अब 'इंडिया' गठबंधन में टूट का खतरा पैदा हो गया है। वंचित वहुजन अघाड़ी के अध्यक्ष प्रकाश आंबेडकर और एमवीए के बीच बात बनती हुई नजर नहीं आ रही है। आज प्रकाश आंबेडकर को दिया गया अल्टीमेटम भी खत्म हो रहा है। कहा जा रहा है कि प्रकाश आंबेडकर अकोला में कल अपना स्टैंड साफ कर सकते हैं। ये भी चर्चा है कि प्रकाश आंबेडकर अकोला सीट से ही चुनाव लड़ने का एलान भी कर सकते हैं। इस बीच महाविकास अघाड़ी के नेताओं की तरफ से कहा जा रहा है कि एमवीए ने उनकी पार्टी के लिए चार लोकसभा सीटें छोड़ी है लेकिन ऐसा लग नहीं रहा है कि वीबीए अध्यक्ष राजी हैं, इसीलिए माना ये जा रहा है कि प्रकाश आंबेडकर की वंचित बहुजन अघाड़ी महाराष्ट्र में विपक्षी गठबंधन महाविकास अघाड़ी के साथ नहीं आने वाला है। संजय राउत ने कहा, प्रकाश आंबेडकर का हम आदर करते हैं। हमने उनकी भावनाओं का आदर किया है। आज भी वह हमारे साथ हैं। प्रकाश आंबेडकर से चर्चा चल रही है।

हमलोग चार सीट देने के लिये तैयार हैं। उनसे बातचीत कारी है। इस बीच प्रकाश आंबेडकर ने कहा, जो फैसला लेना है वो हमलोग ले चुके हैं। अब घिसी-पिटी चीजों में हमलोगों को कोई इंटरेस्ट नहीं है। मैं 27 मार्च को अपना फॉर्म भरने जा रहा हूं, और 26 तारीख आखिरी दिन होगा। आज सुबह संजय राउत ने कहा कि भिवंडी से शरद पवार की पार्टी चुनाव लड़ना चाहती है। साथ ही राउत ने सांगली सीट पर शिवसेना यूबीटी की दावेदारी पेश की है। कल उद्धव और शरद पवार की हुई बैठक के बाद आज कांग्रेस नेता बाबासाहेब थोराट शरद पवार से मिलनें सिल्वर ओक पहुंचे हैं। सूत्रों के मुताबिक, महाराष्ट्र के सांगली और भिवंडी विधानसभा को लेकर अभी भी पेंच फंसा हुआ है। मुमकिन है कि इन सीटों पर चर्चा की जाए।

'मैं कांग्रेस से इस्तीफा देता हूं', 6 बार के एमएलए ने छोड़ी पार्टी, खरगे को भेजा सिर्फ एक लाइन का त्यागपत्र

गुवाहाटी, 26 मार्च (एजेंसियां)। असम में कांग्रेस को एक और झटका लगा है। विधायक भरत चंद्र नारा ने सोमवार को कांग्रेस से इस्तीफा दे दिया। नाओबोइचा से विधायक ने अपना इस्तीफा कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे को भेज दिया है। नारा ने लिखा, मैं तत्काल प्रभाव से भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से इस्तीफा देता हूं। इससे पहले भरत नारा ने असम में पार्टी के मीडिया सेल के अध्यक्ष का पद छोड़ दिया था। अपनी पत्नी रानी नारा को लोकसभा चुनाव के लिए टिकट नहीं मिलने से वो नाराज थे। उन्होंने खरगे को भेजे एक लाइन के त्यागपत्र में कहा, "मैं भारतीय राष्ट्रीय कांग्रेस से तत्काल प्रभाव से इस्तीफा देता हूं।" भरत नारा कांग्रेस के टिकट पर छह बार विधानसभा के लिए चुने गए। उन्होंने 1985 से 2011 तक लगातार ढकुआखाना निर्वाचन क्षेत्र से जीत हासिल की और राज्य में कैबिनेट मंत्री भी रहे। 2021 में, वह लखीमपुर जिले की नाओबोइचा सीट पर चले गए और फिर से कांग्रेस के टिकट पर चुने गए। रानी नारा इस बार असम की लखीमपुर सीट पर टिकट की प्रबल दावेदार थीं। वह इस लोकसभा क्षेत्र से तीन बार जीतीं हैं और एक बार राज्यसभा के लिए भी चुनी गईं। कांग्रेस नेता ने केंद्र में मनमोहन सिंह के नेतृत्व वाली सरकार में केंद्रीय मंत्री के रूप में भी कार्य किया। हालांकि, कांग्रेस ने इस बार रानी नारा के बजाय उदय शंकर हजारिका को लखीमपुर सीट से मैदान में उतारा है। उन्होंने पिछले साल दिसंबर में बीजेपी छोड़ दी थी।

अटल पेंशन स्कीम पर कांग्रेस का निशाना, कहा- बहुत ही खराब तरीके से तैयार की गई योजना

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस ने मंगलवार को अटल पेंशन योजना को लेकर मोदी सरकार पर निशाना साधा और आरोप लगाया कि यह "बहुत ही खराब तरीके से तैयार की गई योजना" और "कागजी शेर" है। कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने यह भी कहा कि यह योजना मोदी सरकार के 'हेडलाइन मैनेजमेंट' वाले नीति निर्धारण को सही ढंग से प्रतिबिम्बित करती है, जिसका वास्तव में कुछ लाभ ही लोगों तक पहुंच रहा है। उन्होंने सरकार पर निशाना साधने के लिए एक खबर का हवाला दिया जिसमें दावा किया गया है कि असंगठित क्षेत्र के लिए केंद्र सरकार की अटल पेंशन योजना (एपीवाई) से बाहर निकलने वाले तीन ग्राहकों में से लगभग एक ने ऐसा इसलिए किया क्योंकि उनके खाते उनकी अनुमति के बिना खोले गए थे। इस खबर में भारतीय सामाजिक विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएसएसआर) के हालिया अध्ययन का हवाला दिया गया है। रमेश ने 'एक्स' पर पोस्ट किया, वित्त मंत्री (निर्मला सीतारमण) 24 मार्च को बेंगलुरु में थीं, जहां वह मोदी सरकार द्वारा 'प्रमुख सामाजिक सुरक्षा कार्यक्रम' के रूप में शुरू की गई अटल पेंशन योजना के फायदों की घोषणा कर रही थीं।

पप्पू यादव ने सुरक्षा हटाने का किया दावा बोले- बीजेपी-जेडीयू को बहुत भारी पड़ेगा

पटना, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस नेता पप्पू यादव मंगलवार को दिल्ली से बिहार पहुंचे हैं। इस दौरान उनकी तरफ से सोशल मीडिया साइट 'एक्स' पर पोस्ट कर सुरक्षा हटाए जाने का दावा किया गया है। उन्होंने 'एक्स' पर लिखा कि बागडोगरा एयरपोर्ट पर उतर दिल्ली से पुनः पूर्णिया जा रहे हैं। मुझे वाई सिक्योरिटी सुरक्षा प्राप्त है। लेकिन, कांग्रेस में शामिल होते ही मेरी सुरक्षा में तैनात सारे पुलिस बल को हटा लिया गया है। पूर्णिया सीमांचल कोसी में मिल रहे मुझे आशीर्वाद से बीजेपी भयाक्रांत है। पप्पू यादव ने आगे लिखा, मुझे अपनी चिंता नहीं है। पूर्णिया और देश में पूर्ण परिवर्तन के लिए सब कुछ न्यौच्छावर! मेरी सुरक्षा से खिलवाड़ बीजेपी और जदयू को बहुत भारी पड़ेगी। पप्पू यादव ने हाल ही में अपनी पार्टी जन अधिकारी पार्टी का कांग्रेस में विलय करते हुए खुद भी हाथ के साथ हो गए थे।

पूर्णिया सीट को लेकर चल रही उठापटक

बता दें कि पूर्णिया सीट को लेकर उठापटक अभी शांत नहीं हुई है। जेडीयू एमएलए बीमा भारती के आरजेडी में शामिल होने के बाद पूर्णिया सीट को लेकर घमासान शुरू हो गया था। पप्पू यादव ने इसी घमासान के बीच एक्स पर पोस्ट कर लिखा था कि मर जाएंगे कांग्रेस नहीं छोड़ेंगे, दुनिया छोड़ देंगे, पूर्णिया नहीं छोड़ेंगे। इसके साथ पप्पू यादव ने कहा, मैं एक परिवार, विश्वास, आर्शीवाद और एक पार्टी की विचारधारा से जुड़ गया हूं। मैं कोसी के साथ-साथ 2 सालों से सीमांचल और 5 सालों से बिहार के लिए काम कर रहा हूं। उन्होंने कहा कि लालू यादव चाहते है मैं मधेपुरा से चुनाव लड़ूं, लेकिन मैंने इसे ठुकरा दिया है। मैं पूर्णिया को नहीं छोड़ सकता। यही नहीं पप्पू यादव ने कहा था कि लालू यादव चाहते थे कि मैं उनकी पार्टी में शामिल हो जाऊं, लेकिन मुझ पर राहुल गांधी ने विश्वास जताया। इसलिए मैं कांग्रेस में शामिल हो गया। कांग्रेस की तरफ से मुझे जो भी जिम्मेदारी दी जाएगी मैं उसे निभाऊंगा। अगर पार्टी मुझे चुनाव लड़वाएगी तो मैं पूर्णिया से चुनाव लड़ूंगा कही और से नहीं।

नकुलनाथ ने माता-पिता और पत्नी की मौजूदगी में भरा नामांकन, किया ये दावा

भोपाल, 26 मार्च (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की सबसे हाई प्रोफाइल छिंदवाड़ा से कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ ने आज अपना नामांकन फार्म जमा कर दिया है। नकुलनाथ शिकारपुर में अपने घर के पास स्थित हनुमान मंदिर गए, जहां उन्होंने पूजा अर्चना कर भगवान से आशीर्वाद प्राप्त किए इसके अलावा भी वे दो अन्य मंदिर गए और पूजा अर्चना की। पूजा अर्चना करने के बाद वह अपने पिता कमलनाथ, मां अलका नाथ, पत्नी प्रिया नाथ के साथ कलेक्ट्रेट पहुंचे और अपना नामांकन फार्म जमा किया। बता दें मध्यप्रदेश की सबसे हॉट सीट छिंदवाड़ा कांग्रेस का गढ़ है। बीते 71 सालों से यह सीट कांग्रेस में खाते में रही है। इस सीट पर कमलनाथ, उनकी पत्नी अलका और बेटे नकुलनाथ सांसद बन चुके हैं। इस बार भी कांग्रेस ने छिंदवाड़ा संसदीय सीट से नकुलनाथ पर ही विश्वास जताते हुए अपना प्रत्याशी बनाया है। इधर बीजेपी ने नकुलनाथ के सामने विवेक बंटी साहू को मैदान में उतारा है। विवेक बंटी साहू भी कल सीएम डॉ। मोहन यादव की मौजूदगी में अपना नामांकन फार्म जमा करेंगे। कलेक्ट्रेट दफ्तर में अपना नामांकन जमा करने के बाद कांग्रेस प्रत्याशी नकुलनाथ मीडिया से रूबरू हुए। उन्होंने मीडिया के समक्ष कहा कि छिंदवाड़ा की जनता मेरे साथ है। छिंदवाड़ा ही मेरा परिवार है। छिंदवाड़ा की जनता का ही मुझे आशीर्वाद फिर मिलेगा। कलेक्ट्रेट में नामांकन जमा करने के बाद छिंदवाड़ा में नामांकन रैली निकाली गई। इस रैली में पूर्व सीएम कमलनाथ, नकुलनाथ, अलका नाथ, प्रिया नाथ के साथ प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष जीतू पटवारी, नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार भी शामिल हुए।

रैली के बाद जनसभा का भी आयोजन किया गया है। इस जनसभा को कांग्रेस के सभी वरिष्ठ नेता संबोधित करेंगे। इधर बीजेपी प्रत्याशी विवेक बंटी साहू 27 नवंबर को नामांकन जमा करेंगे। उनके साथ सीएम डॉ। मोहन यादव व प्रदेश बीजेपी अध्यक्ष वीडी शर्मा भी मौजूद रहेंगे। बीजेपी कार्यवाहक जिलाध्यक्ष शेषराव यादव के अनुसार शहर के दशहरा मैदान में दोपहर साढ़े 12 बजे जनसभा होगी।

महाकाल मंदिर के दस पुजारियों की हालत बेहतर बुधवार को हो सकती है अस्पताल से छुट्टी

उज्जैन, 26 मार्च (एजेंसियां)। महाकाल मंदिर में भस्माआरती के दौरान लगी आग में झुलसे 12 पुजारी और सेवकों को इलाज के लिए इंदौर के अस्पताल में भर्ती किया गया है। उनमें से दस पुजारियों की हालत ठीक है, दो पुजारी तीस से चालीस प्रतिशत तक झुलसे है और उन्हें डायबिटीज भी है,इसलिए उनका ज्यादा ध्यान रखा जा रहा है। बुधवार को ठीक हो चुके मरीजों को डिस्चार्ज किया जा सकता है। भस्माआरती के दौरान भभकी आग की चपेट में गर्भगृह में खड़े कुछ पुजारी आ गए थे। पहले उन्हें उज्जैन के जिला अस्पताल ले जाया गया था, फिर उन्हें इंदौर के अरबिंदो अस्पताल में रैफर किया गया। मंगलवार को पुजारियों को देखने मुख्यमंत्री मोहन यादव भी इंदौर आए थे और उन्होंने पुजारियों से घटना के बारे में भी जानकारी ली। अरबिंदो अस्पताल के डॉ। विनोद भंडारी ने बताया कि दो पुजारी चिंतामण और सत्यनारायण को डायबीटिज है। जलने से उन्हें जो घाव हुए है वे जल्दी ठीक हो जाए और किसी तरह का इंफेक्शन न हो। इस बात का ध्यान रखा जा रहा है। बाकी अन्य पुजारियों और सेवकों की हालत पहले से बेहतर है। बुधवार को चेकअप के बाद उन्हें छुट्टी दी जा सकती है।

एसआईयू ने पुलवामा कोर्ट में पाकिस्तानी आतंकी सहित चार के खिलाफ आरोप पत्र दायर

जम्मू, 26 मार्च (एजेंसियां)। कश्मीर राज्य खुफिया इकाई (एसआईयू) ने जम्मू-कश्मीर के पुलवामा जिले की एनआईए अदालत में एक पाकिस्तानी नागरिक सहित चार आतंकवादियों के खिलाफ आरोप पत्र पेश किया है। एसआईयू की टीम ने आतंकवादी एहसान उल हक शेख, ओवैस फिरोज मीर और पाकिस्तानी आतंकी अबरारुल इस्लाम के खिलाफ आरोप पत्र दायर किया है। ओवैस फिरोज वर्तमान में पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में छिपा हुआ है। चौथे आरोपी की पहचान आतंकवादी सहयोगी इश्तियाक नजीर डार के रूप में हुई है, जो पुलिस की गिरफ्त में है। इस मामले में एक अन्य आरोपी अब्बास मजीद पार्रे के खिलाफ एसआईयू पिछले साल दिसंबर में ही आरोप पत्र पेश कर चुकी है।

लोकसभा चुनाव: पंजाब में बीजेपी-अकाली दल के बीच नहीं बनी बात, बीजेपी ने अकेले चुनाव लड़ने का लिया फैसला

चंडीगढ, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा चुनाव से पहले बीजेपी की परेशानियां लगातार बढ़ती दिख रही है। इस बार खबर पंजाब से है, जहां बीजेपी की गठबंधन को लेकर अकाली दल से बात नहीं बन पाई है। जानकारी के मुताबिक 13 सीटों पर भारतीय जनता पार्टी अकेले चुनाव लड़ेगी। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष सुनील जाखड़ ने भी इसकी जानकारी एक्स पर दी। पंजाब में शिरोमणि अकाली दल और बीजेपी के गठबंधन की अटकलें लगाई जा रही थीं। मगर सुनील जाखड़ ने इन अटकलों पर विराम लगा दिया है। एक्स पर जारी एक वीडियो में जाखड़ ने कहा कि भाजपा पंजाब में अकेले ही लोकसभा चुनाव लड़ेगी। सुनील जाखड़ ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी पंजाब में अकेले लोकसभा चुनाव लड़ने जा रही है। उन्होंने कहा कि लोगों और पार्टी कार्यकर्ताओं से मिले फीडबैक के बाद भारतीय जनता पार्टी ने यह फैसला लिया है। पंजाब के लोगों को लंबे समय से उम्मीद थी कि प्रदेश में शिरोमणि अकाली दल और भाजपा के बीच गठबंधन होगा। गठबंधन की कयासों के बीच शिरोमणि अकाली दल ने एमएसपी और बंदी सिखों जैसी कई शर्तें सामने रख दीं। जिसके बाद दोनों पार्टियों में गठबंधन की राह मुश्किल नजर आने लगी।

स्वतंत्र वार्ता

बुधवार, 27 मार्च- 2024

बोया पेड़ बबूल का तो आम कैसे होय !

अशोक भाटिया

2024 में होने वाले लोकसभा चुनाव में इस बार पीलीभीत सीट से टिकट कटने की आशंकाओं के बीच वरुण गांधी ने स्वतंत्र उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ने की तभी से तैयारी शुरू कर दी थी । वरुण गांधी तीन बार से सांसद रह चुके हैं। पार्टी के आंतरिक सूत्रों के अनुसार लगने लगा था कि उनका और उनकी मां मेनका गांधी का टिकट काटा जा सकता है। इन्हीं कयासबाजियों के बीच उन्होंने पीलीभीत लोकसभा सीट पर अपनी ताकत जुटानी शुरू कर दी थी । पीलीभीत सीट पर अपनी पकड़ बनाए रखने के लिए उन्होंने जिस रणनीति पर काम शुरू किया था , वह भाजपा की मुश्किलें बढाती रही थी । वरुण गांधी ने लोकसभा क्षेत्र में बने कार्यालयों पर भाजपा के पोस्टर तो लगाए थे लेकिन सांसद ने अपनी एक अलग टीम भी बनानी शुरू की थी जो उनके पक्ष में चुनाव प्रचार कर रही थी । वरुण ने युवाओं की इस फौज को लोकसभा सीट के अंतर्गत आने वाली सभी पांच विधानसभा सीटों में चुनाव प्रचार के लिए उतार दिया था । युवाओं की इस टीम के कार्यकर्ता खुद को भाजपा से अलग टीम वरुण गांधी का सदस्य बताते रहे । मतलब साफ था । पीलीभीत में वरुण अपनी पहचान भाजपा सांसद से इतर पीलीभीत के सांसद के रूप में स्थापित करने का प्रयास कर रहे थे । इसमें यह संदेश एकदम स्पष्ट था कि अगर भाजपा ने उनका टिकट काटा तो वे अपने दम पर चुनाव मैदान में उतर कर भाजपा प्रत्याशी को तगड़ी टक्कर दे सकते हैं।

लोकसभा चुनाव में चुनाव प्रचार को लेकर वरुण गांधी ने 500 से ज्यादा युवाओं को पीलीभीत के चुनाव प्रचार के लिए तैयार किया । यूथ ब्रिगेड में स्थानीय स्तर के कुछ लड़कों को शामिल किया गया । इसके अलावा, बड़ी संख्या में बाहर से भी युवाओं को लाया गया । टीम वरुण गांधी के ये सदस्य बीबीए, एमएबीए, स्नातक्र, पीजी और इंजीनियरिंग के छात्र रहे । इन ज्यादातर छात्रों का संबंध ग्रामीण परिवारों से रहा । इन सभी को आईटी सेल की जिम्मेदारी दी गई । उन्होंने व्हाट्सएप ग्रुप बनाकर मिशन 2024 पर काम शुरू कर दिया । यूथ ब्रिगेड के सदस्य लोगों की समस्याएं सुन रहे थे । इसके बाद स्थानीय स्तर पर अधिकारियों के साथ मिलकर इसका समाधान कराया जा रहा था । इन कार्यों के जरिए क्षेत्र में वरुण गांधी अपनी पकड़ और पहचान दोनों बनाए रखने की कोशिश कर रहे थे । वरुण गांधी यूथ ब्रिगेड की शाखाएं लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आने वाली सभी पांच विधानसभा सीटों में खोली गई । यूथ ब्रिगेड के सदस्य लोगों से मिलते रहे । बहुत बड़े पैमाने पर व्हाट्सएप ग्रुप पर लोगों को जोड़ा जाता रहा । उनकी समस्याएं सुनी जाती रही । बिजली बिल, किसान लोन, पशु लोन, पीएम आवास योजना, उज्ज्वला योजना, पेंशन स्कीम जैसी योजनाओं में लोगों को आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए दिन रात काम चल रहा था ।

स्थानीय लोगों को पुलिस के स्तर पर होने वाली परेशानियों का भी यूथ ब्रिगेड समाधान कर रही थी । थानों से लोगों को मदद दिलाई जा रही थी । लोगों से सीधे अपने स्तर पर कनेक्ट कर वरुण गांधी क्षेत्र में अपने स्तर पर पहचान बनाने का प्रयास कर रहे थे ताकि अगर भाजपा उन्हें टिकट नहीं दे, तो भी वे अपने स्तर से इस सीट पर अपनी जीत दर्ज कर सकें। उनकी यह तैयारी निश्चित रूप से भाजपा को परेशान करने वाली रही । वरुण गांधी केंद्र और प्रदेश की सरकार पर लगातार हमला बोलते रहे । अल्पसंख्यकों को लेकर अक्सर अपने विवादित बयान देने वाले फायरब्रांड वरुण गांधी ने हाल के दिनों में अपने बयानों में बदलाव किया । इन दिनों वह विभिन्न मुद्दों पर केंद्र और राज्य सरकार को कटघरे में खड़ा करते दिखाई दे रहे थे । वह भाजपा सरकार की सीधे आलोचना करते रहे जबकि वह स्वयं भाजपा सांसद थे । यह उनकी सोची-समझी योजना का हिस्सा था जिसके जरिए वह क्षेत्र में अपनी छवि को अलग रूप देने में जुट गए थे । पीलीभीत से एक बार फिर चुनाव मैदान में उतारने का दावा करने वाले वरुण गांधी जानते थे कि इस बार उनका टिकट काटा जा सकता है। वह तीन बार से सांसद हैं और उनकी मां मेनका गांधी लगातार 8 बार से सांसद हैं। वरुण जानते हैं कि उन्हें इस बार शायद टिकट न मिले, इसी लिए उन्होंने पहले से तैयारी शुरू कर दी थी । उन्होंने अपनी टीम के साथ पीलीभीत की विधानसभाओं में जोरदार चुनाव प्रचार शुरू कर दिया । वह अधिक से अधिक लोगों से सीधे मिलने का प्रयास कर रहे हैं ताकि स्थानीय लोग उन्हें क्षेत्रीय सांसद के रूप में स्वीकार करने में परहेज न करे। वरुण गांधी ने मुजफ्फरनगर का मुद्दा भी जोरदार तरीके से उठाया था । ज्ञात हो कि मुजफ्फरनगर के एक स्कूल में मासूम बच्चे के साथियों की पिटाई का मुद्दा उस समय खास गरमाया हुआ था । इसको लेकर राहुल गांधी से लेकर असदुद्दीन ओवैसी तक केंद्र और राज्य सरकार पर हमला बोल चुके थे । वरुण गांधी ने भी इस पर कहा है कि ज्ञान के मंदिर में एक बच्चे के प्रति घृणा भाव ने पूरे देश का सिर शर्म से झुका दिया है। शिक्षक वह माली है जो प्राथमिक संस्कारों में ज्ञान रूपी खाद डालकर व्यक्तित्व ही नहीं राष्ट्र गढ़ता है। इसलिए दूषित राजनीति से पड़े एक शिक्षक से कहीं अधिक उम्मीदें हैं। देश के भविष्य का सवाल है। वरुण गांधी ने दूषित राजनीति के जरिए वर्तमान राजनीतिक माहौल पर तंज कसते रहे । अब हुआ वही जिसका अंदाजा था क्योंकि बोया पेड़ बबूल का तो फल कैसे होय . भाजपा ने लोकसभा चुनाव के लिए अपने उम्मीदवारों की पांचवीं सूची में उत्तर प्रदेश से सात मौजूदा सांसदों को हटा दिया जिनमें गाजियाबाद से केंद्रीय मंत्री वीके सिंह और बरेली से पूर्व केंद्रीय मंत्री संतोष गंगवार शामिल हैं हालाँकि, 2024 की लड़ाई के लिए चुने गए नामों में वरुण संजय गांधी की अनुपस्थिति बाकियों से अलग है। उत्तर प्रदेश के मंत्री जितिन प्रसाद को पीलीभीत से मैदान में उतारा गया है। यह सीट 1996 से वरुण और उनकी मां मेनका गांधी के बीच रही है। हालाँकि नरेंद्र मोदी के राष्ट्रीय परिदृश्य पर आने से एक साल पहले वरुण गांधी को भाजपा का राष्ट्रीय महासचिव और पश्चिम बंगाल का प्रभारी बनाया गया था परन्तु उन्होंने संगठनात्मक कार्यों में शायद ही कभी रुचि दिखाई। यह बंगाल के सह-प्रभारी सिद्धार्थ नाथ सिंह थे जो उनकी ओर से कार्य कर रहे थे। हालांकि राहुल गांधी और अखिलेश यादव के खिलाफ उनके लगातार आक्षेपों ने सुनिश्चित किया कि 2014 के चुनावों में उनकी गलतियों पर ध्यान न दिया जाए लेकिन जल्द ही उनके और भाजपा के बीच समस्याएं पैदा होने लगीं। अब वरुण गाँधी के टिकट कटने में बड़े कारणों में पहला कारण जिसने भाजपा नेतृत्व को परेशान कर दिया था वह 2016 में था जब संजय गांधी के बेटे ने पार्टी के भीतर पोस्टर युद्ध की घोषणा की थी। प्रयागराज में भाजपा की महत्वपूर्ण राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक से ठीक पहले - शहर भर में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और अमित शाह की तस्वीरों के साथ वरुण गांधी के चेहरे वाले बड़े-बड़े होर्डिंग लगे हुए पाए गए। यह माना गया कि वरुण 2017 के उत्तर प्रदेश चुनाव में खुद को भाजपा के अगले मुख्यमंत्री चेहरे के रूप में पेश कर रहे थे। जिस बात ने कई लोगों को चौंका दिया, वह यह थी कि भाजपा नेतृत्व ने उनसे अपनी राजनीतिक गतिविधियों को उनके तत्कालीन निर्वाचन क्षेत्र सुल्तानपुर तक ही सीमित रखने के लिए कहा था, इसके बावजूद उनका अति उत्साह था। एक और कारण यह है कि उसी वर्ष वरुण ने एक आवास पहल शुरू की जिसके तहत उन्होंने गरीबों, मुसलमानों और पिछड़ी जातियों के लिए संसद सदस्य स्थानीय क्षेत्र विकास निधि से कई घर बनाए। उन्होंने घर बनाने के लिए अपने निजी धन का भी उपयोग किया। मकान वितरित करते समय, उन्होंने कथित तौर पर कहा था कि मैं एक आशावादी हूं और उन चीजों को करने में विश्वास करता हूं जो लोगों की मदद कर सकती हैं। वे (लोग) पुराने राजनीतिक तरीकों से तंग आ चुके हैं। आज के युवा केवल बयानबाजी के बजाय परिणामों पर विश्वास करते हैं। उस समय कई लोगों ने इसे उनके अन्य सहयोगियों पर कटाक्ष के रूप में देखा और पार्टी ने इसे अधिक गंभीरता से नहीं लिया। कोविड-19 की पहली लहर खत्म हो गई थी और दूसरी लहर के दौरान, 2021 में रात का कर्फ्यू वापस लाया गया - एक ऐसा कदम जो वरुण गांधी को पसंद नहीं आया। उन्होंने कोविड-19 पर अंकुश लगाने के लिए रात्रि कर्फ्यू लगाने के योगी आदित्यनाथ सहित राज्य सरकारों के फैसले पर सवाल उठाया। इसके अलावा वह लगातार किसान आंदोलन के दौरान पार्टी की रणनीति पर सवाल खड़े करते रहे। वह अपनी ही सरकार पर जमकर निशाना साधते थे। उसी वर्ष वरुण गांधी एक बार फिर अपनी पार्टी के साथ युद्ध में उलझ गए, जब केंद्रीय मंत्री अजय मिश्रा टेनी से जुड़े वाहनों के प्रदर्शनकारी किसानों की भीड़ में घुसने के कारण लखीमपुर खीरी में चार किसानों सहित आठ लोगों की जान चली गई। सबसे हालिया और गंभीर वाकयुद्ध में से एक, जो ताबूत में आखिरी कील साबित हो सकता है, वह था जब भाजपा नेता ने पिछले साल सितंबर में अमेठी में संजय गांधी अस्पताल के लाइसेंस के निलंबन की आलोचना करते हुए उत्तर प्रदेश सरकार पर हमला बोला था। उन्होंने इसे एक नाम के खिलाफ नाराजगी करार दिया।

जहरीली शराब का 'काला धंधा'

विधानसभा चुनाव के दौरान आप के नेताओं ने बड़े-बड़े वादे किए थे जिसमें सबसे प्रमुख था कि उनकी सत्ता आने के बाद पंजाब में नशे के कारोबार पर नकेल कसेंगे। अवैध शराब की एक बूंद भी नहीं बिकने देंगे। लेकिन हाल ही में मुख्यमंत्री के जिले संगरूर में जहरीली शराब पीने से इक्कीस लोगों की मौत हो चुकी है। कई लोगों का इलाज चल रहा है। देखा जाए तो पंजाब में नशे के कारोबार पर नकेल कसना लंबे समय से चुनौती बना हुआ है। मगर अभी तक इस दिशा में कोई कामयाबी नजर नहीं आ रही। संगरूर की घटना को लेकर यह प्रश्न लोगों की जेहन में उठने लगा है कि जब मुख्यमंत्री के जिले में जहरीली शराब के धंधे और मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक नहीं लग पाई है, तो बाकी जगहों पर तो सारी व्यवस्था भगवान भरोसे ही है। नशे की वजह से पंजाब में काफी समय से नौजवानों की मौतों का सिलसिला चल रहा है, जिसे लेकर चिंता जताई जाती रही है। पाकिस्तान का सीमावर्ती राज्य होने के कारण वहां पाकिस्तान के रास्ते मादक पदार्थों की पहुंच पर रोक लगाना भी कठिन बना हुआ है। आए दिन ड्रोन के जरिए पाकिस्तान से नशे की खेप आती रहती है। ऐसे में अगर जहरीली शराब से मौतों का नया मामला आया है, तो उसे लेकर कई तरह के सवाल उठने स्वाभाविक हैं। संगरूर के मामले में प्रशासन ने छह लोगों को गिरफ्तार कर इस मामले में कार्रवाई शुरू कर दी है। लेकिन इसका शेष क्या निकला है इसे अभी बताने में प्रशासन सक्षम नहीं है। देखा जाए तो नकली शराब का कारोबार कमोबेश हर राज्य की समस्या है। चोरी-छिपे शराब बनाने और बेचने वाले हर राज्य में मौजूद हैं। लेकिन जो सरकारें सचमुच इस समस्या से पार पाने को लेकर संजीदा होती हैं, वे ऐसे कारोबारियों पर नकेल कसने में कामयाब होती दिखती भी हैं। पंजाब की तुलना दूसरे राज्यों से फिलहाल इसलिए नहीं की जा सकती, क्योंकि वहां नशे पर काबू पाना सरकार की प्राथमिकता है। वहां नशे के कारोबार के फलने-फूलने की वजहें भी अब काफी हद तक साफ हैं। उसमें अनेक रसूखदार लोगों और बड़े अधिकारियों की गिरफ्तारियां भी हो चुकी हैं। इस तरह माना जा सकता है कि वहां का प्रशासन इस समस्या को लेकर सतर्क है। संगरूर में किस तरह नकली शराब बनाई जा रही थी कि प्रशासन को इसकी भनक तक नहीं मिल सकी। जानकारी भी तब हुई जब जहरीली शराब पीकर लोग मरने लगे। यह तो सभी जानते हैं कि इस तरह के धंधे स्थानीय लोगों की जानकारी से बाहर नहीं होते। फिर स्थानीय लोगों से पुलिस का तालमेल ठीक हो, तो उसे भी इस तरह के धंधे की जानकारी मिल ही जाती है। मगर नकली शराब के धंधे में अक्सर देखा जाता है कि इसे चलाने वालों की पुलिस से सांठगांठ जरूर रहती है। संगरूर में भी ऐसा ही कोई न कोई गठजोड़ जरूर रहा होगा इससे इनकार नहीं किया जा सकता। एक बात यह भी होती है कि नकली शराब पीकर मरने वाले ज्यादातर गरीब लोग होते हैं, जो कम पैसे में तेज नशे के लिए ऐसी शराब खरीदते हैं। इनमें से भी ज्यादातर अपने परिवार के लिए रोजी-रोटी कमाने का जरिया होते हैं। उनके मरने से पूरे परिवार के सामने संकट खड़ा हो जाता है। नकली शराब से बर्बाद हो गए परिवार को कुछ सरकारी मुआवजा देकर उनके संसद को दूर नहीं किया जा सकता। इसलिए हमेशा से नकली शराब बनाने वालों के खिलाफ कठोर कदम उठाने की सिफारिश की जाती रही है। लेकिन सरकारों और प्रशासन की लापरवाही का नतीजा यह निकलता है कि हर घटना के बाद कुछ लोगों को गिरफ्तार तो कर लिया जाता है, पर उन्हें ऐसी कोई सजा नहीं मिल पाती, जो दूसरों के लिए नजीर बने। इसलिए भी जहरीली शराब के कारोबारियों पर शिकंजा कसना मुश्किल बना हुआ है। पंजाब सरकार इस सच्चाई से अनजान नहीं है। अब तो उसे अपनी दृढ़ इच्छाशक्ति दिखानी होगी कि ऐसे लोगों पर कठोर कार्रवाई करे ताकि वह एक नजीर बन सके।

वसुधैव कुटुम्बकम को चरितार्थ करता एक भारतीय कानून

गौतम चौधरी

नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली राष्ट्रीय लोकतांत्रिक गठबंधन सरकार द्वारा संशोधित कर बनाया गया नागरिकता संशोधन अधिनियम, वसुधैव कुटुम्बकम् को चरितार्थ करता मानवता को परिपुष्ट करने वाला एक भारतीय कानून है। यह कानून भारतीय संसद द्वारा 11 दिसंबर, 2019 को बनाया गया था जिसके बाद असम समेत पूरे देश में इसके विरोध में प्रदर्शन प्रारंभ हो गया। विपक्षी दलों द्वारा मुसलमानों को यह कहकर भ्रमित किया गया कि सीएए से उनकी नागरिकता खतरे में पड़ जाएगी। कुछ मुस्लिम बुद्धिजीवी एवं धर्मगुरुओं के द्वारा भी कुछ इसी प्रकार की बातें समाज में प्रचारित और प्रसारित की गयी लेकिन क्या यह सत्य है? इस मामले में केंद्रीय गृहमंत्रालय कई बार स्पष्टीकरण दे चुका है। सीएए द्वारा किसी की भी नागरिकता खत्म नहीं की जा सकती है बल्कि यह नागरिकता देने वाला कानून है। चूंकि विपक्ष द्वारा बार-बार मोदी सरकार को मुस्लिम विरोधी कह कर प्रचारित किया जाता रहा है, इसीलिये मोदी विरोध में मुसलमानों को भ्रमित कर सीएए के खिलाफ जगह-जगह धरना, विरोध प्रदर्शन आयोजित किये गए। अगर कोरोना महामारी ना आती, तो संभव था कि सीएए विरोध में होने वाला आन्दोलन लंबा खिंचता। खैर! अब केंद्र सरकार ने सीएए को धरातल पर उतार दिया है। हालांकि यह प्रश्न जरूर है कि आखिर इतने प्रभावशाली और व्यापक चिंतन को आत्मसात किए इस कानून को धरातल पर उतारने में इतना वक्त क्यों लगा? यह सवाल न केवल प्रतिपक्षियों के द्वारा पूछे जा रहे हैं अपितु मुसलमान बुद्धिजीवी भी इस प्रकार के सवाल पूछ रहे हैं। चलो जब यह कानून लागू कर दिया गया तो इससे आपत्ति किसे होनी चाहिए? विपक्षी पार्टियां तो इसलिए आपत्ति दर्ज करा रही है कि उन्हें सत्ता फिर से प्राप्त करना है लेकिन बिना कुछ समझे मुसलमान मुसलमान लामबंद होने लगे हैं। सपा के प्रवक्ता ने सीएए के विरोध में शाहीनबाग दोहराने की चेतावनी दी तो कई अन्य संगठन व व्यक्तियों द्वारा सीएए के विरोध में आंदोलन की चेतावनी दी जा रही है। सवाल यहीं से पैदा होता है? जब सीएए से किसी की नागरिकता जाने का सवाल ही नहीं तो फिर इसका विरोध किसलिए? जब केंद्रीय गृहमंत्री अमित शाह स्पष्ट कह चुके हैं कि, "हमारे मुस्लिम भाइयों को गुमराह किया जा रहा है और भड़काया जा रहा है। सीएए सिर्फ उन देशों के अल्पसंख्यक लोगों को नागरिकता देने के लिए है जो पाकिस्तान, अफगानिस्तान और बांग्लादेश में उत्पीड़न का सामना करने के बाद भारत आए हैं। यह किसी की भारतीय नागरिक की नागरिकता छीनने के लिए नहीं है।" ऐसे में इस मामले में विरोध का मामला पूरी तरह राजनीतिक प्रतीत होता है। केंद्रीय गृहमंत्री के इस आश्वासन के बावजूद सीएए के विरोध में लोगों को भ्रमित करने का षड़यंत्र जारी है। वास्तविकता यह है कि मुद्दाविहीन विपक्ष और नरेन्द्र मोदी को हराने में अभी तक पूरी तरह नाकाम रहने वाले नेता अपनी लड़ाई मुसलमानों के सिर थोपने की कोशिश कर रहे हैं। मुसलमानों को इस षड़यंत्र को पहचानना होगा और एक बार खुद से भी सवाल करना होगा कि अभी तक मोदी सरकार जितनी भी योजनाएं लेकर आई है क्या उसमें मुसलमानों से भेदभाव किया गया है? मेरी समझ में तो ऐसा कुछ नहीं है।

टीकाकरण में अवरोध से बढ़ता संक्रामक बीमारियों का खतरा

डॉ. राजेन्द्र प्रसाद शर्मा

लैसेंट ग्लोबल हेल्थ में हालिया प्रकाशित रिपोर्ट इस मायने में चिंतनीय और महत्वपूर्ण हो जाती है कि विश्वव्यापी टीकाकरण अभियान में अवरोध का असर सामने आने लगा है। दुनिया के देशों के सामने खसरा, हेजा, हेपेटाइटिस सहित 14 से अधिक बीमारियों के फैलने का संकट उभरने लगा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की हालिया रिपोर्ट के अनुसार दुनिया के देषों में हेजे के कारण मौत का आंकड़ा लगभग दो गुणा हो गया है। तपेदिक नए वेरियंट में आने लगी है जिसमें लगातार खांसी नहीं होने के कारण तपेदिक का पता लगने तक काफी देरी होने लगी है। दरअसल कोरोना ने अपने साइड इफेक्ट इस हद तक छोड़ गया है कि उसका असर हमें प्रत्यक्ष अप्रत्यक्ष रुप से आने वाले कई सालों तक देखने का मिलेगा। कोरोना के कारण दुनिया के देषों में टीकाकरण अभियान पर विपरीत प्रभाव पड़ा है। 2019 के अंतिम त्रैमास से 2020 तक कोरोना त्रासदी और उसके बाद कोरोना के नित नए वेरियंट के कारण स्वास्थ्य को लेकर चल रहे विभिन्न अभियानों पर सीधा सीधा असर पड़ा है। मजे की बात यह है कि उसका असर अब दिखाई देने लगा है। इंपिरियल कॉलेज लंदन के शोधार्थियों ने भारत सहित 112 देशों में किए गए अध्ययन में यह पाया है कि टीकाकरण में कोरोना काल में टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के कारण 2030 तक दुनिया के देशों में खसरा सहित 14 बीमारियों के फैलने के कारण अतिरिक्त मौत होगी। एक अनुमान के कारण अकेले खसरे के कारण ही 40 हजार से अधिक जान जाने का अनुमान है। हैजे के कारण होने वाली मौतों के आंकड़ें सामने आये हैं। करीब करीब दो गुणी गति से हैजे के मामलें सामने आने लगे हैं। 2023 में सात लाख के करीब मामलें सामने आये हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इसीलिए चिंता जताई है। दरअसल टीकाकरण अभियान प्रभावित होने के लिए किसी को दोष भी नहीं दिया जा सकता। कोरोना 2019 के हालात ही ऐसे थे कि उस समय केवल और केवल कोरोना के संक्रमण को फैलने से रोकने और लोगों की जान बचाना एकमात्र प्राथमिकता रह गई थी। हालात भयावह थे तो न भूतो न भविष्यति के हालात थे। सब कुछ ठहर जाने और दुनिया के किसी भी कोनों में नजर ड़ालों चारों और मौत का तांडव ही दिखाई देता था। सारी दुनिया का ध्यान इस त्रासदी से एक एक जान बचाना बड़ी प्राथमिकता थी। इस दौरान टीकाकरण अभियान तो जोर शोर से चला पर वह अन्य बीमारियों के स्थान पर कोरोना से बचाव के वैक्सीनेशन और उसके पहली और दूसरी डोज पर ही केन्द्रीत रहा। दुनिया के देशों तक कोरोना वैक्सीन पहुंचाना पहली प्राथमिकता रही। कोरोना वैक्सीनेशन के लिए भारत ने सारी दुनिया का नेतृत्व किया। परिणाम सामने हैं। आज कोरोना का आतंक लगभग समाप्त हुआ है। पर करोना के साइड इफेक्ट आज भी सामने हैं। हांलाकि कोरोना में मौत को नजदीक से देखने और कोरोना के कारण लाचारगी के बावजूद दुनिया के देशों में जो समझ आनी चाहिए थी वह कोसों दूर है। रुस-यूक्रेन युद्ध, इजराइल-हमास युद्ध, चीन की दादागिरी सहित दुनिया के देषों में संघर्ष, आतंकवादी घटनाएं बहुत कुछ सोचने को मजबूर करती है। हांलाकि यहां विचार करना विषयांतर होगा। दरअसल कोरोना काल ही ऐसा था कि उस समय वर्षों से चले आ रहे अभियान लगभग ठहर ही गए थे। बल्कि यों कहा जाए कि उस समय सारी दुनिया का ध्यान सबसे हटकर कोरोना त्रासदी से बचाव की और ही रह गया था। कोरोना प्रोटोकाल और कोरोना वायरस के संक्रमण के तरीके ने ही हिला कर रख दिया था। मास्क, सेनेटाइजर, सोशियल डिस्टेंस उस समय का धर्म था तो अस्पताल तो दूर की बात घर से निकलते भी भय लगता था। ऐसे में टीकाकरण अभियान बाधित होना ही था। इसके साथ ही कोरोना वैक्सीन की और सबका ध्यान होने से अन्य वैक्सीन के उत्पादन और उपलब्धता प्रभावित होना स्वभाविक था। पर अब जो अध्ययन सामने आया है और जो देखने को मिल रहा है वह चिंतनीय है। खसरा, हैजा, तपेदिक, हैपेटाइटिस बी सहित 14 प्रकार के टीके जो समय पर लगाये जाने आवश्यक होते हैं वह प्रभावित हुए हैं। खसरा और फ्लू के नित नए वैरियंट सामने आ रहे हैं। स्वाइन फ्लू, पैरट फीवर, रुबेला, न्यूमोनिया और ना जाने क्या क्या जानलेवा बीमारियां असर दिखाने लगी है। हैजे के दो साल में ही बढ़ते मामलों को लेकर विश्व स्वास्थ्य संगठन अपनी चिंता जता चुका है। केवल हैजे के ही 2022 की तुलना में 2023 में करीब 48 प्रतिशत अधिक मामलें सामने आना अत्यधिक चिंता का कारण हैं। लोगों के इम्यूनेशन पॉवर में कमी आना बेहद चिंतनीय है। मौसम के जरा से बदलाव के साथ ही डॉक्टरों के यहां कतार लग जाना और नित नए वैरियंट में बीमारियां होना अपने आप में गंभीर हो जाता है। चिकित्सा विज्ञान में शोध व अध्ययन कर रहे शोधार्थियों के लिए हालात चिंतनीय होते जा रहे हैं। उलटा होने यह लगा है कि जो बीमारियां लगभग समाप्ती की और थी उनके नए वैरियंट भी दिखाई देने लगे हैं। तपेदिक इसका जीता जागता उदाहरण है। अब हालात सामने हैं। कोरोना के कारण जो हालात बने उसके लिए किसी को दोष नहीं दिया जा सकता है। अब हो हालात और चुनौती सामने हैं उसी को देखते हुए आमजन के स्वास्थ्य की रणनीति तैयार करनी होगी। कोरोना के कारण प्रभावित वैक्सीनेशन से निपटने की योजना बनानी होगी। ऐसे समन्वित प्रयास करने होंगे ताकि टीकाकरण नहीं होने के कारण जो हालात बन रहे हैं उसका कोई सार्थक समाधान खोजा जा सके। यह किसी एक देश या एक कौम की चिंता नहीं है अपितु दुनिया के 112 देशों के अध्ययन का परिणाम हैं। हालात मुंह बाएं सामने हैं। जो होना था वह तो हो गया पर अब इसका संभावित उपाय खोजने के लिए वैज्ञानिकों को जुट जाना होगा। वैज्ञानिकों की मेहनत का ही परिणाम है कि 1937 से 2021 तक टीकाकरण अभियान का ही परिणाम रहा कि इन जानलेवा बीमारियों पर काफी हद तक अंकुश पाया जा सका। पर अब टीकारण अभियान में आये व्यवधान के कारण हालात में थोड़ा बदलाव आया है जिसे ध्यान में रखते हुए ही आगे बढ़ना होगा। चुनौतियां दो तरह की सामने है। एक और इन बीमारियों के फैलाव या यों कहें कि संक्रमण को रोकना है तो दूसरी और इनसे प्रभावितों के सही ईलाज की चुनौती सामने है। दुनिया के देशों को इसके लिए जुट जाना होगा तो विश्व स्वास्थ्य संगठन को भी गंभीर चिंतन मनन के साथ ही कारगर रणनीति तैयार करनी होगी।

अजीबोगरीब दुर्घटना

डॉ टी महादेव राव

नेता नामक दुर्घटना के साथ किसी अन्य नेता का टकराना निश्चय ही दुर्घटना होती, किन्तु किसी अदने से बस चालक का हमारे शहर जैसे अति प्रगतिशील औद्योगिक नगरी के संकीर्ण सड़क के किनारे रोकी गयी नेतायी गाड़ी के पीछे खड़े नेता को ठोकर मार देना निश्चय ही बस चालक के जीवन के लिए अजीबोगरीब दुखद दुर्घटना है। नेताजी का गंभीर रूप से घायल होना राजनीतिक दुर्घटना हुई। इस सारी दुर्घटना की जिम्मेदारी वे सत्ता पक्ष पर थोपेंगे। कारण स्पष्ट है कि जो भी शासकीय संस्थाएं हैं, वे सत्ता पक्ष की ही तो कहलाएंगी, साथ ही उसका अदना सा बस चालक भी। इस राजनीतिक दुर्घटना के बाद दुर्घटना यह कि चालक की निर्ममता से पक्ष, विपक्ष तथा अपक्ष (जो किसी भी पार्टी के नहीं हैं – अपक्ष) द्वारा पिटाई, बाद में थाने का घेराव यानी की दुर्घटना यदि एक हो तो तमाम संभावित दुर्घटनाओं का साम्य जुड़ जाता है उसके साथ।

यह तो हुई एक जान-माने नेता के साथ बस चालक की दुर्घटना जिससे बेचारे चालक का ही अधिक नुकसान हुआ कहना होगा, क्योंकि नेताजी पैरों की हड्डियां तुड़वाकर सहानुभूति के बल पर और अधिक वोट बटोरेंगे। बाद में पूछना ही क्या? आम आदमी के जीवन की त्रासद दुर्घटना यह कि वह ऐसी संवेदनाओं से टकराकर, वोट देकर पांच वर्ष के लिए घायल हो जाता है।

इसी संदर्भ में एक वरिष्ठ पत्रकार से मैंने पूछा – ''आम आदमी जब दुर्घटनाओं में मरते हैं तो आप चंद सतरें छापते हैं और उस आदमी का नाम तक नहीं छापते ऐसा क्यों?'' उन्होंने कहा- ''अजी! हम तो शेक्सपीयर का यह कथन मानते हैं, नाम में क्या रखा है, जिसे हम गुलाब कहते हैं वह किसी और नाम से भी वैसी ही सुगंध देगा'' मैंने तुरंत सवाल दागा—''तो भई जब कोई नेता या सेठ घायल हो जाता है तो आप दुर्घटना विशेषांक कैसे छाप देते हैं?''उनका कथन था- ''पता नहीं आप कैसे इक्कीसवीं सदी में हैं – इतना भी नहीं समझते। भाई साहब! क्या जाने कब कौन नेता, कोई सेठ इस स्थान, प्रदेश, देश का शक्तिशाली पद पा जाए कुछ से कुछ हो जाए, कौन जानता है। इसी संदर्भ के लिए ही तो नेपोलियन ने कहा – असंभव नाम की चीज ही नहीं है।'' मैं उनकी सूक्तियां अधिक न झेल सका, लौट आया।

शत्रु सम्पत्तियों का निष्पादन- देर आयद, दुरुस्त आयद

राज सक्सेना

आजादी के बाद से ही देश छोडकर अपनी मांग और सपनों के अनुरूप इस्लामिक राष्ट्र के रूप में नवोदित देश पाकिस्तान गये मुस्लिमों की सम्पत्ति के स्वामित्व को लटका कर उसे पाकिस्तान से आकर बेचने और अन्य तरीकों आदि से उसके स्वामित्व को वक़्फ़ करने आदि की आड़ लेकर उसे खुर्द बुर्द करने का समय देकर तत्कालीन सरकारों ने खरबों रूपये की सम्पत्तियों से देश को वंचित किया था। यहाँ तक कि बड़ी देर से उन्हें शत्रु सम्पत्ति घोषित करने के बाद भी उसके कानून में इस तरह की पेचीदगियां छोड़ी गयीं कि बरसों तक उन्हें न्यायालयों में लटका कर रखा जा सके। इन परिस्थितियों के चलते ही और खरबों रुपयों की और सम्पत्तियों से देश वंचित हुआ तथा केस लड़ने में सरकारों के करोड़ों रूपये और समय जो लगा, वह अलग था। वर्तमान सरकार ने सत्ता सम्भालते ही इस ओर ध्यान दिया और सारे रिकार्ड को जितना सम्भव हो सकता था, उतना अद्यावधिक कराया। मुकदमों की सख्त पैरवी की और जितनी अनधिकृत चंगुल से निकल सकती थीं, उन शत्रु सम्पत्तियों को कब्जा मुक्त कराकर अपने कब्जे में लिया।

यह सब करने के बाद उनके निष्पादन की प्रक्रिया पिछले वर्ष के सितम्बर माह से सार्वजनिक नीलामी के माध्यम से प्रारम्भ की गयी। अब केंद्रीय गृह मंत्रालय ने एनिमी प्रॉपर्टी (शत्रु सम्पत्ति) के नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। पूरे देश में ऐसी 12,611 संपत्तियां हैं जिनकी कीमत एक लाख करोड़ रुपए से अधिक आंकी गई है। शत्रु संपत्तियां भारत के लिए शत्रु संपत्ति के संरक्षक (कस्टोडियन ऑफ एनिमी प्रोपर्टीज फार इण्डिया, सीईपीआई) में निहित है। सरकार ने अब तक शत्रु संपत्तियों में ज्यादातर चल संपत्ति जैसे शेयर और सोना के निपटान से 3,400 करोड़ रुपये से अधिक अर्जित किए हैं। एनिमी प्रॉपर्टी के निपटान के लिए दिशा निर्देशों में संपत्तियों की बिक्री से पहले संबंधित जिला मजिस्ट्रेट या उपायुक्त की मदद से शत्रु संपत्तियों को बेदखल करने की प्रक्रिया शुरू करने की आवश्यकता होती है। कुल 9,400 संपत्तियों में से 6,289 शत्रु संपत्तियों की पहचान कर ली गई है और बाकी की 2,991 संपत्तियों का सर्वे अभी चल रहा है। गृहमंत्री को इस बात की जानकारी दे दी गई है। उन्होंने आदेश दिया था कि ऐसी जिन संपत्तियों पर अभी कोई बसा नहीं है. उन्हें कब्जे में लेकर उनकी नीलामी करवाई जाए। कांग्रेस ने 60 सालों तक देश पर शासन किया लेकिन उसने देश के सामने मौजूद समस्याओं का समाधान करने की जगह उसे उलझाए ही रखा।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने इसीलिए कहा था कि कांग्रेस की संस्कृति अटकाने, लटकाने और भटकाने की रही। 2014 में जब बीजेपी की सरकार बनी तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल से इन सभी समस्याओं, गड़बड़ी और गलतियों को क्रमवार तरीके से ठीक किया जा रहा है। इसी तरह 1968 में शत्रु संपत्ति अधिनियम बना दिया गया लेकिन इन संपत्तियों का निपटारा नहीं किया गया। अब मोदी सरकार ने शत्रु संपत्तियों की पारदर्शी तरीके से नीलामी की प्रक्रिया शुरू कर दी है। रक्षा संपदा महानिदेशालय के माध्यम से गृह मंत्रालय ने 2018 में पूरे देश के स्तर पर 20 राज्यों और 3 केंद्र शासित प्रदेशों में शत्रु संपत्तियों का देशव्यापी सर्वेक्षण शुरू किया था। इस सर्वेक्षण का मुख्य उद्देश्य इन संपत्तियों की पहचान करना, उनका पता लगाना और फिर उन्हें मुद्रीकृत करना था। सीईपीआई से मुख्य रूप से इस सर्वेक्षण में इन संपत्तियों की पहचान करेगा और डीजीडीई इन संपत्तियों की कीमतों का मूल्यांकन करने के लिए वर्तमान स्थिति का आकलन करेगा।

पाकिस्तान की नागरिकता लेने वालों की कुल संपत्तियां देश में बहुत अधिक है। एनिमी प्रॉपर्टी की सबसे अधिक संख्या उत्तर प्रदेश (6,255 संपत्तियां) हैं। इसके बाद पश्चिम बंगाल (4,088 संपत्तियां), दिल्ली (659), गोवा (295), महाराष्ट्र (208), तेलंगाना (158), गुजरात (151), त्रिपुरा (105), बिहार (94), मध्य प्रदेश (94), छत्तीसगढ़ (78) और हरियाणा (71) आते हैं। कुल 126 संपत्ति ऐसी हैं जिनके मालिक चीन की नागरिकता लेकर वहां बस चुके हैं। ऐसी सबसे अधिक संपत्तियां मेघालय में है। मेघालय में कुल 57 तो पश्चिम बंगाल में 29 और असम में 7 संपत्तियां हैं। ऐसा नहीं है कि सिर्फ भारत ही शत्रु संपत्तियों की नीलामी कर रहा है। पाकिस्तान में भी जो संपत्तियां भारतीयों की थी, उसे बेचा जा चुका है। इन्हे बेचकर सरकार को बड़ी राशि मिलेगी। गृह मंत्रालय की अधिसूचना के मुताबिक शत्रु संपत्तियों के निस्तारण के नियमों में बदलाव किया गया है।

संकष्टी चतुर्थी कल

संकट से मुक्ति और परिवार की समृद्धि के लिए इस दिन भालचंद्र रूप में पूजे जाएंगे गणपति

28 मार्च, गुरुवार को पहले हिंदी महीने की पहली संकष्टी चतुर्थी रहेगी। स्कंद और ब्रह्मवैवर्त पुराण के मुताबिक इस तिथि पर गणेशजी के भालचंद्र रूप की पूजा की जाती है। इन पुराणों के मुताबिक संकष्टी चतुर्थी का व्रत और गणेशजी की पूजा करने से सौभाग्य और समृद्धि बढ़ती है। भालचंद्र यानी गणेश जी का ऐसा रूप जिसके सिर पर चंद्रमा हो। पुराणों के मुताबिक गणेश जी के इस रूप की पूजा करने से रोग, शोक और दोष दूर हो जाते हैं।

संकष्टी चतुर्थी के दिन भगवान गणेश की विधि-विधान से पूजा की जाती है। ये व्रत नाम के मुताबिक ही है। यानी इसे सभी कष्टों का हरण करने वाला माना जाता है। मान्यता है कि इस दिन व्रत और भगवान गणेश की आराधना करने से सभी तरह के कष्टों से मुक्ति मिलती है।

संकष्टी चतुर्थी व्रत शादीशुदा महिलाएं पति की लंबी उम्र और सौभाग्य की कामना से करती हैं। वही, कुंवारी कन्याएं भी अच्छा पति पाने के लिए दिन भर व्रत रखकर शाम को भगवान गणेश की पूजा करती हैं।

व्रत विधि: फलाहार और दूध ही ले सकते हैं

सूर्योदय से पहले उठकर नहाएं और सूर्य के जल चढ़ाने के बाद भगवान गणेश के दर्शन करें। गणेश जी की मूर्ति के सामने बैठकर दिनभर व्रत और पूजा का संकल्प लेना चाहिए। इस व्रत में पूरे दिन फल और दूध ही लिया जाना चाहिए। अन्न नहीं खाना चाहिए।

इस तरह व्रत करने से मनोकामनाएं पूरी होती है। भगवान गणेश की पूजा सुबह और शाम यानी दोनों वक्त की जानी चाहिए। शाम को चंद्रमा को अर्घ्य देने के बाद व्रत पूरा करें।

पूजा विधि: पहले गणेश पूजा फिर चंद्रमा को अर्घ्य

पूजा के लिए पूर्व-उत्तर दिशा में चौकी स्थापित करें और भगवान गणेश की प्रतिमा स्थापित करें। चौकी पर लाल या पीले रंग का कपड़ा पहले बिछा लें। गणेश जी की मूर्ति पर जल, अक्षत, दूर्वा घास, लड्डू, पान, धूप आदि अर्पित करें।

अक्षत और फूल लेकर गणपति से अपनी मनोकामना कहें और उसके बाद ऊँ गं गणपतये नमः मंत्र बोलते हुए गणेश जी को प्रणाम करने के बाद आरती करें। इसके बाद चंद्रमा को शहद, चंदन, रोली मिश्रित दूध से अर्घ्य दें. पूजन के बाद लड्डू प्रसाद स्वरूप ग्रहण करें।

चैत्र मास: बीमारियों से बचने और लंबी उम्र के लिए इस महीने में व्रत-उपवास और सूर्य पूजा करने की परंपरा

चैत्र महीना शुरू हो गया है। जो कि 23 अप्रैल तक रहेगा। इस महीने में सूर्य अपनी उच्च राशि, मेष में प्रवेश करता है। इन दिनों वसंत ऋतु रहती है और मौसम भी बदलता है। जिससे सेहत संबंधी बदलाव भी होते हैं। इस महीने को भक्ति और संयम का महीना भी कहा जाता है। क्योंकि इन दिनों में कई व्रत और पर्व आते हैं। सेहत को ध्यान में रखते हुए इस महीने में आने वाले व्रत-पर्व की परंपराएं बनाई गई हैं।

इस महीने में सूर्योदय से पहले उठकर ठंडे पानी से नहाना चाहिए। इसके बाद उगते हुए सूरज को अर्घ्य देकर दिनभर में एक बार ही खाना खाना चाहिए। ऐसा करने से बीमारियों से बचे रहते हैं और उम्र भी बढ़ती है। ये बातें पुराणों के साथ ही आयुर्वेद ग्रंथों में कही गई है।

पौराणिक मान्यता अनुसार ब्रह्माजी ने चैत्र शुक्ल प्रतिपदा से ही सृष्टि की रचना शुरू की थी। इसी दिन भगवान विष्णु ने दशावतार में से पहला मत्स्य अवतार लेकर प्रलयकाल में जल में से मनु की नौका को सुरक्षित जगह पर पहुंचाया था। प्रलयकाल खत्म होने पर मनु से ही नई सृष्टि की शुरुआत हुई।

धर्म और आध्यात्मः चैत्र महीने में करना चाहिए ये काम

1. महाभारत के मुताबिक इस महीने एक समय खाना-खाना चाहिए।
2. नियमित रुप से भगवान विष्णु और सूर्य की पूजा करनी चाहिए और व्रत भी करने चाहिए।
3. इस महीने सूर्योदय से पहले उठकर ध्यान और योग का विधान है। ऐसा करने से तनाव मुक्त और स्वस्थ्य रहते हैं।
4. इस महीने में सूर्य और देवी की उपासना करना चाहिए। जिससे पद-प्रतिष्ठा के साथ ही शक्ति और ऊर्जा भी मिलती है।
5. चैत्र महीने के दौरान नियम से पेड़-पौधों में जल डालना चाहिए और लाल फलों का दान करना चाहिए।

आयुर्वेद के मुताबिक क्या करें और क्या नहीं

1. चैत्र महीने में एक वक्त खाना खाने से बीमारियों से बचे रहते हैं।
2. इस महीने में गुड़ खाने की मनाही है। वहीं, नीम के पत्ते खाने की बात आयुर्वेद कहता है।
3. सोने से पहले हाथ-मुंह धोने चाहिए और पतले कपड़े पहनने चाहिए।
4. हल्के कपड़े पहनने चाहिए। संतुलित श्रंगार करना चाहिए।
5. इस महीने भोजन में अनाज का उपयोग कम से कम और फलों का इस्तेमाल ज्यादा करना चाहिए।
6. इस महीने से बासी भोजन, खाना बंद कर देना चाहिए।
7. आयुर्वेद के मुताबिक इस महीने में ठंडे जल से स्नान करना चाहिए। गर्म पानी से नहीं नहाना चाहिए।

बुद्धि के दाता बुध हो रहे हैं वक्री

इन राशियों को धोना पड़ सकता है नौकरी से हाथ, धन हानि के भी योग

वैदिक ज्योतिष शास्त्र के मुताबिक, नवग्रह एक निश्चित अवधि के बाद राशि परिवर्तन करते हैं जिसका असर हर राशि के जातकों में जीवन में सकारात्मक या फिर नकारात्मक पड़ता है। ऐसे ही ग्रहों के राजकुमार बुध एक निश्चित अवधि के बाद राशि परिवर्तन या फिर स्थिति में बदलाव कर रहे हैं। ऐसे ही बुद्धि के दाता 2 अप्रैल 2024 को सुबह 3 बजकर 18 मिनट पर मेष राशि में वक्री हो रहे हैं। बुध का वक्री होना कई राशियों के लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकती है। इसके साथ ही कई तरह के परिवर्तन देखने को मिल सकते हैं। आइए जानते हैं बुध के वक्री होने से किन राशियों को मिलेगा लाभ...

बुद्धि के दाता मेष राशि में वक्री हो रहे हैं ऐसे में ये राशियों के अंदर इच्छाओं, लक्ष्यों को पाने के लिए उत्साहित करेगा। ऐसे में आप अपने जीवन पर ध्यान दे सकते हैं। लेकिन इसके अलावा कुछ पुराने विवाद, मतभेद सामने आ सकते हैं। इसके साथ ही धैर्य बनाने की जरूरत है।

मेष राशि – इस राशि पहले भाव में बुध वक्री हो रहे हैं। ऐसे में इस राशि के जातकों को करियर में कई समस्याएं उत्पन्न हो सकती है। इस दौरान कार्यस्थल में सहकर्मियों और वरिष्ठ अधिकारियों से ज्यादा बातचीत नहीं हो पाएगी या फिर किसी कारण गलतफहमी का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है, क्योंकि इससे आपकी जॉब पर असर पड़ सकता है। इसके साथ ही नौकरी संबंधी समस्याओं से बचना चाहते हैं, तो थोड़ा धैर्य से काम करें। किसी भी काम को पूरा करने के बाद एक बार चेक अवश्य करें। इसके साथ ही किसी भी काम को सोच-विचार के साथ करें। आर्थिक स्थिति की बात करें, तो थोड़ा ध्यान दें वरना बेकार के खर्च से परेशान हो सकते हैं। आय में उतार-चढ़ाव देखने को मिल सकतेहैं। इसके साथ ही किसी भी प्रकार का निवेश करने से बचें। पैसों से जुड़े कार्यों पर थोड़ा सोच-समझकर निर्णय लें, क्योंकि धन हानि का सामना करना पड़ सकता है। कुल मिलाकर बुध का वक्री होना आपके लिए चुनौतीपूर्ण साबित हो सकता है।

वृषभ राशि – इस राशि के जातकों को थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है। इस राशि के दूसरे भाव में बुध वक्री हो रहे हैं। ऐसे में इस राशि के जातकों को करियर के क्षेत्र में गिरावट देखने को मिल सकती है। इसलिए थोड़ा धैर्य के साथ काम करें। कई चुनौतियों के कारण आप थोड़े से हताश भी हो सकते हैं। आर्थिक स्थिति की बात करें, तो थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है, क्योंकि अचानक बड़े खर्च से परेशान हो सकते हैं। इसके साथ ही इस अवधि में धन अर्जित करने में असफल हो सकते हैं। सोच विचार कर धन खर्च करें। इसके साथ ही रिश्तों में किसी न किसी तरह के खटास उत्पन्न हो सकती है। इसलिए गलतफहमी के शिकार होने से बचें।

कर्क राशि –इस राशि के जातकों को भी थोड़ा संभलकर रहने की जरूरत है। इस राशि में बुध दसवें भाव में वक्री हो रहे हैं। ऐसे में इस राशि के करियर की रफ्तार धीमी हो सकती है। नौकरी में आप अपने प्रदर्शन से नाखुश हो सकते हैं। इसके साथ ही नौकरी बदलने या फिर ट्रांसफर का सामना करना पड़ सकता है। अधिक मेहनत करने के बावजूद आपको प्रशंसा या फिर सराहना नहीं मिलेगी। ऐसे में आप निराश महसूस कर सकते हैं। काम का बोझ बढ़ सकता है। बिजनेस में भी लगातार असफलता का सामना करना पड़ सकता है। इसलिए थोड़ा रणनीतियों के साथ आगे बढ़े। आर्थिक स्थिति की बात करें, तो आय के स्रोत सीमित हो सकते हैं। इसके साथ ही बेवजह खर्च से परेशान हो सकते हैं। इसके परिणामस्वरूप पैसों की बचत करने में मुश्किलें पैदा हो सकती है। इसलिए थोड़ा सावधान रहने की जरूरत है।

कुंवारी कन्याओं को नहीं करना चाहिए यह 5 काम, लगता है बड़ा दोष

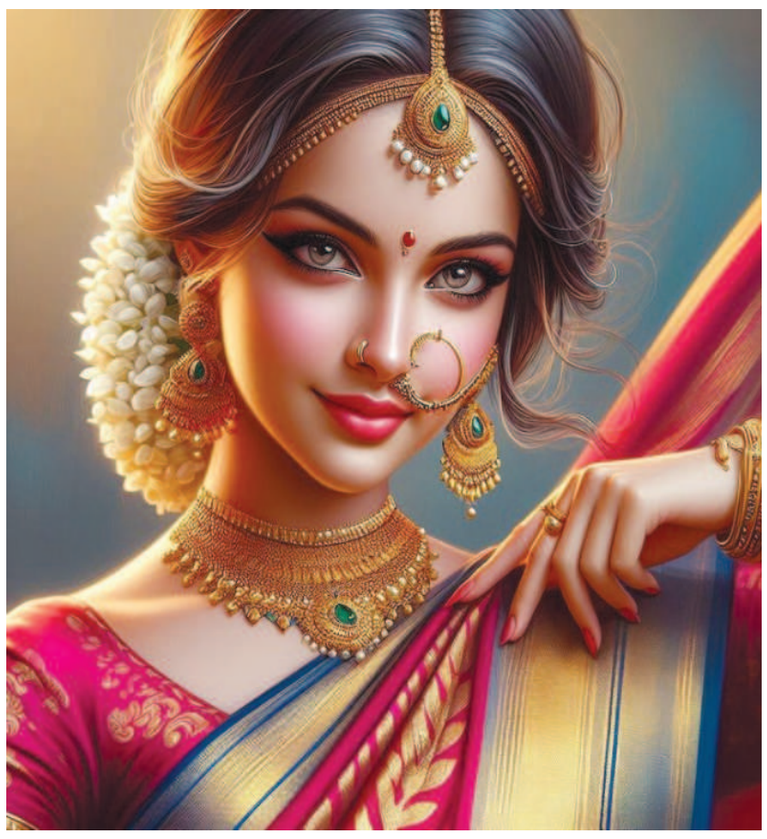

कुंवारी कन्याओं के लिए कई ऐसी बाते हैं जिनके लिए उन्हें अक्सर घर के बड़े बुजुर्ग रोकते हैं और कहते हैं कि यह काम कुंवारी कन्याओं को नहीं करना चाहिए दोष लगता है। पूछने पर जवाब में सिर्फ यही उत्तर मिलता है कि जब तुम्हारी शादी हो जाएगी तब तुम कर सकती है यानी वह सारे काम विवाह और सुहाग से जोड़कर बता दिया जाता है लेकिन इसके पीछे क्या वजह है असली कारण पीछ रह जाता है। आइए जानते हैं कि कुंवारी कन्याओं को कौन से वह पांच काम हैं जो नहीं करने चाहिए और क्यों।

क्या आपको भी घर के बड़े बुजुर्गों ने किसी काम के लिए कभी रोका है, यह कहते हुए कि कुंवारी कन्याओं को ऐसा नहीं करना चाहिए। आपके मन में उस समय यह ख्याल जरूर आया होगा कि आखिर ऐसा क्या है कि यह काम कुंवारी कन्याओं को नहीं करना चाहिए। क्या यह काम कुंवारी कन्या करेंगी तो आफत आ जाएगा। अगर आपने पलट कर यह सवाल पूछ लिया होता कि क्यों नहीं कर सकते तो जवाब यही मिला होगा कि शादी के बाद यह सब कर लेना अभी नहीं करना बस यह जान लो। आइए ऐसे ही काम के बारे में जानते हैं जिन्हें कुंवारी कन्याओं को करने से मना किया जाता है और इसके पीछे वजह क्या है।

कुंवारी कन्याओं को तुलसी में जल नहीं देना चाहिए

कुंवारी कन्याओं के लिए यह कहा जाता है कि उन्हें तुलसी में जल नहीं देना चाहिए। दरअसल तुलसी माता भगवान विष्णु की प्रिया मानी जाती हैं और वह जलंधर नामक असुर की पत्नी थी। लेकिन देव कार्य से भगवान विष्णु को तुलसी के साथ छल करना पड़ा और तुलसी को जब सत्य का ज्ञान हुआ तो उन्होंने अपने शरीर को अग्नि में अर्पित कर दिया और उनकी राख पर तुलसी का पैसा उत्पन्न हुआ। तुलसी का मूल नाम वृंदा है जो पतिव्रता स्त्री थी इसलिए केवल सुहागन स्त्री ही तुलसी को जल और सिंदूर अर्पित करती हैं ताकि उनका सुहाग बना रहे। इसलिए कहा जाता है कि तुलसी में कभी भी कुंवारी कन्या को जल नहीं देना चाहिए।

कुंवारी कन्याओं को बिछिया नहीं धारण करना चाहिए

बिछिया अंगूठी की तरह का आभूषण है जो जिसे पैरों में पहना जाता है। विवाह के बाद कन्याओं को बिधिया धारण करने के लिए कहा जाता है लेकिन जब तक विवाह नहीं हो जाता है तब तक बिछिया धारण करना कुंवारी कन्याओं के लिए शुभ नहीं माना जाता है। दरअसल बिछिया का संबंध संतान सुख से माना जाता है। क्योंकि इसका असर गर्भाशय पर पड़ता है, इस तरह की मान्यता है। इस वजह से बिछिया को भी सुहाग से जोड़ दिया गया है और कहा जाता है कि केवल सुहागन स्त्री ही इसे धारण कर सकती हैं।

कुंवारी कन्याओं को बाल खोलकर नहीं सोना चाहिए

घर के बड़े बुजुर्ग अक्सर यह कहते हैं कि कन्याओं को बाल खुला नहीं रखना चाहिए और बाल खोलकर नहीं सोना चाहिए। दरअसल इस तरह की मान्यता है कि नकारात्मक शक्तियां इससे हावी हो सकती हैं। दूसरा पक्ष बालों की सेहत से भी है। लेकिन वजह जो भी हो इस तरह की बातें अक्सर आप सुनते आए होंगे।

कुंवारी कन्याओं को सिंदूर और बिंदी भी नहीं लगना चाहिए

कुंवारी कन्याओं के लिए यह भी नियम है कि उनको सिंदूर से टीका नहीं करना चाहिए और न बिंदी लगाना चाहिए। अगर कुंवारी कन्या चाहें तो कुमकुम से टीक लग सकती हैं या बिंदी बना सकती हैं। क्योंकि सिंदूर और बिंदी का संबंध भी सुहाग से यानी विवाहित होने से माना जाता है।

कुंवारी कन्याएं पैर नहीं छूती

अक्सर जब छोटी कन्या किसी के पैर छूने लगती हैं तो उसे रोक दिया जाता है कि हमारे यहां कन्या पैर नहीं छूती हैं। दरअसल कुंवारी कन्याओं को देवी का रूप माना जाता है और उनकी पूजा की जाती है। लोग देवी के चरण छूते हैं न कि उनसे चरण स्पर्श करवाते हैं। इसलिए कुंवारी कन्याएं किसी के पैर नहीं छूती हैं।

दवा हो रही है बेअसर

तो वास्तु के इन उपायों से आपकी सेहत हो सकती है बेहतर

किसी रोग का शिकार होने पर डॉक्टरों की जरूरत तो होती ही है लेकिन ज्योतिष शास्त्र के अनुसार अगर कोई व्यक्ति ग्रहों, नक्षत्रों के अनुसार अपनी जन्मपत्री से संबंधित उपाय कर लें, तो उपचार में आश्चर्यजनक लाभ मिलता है। इतना ही नहीं समय से उपाय कर लिए जाए, तो रोग को पास आने से पहले ही दूर भगाया जा सकता है। खान-पान पर न ध्यान देना एवं जीवनशैली में विकृति के साथ विभिन्न ग्रहों के कारण हमें रोग होते हैं, यदि हम पौष्टिक आहार लें, जीवनशैली में सुधार करें। आदतों में परिवर्तन के साथ कष्टदायक ग्रहों और वास्तु दोषों का भी निदान कर लें, तो इलाज में उल्लेखनीय सुधार होता है। घर और काम करने की स्थितियां हमारे रोग का कारण बनती है पर जानकारी के अभाव में हम उस गुप्त शत्रु के बारे में जान ही नहीं पाते हैं। दवा के साथ दुआ हमेशा महत्वपूर्ण मानी गई है, ज्योतिष, वास्तु का उपाय एवं उपयोग करना लाभकारी होता है।

यदि हमारे घर के दरवाजे एवं खिड़कियां खोलते समय चरमरा कर आवाज करती है तो निश्चित रूप से यह मानसिक तनाव का कारण बनती है, कब्जे में तेल डालकर उनकी आवाज बंद करने का प्रयास करें।

यदि आप पीलिया के शिकार हो तो दवा जरूर करें, साथ ही छोटे से मिट्टी के बर्तन में शहद भरकर ढके और मुँह को आटे से बंद करने के बाद शरीर पर से सात बार उतारकर वीरान स्थान पर ले जाकर दबा दें, निश्चित रूप से स्वास्थ्य लाभ होगा।

पैरों में जोड़ों का दर्द हो रहा हो तो समझिए घर या बेडरूम शनि प्रधान है या तो कुंडली में शनि की दशा ठीक नहीं है, ऐसे में आठ किलो काली खड़ी उड़द रोगी के बदन से उतारकर जल में प्रवाहित करें अथवा किसी जरूरतमंद को दे दें, यदि रोगी स्वयं नहीं जा सकता तो रक्त संबंधी भी यह उपाय कर सकते हैं।

कमर या पीठ में दर्द का कारण केतु होता है, ऐसे में तकरीबन आठ सौ ग्राम काले-सफेद तिल को इष्टदेव का नाम लेकर नदी अथवा तालाब में प्रवाहित करें, रीढ़ की हड्डी के दर्द में निश्चित लाभ होगा।

कोई रोग लंबा हो तो काले उड़द को चार सौ ग्राम दही में मिलाकर घर के दक्षिण दिशा में रखने से शीघ्र लाभ मिलेगा।

चिकित्सक यदि बीमार व्यक्ति को उत्तर दिशा में बैठकर दवाई दे, तो औषधि ज्यादा लाभकारी होगी इतना ही नहीं दवा को भी वायव्य कोण में ही रखना चाहिए। यदि माँ बच्चे को नैऋत्य कोण में बैठकर दूध पिलाती है, तो वह बच्चा रोगों से ग्रस्त रहेगा पर यदि माँ पूर्व की ओर मुँह करके बच्चे को दूध पिलाएं तो बच्चा सेहतमंद रहेगा।

रोगी को नैऋत्य कोण में रखने पर बिमारी लंबे समय तक बनी रहती है, पर उसे वायव्य अथवा ईशान कोण में रखने से अपेक्षाकृत जल्दी लाभ होगा।

कमरे की छत में यदि बीम लगा हो तो उसके नीचे बिल्कुल भी नहीं सोना चाहिए क्योंकि बीम जिस भी अंग के नीचे पड़ेगा, वह भाग रोगग्रस्त हो जाएगा।

यदि इमरजेंसी न हो तो दवा लेने की शुरुआत स्वाति, पुनर्वसु, श्रवण या धनिष्ठा नक्षत्रों में करनी चाहिए, ऐसी स्थितियां न बनें तो रविवार, बुधवार या शुक्रवार को दवा लेना आरंभ करेंगे तो शीघ्र स्वास्थ लाभ होगा, दवा लेते समय जन्म वाला नक्षत्र नहीं होना चाहिए।

'लोग नीचा दिखाने के लिए आपके चरित्र पर हमला करते हैं', बॉलीवुड की राजनीति पर रवीना का कटाक्ष

90 के दशक की खूबसूरत अदाकारा रवीना टंडन इन दिनों सुर्खियां बटोर रही हैं। जल्द ही रवीना 'पटना शुक्ला' में नजर आएंगी। फिल्म का ट्रेलर सामने आने के बाद से दर्शकों में इस फिल्म को लेकर काफी उत्साह देखने को मिल रहा है। अभिनेत्री भी अपनी आगामी फिल्म का प्रचार-प्रसार जोरों-शोरों से कर रही हैं। इस दौरान हाल ही में, अभिनेत्री ने बॉलीवुड को लेकर कुछ सनसनीखेज खुलासे किए हैं। आइए जानते हैं कि अभिनेत्री ने क्या कहा है।

रवीना टंडन ने अपने हालिया इंटरव्यू में यह स्वीकार किया कि फिल्म इंडस्ट्री असुरक्षित लोगों से भरा हुआ है। रवीना ने कहा कि वह अपने करियर में इंडस्ट्री की राजनीति का शिकार हुई थीं, लेकिन वह आज गर्व से कह सकती हैं कि उन्होंने कभी भी अपनी इच्छा से किसी और के करियर को नुकसान पहुंचाने की रणनीति नहीं बनाई।

रवीना ने आगे बताया कि उन्होंने पहले भी कई बार कहा है कि 90 के दशक में इंडस्ट्री में काफी कॉन्फिडेंस था। अब यह यह सब सोचते हैं तो कितना अजीब लगता है। उन्होंने कहा, 'सेट पर माहौल बहुत मजेदार हुआ करता था। लोग झगड़ों, अफेयर्स, बदला लेने के ड्रामा के बारे में एक-दूसरे को चिढ़ाते थे। उस समय सब कुछ बहुत अच्छा हुआ करता था।'

रवीना टंडन का कहना है कि उन्होंने अपने बच्चों से अपने पुराने रिश्तों को नहीं छुपाया है। अभिनेत्री का कहना है कि कल को वे इसके बारे में कहीं पढ़ेंगे और खुद से कोई सोच बनाएंगे। इससे अच्छा है कि मैं पहले ही सब चीजें क्लियर कर दूं क्योंकि मुझे पता है कि फिल्म इंडस्ट्री कितना गलाकाट है। लोग यहां आपको नीचा दिखाने के लिए सबसे पहले आपके चरित्र पर हमला करते हैं।

अभिनेत्री ने कहा कि हमारी इंडस्ट्री प्रतिस्पर्धी है, लेकिन कौन सी इंडस्ट्री में ऐसा नहीं होता है। राजनीति और कॉरपोरेट की दुनिया में भी ऐसा ही है। फर्क सिर्फ इतना है कि फिल्म इंडस्ट्री के बारे में इसलिए लिखा जाता है क्योंकि लोग प्रसिद्ध लोगों के बारे में गॉसिपिंग करना चाहते हैं। लोग यहां राजनीति सिर्फ राजनीति करना चाहते हैं।

शादी की खबरों के बीच तापसी की इस तस्वीर से मची हलचल, मांग में सिंदूर लगाए नजर आईं एक्ट्रेस!

तापसी पन्नू बॉलीवुड और साउथ की एक नामी अभिनेत्री हैं। वह अपनी बेबाकी के लिए भी जानी जाती हैं। जब भी किसी बात पर अपनी राय रखनी हो, तो वह जरा भी हिचकती नहीं, न ही दूसरों की बातों से प्रभावित होती हैं। अब हाल ही में, खबर आई थी कि अभिनेत्री ने अपने लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड और बैडमिंटन खिलाड़ी मैथियास बो से शादी कर ली है। हालांकि, इन खबरों के बीच तापसी की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रही है, जिसमें वह मांग में सिंदूर लगाए नजर आ रही हैं।

पिछले काफी दिनों से खबर आ रही है कि अभिनेत्री तापसी पन्नू और उनके लॉन्ग टाइम बॉयफ्रेंड मैथियास बो ने 23 मार्च को उदयपुर में शादी रचा ली है।मीडिया रिपोर्ट्स की मानें तो इस शादी में तापसी और माथियास ने केवल अपने सबसे करीबी लोगों को ही बुलाया था। वहीं कहा जा रहा है कि उनकी ये शादी सिख और क्रिश्चियन दोनों परंपराओं से हुई है। इन सब के बीच अब तापसी की एक तस्वीर वायरल हो रही है, जो इन अफवाहों की पुष्टि करती नजर आ रही है।

तापसी पन्नू के एक करीबी दोस्त ने 25 मार्च को अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर होली की एक तस्वीर साझा की है। तस्वीर में उनके अलावा तापसी, मैथियास बो और कुछ अन्य दोस्त भी नजर आ रहे हैं। तस्वीर में तापसी की मांग में सिंदूर लगा दिख रहा है। हालांकि, कई लोगों का कहना है कि यह केवल होली का रंग है और एक-दूसरे को रंग लगाते वक्त ऐसा हो गया होगा।

तापसी की इन तस्वीरों पर यूजर्स तरह-तरह के कमेंट्स कर रहे है। एक यूजर ने कहा, 'यह तापसी की मांग कौन भर गया?' दूसरे यूजर ने कहा, 'तापसी मैम की शादी हो गई, हमें आज पता लगा।' एक और यूजर ने लिखा, 'न इनकी शादी का पता लगता और न इनके तलाक का।'

मालूम हो कि तापसी पन्नू और मैथियास बो पहली बार 2013 में इंडियन बैडमिंटन लीग के उद्घाटन समारोह में एक-दूसरे से मिले थे। वहीं वर्कफ्रंट की बात करें तो तापसी के पास 'फिर आई हसीन दिलरुबा', 'वो लड़की है कहां' और 'खेल खेल में' हैं।

साउथ अभिनेता राम चरण का 'गेम चेंजर' फिल्म से 'जरागांडी' का पोस्टर जारी

साउथ अभिनेता राम चरण अपनी आगामी फिल्म 'गेम चेंजर' को लेकर सुर्खियों में हैं। 'गेम चेंजर' के गाने 'जरागांडी' की रिलीज का लंबे समय से इंतजार कर रहे फैंस के लिए खुशखबरी है। अब आखिरकार निर्माताओं ने इसकी रिलीज की घोषणा कर दी है। दरअसल, इससे पहले फैंस उनकी बहुप्रतीक्षित फिल्म के पहले गाने का बेसब्री से इंतजार कर रहे थे, लेकिन निर्माता ने 'जरागांडी' की रिलीज को स्थगित कर दिया था। अब यह गाना दर्शकों के बीच धमाल मचाने के लिए तैयार है। निर्देशक शंकर ने 'जरागांडी' गाने की रिलीज की तारीख और समय के साथ राम चरण का एक पोस्टर साझा किया। अपने सोशल मीडिया अकाउंट पर एक आधिकारिक बयान साझा करते हुए निर्माताओं ने खुलासा किया कि बहुप्रतीक्षित गीत 'जरागांडी' कल सुबह नौ बजे रिलीज होगा। कल यानी 27 मार्च को अभिनेता राम चरण का जन्मदिन भी है। इस खास मौके पर फैंस को इस गाने का तोहफा मिलेगा। यह गाना तीन भाषाओं तेलुगु, तमिल और हिंदी में रिलीज होगा। गाने के पोस्टर में रंग-बिरंगे घरों की पृष्ठभूमि में बैंगनी रंग का कुर्ता-पायजामा पहने राम चरण बेहद हैंडसम लग रहे हैं।

'कृष 4' की स्क्रिप्ट पूरी करने के लिए तैयार ऋतिक रोशन-राकेश रोशन

कुछ महीने पहले खबर आई थी कि बॉलीवुड सुपरस्टार ऋतिक रोशन और फिल्म निर्माता राकेश रोशन ने बहुप्रतीक्षित कृष फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त यानी 'कृष 4' की कहानी तय कर ली है। हालांकि, अब फिल्म पर नया अपडेट सामने आया है। बताया जा रहा है कि ऋतिक रोशन अपने पिता राकेश रोशन के साथ मिलकर इस साल गर्मियों में कॉन्सेप्ट को पूरा करने की योजना बना रहे हैं। दोनों 2024 के अंत तक स्क्रिप्ट को लॉक कर देंगे। फिल्म फिल्म की शूटिंग को लेकर भी बड़ा अपडेट सामने आया है।

रिपोर्ट्स के अनुसार, ऋतिक रोशन अगले साल यानी 2025 में 'कृष 4' की शूटिंग शुरू करेंगे। अभिनेता वर्तमान में 'वॉर 2' की शूटिंग में व्यस्त हैं, फिर भी वे अपने पिता और लेखकों की इन-हाउस टीम के साथ कृष के चौथे भाग पर विचार करेंगे। ऋतिक ने पूरी गर्मियों में विचार-मंथन सत्र निर्धारित किए हैं। राकेश और वे दोनों एक ऐसी कहानी पेश करना चाहते हैं, जो उम्मीदों से अधिक हो। इसके साथ ही निर्माताओं ने इस साल मूल विचार को लॉक करने और अगले साल 2025 में शूटिंग के लिए मंच तैयार करने की योजना बनाई है।

इससे पहले फिल्म की कहानी में कहा गया था कि 'कृष 4' अंतरिक्ष यात्रा के दायरे का पता लगाएगी। टीम 2025 में फ्रेंचाइजी की चौथी किस्त की शूटिंग शुरू करने पर विचार कर रही है। रिपोर्ट में दावा किया गया है कि टीम ने खोजबीन की है और बाद में बहुत सारे विचारों को शूट किया है। निर्माताओं को यकीन है कि अगर कहानी काम नहीं करती है तो वे इसके साथ आगे नहीं बढ़ेंगे। यही कारण है कि उन्होंने सुपरहीरो की यात्रा को आगे बढ़ाने के लिए सही कहानी खोजने में कई महीने लगा दिए हैं।

फिल्म फ्रेंचाइजी की शुरुआत 'कोई मिल गया' से हुई, जिसमें प्रीति जिंटा और रेखा मुख्य भूमिका में थीं। इस साल आठ अगस्त को 20 साल पूरे हो गए। इसकी दूसरी किस्त 'कृष' में ऋतिक के साथ प्रियंका चोपड़ा मुख्य भूमिका में थीं। 'कृष 3' में भी यह जोड़ी बनी रही थी। अब प्रशंसक सुपरहीरो गाथा के अगले भाग 'कृष' का बेसब्री से इंतजार कर रहे हैं।

वहीं बात करें ऋतिक रोशन की आने वाली फिल्मों के बारे में तो अभिनेता को आखिरी बार सिद्धार्थ आनंद की 'फाइटर' में देखा गया था, जिसमें उनके साथ दीपिका पादुकोण और अनिल कपूर मुख्य भूमिका में थे। यह फिल्म इस साल की शुरुआत में गणतंत्र दिवस पर रिलीज हुई थी। वहीं अब फैंस को ऋतिक की अगली फिल्म 'वॉर 2' का भी बेसब्री से इंतजार है, जिसमें साउथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर भी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

हनी सिंह ने बादशाह के 'पापा का कमबैक' तंज का दिया मुंहतोड़ जवाब

बोले- फैंस के आगे कुछ नहीं कहना

पिछले काफी समय से बादशाह और हनी सिंह की जुबानी जंग दर्शकों को देखने को मिल रही है। दोनों के बीच वर्षों से विवादों का रिश्ता चला आ रहा है। हालांकि, करियर के शुरुआती दिनों में दोनों के बीच अच्छी दोस्ती भी हुआ करती थी, लेकिन कामयाबी और पैसों ने धीरे-धीरे इस दोस्ती को पूरी तरह से खत्म कर दिया। अब दोनों आए दिन एक-दूसरे पर तंज कसते नजर आते हैं। हाल ही में, हनी सिंह एक होली पार्टी का हिस्सा बने, जहां उन्होंने बादशाह के 'पापा के कमबैक' वाले कमेंट का मुंहतोड़ जवाब दिया है। रैपर का यह वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है।

रैपर और गायक बादशाह कुछ दिनों पहले हनी सिंह पर अपनी टिप्पणी को लेकर चर्चा में थे, जिसमें उन्होंने हनी सिंह के कमबैक पर जोरदार पर कटाक्ष किया था। अब गायक और रैपर हनी सिंह ने बादशाह को एक कमेंट के साथ मुंहतोड़ जवाब दिया है और कहा है कि उनके प्रशंसक ही सारी बातें करने के लिए काफी हैं, उन्हें बादशाह को जवाब देने के लिए अपना मुंह खोलने की जरूरत नहीं है।

हनी सिंह को सोमवार को मुंबई में एक होली पार्टी में परफॉर्म करते देखा गया और यहीं पर उन्होंने बादशाह पर तंज कसा। उन्होंने बिना किसी का नाम लिए कहा, ₹मुझे सब बोलते हैं, जवाब दो, रिप्लाई करो.. मैं क्या रिप्लाई करूं... तुम लोगों ने पहले से ही उसके सारे कमेंट्स का अच्छे से रिप्लाई दे रखा है। मुझे मुंह खोलने की जरूरत ही नहीं पड़ती है।

जैसे ही भीड़ ने उनके लिए तालियां बजाईं, गायक ने कहा, मुझे बोलने की जरूरत नहीं पड़ती। तुमलोग खुद क्रेजी हो। हनी सिंह क्रेजी है और उसके फैंस भी क्रेजी हैं।

बता दें कि पिछले दिनों बादशाह ने हनी सिंह पर कमेंट करते हुए कहा था, ₹एक कलम और कागज देना। गिफ्ट लाया हूं तुम्हारे लिए। कुछ गीत लिख के दे देता हूं। पापा का कमबैक हो जाएगा तुम्हारे, और यह बात लोगों को पसंद नहीं आई, जिसके बाद अब हनी सिंह ने उन्हें मुंहतोड़ जवाब दिया है।

पूजा भट्ट ने ट्रोलर्स को दिया जवाब : बोलीं- वो गाली देकर अटेंशन पाना चाहते हैं

नेपोटिज्म पर कहा- मेरे साथ 8 नई लड़कियों ने काम किया

पूजा भट्ट हाल ही में अमेजन प्राइम पर रिलीज हुई वेब सीरीज 'बिग गर्ल्स डोंट क्राई' में नजर आई हैं। सीरीज में पूजा भट्ट बोर्डिंग स्कूल की प्रिंसिपल का किरदार निभाती दिखाई दी हैं। इसी बीच पूजा भट्ट ने दैनिक भास्कर से खास बातचीत के दौरान पर्सनल और प्रोफेशनल दोनों मुद्दों पर चर्चा की। उन्होंने सोशल मीडिया पर ट्रोलिंग करने वालों को भी जवाब दिया है। उनका कहना है कि कुछ लोग अटेंशन के भूखे हैं। यही वजह है कि वो गलत तरह के कमेंट करके लोगों का अटेंशन पाना चाहते हैं। इसके अलावा पूजा ने नेपोटिज्म जैसे बड़े मुद्दे पर भी खुलकर बात की है।

नेपोटिज्म पर बोलीं पूजा भट्ट

पूजा इंडस्ट्री में नेपोटिज्म शब्द सुन-सुनकर थक चुकी हैं। उन्होंने कहा कि मेरी इसी सीरीज में एक नहीं बल्कि 8 नई लड़कियों को ब्रेक मिला है। वो सभी लड़कियां अलग-अलग जगह और कल्चर से हैं। इसमें नेपोटिज्म कहां है? अपने पिता महेश भट्ट की तारीफ करते हुए उन्होंने कहा कि वो हमेशा से नए लोगों को मौका देते आए हैं। इसलिए मेरी फैमिली पर नेपोटिज्म को लेकर कोई उंगली नहीं उठा सकता है।

पूजा ने कहा मुझे स्टार मेरे पिता ने नहीं, दर्शकों ने बनाया है। उनका मानना है कि अगर मैं आज भी काम कर रही हूं तो दर्शकों की वजह से ही कर रही हूं। ये दर्शकों का प्यार है कि मुझे 52 साल की उम्र में भी काम मिल रहा है।

इंडस्ट्री के लोगों के लिए उनका कहना है कि अगर आप क्रिटिसिज्म एक्सेप्ट नहीं कर पा रहे हैं, तो तारीफ भी एक्सेप्ट ना करें। क्रिटिसिज्म हो या तारीफ पूजा हर चीज के लिए खुद को तैयार रखती हैं।

उन्होंने कहा- हर किसी की लाइफ में कुछ मोरल एथिक्स होने चाहिए। अपनी बात रखने की ताकत होनी चाहिए। मेरे लिए भट्ट साहब (पिता महेश भट्ट) सबसे बढ़कर हैं, लेकिन अगर मैं उनकी किसी बात से सहमत नहीं हूं, तो ये बात मैं उन्हें बताऊंगी। मैं उनकी हां में हां नहीं मिला सकती हूं, और भट्ट साहब इसकी रिस्पेक्ट करते हैं।

उन्होंने बताया कि हम सभी एक साथ रहते हैं, लेकिन मेरे घर में सभी को अपना ओपिनियन रखने का पूरा हक है। वहीं सोसाइटी आपको कुछ कंडीशन के साथ अपना पक्ष रखने की छूट देती है।

पूजा से पूछा गया कि क्या इंडस्ट्री में फीमेल एक्ट्रेस और डायरेक्टर्स को मेल की तुलना में बराबर मौका मिलता है? इसपर पूजा ने कहा- मेरी लाइफ में सबसे बड़े फेमिनिस्ट मेल ही रहे हैं, तो ऐसा कहना सही नहीं होगा। कई बार पुरुष आपकी भावनाएं महिलाओं से ज्यादा समझते हैं। उनका मानना है कि जेंडर देखकर काम नहीं दिया जाना चाहिए। काम उसी को मिलना चाहिए, जो उसका सही हकदार हो।

पूजा को ये देखकर खुशी होती है कि आज के जमाने में सेट पर बहुत सी महिलाएं मौजूद होती हैं। उन्होंने कहा- मेरे जमाने में सेट पर मुश्किल से 3 या 4 महिलाएं ही होती थीं। उस समय सेट पर 99% पुरुष ही होते थे। पूजा ने कहा कि भले ही सेट पर इतने पुरुष होते थे। लेकिन उन्होंने कभी भी पूजा को अनकंफर्टेबल महसूस नहीं कराया।

ट्रोलिंग करने वालों को पूजा ने जवाब दिया

सोशल मीडिया पर होने वाली ट्रोलिंग पर पूजा भट्ट ने कहा कि ये बहुत कॉमन हो गया है। उन्होंने कहा- ये पता चल जाता है कि कौन जानबूझकर ट्रोल करने की कोशिश कर रहा है। कई बार 100 में 99 अच्छे कमेंट आते हैं। लेकिन कुछ लोग हैं जिन्होंने अपना मन बना लिया है कि आप जितना मर्जी अच्छा कर लें। वो वहीं कमेंट करेंगे जो उन्होंने पहले से सोचा है।

पूजा ने कहा- ट्रोलिंग अक्सर वही लोग करते हैं, जिनको अपनी खुद की जिंदगी में अटेंशन नहीं मिलता है। वो लोग अटेंशन पाने के लिए ऐसा करते हैं। शायद ये करके वो फेम पाना चाहते हैं। लेकिन मैं यहां किसी को फ्यूल देने के लिए नहीं हूं। आपको जैसे ट्रोलिंग करनी है कीजिए। ये आपकी असलियत दिखाता है, मेरी नहीं।

अपनी बात को आगे बढ़ाते हुए पूजा ने कहा कि लोग सोशल मीडिया का मिसयूज कर रहे हैं। एक्ट्रेस का कहना हैं कि अगर आपको किसी की एक्टिंग या काम नहीं पसंद आया है, तो आप उसी मुद्दे पर कमेंट करिए। पूजा का मानना है कि वो गंदे शब्द इसलिए करते हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि उसपर सभी का ध्यान जाएगा। आखिर में उन्होंने कहा कि दुनिया में लोगों के पास बहुत सी समस्याएं हैं। सोशल मीडिया यूज कीजिए लेकिन दूसरे लोगों के साथ भी अच्छे से पेश आइए।

'लॉक अप' के दूसरे सीजन को होस्ट करेंगी कंगना? पायल रोहतगी ने ली फिरकी, नोट साझा कर कसा तंज

बॉलीवुड की क्वीन कंगना रणौत इन दिनों राजनीति में अपनी एंट्री के लिए खूब सुर्खियां बटोर रही हैं। इन दिनों एक्ट्रेस अपने पॉपुलर शो 'लॉक अप' के दूसरे सीजन को लेकर काफी चर्चा में हैं। शो के पहले सीजन के सफलता के बाद अब शो के मेकर्स ने 'लॉक अप' सीजन 2 के लिए पूरी तरह से तैयार हैं। अब हाल ही में, एकता कपूर ने शो को लेकर बड़ा अपडेट दिया है। एकता ने बताया है कि दो साल के इंतजार के बाद 'लॉक अप' का दूसरा सीजन इसी साल ऑन एयर होगा। एकता की इस अनाउंसमेंट के बाद पायल रोहतगी ने कंगना पर निशाना साधा है।

एकता कपूर के इस अनाउंसमेंट के बाद सबके मन में यही एक सवाल उठ रहा है कि क्या राजनीति में एंट्री के बाद भी कंगना लॉक अप के दूसरे सीजन को होस्ट करेंगी या इस बार होस्ट के रूप में दर्शकों को कोई नया चेहरा देखने को मिलेगा। इस मामले पर अब पायल रोहतगी ने अपनी प्रतिक्रिया दी है और अभिनेत्री पर तंज कसा है।

एकता कपूर से पूछा कि क्या कंगना रणौत 'लॉक अप 2' को होस्ट करेंगी? इस पर जवाब देते हुए उन्होंने कहा, 'मुझे उम्मीद है कि उन्हें लॉक अप के अगले सीजन को होस्ट करने का मौका मिलेगा।'

पायल ने कंगना पर निशाना साधते हुए अपने इंस्टाग्राम स्टोरीज पर अपने पिता क साथ अपनी चैट का एक स्क्रीनशॉट शेयर किया, जिसमें लिखा था, 'कंगना रणौत को लोकसभा चुनाव में हिमाचल प्रदेश के मंडी से टिकट मिला है।' उन्होंने अपनी बेटी से सवाल करते हुए आगे लिखा है, 'प्लीज बताओ कि पायल को बीजेपी ने लोकसभा चुनाव में टिकट क्यों नहीं दिया?'

बता दें कि अभिनेत्री कंगना रणौत इन दिनों लगातार सुर्खियां बटोर रही हैं।

बॉलीवुड की क्वीन को भाजपा हिमाचल प्रदेश के मंडी लोकसभा सीट से चुनाव में उतारने जा रही है। कंगना के फैंस जहां इस खबर से काफी खुश नजर आ रहे हैं, वहीं कुछ लोग उन्हें जमकर ट्रोल भी कर रहे हैं।

लंबे समय तक नहीं टिक पाती लिपस्टिक तो जानें ये टिप्स

लिपस्टिक हर लड़की की जिंदगी का बहुत जरूरी हिस्सा है। अगर आप कहीं पार्टी में जा रहीं हैं, या ऑफिस जा रहीं हैं, तो सिर्फ लिपस्टिक लगाकर आप अपने लुक को कंप्लीट कर सकती हैं। लिपस्टिक से आपका लुक निखर के बाहर आ सकता है। पर, बहुत सी लड़कियों को ये शिकायत रहती है कि उनकी लिपस्टिक ज्यादा समय तक टिकती नहीं है। इसके पीछे कई वजह होती हैं। जैसे होठों का फटना या कुछ खाना-पीना लिपस्टिक को खराब कर देता है। इस परेशानी का सामना लगभग हर लड़की करती है।

ऐसे में हम आपको आज कुछ ऐसे तरीके बताएंगे, जिसको अगर आप फॉलो करेंगी तो आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकेगी। यानि कि अगर आप रोजाना इन टिप्स को फॉलो करके

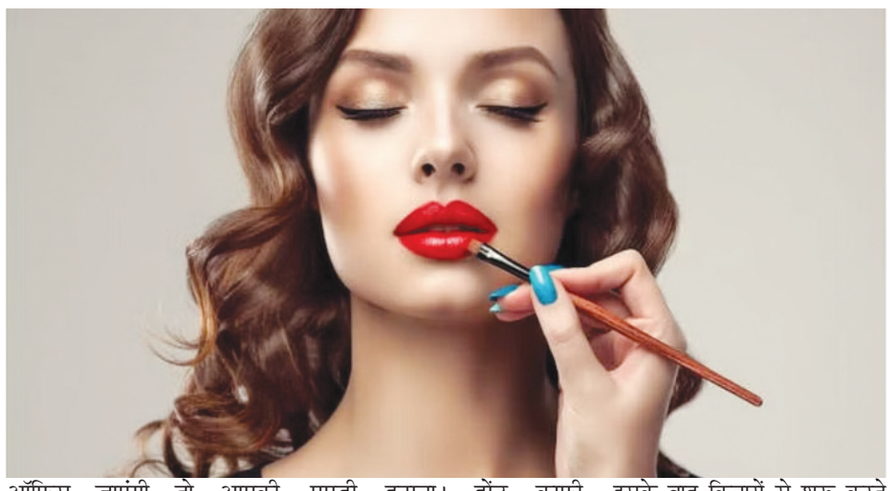

ऑफिस जाएंगी तो आपकी लिपस्टिक लंबे समय तक टिकी रहेगी। तो आइए देर ना करते हुए आपको भी ये तरीके बताते हैं।

लिप्स को करें एक्सफोलिएट

लिपस्टिक लगाने से पहले होठों को एक्सफोलिएट जरूर करें। इसका मतलब होता है होठों की पपड़ी हटाना। होंठ काफी संवेदनशील होते हैं। इसलिए इसे अच्छे क्वालिटी के स्क्रब से साफ करें। बाजार में कई तरीके के स्क्रब आसानी से मिल जाते हैं। होठों को एक्सफोलिएट करने के बाद मॉइस्चराइज जरूर करें।

कंसीलर को बनाएं लिप प्राइमर

लिपस्टिक लगाने के पहले कंसीलर का इस्तेमाल लिप प्राइमर की तरह करें। अपने होठों पर कंसीलर लगाने के लिए सबसे पहले इसकी आउटलाइन बनाएं और फिर होठों पर थपथपाएं।

ब्रश से लगाएं लिपस्टिक

अगर आप ब्रश से लिपस्टिक लगाते हैं तो ये ज्यादा समय तक टिकी रहती है। लिपस्टिक लगाने के लिए सबसे पहले ऊपर और नीचे के होठों के बीच में इसे लगाएं। इसके बाद किनारों से शुरू करते हुए और धीरे-धीरे बीच में आते हुए अपने निचले होठों में फिलिंग करें। ठीक इसी तरह अपने ऊपर के होठों के साथ भी ऐसा करें।

इसके बाद अपनाएं पफ एंड टिश्यू ट्रिक

जब लिपस्टिक लगा लें तो इसके बाद एक टिश्यू लें और इसे होठों के बीच कसकर दबाएं। इससे एक्सट्रा लिपस्टिक साफ हो जाएगी।

सबसे लास्ट में करें पेंसिल लाइनर का इस्तेमाल

लिपस्टिक लगाने के बाद सबसे लास्ट में पेंसिल लाइनर का इस्तेमाल करें। इसके लिए कोशिश करें कि न्यूड शेड का लाइनर इस्तेमाल करें। ताकि होंठ की शेप अलग से दिखाई दे।

ब्रेकअप के दर्द से हैं परेशान अपनाएं ये आसान से तरीके

जब एक लड़का और लड़की प्यार में होते हैं तो उनके पास सारे जहां की खुशियां मौजूद होती हैं. लोग अपने पार्टनर के साथ खूब घूमते-फिरते हैं, मूवी आदि का प्लान बनाते रहते हैं. दोनों का प्यार परवान पर चढ़ गया होता है, लेकिन अचानक किसी बड़े कारण या अन्य किन्हीं वजहों से दोनों को अलग होना पड़ जाता है. रिलेशनशिप में रहते हुए धोखा, एक-दूसरे को इग्नोर करना, अपने रिश्ते को टेकन फॉर ग्रांटेड लेना, एक-दूसरे को पर्याप्त समय ना देना या फिर आपसी अंडरस्टैंडिंग, बॉन्डिंग, लगाव, केमिस्ट्री की कमी आदि के कारण ब्रेकअप हो जाता है. ऐसी स्थिति में प्यार करने वाले बेहद दुःखी हो जाते हैं. कई लोग ब्रेकअप के कारण डिप्रेशन में चले जाते हैं. उन्हें पूरी दुनिया सूनी लगने लगती है. व्यक्ति अंदर तक टूट जाता है. ऐसी स्थिति में बेहद जरूरी है कि वो ये सब भूलकर जीवन में आगे बढ़े. आइए आज हम आपको ऐसे टिप्स बताते हैं, जो आपको ब्रेकअप से मूव ऑन करने में मदद करेंगे।

*** पुरानी यादों से दूरी बनाएं**

ब्रेकअप के बाद पुरानी हर तरह की यादों से दूरी बनाना जरूरी है. आपको अपने पास्ट के बारे में सोचना बंद कर देना चाहिए. अच्छी और बुरी सभी पुरानी यादें आपको हर समय की टेंशन से घेर सकती है. इसके लिए अपने पुराने रिश्ते से जुड़ी सभी छोटी से छोटी निशानियों को अलविदा कहें और आगे बढ़े. अपने कार्यों में फोकस करें।

***दोस्तों और परिवार के साथ समय बिताएं**

ब्रेकअप के बाद मन में तरह-तरह के ख्याल आते हैं. इसलिए जरूरी है कि ब्रेकअप के बाद अकेले रहने से बचें. परिवार और करीबी दोस्तों के साथ समय बिताना ब्रेकअप के बाद टेंशन फ्री रहने का सबसे अच्छा तरीका होता है. ब्रेकअप के बाद अपनी सोच को पॉजिटिव रखें और परिवार के साथ अपने मन की बातें शेयर करें. ऐसा करने से आप बेहतर फील कर सकते हैं.

हंसी-मजाक वाले टीवी शो देखें

ब्रेकअप के बाद कुछ लोग खाना-पीना भी छोड़ देते हैं. ऐसी गलती ना करें. इससे आप शारीरिक रूप से कमजोर होंगे. ब्रेकअप के बाद जिंदगी में आगे बढ़ना है, तो पौष्टिक खाएं, अच्छी-अच्छी बातें सोचें. अपना मन लगाने के लिए फेवरेट काम करें. हॉबीज को पूरा करें. हंसाने वाले टीवी शोज देखें. इससे आपका मूंड हल्का होगा.

मन की बातें शेयर करें

अधिकतर लोग ब्रेकअप के बाद तनाव और डिप्रेशन की स्थिति में आ जाते हैं, क्योंकि वे अपने आपको अकेला समझने लगते हैं और अपने मन की बात किसी से नहीं कह पाते हैं. लेकिन ब्रेकअप के बाद टेंशन फ्री रहने के लिए अपनी भावनाओं को शेयर करना बहुत जरूरी है. इसलिए आपको मन में जो भी हो वो अपने दोस्तों और करीबियों से शेयर करें.

योग या एक्सरसाइज करें

ब्रेकअप से व्यक्ति मेंटली कमजोर करने के साथ-साथ थका देता है. ऐसे में मानसिक टेंशन को दूर करने के लिए आप योग और मेडिटेशन काफी कारगर उपाय है. ब्रेकअप के बाद टेंशन में बैठे रहने के बजाए योग और एक्सरसाइज से खुद को फिजिकली और मेंटली स्ट्रांग बना सकते हैं.

ये नेचुरल चीजों से रिमूव करें मेकअप, मिनटों में क्लीन हो जाएगा चेहरा

फेस पर लगा मेकअप रिमूव करने के लिए लोग कई ब्यूटी प्रोडक्ट्स का इस्तेमाल करते हैं. हालांकि, केमिकल युक्त ये चीजें स्किन को डैमेज कर सकती हैं. इससे त्वचा पर कई समस्याएं भी होने लगती हैं. आप कुछ नेचुरल चीजों की मदद से मेकअप रिमूव करने के साथ-साथ त्वचा पर ग्लो भी पा सकते हैं. आइए जानते हैं घर पर मेकअप रिमूव करने के नेचुरल तरीकों के बारे में.

कोकोनट ऑयल लगाएंः नारियल के तेल को त्वचा का बेस्ट मॉइश्चराइजिंग एजेंट माना जाता है. वहीं मेकअप रिमूव करने के लिए भी कोकोनट ऑयल का इस्तेमाल बेस्ट होता है.

इसके लिए कॉटन में नारियल का तेल लगाकर फेस पर रब करें और फिर चेहरे को साफ पानी से धो लें. इससे आपका मेकअप आसानी से छूट जाएगा।

एलोवेरा जेल ट्राई करेंः औषधीय तत्वों से भरपूर एलोवेरा कई स्किन प्रॉब्लम्स को दूर रखने में मददगार होता है. ऐसे में मेकअप हटाने के लिए आप एलोवेरा जेल का भी इस्तेमाल कर सकते हैं. वहीं चेहरे पर एलोवेरा जेल लगाने से कोई साइड इफेक्ट भी नहीं होता है।

कच्चे दूध से करें साफः कच्चे दूध का इस्तेमाल भी मेकअप हटाने का बेस्ट नुस्खा साबित हो सकता है. ऐसे में मेकअप रिमूव करने के लिए कटोरी में थोड़ा सा दूध ले लें. अब इसमें रूई भिगोकर चेहरे को साफ कर लें. इससे मेकअप पूरी तरह क्लीन हो जाएगा और चेहरे का मॉइश्चर भी बरकरार रहेगा।

खीरे की मदद लेंः खीरे की मदद से आप त्वचा को हाइड्रेट रख सकते हैं. वहीं मेकअप रिमूव करने के लिए आप खीरे के रस का इस्तेमाल कर सकते हैं. इसके लिए खीरे को घिसकर रस निकाल लें. अब इसमें कॉटन डिप करके चेहरे को क्लीन कर लें. इसके बाद फेस को साफ पानी से धोकर मॉइश्चराइजर अप्लाई करें. इससे आपका चेहरा नेचुरली ग्लो करने लगेगा।

शहद से हटाएं मेकअपः पोषक तत्वों से भरपूर शहद त्वचा का मॉइश्चर मेंटेन रखने में सहायक होता है. ऐसे में शहद का इस्तेमाल करके भी आप मेकअप रिमूव कर सकते हैं. वहीं शहद में मौजूद एंटी-बैक्टीरियल तत्व आपको त्वचा की कई परेशानियों से भी छुटकारा दिला सकते हैं।

आमंड ऑयल ट्राई करेंः बादाम के तेल को विटामिन ई का अच्छा सोर्स माना जाता है. जिसे लगाने से त्वचा पर चमक आने लगती है. वहीं मेकअप हटाने के लिए भी बादाम के तेल का इस्तेमाल बेस्ट होता है. इसके लिए कॉटन पर 2-4 बूंद आमंड ऑयल लगाएं और इससे चेहरे को साफ कर लें. फिर साफ पानी से चेहरा धो लें. इससे आपका चेहरा मुलायम और निखरा नजर आएगा ।

भूलकर भी इन फलों और सब्जियों को न रखें एक साथ, फ्रिज में भी हो जाएंगी खराब

आज के समय में अक्सर देखा जाता है कि लोग समय का अभाव होने की वजह से एक साथ ही हफ्ते भर की फल और सब्जियां लेकर आते हैं। इन सभी को लाकर एक साथ ही फ्रिज में रख दिया जाता है। लोगों का ऐसा मानना होता है कि फ्रिज में सब्जियां ज्यादा समय तक ताजी रहती हैं और सड़ने से बची रहती हैं। ऐसा करने से लोगों की मुश्किल आसान हो जाती है। पर, क्या आप जानते हैं कि कुछ फल और सब्जियां ऐसी होती हैं, जिन्हें साथ में रखने से ये जल्दी सड़ने लगती हैं। दरअसल, कई फलों और सब्जियों में अलग-अलग तरह के एंजाइम और केमिकल पाए जाते हैं। यही वजह है कि, इन सब्जियों और फलों को एक साथ रखा जाए तो ये जल्दी सड़ने लगती हैं। ऐसे में हर किसी के लिए ये जानना बेहद जरूरी है कि किस तरह की सब्जियों और फलों को अलग-अलग रखना चाहिए।

अगर बात करें ब्रोकली की तो ये एथिलीन सेंसटिव होती हैं। अगर आप इसे सेब, अंजीर और

अंगूर जैसे फलों के साथ रखेंगे तो इसकी लाइफ 50 प्रतिशत तक कम हो जाती है। फ्रिज में ऐसे रखने से ब्रोकली दो या तीन दिन तक ही फ्रेश रह पाती है।

पत्तेदार सब्जियों को रखें इन फलों से दूर

इस मौसम में पत्तेदार सब्जियां काफी ज्यादा आती हैं। अगर इन्हें आप फलों तरबूज, अंगूर, सेब जैसे एथिलीन वाले फलों के साथ रखेंगी तो ये जल्दी सड़ने लगेंगी।

लौकी को भी रखना चाहिए अलग

गर्मियों के सीजन आते ही लौकी मिलने लगती है। इन्हें सेब, अंगूर, अंजीर और नाशपाती जैसे फलों के साथ एक डलिया में नहीं रखना चाहिए। अगर आप इन्हें एक साथ रखेंगे तो लौकी जल्दी खराब होने लगेगी।

पत्तागोभी को फ्रेश रखने के लिए करें ये काम

पत्तागोभी को ताजा रखने के लिए फ्रेश हवा की जरूरत होती है। इसलिए इसे कभी भी सेब, खरबूजे, कीवी जैसे एथिलीन बनाने वाले फलों के साथ ना रखें।

कम ऑयली पकौड़े बनाने के आसान टिप्स

स्नैक्स में पकौड़ों का चलन सबसे अधिक है। त्योहार हो या फिर बरसात व सर्दी का मौसम,

हर मौके पर पकौड़े लजीज लगते हैं। पकौड़े बनाना झटपट का काम होता है, और कम सामग्री व कम समय में तैयार किया जा सकता है। होली के त्यौहार में कई दोस्त, रिश्तेदार या मेहमान घर पर आते हैं। उनके लिए गरमा गरम पकौड़े

आसानी से परोसे जा सकते हैं। अगर अचानक से कोई स्नैक्स तैयार करना हो तो भी चाय के साथ आलू, प्याज, पनीर, पालक आदि कई तरह के पकौड़े बना सकते हैं। भले ही लोगों को पकौड़े खाना पसंद होता है लेकिन अधिक तेल के कारण लोग उसे रोज नहीं खा पाते। कई बार लोग पकौड़े खाना पसंद करते हैं लेकिन अधिक ऑयली न खाने के कारण उन्हें पकौड़ों से परहेज करना पड़ता है। लेकिन आप कम तेल के पकौड़े बनाकर इस समस्या से बच सकते हैं। हालांकि पकौड़े तली भुनी रेसिपी का हिस्सा है और तेल का उपयोग अमूमन जरूरी है। लेकिन पकौड़े बनाते समय कुछ आसान तरीकों को अपनाकर कम तेल के पकौड़े तैयार कर सकते हैं। आइए जानते हैं कम तेल के पकौड़े बनाने के लिए टिप्स।

बेसन का बैटर

आप किसी भी सब्जी के पकौड़े बनाएं, एक चीज सभी में इस्तेमाल होती है, वह है बेसन। पकौड़े बनाने के लिए बेसन का बैटर तैयार किया जाता है। पकौड़े का सही बैटर न बनाने से पकौड़े खराब बनते हैं। पकौड़े के लिए

बेसन का बैटर सही तरीके से तैयार किया हो। यह न तो बहुत अधिक गाढ़ा हो और न ही बहुत पतला हो। पकौड़े का बैटर बनाने के लिए बेसन में सभी जरूरी मसाले और पानी को एक साथ मिक्स करें। अपनी सब्जी को बैटर में डिप करके देखें कि उसकी कोट अच्छे से लग पा रही है या नहीं। बैटर में 3-4 बूंद तेल मिलाने से पकौड़े में अधिक तेल अब्जॉर्ब नहीं होगा।

पकोड़े फ्राई करने वाला बर्तन

पकोड़े में अधिक तेल होने की एक वजह उसे गलत बर्तन में तलना है। पकौड़े तलते समय ध्यान रखें कि जिस बर्तन का उपयोग आप कर रहे हैं उसका तल मोटा हो। इससे तेल के तापमान को स्थिर बनाए रखने में मदद मिलती है और पकौड़े अपेक्षाकृत कम तैलीय बनते हैं।

तलने के लिए तेल की मात्रा

जब पकौड़े तलने के लिए कड़ाही में डालते हैं तो अक्सर लोग गलती से कम या बहुत अधिक तेल रखते हैं। इस कारण पकौड़े अधिक तेल अब्जॉर्ब कर लेते हैं। पकौड़े को डीप फ्राई करते समय तेल खत्म होने लगता है, इस पर बचे हुए सभी पकौड़े एक साथ कढ़ाई में डाल देते हैं। जिससे पकौड़े आपस में चिपक जाते हैं और उनकी लेयर उतरने लगती है। इसी वजह से पकौड़े अधिक तेल सोख लेते हैं।

तेल सुखाएं

वहीं जब पकौड़े तल जाएं तो उन्हें कड़ाही से निकालते समय अच्छे से सुखाएं। बाद में जिस बर्तन में पकौड़े निकाल रहे हैं, उस पर पेपर नेपकिन बिछाएं, ताकि अतिरिक्त तेल कागज में निचुड़ जाए और पकौड़े कम तैलीय बनें।

पति शादी के बाद पत्नी को अपने परिवार के बारे में बताएं ये बातें

शादी के बाद लड़के और लड़की के जीवन में काफी बदलाव आ जाता है। एक लड़की शादी के बाद अपने परिवार और घर को छोड़ पति के घर में रहना शुरू करती है। लड़की को अपने पति के परिवार को अपनाना होता है। अपने घर से दूर ससुरालीजनों के साथ तालमेल बिठाना पड़ता है। एक लड़की के लिए अपने परिवार को छोड़ किसी दूसरे परिवार में एडजस्ट होना आसान नहीं होता। ससुराल के लोगों की पसंद, नापसंद और उनके व्यवहार से वह अनजान होती है। कई बार लड़कियां पति के ससुराल के करीब आ जाती हैं, तो वहीं कई बार नई दुल्हन को ससुरालवालों के साथ घुलने मिलने में दिक्कत आती है। एक महिला अपने पति के भरोसे ससुराल आती है, ऐसे में पति का फर्ज बनता है कि वह पत्नी को परिवार में आसानी से शामिल करने के लिए कुछ जरूरी काम करें। यहां पुरुषों के लिए टिप्स हैं जिसे अपनाकर वह शादी के बाद पत्नी के लिए ससुराल में रहना आसान बना सकते हैं।

पत्नी को बताएं परिवार के बारे में

हर पति को चाहिए कि वह शादी के बाद पत्नी को अपने परिवार के बारे में बताएं। पत्नी परिवार में घुल-मिल सके, इसके लिए अपने माता-पिता के स्वभाव, उनकी पसंद न पसंद की जानकारी दें। इससे दुल्हन के लिए परिवार को समझना आसान हो जाता है।

घर का रूटीन बताएं

पत्नी जब शादी के बाद पति के घर पर आती है तो उसे अपने परिवार से अलग बदला हुआ माहौल मिलता है। उसे पता नहीं होता कि ससुराल के सदस्यों का रहन-सहन कैसा है। हो सकता है कि अपने घर पर वह देर से उठती हो या ससुराल में सभी जल्दी उठने वालों में से हों। ऐसे में पति को पत्नी को घर के रूटीन के बारे में बताना चाहिए। सबके नाश्ते या लंच का समय क्या है, ये सब बताएं ताकि वह परिवार के समय के मुताबिक खुद को ढाल सके।

पत्नी की पसंद जानें

ससुराल के बारे में पत्नी को बताने के साथ ही पत्नी की पंसद और रहन-सहन को भी जानें। पति जब पत्नी के स्वभाव और रहन-सहन को समझ जाता है तो उसी के मुताबिक, परिवार से पत्नी का तालमेल बिठाने का प्रयास कर सकता है।

अपनापन

पति पत्नी और अपने परिवार के बीच की कड़ी होता है। पत्नी शादी के बाद ससुराल में एडजस्ट कर सके, इसके लिए पति को प्रयास करना चाहिए कि पत्नी ससुराल में अकेलापन महसूस न करें। अपने भाई-बहनों के साथ पत्नी की दोस्ती कराएं। कहीं बाहर साथ घूमने जाएं। जब पति के साथ ही ससुरालवालों के साथ लड़की घूमने जाती है तो वह उनके साथ घुल-मिल पाती है।

मुंबई पहली बार एशिया की बिलेनियर कैपिटल बनी

यहां एक साल में 26 अरबपति बने, इनकी संपत्ति 47% बढ़ी, दुनिया में तीसरे नंबर पर

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई एशिया की अरबपतियों की राजधानी बन गई है। मुंबई ने पहली बार चीन की राजधानी बीजिंग को पीछे छोड़कर यह मुकाम हासिल किया है। यहां 603 स्क्वायर किलोमीटर के एरिया में 92 अरबपति रहते हैं, जबकि बीजिंग के 16,000 स्क्वायर किलोमीटर में 91 अरबपति हैं।'हुरुन रिसर्च की 2024 ग्लोबल रिच लिस्ट' के मुताबिक, पिछले एक साल में मुंबई में 26 नए लोग बिलेनियर बने हैं, जबकि बीजिंग में इस दौरान 18 लोग इस लिस्ट से बाहर हुए हैं। चीन में 814 बिलेनियर रहते हैं, जबकि भारत में 271 बिलेनियर हैं।

न्यूयॉर्क और लंदन के बाद दुनिया में तीसरे नंबर पर

मुंबई अब ग्लोबली इस लिस्ट में तीसरे नंबर पर पहुंच गया है। पहले नंबर पर न्यूयॉर्क हैं, यहां 119 बिलेनियर रहते हैं, जबकि लंदन दूसरे नंबर पर है, यहां 97 लोग अरबपति हैं। बिलेनियर उन लोगों को कहा जाता है जिनके पास 1 बिलियन डॉलर यानी करीब 8,333 करोड़ रुपए से ज्यादा की संपत्ति है।

92 लोगों के पास 445 बिलियन डॉलर की संपत्ति

रिपोर्ट के मुताबिक, मुंबई के टोटल 92 लोगों की संपत्ति एक साल में 47% बढ़कर 445 बिलियन डॉलर (37.09 लाख करोड़ रुपए) हो गई है। वहीं, चीन की राजधानी में बिलेनियरों की वेल्थ 28% कम होकर 265 बिलियन डॉलर (22.08 लाख करोड़ रुपए) रह गई है।

दुनिया के टॉप-20 अमीरों में केवल 2 भारतीय

भारत में अभी 271 बिलेनियर्स हैं। लेकिन, दुनिया के टॉप 20 अमीरों में केवल दो भारतीय हैं। इनमें, रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी 9.43 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति के साथ 11वें नंबर हैं।

वहीं, अडाणी ग्रुप के चेयरमैन गौतम अडाणी इस लिस्ट में 18वें नबंर पर हैं, इनके पास 6.73 लाख करोड़ रुपए की संपत्ति है। दुनिया के टॉप टेन अमीरों में शामिल हुए मुकेश अंबानीः नेटवर्थ 9.45 लाख करोड़ रुपए हुई, सर्गी ब्रिन को पीछे छोड़कर हासिल किया मुकाम रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी दुनिया के टॉप 10 अमीरों की लिस्ट में शामिल हो गए हैं। फोर्ब्स की रियल टाइम बिलेनियर्स लिस्ट के अनुसार मुकेश अंबानी की नेटवर्थ अब 114 बिलियन डॉलर (करीब 9.45 लाख करोड़ रुपए) हो गई है।

किराए के मकान में रहते हैं जेरोधा के फाउंडर निखिल कामत, क्यों नहीं खरीद रहे घर

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। जेरोधा के को फाउंडर निखिल कामत प्रॉपर्टी में निवेश करने के खिलाफ हैं।वह अभी भी किराए के मकान में ही रहते हैं।उन्होंने पैसे और संपत्ति पर अपने विचार रखते हुए कहा है कि बेंगलुरु में असली दौलत नहीं है।यहां लोगों के पास कागजी धन है।यहां लोगों ने टेक कंपनियों में काम करके यह कागजी पैसा कमाया है।टेक कंपनियों के पास कैश नहीं होता इसलिए आपको सिर्फ लगता है कि आप दौलत कमा रहे हैं।

17 की उम्र में करने लगे थे नौकरी

इस बारे में निखिल कामत ने विस्तार से बात करते हुए अपनी पहली नौकरी के बारे में बताया।उन्होंने कहा कि मेरी पहली जॉब एक कॉल सेंटर में 8000 रुपये की थी।मैं एक्सीडेंटल हेल्थ इंश्योरेंस बेचता था।उस समय 17 साल की उम्र में मैं बहुत अच्छा महसूस करता था।आपको घबराहट तब होती है, जब आपके दोस्त कॉलेज से पढ़ाई करने के बाद डॉक्टर और इंजीनियर बनने लगते हैं।भले ही वो आपसे कम कमाएं लेकिन, उन्हें समाज में आपसे बेहतर माना जाता है।निखिल कामत किराए के घर में रहते हैं।उनका मानना है कि रियल एस्टेट की कीमतें बहुत ही ज्यादा ऊंची और फालतू हैं।उन्होंने कहा कि मैं घर खरीदने की बजाय किराए के मकान में रहना पसंद करता हूं।घरों और ऑफिसों की कीमत और ब्याज दरें हद से ज्यादा ऊपर हैं।इतनी ज्यादा कीमतों के पीछे कोई तर्क नहीं बनता है।उन्हें नहीं लगता कि हाल फिलहाल में उनकी यह सोच बदलने वाली है।निखिल कामत ने कहा कि मैं बहुत कम किराया दे रहा हूं।उधर, घर खरीदने में बहुत सारी पूंजी एक ही जगह लग जाती है और रिटर्न भी अच्छा नहीं मिलता।उन्होंने कहा कि वह स्कूल छोड़कर नौकरी करने लगे थे।

सबसे तेज गति से विकास करेगी भारतीय अर्थव्यवस्था

एस एंड पी ग्लोबल ने बढ़ाया जीडीपी का अनुमान

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। मूडीज और फिच के बाद एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने एक अप्रैल से शुरू हो रहे नए वित्त वर्ष 2024-25 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान को बढ़ाने का फैसला किया है।रेटिंग एंजेंसी ने अगले वित्त वर्ष में भारत की जीडीपी अनुमान में 40 बेसिस प्वाइंट की बढ़ोतरी कर 6.8 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।हालांकि एस एंड पी ग्लोबल का ये आंकलन फिच के 7 फीसदी से कम है लेकिन मूडीज के 6.8 फीसदी के अनुमान के बराबर है।

2024-25 में 6.8% रहेगी जीडीपी

एस एंड पी ग्लोबल ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि मौजूदा वित्त वर्ष 2023-24 में भारत की जीडीपी 7.6 फीसदी रहने का अनुमान जताया है।हालांकि वित्त वर्ष 2025 - 26 और 2026-27 में 5 फीसदी दर से भारत के आर्थिक विकास करने का अनुमान जताया गया है।एस एंड पी ग्लोबल ने 2024-25 के लिए भारत के जीडीपी अनुमान को बढ़ाकर 6.8 फीसदी कर दिया है लेकिन ये सरकार और सेंट्रल बैंक भारतीय रिजर्व बैंक के 7 फीसदी के अनुमान से कम है।

महंगाई से डिमांड पर असर

एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स के चीफ इकोनॉमिस्ट लुइस क्यूज्स ने कहा एशिया की उभरती हुई अर्थव्यवस्थाओं में हमारा मानना है कि भारत, इंडोनेशिया, फिलीपींस और वियतनाम में तेज आर्थिक विकास देखने को मिलेगी।एस एंड पी के मुताबिक घरेलू डिमांड पर निर्भर रहने वाली अर्थव्यवस्थाएं जिसमें भारत, जापान और ऑस्ट्रालिया शामिल है वहां उच्च ब्याज दरों और महंगाई ने परिवारों के खर्च पर असर डाला है जिससे 2023-24 की दूसरी छमाही में आर्थिक विकास के ग्रोथ की रफ्तार कम हुई है।

2024 में सस्ता होगा कर्ज

एस एंड पी ग्लोबल रेटिंग्स ने कहा कि 2024 कैलेंडर ईयर में भारत में 75 फीसदी प्वाइंट तक ब्याज दरों में कटौती देखने को मिल सकता है।

रिपोर्ट के मुताबिक भारत में महंगाई की रफ्तार धीमी पड़ रही है, वित्तीय घाटा कम हो रहा और अमेरिकी फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कमी करने पर भारत में भी आरबीआई के लिए ब्याज दरें घटाने को आधार बनेगा।

खतरे में है पेटीएम का रेवेन्यू, जानिए किन कंपनियों को होगा मुनाफा

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर लगे रिजर्व बैंक ऑफ इंडिया के प्रतिबंध का असर अगले वित्त वर्ष में भी दिखाई देगा. वित्त वर्ष 2025 में पेटीएम का रेवेन्यू 24 फीसदी तक कम हो सकता है. मोतीलाल ओसवाल फाइनेंशियल सर्विसेज के अनुमान के मुताबिक, पेटीएम का यह नुकसान फोनपे और गूगल पे जैसी कंपनियों के लिए अच्छी खबर लेकर आ सकता है. इन कंपनियों का रेवेन्यू अगले वित्त वर्ष में अच्छी उछाल मार सकता है.

बदलाव के दौर से गुजर रहा पेटीएम का बिजनेस

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार, आरबीआई प्रतिबंध के चलते बदलाव पेटीएम का बिजनेस बदलाव के दौर से गुजर रहा है. खोए हुए बिजनेस को दोबारा हासिल करने के लिए पेटीएम पुरजोर कोशिश कर रही है. फिर भी हमें आशंका है कि कंपनी का राजस्व अगले वित्त वर्ष में 24 फीसदी और प्रॉफिट 30 फीसदी तक नीचे जा सकता है. मोतीलाल ओसवाल ने कहा कि कंपनी जब चौथी तिमाही के नतीजे जारी करेगी तो उसके बाद हम फिर से उसके बारे में रिव्यू करेंगे.

कस्टमर से ज्यादा मर्चेंट्स बना रहे पेटीएम से दूरी

रिपोर्ट के अनुसार, पेमेंट्स बैंक पर लगे प्रतिबंध के चलते पेटीएम लगातार कस्टमर्स और मर्चेंट्स को खो रही है. इसमें चेतावनी दी है कि लगभग 20 फीसदी मर्चेंट्स पेटीएम से दूर जा सकते हैं. हालांकि, कंपनी अपने ज्यादातर कस्टमर बेस को बचाने में सफल हो सकती है. इस महीने ही नेशनल पेमेंट्स कॉर्पोरेशन ऑफ इंडिया ने पेटीएम की पैरेंट कंपनी वन 97 कम्युनिकेशंस को थर्ड पार्टी यूपीआई एप चलाने की मंजूरी दे दी थी. इसके लिए यस बैंक, एसबीआई, एचडीएफसी और एक्सिस बैंक को चुना गया है.

15 मार्च से लागू हो गया था आरबीआई का बैन

मोतीलाल ओसवाल की रिपोर्ट के अनुसार, पेटीएम के रेवेन्यू के अलावा कंपनी का पेमेंट प्रोसेसिंग मार्जिन एक तिहाई तक घट सकता है. यह कमी कंपनी का बिजनेस घटने के चलते आ सकता है. पेटीएम पेमेंट्स बैंक पर आरबीआई का बैन 15 मार्च से लागू हो गया था. इसके चलते पेटीएम के कारोबार को बहुत नुकसान हुआ है.

यह उसकी प्रतिस्पर्धी कंपनियों के लिए शानदार अवसर बन चुका है. फोनपे और गूगल पे लगातार अपना बिजनेस बढ़ाने में जुटी हुई हैं.

मात्र 10 मिनट की वीडियो कॉल और हो गई छंटनी

दिग्गज टेलीकॉम कंपनी के फैसले से मची खलबली

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। इन दिनों पूरी दुनिया में छंटनी का खतरा मंडरा रहा है. पिछले कुछ महीनों में गूगल समेत कई बड़ी कंपनियों तक ने अपने खर्च कम करने के नाम पर हजारों लोगों से उनकी नौकरी छीनी है. अब कुछ कंपनियों द्वारा छंटनी करने के लिए जो तरीके अपनाए जा रहे हैं, वो बहुत हैरान करने वाले हैं. कुछ ऐसे ही आश्चर्यजनक फैसले में कनाडा की दिग्गज टेलीकॉम कंपनी बेल ने मात्र 10 मिनट की वीडियो कॉल में 400 कर्मचारियों को घर भेज दिया है.

यूनियन ने कंपनी के तरीके को शर्मनाक बताया

कनाडा की सबसे बड़ी प्राइवेट सेक्टर कर्मचारी यूनियन यूनिफॉर ने इस निर्णय की कड़ी निंदा करते हुए कहा है कि कर्मचारियों को इस असंवेदनशील तरीके से नौकरी से हटाने का निर्णय बहुत गलत है. टाइम्स ऑफ इंडिया की रिपोर्ट के अनुसार, यूनिफॉर ने कंपनी द्वारा अपनाए गए तरीके को शर्मनाक बताया है. हटाए गए कर्मचारी लंबे समय से बेल के लिए काम कर रहे थे. मेहनत से सेवाएं दे रहे कर्मचारियों को हटाने के लिए बेल ने सिर्फ 10 मिनट की एक वर्चुअल ग्रुप मीटिंग की और इन सभी 400 लोगों को कंपनी पर बोझ बताकर छंटनी कर दी गई. एक मैनेजर इस मीटिंग में आया, जिसके हाथ में छंटनी का लेटर था. उसने फैसला सुनाना शुरू कर दिया. उसने न किसी कर्मचारी से बात की और न ही यूनियन से. बस सभी को पिंक स्लिप थमा दी गई.

4800 कर्मचारियों को निकालने का किया था ऐलान

कनाडा की टेलीकॉम कंपनी बेल ने फरवरी में 9 फीसदी कर्मचारियों की छंटनी करने का ऐलान किया था. इस फैसले का असर लगभग 4800 कर्मचारियों पर पड़ेगा. कंपनी के सीईओ मिर्को बिबिक ने छंटनी को कंपनी के लिए बेहद जरूरी बताया था. हालांकि, इसके बाद कंपनी ने शेयरहोल्डर्स को ज्यादा डिविडेंड देने का ऐलान भी किया था. इसके चलते छंटनी के फैसले की कड़ी निंदा की जा रही है. इसके अलावा बेल को वित्त वर्ष 2022 के अंत में 2.3 अरब डॉलर का भारी भरकम प्रॉफिट भी हुआ था. बेल के कम्युनिकेशंस डायरेक्टर एलन मर्फी ने कहा है कि हम छंटनी में पूरी पारदर्शिता बारात रहे हैं. यूनियन से 5 हफ्तों से छंटनी को लेकर चर्चा की जा रही थी. निकाले गए सभी कर्मचारियों से एचआर की वार्ता भी की जा रही है ।

हैदराबाद में आज का सोने का भाव

हैदराबाद, 26 मार्च (एजेंसियां)। सोने की दर 24 कैरट के लिए रु 66710 / 10 ग्राम और 22 कैरट के लिए रु 61150/10 ग्राम। हैदराबाद शहर में सोने की दर या कीमत प्रमुख दो कारकों पर निर्भर करती हैः पहला सोने की शुद्धता है और दूसरा सोने का वजन है। 22 कैरेट और 24 कैरेट सोने के लिए विभिन्न वजन श्रेणियां उपलब्ध हैं, यह 8 ग्राम, 10 ग्राम, 100 ग्राम, 1 किलोग्राम और अधिक में उपलब्ध है। यहां आप 24 ग्राम सोने की दर प्रति ग्राम, प्रति 10 ग्राम, प्रति किलोग्राम और प्रति टोला जैसे विभिन्न वजन में सोने की कीमत और चांदी की कीमत की जांच कर सकते हैं। आज के लिए कीमत अपडेट नहीं होने के मामले में हम लास्ट अपडेटेड दिन के प्राइस को आज के गोल्ड प्राइस के रूप में दिखा रहे हैं।

रुपए में शुद्ध सोने (24 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6671 (छह हजार छह सौ इकहतर), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 53368 (तिरपन हजार तीन सौ अड़सठ), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 66710 (छियासठ हजार सात सौ दस), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 667100 (छह लाख सड़सठ हजार एक सौ), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6671000 (छियासठ लाख इकहतर हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 77809.29 (सतहतर हजार आठ सौ नौ)।

रुपए में स्टैंडर्ड गोल्ड (22 कैरट) की कीमत

हैदराबाद में 22 कैरट सोने का दाम 1 ग्राम के लिए 6115 (छह हजार एक सौ पन्द्रह), 22 कैरट सोने का दाम 8 ग्राम के लिए 48920 (अड़तालीस हजार नौ सौ बीस), 22 कैरट सोने का दाम 10 ग्राम के लिए 61150 (इकसठ हजार एक सौ पचास), 22 कैरट सोने का दाम 100 ग्राम के लिए 611500 (छह लाख ग्यारह हजार पांच सौ), 22 कैरट सोने का दाम 1 किग्रा के लिए 6115000 (इकसठ लाख पन्द्रह हजार) और 22 कैरट सोने का दाम 1 तोला के लिए 71324.21 (इकहतर हजार तीन सौ चौबीस)।

रुपए में चांदी की कीमत

हैदराबाद में चांदी की कीमत 1 ग्राम के लिए 80.5 (अस्सी), चांदी की कीमत 8 ग्राम के लिए 644 (छह सौ चवालीस), चांदी की कीमत 10 ग्राम के लिए 805 (आठ सौ पांच), चांदी की कीमत 100 ग्राम के लिए 8050 (आठ हजार पचास), चांदी की कीमत 1 किग्रा के लिए 80500 (अस्सी हजार पांच सौ) और चांदी की कीमत 1 तोला के लिए 938.94 (नौ सौ अड़तीस)।

ड्रग टेस्ट में फेल कंपन्यों ने दिए करोड़ों के इलेक्टोरल बॉन्ड

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। देश में कई ऐसी दवा कंपनियां हैं जिनकी दवाईयां टेस्ट में फेल होती रही हैं। लेकिन इन कंपनियों ने दवाओं के ड्रग टेस्ट में फेल होने पर करोड़ों रुपयों के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदकर राजनीतिक पार्टियों को चंदे के तौर पर दिए हैं। इलेक्टोरल बॉन्ड से जुड़े डेटा विश्लेषण के बाद ऐसी बातों का पता चल रहा है। सुप्रीम कोर्ट के आदेश के बाद स्टेट बैंक ऑफ इंडिया ने बीते दिनों चुनाव आयोग को इलेक्टोरल बॉन्ड का डेटा उपलब्ध कराया है। इस डेटा को चुनाव आयोग की ओर से सार्वजनिक कर दिया गया है। इसके बाद से इलेक्टोरल बॉन्ड के जरिए चंदा देने का मामला सुर्खियों में बना हुआ है। इलेक्टोरल बॉन्ड की शुरुआत 2017 में हुई थी। डेटा से पता चलता है कि करीब 23 फ़ार्मा कंपनियों ने इलेक्टोरल बॉन्ड के ज़रिये क़रीब 762 करोड़ रुपये का चंदा राजनीतिक दलों को दिया है।टोरेंट फ़ार्मास्यूटिकल लिमिटेड का रजिस्टर्ड ऑफिस गुजरात के अहमदाबाद में है। कंपनी की ओर से साल 2018 से 2023 के बीच बनाई गई तीन दवाएं ड्रग टेस्ट में फेल हुई हैं। जो दवाएं फेल हुईं उनमें डेप्लेट ए 150 जो दिल का दौरान पड़ने पर बचाती है, लोपामाइड और निकोरन आईवी 2 शामिल है। कंपनी की ओर से 7 मई 2019 से 10 जनवरी 2024 के बीच 77.5 करोड़ रुपये के इलेक्टोरल बॉन्ड खरीदे गए हैं। साल 2018 से 2023 के बीच सिप्ला लिमिटेड की दवाओं के सात बार ड्रग टेस्ट फेल हुए। सिप्ला लिमिटेड का रजिस्टर्ड दफ्तर मुंबई में है। कंपनी का जो सिपरेमी इंजेक्शन ड्रग टेस्ट में फेल हुआ उसका इस्तेमाल कोविड के इलाज में किया जाता है।

बैंकिंग - आईटी स्टॉक्स में बिकवाली के चलते गिरकर शेयर बाजार हुआ बंद, मिडकैप - स्मॉलकैप शेयरों में रही रौनक

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)।हफ्ते का पहला कारोबारी सत्र भारतीय शेयर बाजार के निवेशकों के लिए निराशाजनक साबित हुआ है. बैंकिंग और आईटी स्टॉक्स में बिकवाली के चलते बाजार गिरावट के साथ बंद हुआ है. हालांकि आज के कारोबार में मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में जोरदार खरीदारी देखने को मिली है. आज का कारोबार खत्म होने पर बीएसई सेंसेक्स 362 अंकों की गिरावट के साथ 72,470 और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 92 अंकों की गिरावट के साथ 22005 अंकों पर बंद हुआ है. आज के कारोबार में मेटल्स, रियल एस्टेट, इंफ्रा, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स, ऑयल एंड गैस, हेल्थकेयर और ऑटो स्टॉक्स में खरीदारी देखने को मिली है. जबकि बैंकिंग, आईटी, मीडिया, एफएमसीजी, फार्मा स्टॉक्स में गिरावट रही. मिडकैप और स्मॉलकैप शेयरों में बड़ी खरीदारी देखने को मिली है. सेंसेक्स के 30 शेयरों में 10 तेजी के साथ और 20 गिरकर बंद हुए. जबकि निफ्टी के 50 शेयरों में 20 शेयर तेजी के साथ और 30 गिरकर बंद हुए. शेयर बाजार के प्रमुख इंडेक्स में भले ही गिरावट रही हो लेकिन निवेशकों की संपत्ति में उछाल देखने को मिला है. बीएसई पर लिस्टेड स्टॉक्स का मार्केट वैल्यू 382.52 लाख करोड़ रुपये रहा है जो पिछले सत्र में 382.13 लाख करोड़ रुपये रहा था. यानि आज के सत्र में शेयर बाजार के मार्केट कैपिटलाइजेशन में 39000 करोड़ रुपये का इजाफा देखने को मिला है. बीएसई के डेटा के मुताबिक आज कुल 4090 स्टॉक्स की ट्रेडिंग हुई जिसमें 1422 स्टॉक्स तेजी के साथ जबकि 2538 शेयर गिरावट के साथ बंद हुआ है. 130 शेयरों के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ है. आज के कारोबार में बजाज फाइनेंस 2.18 फीसदी, लार्सन 1.38 फीसदी, एनटीपीसी 1.32 फीसदी, एक्सिस बैंक 0.81 फीसदी, बजाज फिनसर्व 0.66 फीसदी की तेजी के साथ बंद हुआ है. जबकि पावर ग्रिड 2.07 फीसदी, भारती एयरटेल 1.99 फीसदी, विप्रो 1.50 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ है.

दैनिक पंचांग

ग्रह गोचर

ग्रह स्थिति			लग्नारंभ समय	
सूर्य-	मीन	में	मीन ..	05-37 बजे
चंद्र-	तुला	में	मेष--	07-13 बजे
मंगल	कुंभ	में	वृष--	09-00 बजे
बुध-	मीन	पें	मिथुन..	11-00 बजे
गुरु-	मेष	में	कर्क...	13-12 बजे
शुक्र-	कुंभ	में	सिंह...	15-23 बजे
शनि-	कुंभ	में	कन्या..	17-30 बजे
राहु-	मीन	में	तुला.....	19-36 बजे
केतु-	कन्या	में	वृश्चिक..	21-25 बजे
			धनु.....	00-00 बजे
			मकर...	01-05बजे
			कुंभ....	03-56 बजे

श्री पिंगल नामक संवत्सर-विक्रम संवत्- **2080**
शक संवत् **-1945,** सूर्य -उत्तरायणे - ऋतु - वसंत
महावीर निर्वाण संवत् **-2550,**हिजरी सन् **-1444**
कलियुग अवधि-**432000** सूर्योदय - **06-18**
भोग्य कलि वर्ष-**426876** सूर्यास्त. **-18-24**
कलियुग संवत् **-5124** वर्ष,
कल्पारंभ संवत् **-1972949124**
सृष्टि ग्रहारंभ संवत्-**1955885124**
दिशाशूल -- उत्तर - धनिया खाकर घर से निकले
तिथि- द्वितीया - **17:06** - तक उपरान्त तृतीया
मास - चैत्र कृष्ण पक्ष , बुधवार **27 March**
नक्षत्र - चित्रा- **16 - 15** - तक उपरान्त स्वाति
योग - व्याघात - **22 - 52** - तक उप हर्षण
करण- गर - **17 - 06** - तक उप- वणिज
विशेष:- सन्त तुकाराम जन्म दिन
व्रत -त्योहार -

विशेष:- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश क लिए जन्म पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति जानने के लिए जन्म कुण्डली दिखाना चाहिए।

राहुकाल 12:21 से 13:53 तक

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654,8309517693

दिन का चौघड़िया		रात का चौघड़िया	
लाभ.	06:18 - 07:47 शुभ	उत्पात	18:24 - 19:56 अशुभ
अमृत	07:47 - 09:19 शुभ	शुभ.	19:56 - 21:24 शुभ
काल.	09:19 - 10:50 अशुभ	अमृत	21:24 - 22:53 शुभ
शुभ.	10:50 - 12:21 शुभ	चंचल	22:53 - 24:21 शुभ
रोग	12:21 - 13:53 अशुभ	रोग	24:21 - 01:49 अशुभ
उत्पात	13:53 - 15:24 अशुभ	काल.	01:49 - 03:18 अशुभ
चंचल	15:24 - 16:56 शुभ	लाभ.	03:18 - 04:46 शुभ
लाभ	16:56 - 18:24 शुभ	उत्पात	04:46 - 06:18 अशुभ

आपका राशिफल

मेष चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,

आप उन बदलावों के बारे में सोच रहे हैं जो शायद आपके काम और आपकी सेहत के बीच संतुलन ला सकते हैं । आप अपने किसी करीबी दोस्त से इस सम्बन्ध में मेल करके समाधान पूछ सकते हैं । इन बदलावों से आपको आराम मिलेगा । आप अपने आप को फ़िलहाल सही आदमियों के साथ पायेंगे जो आपको आपके विभिन्न लक्ष्यों का उद्देश्य निर्धारित करने में मदद करेंगे ।

वृष ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,

आप पिछले कुछ समय से उपेक्षित महसूस कर रहे हैं लेकिन आज आप पर सबका ध्यान आएगा । लाइमलाइट आप पर रहेगी और आप आसानी से इस अवसर का लाभ उठाकर खुद को साबित कर पायेंगे । यह किसी नए दोस्त के मिलने,पुराने के सामने आने या कार्यस्थल की किसी स्थिति से सम्बंधित भी हो सकता है ।

मिथुन का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,

एक परिवर्तन आपके कार्य क्षेत्र में आने का संकेत दे रहा है। आप अपनी नौकरी बदल सकते हैं या अपने कार्यालय में एक से दूसरे विभाग में आपका स्थानांतरण हो सकता है । यह ऐसी स्थिति होगी जिसको आप पसंद करेंगे और इन संभावनाओ का आप लंबे समय से इंतजार भी कर रहे थे , इसलिए आप को इन अवसरों का पूरा लाभ उठाने की जरुरत है ।

कर्क ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,

आप आज ऐसे लोगों से मिलेंगे जो आपकी कमियों के बारे में जानते तो हैं लेकिन उन्हें स्वीकार करना नही चाहते जैसे कि उनमें खुद में कोई कमियां नही हैं । ऐसे लोगों से दूरी बनाये रखें । उन अच्छे लोगों पर अपना ध्यान केन्द्रित करें जो आपको पिछले कुछ वर्षों में मिले हैं और उनसे दुबारा संपर्क साधने की कोशिश करें ।

सिंह मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,

आज का दिन घटनाओं से भरा रहेगा ,स्थितियां आपके सामने किसी पुरानी अवांछित बात को फिर से लाकर खड़ी कर सकती हैं,जिससे आप बचना चाहते थे । आपको इस समस्या से निपटने के लिए सहनशील नजरिये से सोचना होगा क्योंकि आज आप बिना पर्याप्त कारण अपने आप सहित हर किसी पर सख्त रहें हैं । इस टकराव से नए अवसरें भी आयेंगे ।अंतिम परिणाम अच्छा ही होगा ।

कन्या टो, पा, पी, पू ,ष, ण, ठ, पे ,पो,

आज आप क्षमावान रहेंगे और उन्हें भी माफ़ करेंगे जिन्होंने आपके साथ गलत किया है । चाहे वे आपके सहकर्मी हो जिन्होंने जलन की वजह से आपको नुकसान पहुँचाने कोशिश की या आपका क्रूर मालिक जिसने कभी आपकी बात नहीं सुनी और हमेशा से आपकी प्रगति में बाधा उत्पन्न की । आपकी वितीय स्थिति उच्च रहेगी हालाँकि आपको लाभ के लिए जोखिम उठाने पड़ सकते है ।

तुला रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,

वित्तीय लाभ की सूचना से आपको और आपके परिजनों को ख़ुशी होगी । इससे ये भावना आएगी कि सब अच्छा हो रहा है । आप खुशमिजाज और आकर्षक हैं,नए लोगों से मिलें । इससे आपको नए अवसर मिलेंगे जो अंतत आपके लिए फायदे का सौदा साबित होंगे । आप परिवार या घर की बनावट में कोई बदलाव लाने के बारे में सोच सकते हैं ।

वृश्चिक तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,

आज का दिन संकेत दे रहा है कि आज आप खूब आनंद उठाएंगे,लेकिन बेहतर यही होगा कि सुबह कुछ समय निकालकर अपने कल के शेष कार्यों को पूरा कर लें । अपने कार्यक्रम की योजना अपने परिजनों के कार्यक्रम के अनुसार ही बनाएं ताकि बाद में कोई ग़लतफ़हमी या समस्या ना आये ।

धनु ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे

आप अपने कार्यों को पूरा करने के लिए थोड़ा रुकने की जरुरत है एवं आपको कुछ समय निकालने की जरुरत है , ताकि आप अपने अतीत के अनुभवों पर विचार कर सकें । आप अपने अतीत का मूल्यांकन करें की किस चीज को आपको बदलने की जरुरत है और किस चीज को ग्रहण करने की जरुरत है ताकि आप अपनी क्षमता का पूरा इस्तेमाल कर सकें ।

मकर भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी

आज आप एडजस्ट करने के मूड में रहेंगे । आपकी लोगों से मिलकर और बातचीत के जरिये किसी समझौते पर पहुचने की कोशिश से आप सबको बहुत अच्छे लगेंगे । आप तुरंत किसी भी समस्या का समाधान निकाल लेंगे । आप इस बात का भी ध्यान रखते हैं कि किस तरह आपके आसपास और खुद को भी खूबसूरत बनाकर रखा जाए और सारे कार्यक्रम तय योजना के अनुसार अच्छे से पूरा हो जाए ।

कुंभ गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,

आज आपको अपने दृष्टिकोण को सांसारिक वास्तविकता के साथ संतुलित करने की जरुरत को समझने और इस कला में पारंगत होने की आवशयकता महसूस होगी । आपकी योजनायें महत्वाकांक्षी हैं,लेकिन आपको इसके लिए वास्तविक समस्याओं को समझना होगा नही तो आप अपने अच्छे इरादे के बावजूद टकराव महसूस करेंगे।

मीन दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची

आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योंकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें । इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

पं.महेशचन्द्र शर्मा 9247132654, 8309517693

फ्रांस में अबॉर्शन अब संवैधानिक अधिकार

सिर्फ औरत तय करेगी कि वो कब, कितने बच्चे पैदा करेगी या नहीं

पेरिस, 26 मार्च (एक्सक्सूसिव डेस्क)। फ्रांस का पैलेस ऑफ वर्साय 4 मार्च को एक ऐतिहासिक घटनाक्रम का गवाह बना। फ्रांस के संविधान में एक नया अनुच्छेद जोड़ा गया और इसी के साथ अब उस देश में अबॉर्शन यानी गर्भपात महिलाओं का संवैधानिक अधिकार बन गया है।

आज दुनिया के 100 से ज्यादा देशों में अबॉर्शन लीगल है, लेकिन फ्रांस दुनिया का पहला ऐसा देश है, जिसने अबॉर्शन के कानूनी दर्जे से ऊपर उठकर उसे महिलाओं के संवैधानिक अधिकार का दर्जा दिया है। इसे आसान शब्दों में ऐसे समझें कि जैसे भारत का कानून अपने सभी नागरिकों को समता, स्वतंत्रता और शोषण व भेदभाव से रक्षा का बुनियादी संवैधानिक अधिकार देता है, वैसे ही अनचाही प्रेग्नेंसी को खत्म करने का बुनियादी और गारंटीड अधिकार अब फ्रांस की महिलाओं के पास है।

इतिहास के पन्ने पलटकर देखें तो समझ आता है कि यहां तक पहुंचने के लिए महिलाओं ने कितनी लंबी यात्रा तय की है। ज्यादा पुरानी बात तो नहीं। आज से महज 53 साल पहले 5 अप्रैल, 1971 को एक फ्रेंच मैगजीन में एक घोषणापत्र छपा। इस घोषणापत्र में फ्रांस की 343 औरतों के नाम और हस्ताक्षर थे। घोषणापत्र में महिलाओं ने अपने जीवन में कभी-न-कभी गर्भपात कराने की बात स्वीकार की। यह पब्लिक एनाउंसमेंट उस देश में और उस दौर में हो रहा था, जब गर्भपात गैरकानूनी था और उसे करने और कराने की सजा जेल थी। उस मेनिफेस्टो में सिमोन द बोवुआर का नाम भी शामिल था, जिन्होंने 'द सेकेंड सेक्स' जैसी ऐतिहासिक किताब लिखी।

वो वक्त ही सेकेंड वेव फेमिनिस्ट मूवमेंट का था। पूरी दुनिया में औरतें अपने बुनियादी अधिकारों, समता और स्वतंत्रता के लिए आवाज बुलंद कर रही थीं और पूरी दुनिया के अधिकांश लेफ्ट लिबरल समूह के मर्दों को इस बात से घोर आपत्ति थी। फ्रांस की लेफ्ट लिबरल वीकली मैगजीन 'शार्ली एब्डो' ने हेडलाइन लगाई, "हू गॉट द 343 स्लट्स/बिचेज फ्रॉम द अबॉर्शन मेनिफेस्टो, प्रेग्नेंट?" (इस मेनिफेस्टो की 343 बदचलन औरतों को प्रेग्नेंट किया किसने?)

मर्दों की यह शब्दावली औरतों के इरादे तो पस्त नहीं कर सकी। हां, उन्होंने उस मेनिफेस्टो का नाम जरूर बदलकर रख लिया- 'मेनिफेस्टो ऑफ 343 स्लट्स.'

सिर्फ 53 साल में दुनिया ने इतना लंबा सफर तय किया है कि चुपके से छिपकर अबॉर्शन करवाने वाली महिलाओं को जेल में डालने से लेकर हम गर्भपात को उनका संवैधानिक अधिकार घोषित करने तक आ पहुंचे हैं।

इसीलिए तो उस दिन फ्रांस की संसद से लेकर सड़कों तक जश्न का माहौल था। पेरिस के ऐतिहासिक एफिल टॉवर के नीचे लोग गाने गा रहे थे, आतिशबाजी कर रहे थे, गले मिल रहे थे, मिठाइयां बांट रहे थे। उस भीड़ में सिर्फ वे युवा ही नहीं थे, जो एक आजाद, लोकतांत्रिक देश में पैदा हुए थे। बहुत सी ऐसी महिलाएं भी थीं, जो 1975 के पहले पैदा हुई थीं। जो यातना और पीड़ा की उन तमाम कहानियों की गवाह रहीं, जो औरतों ने अनचाहे बच्चे पैदा करते हुए, असुरक्षित ढंग से अबॉर्शन करवाते हुए झेली थीं।

उस दिन जब भीड़ एक सुर में जीत के, जश्न के नारे लगा रही थी, 35 साल की फ्रेंच सांसद मेतील्ड पेनो ने कहा, यह एक ऐतिहासिक जीत है। इस हक के समर्थन में पड़ा हर वोट आने वाली पीढ़ियों से किया गया एक वादा है कि हमारे बच्चों और उनके बच्चों को कभी वो यातना नहीं सहनी पड़ेगी, जिससे पिछली पीढ़ियों को गुजरना पड़ा। यह दुनिया भर की उन महिलाओं से किया गया एक वादा भी है, जो आज भी इस बुनियादी अधिकार के लिए लड़ रही हैं।

फ्रांसीसी संविधान में किए गए इस महान संशोधन के खिलाफ सिर्फ 72 वोट पड़े, जबकि 780 वोट इसके समर्थन में थे। 80 फीसदी से ज्यादा पब्लिक वोट इस बदलाव के समर्थन में थे। फ्रांस के प्रधानमंत्री गेब्रियल एटल ने पूरे देश की महिलाओं को संबोधित करते हुए कहा, ₹यह शरीर सिर्फ आपका है। किसी और को ये अधिकार नहीं कि वह इसे कंट्रोल करे या इस बारे में फैसला ले।

फ्रांस की यह घटना पूरी दुनिया के लिए एक नजीर है। लेकिन खुशी के यह शब्द लिखते हुए हम यह नहीं भूल सकते कि आज भी दुनिया के एक बड़े हिस्से में करोड़ों औरतों को यह बुनियादी अधिकार हासिल नहीं है। और उन देशों में दुनिया का सबसे ताकतवर देश अमेरिका भी शामिल है। आज भी करोड़ों औरतें अनचाहे बच्चों को जन्म दे रही हैं। गैरकानूनी ढंग से चोरी-छिपे अबॉर्शन करवाने के चक्कर में अपनी जान खतरे में डाल रही हैं। यूएन वुमेन का आंकड़ा कहता है कि पूरी दुनिया में हर साल तकरीबन 30,000 लड़कियां असुरक्षित ढंग से अबॉर्शन करवाने के चक्कर में अपनी जान खतरे में डालती हैं।

2021 में न्यूयॉर्क टाइम्स में एक खबर छपी, जो महीनों तक चर्चा में रहा। एक 13 साल की लड़की थी। वेनेजुएला की आर्थिक मंदी के चलते उसका स्कूल जाना बंद हो गया। मां काम पर जाती और बच्ची दिन भर घर में अकेली रहती। उसे अकेला देखकर एक पड़ोसी ने बच्ची के साथ रेप किया। बच्ची प्रेग्नेंट हो गई। गरीब कामगार मां के पास न पैसा था, न संसाधन। फिर बच्ची की एक स्कूल टीचर ने किसी तरह चुपके से बच्ची का अबॉर्शन करवाया। मामला बाहर आ गया। कोर्ट में पहुंचा और पता है कोर्ट ने क्या किया। कोर्ट ने गैरकानूनी ढंग से बच्ची का अबॉर्शन करवाने के लिए उस महिला टीचर को 10 साल जेल की सजा सुनाई। रेप करने वाले पड़ोसी का कुछ नहीं बिगड़ा। रेप का केस कभी बना ही नहीं। केस था, इललीगल अबॉर्शन का। सोचकर देखिए, ये कैसा कानून है, जो एक रेप का शिकार हुई एक 13 साल की बच्ची से बच्चा पैदा करने की उम्मीद करता है। जो जबरन सेक्स, इंसेस्ट रेप के कारण प्रेग्नेंट हो गई लड़कियों तक को अनचाहे गर्भ को गिराने की इजाजत नहीं देता। जिसके लिए एक भ्रूण को खत्म करना एक जीती-जागती औरत को जिंदा खत्म कर देने से ज्यादा बड़ा अपराध है।

कैसी विडंबना है न कि मर्द कभी प्रेग्नेंट नहीं होते, मर्द बच्चे नहीं पैदा करते, वो कितना भी और कहीं भी सेक्स करें, इसका कोई परिणाम उनके शरीर को नहीं भुगतना पड़ता। लेकिन पूरी दुनिया में प्रेग्नेंसी, अबॉर्शन या औरत के शरीर से जुड़ी किसी भी तकलीफ से जुड़ा कानून वही बनाते हैं। जो खुद न कभी इस तकलीफ से गुजरते हैं, न महसूस करते हैं, फैसले वही देते हैं। कंट्रोल वही करते हैं। सिर्फ पिता, पति, भाई और बेटा बनकर नहीं, बल्कि देश के सर्वेसर्वा, कानून के रखवाले और कानून निर्माता बनकर भी।

आज दुनिया के तमाम देशों में औरतों को यह अधिकार मिला हुआ है, लेकिन सनद रहे कि इसके पीछे दसियों साल लंबा संघर्ष और लड़ाई है। किसी देश ने औरतों को यह हक थाली में सजाकर नहीं दिया। इसके लिए हमने लंबी लड़ाई लड़ी।

फिलहाल फ्रांस के इस ऐतिहासक फैसले का एक बार फिर से स्वागत किया जाना चाहिए और दुनिया में जब-जब और जहां-जहां औरतों के इस बुनियादी मानवाधिकार का उल्लंघन हो, हमें याद रखना चाहिए कि जिसका शरीर है, फैसला भी उसी का होगा। मर्दों को कोई हक नहीं, वो औरतों को ये बताएं कि औरतें कब बच्चा पैदा करेंगी और कब नहीं करेंगी। मां बनना या न बनना, कब और कैसे बनना, कितनी बार बनना, यह सिर्फ औरत का फैसला होना चाहिए। फ्रांस ने अबॉर्शन को संवैधानिक अधिकार बनाकर इस फैसले का सर्वसम्मत अधिकार औरतों को सौंप दिया है। यह कितनी बड़ी बात है, ये सिर्फ वो औरतें जानती हैं, जो आज भी इस हक के लिए लड़ रही हैं।

छत्तीसगढ़ में शराबी टीचर को जूते-चप्पल फेंककर मारा

जगदलपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बस्तर में छात्र-छात्राओं ने एक शराबी टीचर को जूते-चप्पल फेंककर मारा। टीचर शराब के नशे में धुत होकर स्कूल पहुंचा था और बच्चों से गाली-गलौज करने लगा। इससे गुस्साए बच्चों ने शिक्षक की जमकर पिटाई कर दी। इसके चलते वह स्कूल से भाग निकला। घटना पिछले सप्ताह की है इसका इसका वीडियो सोशल मीडिया पर सोमवार को वायरल हो रहा है।

जानकारी के मुताबिक, पूरा मामला बस्तर ब्लॉक के पलीभाटा प्राथमिक स्कूल का है। यहां एक शिक्षक हर दिन शराब के नशे में चूर होकर स्कूल पहुंचता था। बच्चों को पढ़ाने की बजाए नीचे दरी पर सो जाता। बच्चे जब पढ़ाने के लिए कहते तो गालियां देता। जिससे बच्चे काफी खफा थे।

बताया जा रहा है कि शिक्षक ने बच्चों के साथ बदतमीजी की थी। बस इसी बात से नाराज छात्र-छात्राओं ने शिक्षक पर जूते-चप्पल बरसाने शुरू कर दिए। जिससे शिक्षक ने अपनी बाइक स्टार्ट की और स्कूल से भागने लगा। बच्चों ने भी दौड़ा-दौड़ाकर शिक्षक पर चप्पल फेंके।

जिसका मौके पर मौजूद किसी व्यक्ति ने वीडियो बना लिया। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। शिक्षक का नाम भी अभी तक सामने नहीं आ सका है। इस मामले में जिला शिक्षा अधिकारी भारती प्रधान ने दैनिक भास्कर से बातचीत में कहा है कि मुझे इस मामले की जानकारी नहीं है। मैंने वीडियो भी नहीं देखा है। पता करती हूं।

बस्तर में हो सकती है पीएम मोदी की सभा

3 अप्रैल के बाद शाह, नड्डा, राजनाथ की रैली की तैयारी; राहुल-प्रियंका भी आएंगे

रायपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में होली की खुमारी खत्म होने के बाद लोकसभा चुनाव के प्रचार अभियान में नई तेजी आने वाली है। राजनीतिक दलों के बड़े नेता जल्द ही छत्तीसगढ़ पहुंचने वाले हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की रैली के साथ ही कांग्रेस के लिए राहुल और प्रियंका गांधी के भी छत्तीसगढ़ आने की खबरें हैं।

जानकारी के मुताबिक, बीजेपी ने अपने बड़े नेताओं के नाम तय कर लिए हैं, जिनका दौरा छत्तीसगढ़ में हो सकता है। पार्टी सूत्रों के मुताबिक 3 अप्रैल के बाद इन बड़े नेताओं के शेड्यूल जारी हो सकते हैं। इसके बाद बैक-टु-बैक सभाओं का सिलसिला शुरू हो जाएगा। भारतीय जनता पार्टी जिन्हें छत्तीसगढ़ लाने की तैयारी कर रही है, उनमें सबसे पहला नाम देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का है। इसके बाद केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह, राष्ट्रीय अध्यक्ष जेपी नड्डा और

केंद्रीय रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह हैं।

कांग्रेस ने नहीं की है 4 सीटों पर प्रत्याशी की घोषणा

कांग्रेस भी छत्तीसगढ़ की 11 की 11 लोकसभा सीटें जीतने के लिए पूरा जोर लगा रही है। हालांकि नामांकन की तारीखें आने के बाद भी 4 सीटों पर प्रत्याशियों का ऐलान कांग्रेस नहीं कर पाई है। कांग्रेस से भी बड़े नेता मल्लिकार्जुन खड़गे, राहुल गांधी, प्रियंका गांधी लोकसभा चुनाव में प्रचार के लिए छत्तीसगढ़ आ सकते हैं। अप्रैल के दूसरे सप्ताह शेड्यूल जारी हो सकता है।

होली खेल रहे थे युवक, हेड कॉन्स्टेबल ने चलाई गोली

बिलासपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। बिलासपुर में होली के दौरान रंग-गुलाल उड़ाते युवक पर बटालियन के हेड कॉन्स्टेबल ने बंदूक से फायर कर दिया, जिससे युवक घायल हो गया है। उसे इलाज के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पुलिस ने हवलदार पुलकेश नापित के खिलाफ हत्या की कोशिश का केस दर्ज कर लिया है। घटना मस्तूरी थाना क्षेत्र के मल्हार चौकी की है। मल्हार निवासी पीयूष सिंह सोमवार शाम अपने दोस्तों के साथ होली खेलने निकला था। वह रेस्ट हाउस रोड पर दोस्तों के साथ रंग-गुलाल खेल रहा था। इसी दौरान सकरी स्थित दूसरी बटालियन में पदस्थ हेड कॉन्स्टेबल पुलकेश नापित भी वहां पहुंच गया। उसके कंधे पर बंदूक थी। उसने होली खेल रहे युवकों से विवाद शुरू कर दिया, जिस पर युवकों ने उसे मना किया, लेकिन वह नहीं माना।

इसके बाद हेड कॉन्स्टेबल ने कंधे से बंदूक उतारी और फायर करने लगा। एक गोली पीयूष के बगल से होकर निकली। मिस फायर होने के बाद उसने दूसरी गोली चलाई, जो पीषूष के सीने में जा लगी, और वो गिर गया। इस घटना के बाद आसपास के लोगों ने उसे इलाज के लिए मस्तूरी अस्पताल पहुंचाया।

गोली चलने की खबर मिलते ही पुलिस अफसर भी सकते में आ गए। जिसके बाद एडिशनल एसपी ग्रामीण अर्चना झा, डीएसपी उड्डयन बेहार, थाना प्रभारी रवींद्र अनंत मौके पर पहुंचे। एएसपी ने कहा कि पूछताछ में पता चला है कि हेड कॉन्स्टेबल ने चिड़ीमार बंदूक से गोली चलाई है, जिसके चलते युवक को मामूली चोट लगी है। फिर भी पुलिस ने उसके खिलाफ हत्या के प्रयास का केस दर्ज कर लिया है। पुलिस ने आरोपी हेड कॉन्स्टेबल पुलकेश नापित को पकड़ लिया है और बंदूक भी जब्त कर ली है।

होली के दिन 3 लोगों को कुल्हाड़ी से काट डाला

बीजापुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के बीजापुर जिले में होली के दिन 3 लोगों की हत्या कर दी गई। तीनों पर कुल्हाड़ी से वार किया गया है। इनमें से 2 लोगों की मौके पर मौत हो गई वहीं एक की अस्पताल में मौत हुई। फिलहाल यह नक्सल वारदात है या कोई रंजिश यह साफ नहीं हो पाया है।

जानकारी के मुताबिक जिले के बासागुड़ा में नदी पार की एक बस्ती में यह वारदात हुई है। अज्ञात लोगों ने 3 ग्रामीणों पर कुल्हाड़ी से ताबड़तोड़ वार किए। इसमें चन्द्रिया मोडिय और अशोक भंडारी की मौके पर मौत हो गई।

सोमवार शाम करीब 5 बजे वारदात को अंजाम दिया गया। हमला करने के बाद आरोपी भाग निकले वहीं एक और शख्स कारम रमेश गंभीर रूप से घायल था जिसे बासागुड़ा अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती करवाया गया। उसने भी इलाज के दौरान दम तोड़ दिया।

बदमाशों ने पिता को बचाने आई युवती की नाक काटी

नशेड़ी युवकों का हमला;शराब पीने से मना करने पर की वारदात

बलौदाबाजार, 26 मार्च (एजेंसियां)। बलौदाबाजार जिले के ग्राम छेरकापुर में आरोपियों ने युवती की नाक काट दी। हमले में गंभीर रूप से घायल युवती को जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। फिलहाल आरोपियों की गिरफ्तारी नहीं हो पाई है। मामला पलारी थाना क्षेत्र का है।

जानकारी के मुताबिक, ग्राम छेरकापुर में होली की रात यानी सोमवार को बुजुर्ग खेदू धीवर के घर के सामने शराब में धुत 3-4 लड़के गालीगलौज और विवाद कर रहे थे। शोर सुनकर बुजुर्ग खेदू बाहर निकला और लड़कों को ऐसा करने से मना किया। इस पर उन्होंने उसकी बेदम पिटाई

शुरू कर दी।

पिता के चिल्लाने की आवाज सुनकर बेटा वीर सिंह धीवर और नरसिंह धीवर बाहर निकले। दोनों बेटे बदमाश युवकों से पिता को छुड़ाने लगे। इस दौरान आरोपियों ने दोनों बेटों को भी पीटना शुरू कर दिया। बदमाशों ने चाकू से दोनों भाइयों पर हमला कर दिया। जिससे वे घायल हो गए। दोनों के सीने और हाथ पर चाकू से वार किया गया।

पिता को चाकू लगा देख, नरसिंह धीवर की बेटी भारती बाहर आई। इस पर आरोपियों ने चाकू से युवती की नाक काट कर उसे भी घायल कर दिया। आनन-फानन में परिवार वाले घायल युवती को लेकर पलारी अस्पताल पहुंचे, यहां प्राथमिक इलाज के बाद उसे जिला अस्पताल रेफर कर दिया गया। परिजनों ने बताया कि गांव के द्वारिकाधीश साहू, होमेश्वद साहू, चूड़ामणि साहू समेत 4-5 युवकों ने घटना को अंजाम दिया है। भारती की छोटी बहन मोनिका धीवर के हाथ पर भी चाकू से हमला किया गया है। भारती की नाक काटी गई है, उसकी हालत ज्यादा गंभीर है।

युवती को बुलवाकर इंजीनियर ने किया रेप

होटल में वारदात, पीएचई विभाग में पोस्टेड आरोपी गिरफ्तार

रायपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी रायपुर के न्यू गायत्री नगर के निवासी पीएचई विभाग के इंजीनियर (59) को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। ये गिरफ्तारी जगदलपुर पुलिस ने रायपुर से की है। पीएचई विभाग में पोस्टेड एग्जीक्यूटिव इंजीनियर ने जशपुर की युवती को किसी काम के बहाने जगदलपुर के होटल में बुलाया और रेप की वारदात को अंजाम दिया। खम्हारडीह थाना क्षेत्र से आरोपी की गिरफ्तारी की गई है।

पीड़ित युवती ने जशपुर के तुमगा थाने में जीरो केस दर्ज करवाई कि 7 फरवरी को जगदलपुर में पोस्टेड पीएचई

विभाग के एग्जीक्यूटिव इंजीनियर हर्ष कुमार शेंडे ने उसे किसी काम के बहाने बुलाया। युवती उसके झांसे में आ गई। वो जशपुर से करीब साढ़े 500 किलोमीटर सफर करते हुए जगदलपुर पहुंची।

आरोपी ने युवती को जगदलपुर के सिटी कोतवाली क्षेत्र के होटल आकाश में लेकर गया। जहां उसने युवती से रेप की कोशिश की। जब युवती ने इसका विरोध किया, तो आरोपी ने मारपीट के बाद दुष्कर्म की घटना को अंजाम दिया।

इस घटना के बाद आरोपी ने किसी से भी घटना का जिक्र करने पर युवती को जान से मारने की धमकी दी। युवती ने जब हिम्मत दिखाकर आरोपी के खिलाफ एफआईआर दर्ज करवाई, तो आरोपी के परिजन अलग-अलग मोबाइल फोन से कॉल कर पीड़िता को धमकी देने लगे। वो उस पर केस वापस लेने का दबाव बनाने लगे। घटनास्थल जगदलपुर के सिटी कोतवाली क्षेत्र के आकाश होटल होने के चलते जशपुर से केस वहां स्थानांतरित किया गया। एसपी शलभ सिन्हा के निर्देश पर मामला कायम होने के 24 घंटे के भीतर ही आरोपी हर्ष कुमार शेंडे (59) निवासी न्यू गायत्री नगर महामाया विहार खम्हारडीह थाना रायपुर से गिरफ्तार कर लिया गया। कोर्ट में पेश करने के बाद आरोपी को न्यायिक हिरासत में जेल भेजा गया है।

युवक की हत्या, कनपटी में मारी गोली,आंख फोड़ी

पार्टी के बहाने कार से ले गए दोस्त, चार घंटे बाद मिली लाश

साहिबगंज, 26 मार्च (एजेंसियां)। होली के दिन एक दोस्त ने ही अपने दोस्त की जान ले ली। जिस कार में सवार होकर वह घूमने निकले थे उसी में उसकी लाश मिली। गोली कनपटी में लगी है और एक आंख भी फोड़ दी गई है। अब दोस्त फरार है जिसकी पुलिस तलाश कर रही है।

घटना साहिबगंज के राजमहल थाना क्षेत्र की है। जहां के मलाहीटोला निवासी पांडव मंडल की गोली मार कर हत्या कर दी गई। जिसके बाद होली का त्योहार मातम में बदल गया। ग्रामीणों ने बताया कि दाताराम मंडल का बेटा पांडव मंडल अपने साथियों के साथ घर से कहीं दूर होली का जश्न मना रहा था। मृतक के भाई छक्कु मंडल ने बताया कि दिन के करीब सोमवार करीब 11 बजे इसी गांव का उसका एक मित्र सुबेश कुमार मंडल अपनी कार लेकर उसके घर आया और दोनों कार में बैठ कर कहीं पार्टी करने चले गए। इस दौरान मृतक का मोबाइल घर पर ही छुट गया था। जिसके कार उससे कोई संपर्क नहीं हो रहा था। तकरीबन 5 घंटे के बाद लगभग 4 बजे उसके मित्र के कार को घर के समीप देखा गया। जब लोगों की नजर उस कार पर पड़ी तो देखा पांडव कुमार लहू लोहान अवस्था में कार के अंदर पड़ा है। लोगों ने कार खोलकर उसे बाहर निकाला गया तो देखा उसके कनपटी पर गोली लगी हुई है और दाहिना आंख फुटा हुआ है। आनन फानन उसे राजमहल अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। मृतक पेसे से ऑटो चालक था और ऑटो चाला कर ही अपने परिवार का जीवन यापन करता था। फिलहाल मृतक का मित्र सुबेश मंडल फरार चल रहा है। उसका मित्र पकड़ में आने के बाद ही इस मर्डर की गुत्थी से पर्दा उठाया जा सकता है। थाना प्रभारी गुलाम सरवर ने कहा आवेदन प्राप्त हुआ है। फिलहाल पुलिस एक व्यक्ति से पूछताछ कर रही है।

ब्राउन सुगर के साथ दो भाई गिरफ्तार

घर में करते थे अवैध ब्राउन सुगर की मिनी फैक्ट्री का संचालन, डेढ़ करोड़ का मादक पदार्थ बरामद

चतरा, 26 मार्च (एजेंसियां)। चतरा में अफीम तस्करों के आर्थिक स्रोत पर पुलिस ने करारा प्रहार किया है। करीब डेढ़ करोड़ के प्रतिबंधित अफीम के साथ दो सगे भाईयों को गिरफ्तार किया गया है। एसपी विकास पांडेय को मिली गुप्त सूचना के आधार पर डीएसपी मुख्यालय रोहित कुमार रजवार के नेतृत्व में गठित वशिष्टनगर जोरी थाना पुलिस की स्पेशल टीम को यह कामयाबी हांथ लगी है।

गिरफ्तार तस्कर आपस मे सहोदर भाई हैं। दोनों मिलकर घर में ब्राउन सुगर के मिनी फैक्ट्री का संचालन करते थे। गिरफ्तार तस्करों के घर से सुरक्षाबलों ने 28 किलो 50 ग्राम गिला अफीम, ब्राउन शुगर बनाने में प्रयुक्त जैक मशीन, ढक्कन, लकड़ी का टुकड़ा, प्लास्टिक टब व अफीम से सना कपड़ा जप्त किया है।

प्रेस कांफ्रेंस में पुलिस अधीक्षक विकास पांडेय ने बताया कि थाना क्षेत्र के राजगुरु गांव में पुलिस ने यह बड़ी कार्रवाई की है। गांव के दो सहोदर भाईयों देवनंदन गंझू व पंकज कुमार को दबोचा गया है। उन्होंने बताया कि दोनों भाई मिलकर अफीम तस्करी के काले धंधे का संचालन करते थे। एसपी ने बताया कि गिरफ्तार तस्करों के घर से 28 किलो 50 ग्राम गिला अफीम, ब्राउन शुगर बनाने में प्रयुक्त जैक मशीन, ढक्कन, चार पीस लकड़ी का टुकड़ा, गेरुआ रंग का प्लास्टिक टब व अफीम से सना कपड़ा समेत अफीम से ब्राउन सुगर बनाने में प्रयुक्त सामान भी बरामद किया गया है।

एसपी ने कहा है कि जिले में मादक पदार्थों की तस्करी में संलिप्त तस्करों और माफियाओं के विरुद्ध पुलिस का अभियान निरंतर जारी रहेगा। किसी भी परिस्थिति में जिले में सफेद जहर के काले साम्राज्य के संचालन की इजाजत नहीं दी जाएगी।

दुकानदारों पर कार्रवाई के खिलाफ गोलबंद हुए व्यवसायी

जामताड़ा, 26 मार्च (एजेंसियां)। जामताड़ा से सटे चित्तरंजन रेलनगरी में विभिन्न मार्केटो में वर्षो से अनाधिकृत रुप से दुकान संचालन करने वाले दुकान को चिरेका प्रशासन प्रशासन ने हटाने का फरमान जारी किया है। इस फरमान पर ऑल मार्केट एसोसिएशन चित्तरंजन ने विरोध किया है। रेलनगरी चित्तरंजन के बो मार्केट परिसर में काफी संख्या में विभिन्न एरिया मार्केट के दुकानदारों ने बैठक कर चिरेका प्रशासन के फैसले पर आपत्ति जताते हुए विरोध किया।

बैठक के दौरान चिरेका प्रशासन से अनाधिकृत व अधिकृत दुकानदार के लिए वर्षों से हक की लड़ाई लड़ रहें सिमजोड़ी मार्केट के दुकानदार सह समाजसेवी सतीश सिंह ने कहा कि अनाधिकृत दुकान को बचाने का मांग को लेकर हम लगातार दो बार चिरेका महाप्रबंधक कार्यालय के सामने धरना पर बैठे। लेकिन चित्तरंजन पुलिस व चिरेका आरपीएफ ने जबरन हटा दिया। हमारी मांग है कि अनाधिकृत रुप से दुकान कर रहे लोगों को जमीन दिया जाए। पूर्व से अधिकृत दुकान का मालिकाना हक यथावत बहाल किया जाए। चित्तरंजन रेलनगरी में तीन केटेगरी की दुकान है अनाधिकृत, अधिकृत उसमें दो केटेगरी है एक केवल जमीन का अधिकृत और एक है दुकान बना के अधिकृत किया हुआ। चिरेका प्रशासन ने अधिकृत दुकानों का लाईसेंस नही दिया है। दुकानों का डाक होगा जो अधिक दाम में दुकान का डाक करेगा वह दुकान का मालिकाना हक उसकी हो जाएगा।

सीमा पार तस्करी नेटवर्क का भंडाफोड़, चार किलो हेरोइन और ड्रग मनी के साथ 12 आरोपी गिरफ्तार

चंडीगढ़, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमृतसर कमिश्नरेट पुलिस ने 12 लोगों को गिरफ्तार कर सीमा पार हेरोइन तस्करी रैकेट का भंडाफोड़ किया है। आरोपियों से चार किलो हेरोइन और तीन लाख रुपये की ड्रग मनी जब्त की गई है। पाकिस्तान से तरनतारन इलाके में ड्रग्स पहुंचाने के लिए ड्रोन का इस्तेमाल किया जाता था। यह मॉड्यूल मलयेशिया स्थित शीर्ष तस्कर द्वारा संचालित है जो कई नशीली दवाओं के मामलों में वांछित है। इसमें 2019 में अटारी में अंतरराष्ट्रीय चेक पोस्ट पर 532 किलो हेरोइन की बड़ी नशीली दवाओं की खेप भी शामिल है, जिसका नेतृत्व सराय अमानत खान के किंगपिन रणजीत सिंह उर्फ चीता ने किया था।

इंडिया जो कर रहा है, उसकी नकल करो

श्रीलंका के राष्ट्रपति ने जमकर की भारत की तारीफ, पीएम मोदी का भी किया जिक्र

कोलंबो, 26 मार्च (एजेंसियां)। श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने भारत की तारीफ की है और कहा है कि उनका देश इंडिया की कॉपी करते हुए आगे बढ़ सकता है। एक कार्यक्रम में बोलते हुए विक्रमसिंघे ने कहा कि ये साफ था कि तकनीक के स्तर पर और संस्थानों को खड़ा करने के मामले में हमें मदद की जरूरत होगी।

मुझे लगा कि भारत सबसे बेहतर विकल्प है। इसके लिए मैंने बीते साल इंडिया के पीएम नरेंद्र मोदी से बात की। उनसे मुझे अच्छा रिस्पॉन्स मिला और हमारी मदद भी भारत की ओर से की गई। रानिल विक्रमसिंघे ने कहा कि भारत एक ऐसा देश है, जिसने शून्य का आविष्कार किया

और फिर आगे बढ़ते हुए आज काफी तरक्की कर ली है। मैं कह सकता हूं कि भारत ने जिस तरह से खुद को आगे बढ़ाया है, वो समझने लायक है और हम इसको अपने देश में लागू कर सकते हैं। डिजिटल बुनियादी ढांचे पर श्रीलंका के राष्ट्रपति ने कहा, भारत जो कर रहा है, हम उसकी नकल कर रहे हैं। हम निश्चित ही भारत के साथ चलना चाहेंगे।

भारत की तारीफ करते रहे हैं विक्रमसिंघे

रानिल विक्रमसिंघे ने पहली बार भारत की सराहना नहीं की है, वह पहले भी पड़ोसी देश की तारीफ करते रहे हैं। विक्रमसिंघने ने बीते महीने अपने एक इंटरव्यू में भारत की तारीफ करते हुए कहा था कि आर्थिक संकट में श्रीलंका की प्रगति में भारत की ओर मिले मदद से महत्वपूर्ण सहायता मिली। श्रीलंका में साल 2022 में एक बड़ा आर्थिक संकट देखने को मिला था, जिसके बाद जनता सड़क पर उतर आई थी। इन हालात में भारत ने श्रीलंका को मदद भेजी थी। मुश्किल समय में भारत से मिली इसी मदद का जिक्र करते हुए श्रीलंका के राष्ट्रपति रानिल विक्रमसिंघे ने कहा था कि हम भारत के आभारी है।

हम भारत की मदद के बिना बच नहीं सकते थे। हम दोनों देशों के बीच घनिष्ठ संबंधों पर भी विचार कर रहे हैं। विक्रमसिंघे ने यह भी कहा कि वह आईआईटी मद्रास की एक ब्रांच को श्रीलंका के कैंडी में खोलना चाहते हैं। उन्होंने भारत के साथ मजबूत आर्थिक संबंध बनाने और कनेक्टिविटी में सुधार का भी आग्रह किया।

भोपाल में तीन बेटियों के साथ मां ने लगाई फांसी,

भोपाल, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजधानी भोपाल में होली के एक दिन बाद ही दिल दहला देने वाली घटना समाने आई है। एक महिला ने अपनी तीन मासूम बेटियों के साथ फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। महिला और दो बेटियों की मौत हो चुकी है, जबकि एक मासूम बेटी अस्पताल में जिंदगी और मौत से जूझ रही है। महिला ने आत्मघाती कदम उठाने से पहले अपने भाई को 5 वाइस मैसेज भेजकर बताया था कि बेटा नहीं होने के कारण उसे ससुराल में किस कदर प्रताड़ित किया जाता है। मृतका के मायके वालो ने ससुराल वालों पर कई गंभीर आरोप लगाए हैं। पुलिस मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

दो बाइकों की आमने-सामने हुई भिड़ंत, महिला बच्चों समेत कुल आठ लोग घायल, सभी अस्पताल में भर्ती

विदिशा, 26 मार्च (एजेंसियां)। विदिशा में करारिया थाना के नजदीक पेट्रोल पंप के सामने एक हादसा पेश आया, जहां पर दो बाइकों की आमने-सामने भिड़ंत हो गई। इस हादसे में कुल आठ लोग घायल हुए हैं। खास बात यह है कि ग्राम बमूरिया से विदिशा आ रही एक बाइक पर एक पुरुष, दो महिलाएं और चार बच्चे यानी कुल सात लोग सवार थे। वहीं दूसरी ओर भोपाल से ललितपुर की ओर जा रही बाइक जिस पर एक युवक रोशन कुशवाहा सवार था। करारिया के पेट्रोल पंप के नजदीक दोनों बाइक की आमने-सामने भिड़ंत हो गई, जिसमें दोनों बाइक पर सवार कुल आठ लोग घायल हुए हैं। सभी घायलों को विदिशा जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया। भोपाल निवासी निवासी प्रेम बाई ने बताया कि वह और उनके परिवार बमूरिया से बस न मिलने के कारण बाइक से विदिशा आ रहे थे, विदिशा से बस से भोपाल जाते उसके पहले यह हादसा हो गया। उन्होंने सामने से भिड़ने वाली बाइक और उसके चालक को जिम्मेदार बताया, जबकि भोपाल से ललितपुर तक का लंबा सफर करने वाले रोशन कुशवाहा का कहना है

कि सामने से आ रही बाइक जिस पर सात लोग सवार थे वह अनियंत्रित होकर चल रही थी और मेरी बाइक से जाकर टकरा गई। एक बाइक पर रानू अहिरवार बाइक चला रहे थे, जबकि उनके साथ प्रेम बाई, कृष्णा बाई के अलावा रोहित, मोहित, आरोही और ऋषभ सवार थे।

सीएए के बाद अब केजरीवाल गिरफ्तारी विवाद में कूदा अमेरिका, जर्मनी की तरह भारत को दिया 'ज्ञान',

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के बाइडन प्रशासन ने सीएए के बाद अब दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी के विवाद पर बयान दिया है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने कहा कि केजरीवाल की गिरफ्तारी पर हमारी करीबी नजर है। उन्होंने कहा कि हम 'निष्पक्ष, समयबद्ध और पारदर्शी कानूनी प्रक्रिया' के लिए प्रोत्साहित करते हैं। इससे पहले जर्मनी की सरकार ने भी केजरीवाल की गिरफ्तारी मामले में टिप्पणी की थी जिसका भारत ने करारा जवाब दिया था। भारत ने जर्मनी के दूतावास के उप प्रमुख को तलब करके उन्हें जमकर सुनाया था। इस पूरे मामले को लेकर देशभर में राजनीति गरम है और अमेरिका की टिप्पणी पर विवाद बढ़ सकता है। अमेरिकी विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने केजरीवाल मामले में रॉयटर्स के पूछे गए सवाल के जवाब में कहा, 'हम मुख्यमंत्री केजरीवाल के लिए निष्पक्ष, पारदर्शी और समयबद्ध कानूनी प्रक्रिया के लिए प्रोत्साहित करते हैं।' इससे पहले सीएए को लेकर भी अमेरिका ने भी भारत को ज्ञान

दिया था और कहा था कि इस मामले में हमारी करीबी नजर है। लोकसभा चुनाव से ठीक पहले अमेरिका ने हाल के दिनों में ऐसे कई बयान दिए हैं जो भारत को असहज कर रहे हैं। वह भी तब जब भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते नई ऊंचाई पर पहुंच गए हैं।

जर्मनी को भारत ने दिया करारा जवाब

चीन के बढ़ते खतरे को देखते हुए भारत और अमेरिका हिंद प्रशांत क्षेत्र में सहयोग कर रहे हैं और क्वॉड के सदस्य देश हैं। इससे पहले पिछले दिनों अमेरिका के भारत में राजदूत ने कहा था कि भारत और अमेरिका के बीच रिश्ते चाहे कितने भी मजबूत क्यों न हो, हम ऐसे मुद्दे पर अपनी बात रखते रहेंगे। बता दें कि भारत ने शनिवार को यहां जर्मन दूतावास के उप प्रमुख को तलब किया और दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मनी के विदेश मंत्रालय की टिप्पणी के खिलाफ कड़ा विरोध दर्ज कराया था। विदेश मंत्रालय ने कहा कि जर्मन दूत जॉर्ज एनजवीलर को विदेश मंत्रालय के अधिकारियों ने तलब किया और बताया कि केजरीवाल की गिरफ्तारी पर जर्मन विदेश मंत्रालय की टिप्पणी भारत की न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप है। मंत्रालय ने कहा कि कोई भी 'पूर्वाग्रह वाली पूर्वधारणा' बिल्कुल अवांछित है। जर्मनी के विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने केजरीवाल की गिरफ्तारी का संज्ञान लिया था। जर्मन अधिकारी ने कहा था, 'हमारा मानना है और उम्मीद करते हैं कि न्यायपालिका की स्वतंत्रता से जुड़े मानक और मूलभूत लोकतांत्रिक सिद्धांत भी इस मामले में लागू होंगे।'

'भारत एक जीवंत लोकतंत्र, कानून का शासन'

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा, 'नयी दिल्ली में जर्मनी के दूतावास के उप प्रमुख को आज तलब किया गया और हमारे आंतरिक मामलों पर उनके विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता की टिप्पणी पर भारत के कड़े विरोध से अवगत कराया गया।

' उन्होंने कहा, 'हम इस तरह की टिप्पणियों को हमारी न्यायिक प्रक्रिया में हस्तक्षेप और हमारी न्यायपालिका की स्वतंत्रता को कमतर करने के रूप में देखते हैं।' जायसवाल ने कहा, 'भारत एक जीवंत और कानून का शासन वाला मजबूत लोकतंत्र है। जैसा कि देश में और लोकतांत्रिक दुनिया में अन्य जगहों पर सभी कानूनी मामलों में होता है, कानून इस मामले में अपना काम करेगा।

न्यूयॉर्क में ट्रैफिक रोकने पर पुलिस अधिकारी को मारी गोली, अस्पताल में तोड़ा दम

न्यूयॉर्क, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका के न्यूयॉर्क में एक पुलिस अधिकारी की हत्या का मामला सामने आया है। न्यूयॉर्क सिटी के मेयर ने बताया कि सोमवार को ट्रैफिक रोकने पर एक पुलिस अधिकारी की गोली मारकर हत्या कर दी गई। क्वींस के एक अस्पताल में पत्रकारों को संबोधित करते हुए मेयर एरिक एडम्स ने कहा कि हमने आज अपना एक बेटा खो दिया है। यह एक बेहद दर्दनाक घटना है। बताया कि गोलीबारी क्वींस के फार रॉकअवे सेक्शन में शाम 5:50 बजे से पहले हुई। पुलिस के मुताबिक, अधिकारी गाड़ी के पास जा रहा था, तभी उसके बुलेटप्रुफ जैकेट के नीचे गोली मार दी गई। पुलिस ने बताया कि अधिकारियों ने जवाबी गोलीबारी की और गाड़ी में सवार एक व्यक्ति को घायल कर दिया। अधिकारियों ने बताया कि घायल अधिकारी को क्षेत्रीय अस्पताल ले जाया गया, लेकिन उसे बचाया नहीं जा सका और उसकी मौत हो गई।

लड़ाकू विमान बेचने को तैयार हुआ जापान

शांतिवादी सिद्धांत छोड़कर पहली बार लिया बड़ा फैसला

टोक्यो, 26 मार्च (एजेंसियां)। जापान द्वारा एक बड़ा फैसला लिया गया है। ऐसा पहली बार हुआ है जब जापान ने अपने शांतिवादी सिद्धांतों को छोड़कर लड़ाकू विमान बेचने का फैसला लिया है। जापान अपने लड़ाकू विमानों को ब्रिटेन और इटली के साथ अन्य देशों में विकसित कर रहा है। इस फैसले के बाद जापान संयुक्त लड़ाकू जेट परियोजना में अपनी भूमिका को सुनिश्चित करेगा। जापान की कैबिनेट ने हथियार उपकरण के दिशानिर्देशों में संशोधन का भी समर्थन किया। इससे लड़ाकू विमान समेत घातक हथियारों को अन्य देशों को बेचने की अनुमति मिल सकेगी। बता दें कि इससे पहले जापान में शांतिवादी संविधान के तहत हथियारों के निर्यात को प्रतिबंधित किया गया था। अब चीन से बढ़ते वैश्विक तनाव के बीच उसने यह कदम उठाए हैं।

नए लड़ाकू विमान तैयार कर रहा है जापान

इस समय जापान अमेरिका द्वारा डिजाइन किए गए F-2 लड़ाकू विमानों और ब्रिटेन द्वारा उपयोग किए जाने वाले यूरोफाइटर टाइफून को बदलने के लिए नई तकनीकि के लड़ाकू विमानों को तैयार कर रहा है। इस काम में इटली और ब्रिटेन जापान का सहयोग कर रहे हैं। इस कार्य योजना को ग्लोबल कॉम्बैट एयर प्रोग्राम नाम दिया गया है, जिसका मुख्यालय ब्रिटेन में है। इससे पहले जापान एफ-एक्स नाम के एक घरेलू डिज़ाइन पर काम कर रहा था। जापान को उम्मीद है कि उसके द्वारा तैयार किया गया नया विमान रूस और चीन के खिलाफ बढ़ते तनाव के बीच उन्नत हथियार साबित होगा।

संविधान में किया गया यह संशोधन

जापान की कैबिनेट ने हथियारों और प्रौद्योगिकी हस्तांतरण दिशानिर्देशों में भी संशोधन का समर्थन किया है। इससे घातक हथियारों को अन्य देशों को बेचने की अनुमति मिल सकेगी। जापान ने शांतिवादी संविधान के तहत लंबे समय से हथियारों के निर्यात को प्रतिबंधित कर दिया था, लेकिन चीन से बढ़ते क्षेत्रीय और वैश्विक तनाव के बीच देश ने तेजी से कदम उठाए हैं। जेट विमानों को बेचने के निर्णय से जापान को पहली बार अपने द्वारा उत्पादित घातक हथियारों को अन्य देशों में निर्यात करने की अनुमति मिलेगी। दरअसल द्वितीय विश्व युद्ध में हुई तबाही की वजह से जापान ने एक संविधान बनाया था। इस संविधान के तहत जापान ने सैन्य उपकरणों और घातक हथियारों के सभी निर्यातों पर प्रतिबंध लगा दिया था। अब जब जापान ने इस संविधान में संशोधन किया तो विरोधियों ने प्रधानमंत्री फुमियो किशिदा सरकार की आलोचना की है। इसके बाद सरकार ने यह आश्वासन दिया कि संशोधित दिशानिर्देश फिलहाल केवल लड़ाकू विमानों पर लागू होते हैं। संभावित खरीदार भी उन 15 देशों के होंगे जिनके साथ जापान ने रक्षा साझेदारी सौदे पर हस्ताक्षर किए हैं।

'व्यभिचार करने पर महिलाओं को पत्थर मारकर मार डाला जाएगा,' तालिबानी नेता अखुंदजादा का एलान

तेहरान, 26 मार्च (एजेंसियां)। तालिबान के सर्वोच्च नेता मुल्ला हिबतुल्ला अखुंदजादा ने एक नए ऑडियो संदेश में कहा है कि अफगान महिलाओं को 'व्यभिचार जैसे अपराध' के लिए सरेआम कोड़े मारे जाएंगे। ऑडियो में कहा कि महिलाओं को पत्थर मारकर हत्या कर दी जाएगी, तालिबान ने पश्चिमी लोकतंत्रों को भी चुनौती दी है। यह ऑडियो तालिबान के नेशनल ब्रॉडकास्टर द्वारा जारी किया गया है, जिसमें शख्ती से शरिया कानून लागू करने की घोषणा की गई है। अखुंदजादा ने अपनी नई घोषणा में कहा, 'जब हम महिलाओं को पत्थर मारते हैं तो आप कहते हैं कि यह महिलाओं के अधिकारों का उल्लंघन है। लेकिन हम जल्द ही व्यभिचार के लिए सजा लागू करेंगे। हम महिलाओं को सरेआम कोड़े मारेंगे। हम उन्हें सार्वजनिक रूप से पत्थरों से मार-मारकर हत्या कर देंगे।' अखुंदजादा ने कहा कि 'ये सब आपके लोकतंत्र के खिलाफ हैं लेकिन हम ऐसा करना जारी रखेंगे। हम दोनों कहते हैं कि हम मानवाधिकारों की रक्षा करते हैं, लेकिन हम इसे भगवान के प्रतिनिधि के रूप में करते हैं और आप शैतान के प्रतिनिधि के रूप में करते हैं।' अखुंदजादा के मुताबिक, जिस तरह से अंतरराष्ट्रीय समुदाय महिलाओं के अधिकार की बात करता है, तालिबान की इस्लामी शरिया के यह खिलाफ है। अखुंदजादा ने कहा, 'क्या महिलाएं वे अधिकार चाहती हैं जिनके बारे में पश्चिमी लोग बात कर रहे हैं? वे शरिया और मौलवियों की राय के खिलाफ हैं, मैंने मुजाहिदीन से कहा कि हम पश्चिमी लोगों से कहते हैं कि हमने आपके खिलाफ 20 साल तक लड़ाई लड़ी और हम आपके खिलाफ 20 साल या उससे भी अधिक साल तक लड़ेंगे।' अखुंदजादा ने कहा, 'हम इस धरती पर शरिया कानून लागू करेंगे। काबुल पर कब्जा करने के बाद यह खत्म नहीं हुआ, अब हम शरिया कानून को अमल में लाएंगे।' बता दें कि अगस्त 2021 में अफगानिस्तान पर कब्जा करने के बाद से तालिबान ने कठोर कदम उठाए हैं, क्योंकि अमेरिकी और नाटो सेनाएं वहां से हट रही हैं।

बाल्टीमोर में पुल से टकराया मालवाहक जहाज, आंशिक रूप से ढहा पुल

बाल्टीमोर, 26 मार्च (एजेंसियां)। मंगलवार की सुबह अमेरिका के बाहरी बाल्टीमोर हार्बर क्षेत्र में एक हादसा हो गया। दरअसल यहां एक मालवाहक जहाज बाल्टीमोर हार्बर को पार करने वाले पुल से टकरा गया। इस हादसे के बाद पुल आंशिक रूप से ढह गया। बाल्टीमोर तटरक्षक बल के अधिकारी मैथ्यू वेस्ट ने कहा कि मंगलवार की सुबह पुल के आंशिक ढहने की सूचना मिली थी। बाल्टीमोर के अग्निशमन विभाग ने भी पुल के ढहने की पुष्टि की। इसके बाद मैरीलैंड परिवहन प्राधिकरण ने लोगों से अपील की और पुल पर वाहन ना चलाने का आग्रह किया।

पाकिस्तानी नौसेना के बेस पर बलोच चरमपंथियों का हमला, 6 आतंकी ढेर

कराची, 26 मार्च (एजेंसियां)। पाकिस्तान के अशांत बलूचिस्तान प्रांत में सशस्त्र बलोच चरमपंथियों ने तुरबत जिले में एक अहम नौसेना अड्डे में प्रवेश करने की कोशिश की लेकिन सुरक्षा बलों ने हमले को नाकाम करते हुए छह आतंकवादियों को ढेर कर दिया। मकरान के आयुक्त सईद अहमद उमरानी ने मीडिया को बताया कि सुरक्षा बलों ने पीएनएस सिद्दीकी नौसेना हवाई अड्डे पर एक आतंकवादी हमले को नाकाम कर दिया था, जो देश के सबसे बड़े नौसैनिक हवाई स्टेशनों में से एक है। उन्होंने कहा कि हथियारबंद लोगों ने हवाईअड्डे की सीमा के तीन तरफ से हमला किया, लेकिन सुरक्षा बलों ने तुरंत जवाबी कार्रवाई की और परिसर में घुसपैठ की उनकी कोशिश को नाकाम कर दिया। प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि उन्होंने रात भर

गोलीबारी और विस्फोटों की आवाज सुनी। अभियान में छह आतंकवादी मारे गए और वे हवाई स्टेशन या हवाई जहाज को कोई नुकसान पहुंचाने में नाकाम रहे। संवेदनशील नौसैनिक हवाई स्टेशन को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। प्रतिबंधित बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने दावा किया कि हमले में उसकी मजीद ब्रिगेड का हाथ था। बलूचिस्तान में सुरक्षा बलों और प्रतिष्ठानों पर यह तीसरा बड़ा हमला था जिसकी जिम्मेदारी बीएलए ने ली है। पहले के दोनों हमलों को भी सुरक्षा बलों ने नाकाम कर दिया था। इस साल के शुरु में मछ शहर में सुरक्षा बलों पर हमला किया गया था जिसमें 10 लोगों की मौत हुई थी लेकिन मछ जेल में घुसने की कोशिश को सुरक्षा बलों ने कामयाब नहीं होने दिया था। सुरक्षा बलों ने पिछले हफ्ते इसी प्रांत में स्थित ग्वादर बंदरगाह प्राधिकरण परिसर में घुसने की कोशिश कर रहे आठ आतंकवादियों को ढेर कर दिया था। बीएलए ने 24 मार्च को हमले की जिम्मेदारी ली थी। ईरान और अफगानिस्तान की सीमा से लगे बलूचिस्तान में लंबे समय से हिंसा जारी है। पूर्व में बलोच विद्रोही समूहों ने 60 अरब अमेरिकी डॉलर की चीन-पाकिस्तान आर्थिक गलियारा (सीपीईसी) परियोजनाओं को निशाना बनाते हुए कई हमले किए हैं। बीएलए बलूचिस्तान में चीन के निवेश का विरोध करता है। वह चीन और पाकिस्तान पर संसाधन संपन्न प्रांत के शोषण का आरोप लगाता है। इस आरोप को अधिकारियों ने खारिज किया है। बीएलए के माजिद ब्रिगेड का गठन 2011 में हुआ था जो संगठन का गुरिल्ला प्रकोष्ठ है।

'हमारी नीति में कोई बदलाव नहीं', यूएन में आए प्रस्ताव पर अमेरिका को क्यों देनी पड़ी इस्राइल को सफाई,

वॉशिंगटन, 26 मार्च (एजेंसियां)। अमेरिका और इस्राइल के रिश्तों में खटास नजर आ रही है। दरअसल, इस्राइली प्रधानमंत्री बेंजामिन नेतन्याहू ने अपना अमेरिका का दौरा रद्द कर दिया है। इस पर व्हाइट हाउस के राष्ट्रीय सुरक्षा संचार सलाहकार जॉन किर्बी ने हैरानी जताई है। उन्होंने कहा कि इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय से यह संकेत मिलता प्रतीत होता है कि अमेरिका बदल गया है, जबकि ऐसा कुछ नहीं है। गौरतलब है, संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में गाजा और इस्राइल के बीच तत्काल युद्धविराम का आह्वान करते हुए एक प्रस्ताव पारित हुआ था। इस प्रस्ताव में सात अक्तूबर

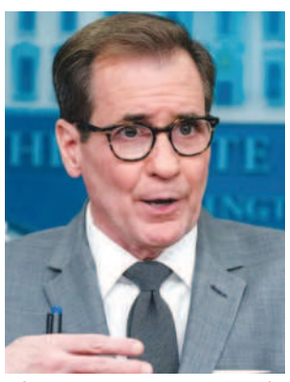

को हमास द्वारा अचानक से इस्राइस पर हमले के दौरान बंधक बनाए गए सभी लोगों की रिहाई की भी मांग की गई है। अमेरिका इस प्रस्ताव पर वोटिंग से दूर रहा। अमेरिका के इस रुख को लेकर इस्राइल ने नाराजगी जताई। नेतन्याहू ने सोमवार को अमेरिका की प्रस्तावित यात्रा रद्द करने का एलान किया। इसके बाद अटकलें लगाई जाने लगी हैं कि दोनों देशों के बीच खटास आ गई है। जब किर्बी से पूछा गया कि नेतन्याहू के दौरे के रद्द करने पर राष्ट्रपति जो बाइडन की क्या प्रतिक्रिया है, तो उन्होंने कहा, 'हम इससे हैरान हैं। कुछ बातें सामने रखने की जरूरत है और वास्तव में इन्हें फिर से दोहराना चाहिए। सबसे पहली बात यह गैर बाध्यकारी संकल्प है। इसलिए इस्राइल या हमास के साथ चल रही लड़ाई पर इसका कोई प्रभाव नहीं पड़ता है। दूसरी बात यह है कि जैसा मैंने शुरू में ही कहा था कि यह हमारी नीति में किसी बदलाव का प्रतिनिधित्व नहीं करता है।'

हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या

उन्होंने आगे कहा, 'हम यहां क्या करना चाहते हैं यह हम पहले ही कह चुके हैं और उसी के साथ खड़े हुए हैं। हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या है। इस्राइल के प्रधानमंत्री कार्यालय से यह संकेत मिला है कि यहां कुछ बदलाव हुआ है, जबकि ऐसा नहीं किया गया है। हालांकि, हमें यह तय करना है कि हमारी नीति क्या है। नेतन्याहू का ऐसा करना दिखाता है कि वह कुछ भी धारणा बना रहे हैं, जबकि ऐसा कुछ करने की जरूरत नहीं है। हमारी नीतियों में कोई बदलाव नहीं हुआ है।'

होशियारपुर में पुलिस ने किया नशा तस्कर का एनकाउंटर, आरोपी ने रेड करने गई टीम पर किया था हमला

होशियारपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब के होशियारपुर के हलका दसूहा में नशा तस्करों पकड़ने के लिए गई पुलिस पर नशा तस्करों ने हमला कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक नशा तस्कर का एनकाउंटर कर दिया गया। घटना में पुलिस के दो अधिकारी के जख्मी होने की बात भी सामने आ रही है। घटना हल्का दसूहा के अंतर्गत आते गांव मेवा मियाणी की है। जहां पुलिस को इसी गांव के ही एक व्यक्ति पर नशा का व्यापार करने की जानकारी मिली थी। जिसके बाद दसूहा पुलिस टीम सूचा सिंह पुत्र अवतार सिंह निवासी मेवा मियाणी के घर पहुंची तो सूचा सिंह द्वारा पुलिस पार्टी पर हमला कर दिया गया।

'इस्लामिक कट्टरपंथियों ने किया था मॉस्को में हमला, यूक्रेन', पुतिन का बड़ा बयान

मॉस्को, 26 मार्च (एजेंसियां)। रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने दावा किया कि पिछले हफ्ते मॉस्को के उपनगर में कॉन्सर्ट हॉल पर हमला करने वाले बंदूकधारी 'इस्लामिक कट्टरपंथी' हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक, इस हमले में 130 से ज्यादा लोगों की मौत हो गई थी और दर्जनों घायल हो गए थे। सरकारी अधिकारियों के साथ बैठक में पुतिन ने कहा कि हत्याएं इस्लामी चरमपंथियों द्वारा की गईं हैं। बता दें कि पुतिन ने बीते हफ्ते कहा था कि 4 हमलावरों को यूक्रेन भागने की कोशिश करते समय गिरफ्तार किया गया। रूस के राष्ट्रपति पुतिन ने एक बार फिर अपने बयान में इस्लामिक स्टेट का जिक्र करने से परहेज किया। उन्होंने कहा कि यह पता लगाना जरूरी है कि 'अपना अपराध करने के बाद आतंकवादियों ने यूक्रेन भागने की कोशिश क्यों की और वहां कौन उनका इंतजार कर रहा था।' इस्लामिक स्टेट के सहयोगी द्वारा जिम्मेदारी लिए जाने के बाद अमेरिका ने आतंकी संगठन के दावे को सही करार दिया था। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों ने कहा कि फ्रांस के पास मौजूद खुफिया जानकारी के मुताबिक मॉस्को हमले के पीछे 'आईएस यूनिट' जिम्मेदार है। इससे पहले क्रेमलिन के प्रवक्ता दिमित्री पेसकोव ने किसी को जिम्मेदार ठहराने से इनकार किया था और पत्रकारों से रूसी एजेंसियों की जांच के नतीजों का इंतजार करने का आग्रह किया था। उन्होंने उन खबरों पर भी टिप्पणी करने से इनकार किया कि अमेरिका ने 7 मार्च को मॉस्को में अधिकारियों को संभावित आतंकवादी हमले के बारे में चेतावनी दी थी। पेसकोव ने कहा कि इस तरह की खुफिया जानकारी गोपनीय होती है। रूस के कॉन्सर्ट हॉल पर हमला करने के मामले में पकड़े गए 4 लोगों को रविवार को मॉस्को की एक अदालत में पेश किया गया और उन पर आतंकवाद का आरोप लगाया गया। रिपोर्ट्स के मुताबिक, सुनवाई के दौरान आरोपियों ने अदालत को चोट के निशान भी दिखाए, और एक व्यक्ति तो बमुश्किल से होश में था। रूस के प्रधानमंत्री मिखाइल मिशुस्तिन ने कहा कि जांच अभी भी जारी है लेकिन संकल्प लिया कि 'अपराधियों को दंडित किया जाएगा, वे दया के पात्र नहीं हैं।'

बीजेपी प्रत्याशी सुमेधानंद सरस्वती ने नामांकन भरा

सीएम और दीया कुमारी थे मौजूद

सीकर, 26 मार्च (एजेंसियां)। सीकर से भाजपा प्रत्याशी सुमेधानंद सरस्वती ने आज नामांकन पत्र दाखिल किया। इस दौरान उनके साथ प्रदेश के मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी मौजूद थीं।

लोकसभा के प्रथम चरण के चुनावों में नामांकन के लिए अब केवल दो दिन शेष रह गए हैं। 19 अप्रैल को होने वाले इन चुनावों के लिए भाजपा प्रत्याशी ज्योति मिर्धा आज नागौर से अपना नामांकन पत्र दाखिल करेंगी। एक बार फिर हुनमान बेनीवाल कांग्रेस के साथ गठबंधन कर इस सीट पर उनके सामने हैं। चुनावी रण में दोनों के बीच यह तीसरा मुकाबला होगा।

निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी को अपने साथ मिलाने की भाजपा की सारी उम्मीदों पर पानी पड़ता नजर आ रहा है। बाड़मेर की शिव विधानसभा सीट से निर्दलीय विधायक रविंद्र सिंह भाटी लोकसभा चुनावों के लिए ताल ठोंकने की तैयारी में हैं।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने पिछले दिनों भाटी से मुलाकात कर उन्हें भाजपा में लाने की कोशिश जरूर की थी लेकिन कोई खास परिणाम सामने नहीं आए थे। भाटी अब लोकसभा के रण में उतरने की तैयारी कर रहे हैं। इसी के चलते आज उन्होंने सर्व समाज की एक बैठक भी बुलाई है। इस बैठक के बाद ही निर्णय होगा कि भाटी खुद बाड़मेर-जैसलमेर सीट से चुनाव लड़ेंगे या भाजपा में शामिल होंगे।

ना ब्राह्मण, ना मुस्लिम प्रत्याशी, सवालों में कांग्रेस की सोशल इंजीनियरिंग, किस जाति के नाम सबसे ज़्यादा टिकट ?

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची को सोशल इंजीनियरिंग आधार पर देखा जाए, तो संभवतः ये पहली बार है जब कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान की कुल 25 लोकसभा सीटों में से किसी भी एक सीट पर ना तो ब्राह्मण और ना ही मुस्लिम प्रत्याशी उतारा है।

लोकसभा चुनाव 2024 के लिए कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान की कुल 25 सीटों में से 24 सीटों पर अपने प्रत्याशी घोषित कर दिए हैं। एकमात्र बांसवाड़ा सीट पर प्रत्याशी के नाम का ऐलान होना अभी बाकी है। इन सब के बीच अब तक घोषित 24 प्रत्याशियों की सूची का अलग-अलग से आंकलन होने लगा है।

कांग्रेस प्रत्याशियों की सूची को सोशल इंजीनियरिंग आधार पर देखा जाए, तो संभवतः ये पहली बार है जब कांग्रेस पार्टी ने राजस्थान की कुल 25 लोकसभा सीटों में से किसी भी एक सीट

पर ना तो ब्राह्मण और ना ही मुस्लिम प्रत्याशी उतारा है।

एक 'ब्राह्मण' प्रत्याशी घोषित, फिर बदलाव

दिलचस्प बात ये है कि कांग्रेस ने ब्राह्मण जाति से एक प्रत्याशी घोषित किया था। जयपुर शहर लोकसभा सीट से सुनील शर्मा को टिकट थमाकर चुनाव मैदान में उतारा गया था, जिसके बाद शर्मा ने चुनाव प्रचार भी शुरू कर दिया था। लेकिन एक विवाद के चलते और पार्टी आलाकमान के निर्देश पर उनका घोषित टिकट अचानक से काट दिया गया।

ब्राह्मण की जगह राजपूत कैंडिडेट

जयपुर शहर की एकमात्र लोकसभा सीट पर कांग्रेस ने पहले सुनील शर्मा के ब्राह्मण चेहरे पर दांव खेला था। लेकिन कुछ विवाद के कारण उनका टिकट बदलकर पूर्व मंत्री और जयपुर शहर में चर्चित कांग्रेस नेता प्रताप सिंह खाचरियावास को दे दिया गया। गौरतलब है कि खाचरियावास राजपूत हैं।

मुस्लिम चेहरा भी नदारद

हैरानी की बात तो ये भी है कि कांग्रेस पार्टी की अब तक की सूची में कोई भी मुस्लिम चेहरा भी नहीं उतारा गया है। यही कारण है कि सोशल इंजीनियरिंग के आधार पर कांग्रेस प्रत्याशियों की अब तक घोषित सूची चर्चा का विषय बनी हुई है।

भाजपा के दो ब्राह्मण प्रत्याशी

कांग्रेस के प्रतिद्वंदी भाजपा में सोशल इंजीनियरिंग की बात हो, तो अभी तक कि घोषित 22 सीटों में से दो सीटों पर ब्राह्मण चेहरे उतारे गए हैं। इनमें भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी को एक बार फिर से चित्तौड़गढ़ से और वरिष्ठ नेत्री मंजू शर्मा को जयपुर शहर से प्रत्याशी बनाया गया है।

उठने लगे विरोध के स्वर

कांग्रेस पार्टी में एक भी ब्राह्मण प्रत्याशी नहीं उतारे जाने को लेकर विरोध के स्वर उठने लगे हैं। कई ब्राह्मण संगठनों ने इस विषय पर अपना ऐतराज दर्ज कराना शुरू कर दिया है। कुछ संगठनों ने तो इस लोकसभा चुनाव में कांग्रेस के बजाए भाजपा के पक्ष में वोट करने की अपील की है। वहीं सोशल मीडिया पर "#ब्राह्मण_विरोधी_कांग्रेस" का एन्टी-कांग्रेस कैम्पेन चलाया जा रहा है।

इस तरह से दिख रही सोशल इंजीनियरिंग

कांग्रेस ने इस बार एक भी ब्राह्मण और मुस्लिम उम्मीदवार नहीं उतारे हैं। अब तक की ये है स्थिति- जाट- 6 (सबसे ज़्यादा टिकट), गुर्जर-2, राजपूत-2, यादव-1, माली-1, आंजना-पटेल-1, जैन-1, रावत-1, एससी-4, एसटी-3

क्या बतौर निर्दलीय उम्मीदवार चुनाव में उतरेंगे पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ?

जयपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। राजस्थान में लोकसभा चुनाव के टिकट बंटवारे के बाद नेताओं के विरोधी सुर तेज होने लगे हैं। ताजा मामला प्रदेश के पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत से जुड़ा है। राजपाल सिंह शेखावत का एक पोस्ट सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। इस पोस्ट को जयपुर ग्रामीण लोकसभा क्षेत्र से टिकट नहीं मिलने से जोड़कर देखा जा रहा है।

राजपाल सिंह से विधानसभा चुनाव के समय लोकसभा टिकट देने का वादा किया गया था, लेकिन उनकी जगह भाजपा ने राव राजेंद्र को जयपुर ग्रामीण से प्रत्याशी बनाया है।

पूर्व मंत्री राजपाल सिंह शेखावत ने सोशल मीडिया के माध्यम से कहा कि 'मैं जानता था...मैं झुक जाऊं तो मसला हल हो जाएगा। मगर इससे मेरे किरदार का कत्ल हो जाएगा!' लोकसभा चुनाव से पहले उनका

यह पोस्ट सियासी गलियारों में चर्चा का विषय बना हुआ है।

विधानसभा चुनाव 2023 में झोटवाड़ा से राजपाल सिंह ने ताल ठोकी थी। लेकिन पार्टी की समझाइश के बाद उन्होंने दावेदारी वापस ले ली थी। माना जा रहा है कि उन्हें पार्टी आलाकमान से जयपुर ग्रामीण से टिकट देने की बात को लेकर मनाया गया था।अब भाजपा ने जयपुर ग्रामीण से राव राजेंद्र को लोकसभा उम्मीदवार घोषित किया है, ऐसे में राजपाल सिंह की इस पोस्ट को टिकट नहीं मिलने से जोड़कर देखा जा रहा है।

नामांकन वापसी से पहले शाह से की बात

पूर्व मंत्री शेखावत ने विधानसभा चुनाव 2023 में नामांकन वापस लेने से पहले गृहमंत्री अमित शाह से बातचीत की थी। उन्होंने कहा था कि कांग्रेस को हराना जरूरी है, इसलिए पार्टी नेता अमित शाह ने टेलीफोन पर मुझसे बातचीत की। जिसके बाद नामांकन वापस लेने का फैसला किया। उन्होंने कहा कि राज्य में भाजपा की सरकार बनाना ज्यादा महत्वपूर्ण है। हालांकि चुनाव नहीं लड़ने का फैसला किन शर्तों पर लिया गया, इसका कोई खुलासा उन्होंने नहीं किया था।

बीजेपी ने राज्यवर्धन सिंह को दिया था टिकट

बता दें कि राजपाल सिंह शेखावत भाजपा से ही चुनाव लड़ना चाहते थे, लेकिन उन्हें टिकट नहीं दिया गया। पार्टी ने जयपुर ग्रामीण से सांसद राज्यवर्धन सिंह राठौड़ को झोटवाड़ा से मैदान में उतारा। जिससे शेखावत और उनके समर्थकों में नाराजगी फैल गई और उन्होंने पार्टी कार्यालय के बाहर विरोध प्रदर्शन भी किया। पूर्व सीएम वसुंधरा राजे के करीबी शेखावत राजस्थान में राजे के नेतृत्व वाली सरकार में मंत्री रह चुके हैं।

टिकट नहीं मिलने से छलका नरेश मीणा का दर्द

बोले- सुनील शर्मा की तर्ज पर मुरारी भी टिकट वापस लौटाएं

दौसा, 26 मार्च (एजेंसियां)। देश में चुनावी बिगुल बजने के बाद प्रदेश में लगभग सभी सीटों पर उम्मीदवार तय किए जा चुके हैं लेकिन दौसा में मुरारीलाल मीणा को कांग्रेस उम्मीदवार बनाए जाने के बाद इस सीट पर दावेदारी जता रहे नरेश मीणा का दर्द छलक उठा और उन्होंने मुरारी मीणा से सुनील शर्मा की तर्ज पर टिकट लौटाने की मांग कर डाली। ध्यान रहे कि जयपुर शहर से प्रत्याशी बनाए गए सुनील शर्मा ने उन पर उठे विवादों के चलते टिकट लौटा दिया है।

दरअसल दौसा सीट के लिए नरेश मीणा भी कांग्रेस से अपनी उम्मीदवारी जता रहे थे लेकिन पार्टी ने मुरारीलाल मीणा पर विश्वास करते हुए उन्हें टिकट नहीं दिया। इस पर नाराज नरेश मीणा बीती रात मुंडली गांव में आयोजित बालाजी के मेले में पहुंच गए जहां मुरारीलाल मीणा के साथ बस्सी से कांग्रेस के विधायक लक्ष्मण मीणा भी मौजूद

थे। यहां पहुंचकर उन्होंने मुरारी मीणा से कहा है कि जैसे जयपुर के सुनील शर्मा ने कांग्रेस का टिकट वापस लौटा दिया है, वैसे ही यदि आप चाहें तो टिकट लौटा सकते हैं।

उन्होंने कहा कि पिछले कई दिनों से मैं कांग्रेस के टिकट पर लोकसभा चुनाव लड़ने की बात कह रहा हूं। मैंने पार्टी भी इसीलिए ज्वाइन की थी कि मुझे यहां से लोकसभा का टिकट मिलेगा लेकिन पार्टी ने आपको चुना। उन्होंने कहा कि पिछले लोकसभा चुनाव में आपकी पत्नी चुनाव लड़कर हार चुकी हैं, इसके बावजूद पार्टी ने आपको टिकट दिया। अब आप यहां से चुनाव जीतकर लोकसभा में पहुंच जाएंगे तो यहां से आपकी विधायक सीट खाली हो जाएगी। उसके बाद आपकी बेटी यहां से चुनाव लड़कर विधानसभा में पहुंच जाएगी तो हमारा क्या भविष्य रह जाएगा।

उन्होंने कहा कि इन्हीं बातों को ध्यान में रखकर आपको भी सुनील शर्मा की तरह दौसा से उम्मीदवारी छोड़कर बड़प्पन दिखाना चाहिए।

कोटा में सियासत का सस्पेंस थ्रिलर

ओम बिरला को टक्कर देंगे प्रहलाद गुंजल, मुकाबला रोचक

कोटा, 26 मार्च (एजेंसियां)। कोटा लोकसभा सीट पर बेहद रोचक मुकाबला देखने को मिलने वाला है। ओम बिरला के सामने मैदान में कभी उनके धुर विरोधी रहे प्रहलाद गुंजल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव लड़ेंगे। यह सिर्फ बिरला और गुंजल के बीच चुनाव नहीं है बल्कि हाड़ौती की सियासत में इसके पीछे भी कई बड़े चेहरे इसमें शामिल हैं।

हालांकि 2023 में हुए राजस्थान के विधानसभा चुनाव में गुंजल का टिकट बीजेपी ने होल्ड पर रख लिया था। इसके बाद वसुंधरा राजे के कहने पर गुंजल देर रात कोटा में ही ओम बिरला के ऑफिस पहुंचे। इसके बाद बीजेपी ने कोटा उत्तर से गुंजल को विधानसभा प्रत्याशी घोषित कर दिया। उनका मुकाबला कांग्रेस के शांति धारीवाल से हुआ, जिसमें गुंजल हार गए। गुंजल 2003 में कांग्रेस के कद्दावर नेता पूर्व मंत्री रामकिशन वर्मा को चुनाव में मात देकर रामगंजमंडी से पहली बार विधानसभा पहुंचे थे।

बीजेपी से बनते-बिगड़ते रिश्ते

गुर्जर आरक्षण के दौरान गुंजल ने बीजेपी की तत्कालीन सीएम वसुंधरा राजे के खिलाफ हो गए थे। इसके बाद उन्हें पार्टी से निलंबित कर दिया, फिर 2008 में निर्दलीय लड़ कर हार गए। इसके बाद 2009 में राजे, गुंजल के घर पहुंची और करीब 2 साल बाद फिर बीजेपी में लौटे। 2023 के विधानसभा चुनाव से पहले 2022 में राजे के जन्मदिन पर केशोरायपाटन से उनकी देव दर्शन यात्रा की शुरुआत हुई, जहां गुंजल ने मोर्चा संभाला हुआ था। वहीं 2023 के विधानसभा चुनावों के नतीजे आने के बाद वसुंधरा राजे को सीएम बनाए जाने का बयान देने वाले विधायकों में गुंजल सबसे ज्यादा मुखर रहे।

दल बदले, अदावत वही; तीसरी बार हनुमान और ज्योति होंगे आमने-सामने, इस बार दोनों की पार्टियां बदलीं

नागौर, 26 मार्च (एजेंसियां)। नागौर में हनुमान बेनीवाल और ज्योति मिर्धा के बीच तीसरी बार आमने-सामने का मुकाबला होगा। हालांकि इस बार दोनों की पार्टियां बदल चुकी हैं। ज्योति मिर्धा BJP से और हनुमान बेनीवाल कांग्रेस गठबंधन में चुनाव लड़ रहे हैं, जबकि इसी सीट पर पिछला लोकसभा चुनाव ज्योति ने कांग्रेस से और हनुमान ने बीजेपी गठबंधन से लड़ा था।

यूं तो राजस्थान की 25 लोकसभा सीटों में से नागौर एक है, लेकिन जाटों की सियायत का रुख किस तरफ होगा इसका अंदाजा इसी सीट से लगता है। इसलिए इसे जाट हार्टलैंड कहा जाता है। बीजेपी ने लोकसभा चुनावों के लिए यहां से बाबा नाथूराम मिर्धा की पौती ज्योति मिर्धा को टिकट दिया है।

इस बार ये सीट इसलिए चर्चा में नहीं है कि बीजेपी ने ज्योति मिर्धा को यहां से टिकट दिया है, बल्कि इसलिए कि उनका

मुकाबला उनके सबसे बड़े धुरविरोधी नागौर के पूर्व सांसद और खींवसर विधायक हनुमान बेनीवाल से होगा। ज्योति की तरह हनुमान को भी नागौर की सियासत विरासत में ही मिली है। हनुमान के पिता रामदेव चौधरी किसी जमाने में नाथूराम मिर्धा के सबसे खास थे।

नागौर लोकसभा सीट पर हनुमान बेनीवाल और ज्योति मिर्धा दो बार सीधे आमने-सामने हो चुके हैं। साल 2019 में हुए लोकसभा चुनावों में हनुमान ने ज्योति को हरा कर लोकसभा सीट जीती थी। वहीं 2014 के लोकसभा चुनावों में ज्योति के हारने की वजह भी हनुमान बेनीवाल को ही माना गया, क्योंकि उन्होंने ज्योति के वोट काटने का काम किया।

बीजेपी ने क्यों नहीं किया हनुमान बेनीवाल से एलायंस

हनुमान बनीवाल लोकसभा चुनाव लड़ने का तो मन बना चुके हैं, लेकिन उनका एलायंस किस से होगा इस पर आगे के कई समीकरण तय होंगे। BJP ने पिछले लोकसभा चुनावों में नागौर की सीट के लिए उनके साथ गठबंधन किया था। हालांकि किसान आंदोलन में हनुमान इस गठबंधन से बाहर गए गए थे। इसके बाद नागौर में बीजेपी ने हनुमान के विकल्प के तौर पर मिर्धा परिवार पर हाथ रखा। बीजेपी चाहती है कि हनुमान को नागौर से बाहर रखा जाए क्योंकि नागौर में उनके रहते बीजेपी की राजनीति पनप नहीं पा रही।

हालांकि हनुमान का कांग्रेस के साथ गठबंधन होने से बीजेपी के लिए कई सीटों पर मुश्किलें बढ़ेंगी। इनमें नागौर, बाड़मेर, राजसमंद, अजमेर और जयपुर ग्रामीण की सीटें शामिल हैं।

नागौर निर्वाचन क्षेत्र में लाडनूं, जायल, डीडवाना, नागौर, खींवसर, मकराना, परबतसर और नवां कुल आठ विधानसभा सीटें आती हैं। नागौर लोकसभा सीट पर 1952 में पहली बार लोकसभा चुनाव हुआ था।

25 हजार का इनामी बदमाश देशराज गुर्जर गिरफ्तार

देसी तमंचा समेत कारतूस बरामद

धौलपुर, 26 मार्च (एजेंसियां)। जिले की सोने का गुर्जा थाना पुलिस और क्यूआरटी टीम को बड़ी सफलता हाथ लगी है। बीहड़ से 25 हजार के इनामी डकैत देशराज गुर्जर को गिरफ्तार किया है। बदमाश के कब्जे से 315 बोर का देसी तमंचा समेत दो कारतूस बरामद किए हैं।

सोने का गुर्जा थाना प्रभारी भीम सिंह ने बताया आईजी भरतपुर रेंज राहुल प्रकाश और पुलिस अधीक्षक सुमित मेहरडा के निर्देश में वांछित अपराधी, बदमाश और डकैतों की धर पकड़ के लिए विशेष सौ दिवसीय अभियान चलाया जा रहा है। अभियान के अंतर्गत जिला पुलिस लगातार कार्रवाई कर अपराधियों को सलाखों के पीछे भेज रही है।

उन्होंने बताया स्थानीय पुलिस को सूचना प्राप्त हुई कि 25 हजार का इनामी बदमाश देशराज गुर्जर पुत्र सूबेदार गुर्जर निवासी महुआ की झोर सोने का गुर्जा बीहड़ में हनुमान जी मंदिर के पास वारदात के इरादे से घूम रहा है। सूचना पर स्थानीय पुलिस के साथ क्यूआरटी टीम को शामिल कर कार्रवाई करने के लिए मौके पर भेजा गया। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर सुनियोजित तरीके से घेराबंदी कर देशराज गुर्जर को दबोच लिया।

बदमाश के कब्जे से 315 बोर का देशी तमंचा समेत दो कारतूस बरामद कर लिए। थाना प्रभारी ने बताया बदमाश वारदात के इरादे से संदिग्ध अवस्था में घूम रहा था। पुलिस ने समय रहते दबोच लिया है।

राजसमंद सीट पर तय हो गया सियासी दंगल

मेवाड़ पूर्व राज परिवार की बहू से होगा भीम के पूर्व विधायक का मुकाबला

राजसमंद, 26 मार्च (एजेंसियां)। लोकसभा सीट, राजसमंद पर होली के दिन आई भाजपा की सूची के अगले दिन कांग्रेस ने भी अपना प्रत्याशी तय कर दिया है। भीम के पूर्व विधायक सुदर्शन सिंह रावत भाजपा उम्मीदवार महिमा कुमारी के सामने मैदान में होंगे।

आई पांच उम्मीदवारों की सूची में

राजस्थान की चार सीटों पर उम्मीदवार तय किए गए, जिनमें राजसमंद सीट पर सुदर्शन सिंह रावत का नाम सामने आया है।

सुदर्शन सिंह रावत पहली बार वर्ष 2018 के विधानसभा चुनाव में मैदान में उतरे और जीते थे। गत वर्ष हुए विधानसभा चुनाव में उन्हें भाजपा के हरि सिंह रावत ने हराया था। सुदर्शन सिंह को राजनीति विरासत में मिली है। इनके पिता लक्ष्मण सिंह पूर्व मंत्री रहे हैं। पूर्ववर्ती गहलोत सरकार में मगरा विकास बोर्ड अध्यक्ष भी रहे। प्रदेश कांग्रेस उपाध्यक्ष व वित्त आयोग सदस्य भी रहे। कांग्रेस उम्मीदवार सुदर्शन सिंह के दादा मेजर फतेह सिंह भी विधायक रहे हैं।

सवाईमाधोपुर के दामोदर को भीलवाड़ा सीट से कांग्रेस टिकट

भीलवाड़ा, 26 मार्च (एजेंसियां)। राज्य देवनारायण बोर्ड के पूर्व सदस्य एवं रिटायर्ड आरपीएस अधिकारी डॉ. दामोदर गुर्जर को कांग्रेस ने भीलवाड़ा संसदीय सीट से प्रत्याशी घोषित किया है। टोंक-सवाईमाधोपुर सीट से टिकट की दावेदारी कर रहे गुर्जर को भीलवाड़ा से टिकट देकर कांग्रेस ने चौंका दिया है। इधर, भाजपा

ने अपने प्रत्याशी के नाम का पत्ता अभी तक नहीं खोले है। गुर्जर सवाईमाधोपुर जिले के गावडी गांव निवासी है। गुर्जर जयपुर में देव मेडिकल कॉलेज एंड एज्युकेशन ग्रुप के चेयरमैन हैं , राजस्थान पुलिस में थानाप्रभारी के रूप में भी गुर्जर सेवा दे चुके है। कांग्रेस प्रत्याशी दामोदर चार भाइयों में तीसरे स्थान पर है। इनके दो भाईयों में से एक भाई श्याम लाल गुर्जर भारतीय प्रशासनिक सेवा से सेवानिवृत्त हुए है।

श्री आईजी गौशाला में रंगारंग गैर नृत्य व होली महोत्सव सम्पन्न

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कापरा मंडल स्थित प्राकृतिक वातावरण में बसी श्री आईजी गौशाला में दो दिवसीय 24 मार्च होली दहन एवं 25 मार्च चंग की थाप पर रंगारंग फाल्गुणी राजस्थानी गैर नृत्य कार्यक्रम भव्यरुप से गौभक्तों व विभिन्न क्षेत्रों की गैर टीमों के सानिध्य मे आयोजित किया गया।

अध्यक्ष मंगलाराम पंवार, सचिव हुक्माराम सानपरा ने संयुक्त रूप से बताया कि हर साल की भांति श्री आईजी गौशाला प्रांगण में होली महोत्सव के अवसर पर प्रवासी बंधुओं व विभिन्न क्षेत्रों की गैर टीमों द्वारा रंगारंग फाल्गुणी गैर नृत्य कार्यक्रम का राधा-कृष्णा मंदिर में दीप प्रज्वलितकर भव्य शुभारम्भ किया। अध्यक्ष मंगलाराम पंवार ने स्वागत भाषण मे सभी पधारे गौभक्तों व गैर टीमों का तहदिल से आभार प्रकट करते हुए होली की शुभकामनाएं दी।

अवसर पर पधारे सम्मानित अतिथि, विभिन्न संस्थाओं के अध्यक्षों, गैर टीमों व गौभक्तों का गौशाला के पदाधिकारियो ने पुष्प वर्षा से सम्मान किया। महोत्सव मेविभिन्न क्षेत्रों की गैर टीमों ने राजस्थानी वेष-भूषा में भाग लिया। प्रमुख रूप से श्री आईजी सेवा संघ, जीडिमेटला, बालाजीनगर, कोरेमुला, धम्माईगुडा, रामपल्ली, कुतबुलापुरम, मिरजालगुडा, गजवेल, एल.बी.नगर, अलवाल, रामंतापुर, करमनघाट, मल्लापुर की टीमों ने भाग लेते हुए फाल्गुणी गीतों पर रंगारंग गैर नृत्य करते हुए गौभक्तों का भरपूर मनोरंजन किया। सभी गैर टीमो के कप्तानों का स्वीट, मोमेन्टो व पुष्प वर्षा से स्वागत किया गया।

अवसर पर गैरियो ने गौमाता के लिये नगद राशि की घोषणा की। गौभक्तो ने 'गौमाता अमर रहे' के नारे लगाते हुए, दान-पुण्यकर सपरिवार भोजन-प्रसादी का लाभ लिया। कार्यक्रम को सफल बनाने में मंगलाराम पंवार, कालुराम काग, हुक्माराम सानपुरा, नारायणलाल परिहार, ढगलाराम सेपटा, एन.आर.पटेल, डायाराम लचेटा, पूर्व अध्यक्ष चोलाराम हाम्बड़, भगाराम, भंवरलाल मुलैवा, मोतीलाल काग, शंकरलाल, गणेशराम बर्फा, कार्यकारिणी कमिटि के सदस्यो व गौभक्तों ने सहयोग प्रदान किया। मंच संचालन हुक्माराम सानपरा व कालूराम काग ने संयुक्त रूप से किया। साउंड व युट्युब की व्यवस्था पी.एम.एल. सीरवी ने किया। कार्यक्रम के सफल आयोजन पर प्रसन्नता जाहिर करते हुए पधारे सभी गौभक्तो का तन-मन-धन से दिये गये सहयोग पर आभार प्रकट करते हुए सचिव हुक्माराम सानपरा के धन्यवाद ज्ञापन से कार्यक्रम का समापन हुआ।

मां ने शराब के लिए पैसे नहीं दिए युवक ने की आत्महत्या

आसिफाबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। कुमरमभीम आसिफाबाद जिला केन्द्र वांकिडी पुलिस स्टेशन की सीमा में एक युवक ने इसलिए आत्महत्या कर ली क्योंकि उसे शराब पीने के लिए पैसे नहीं मिले। वांकिडी के एसएसआई रामुलु द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार, वांकिडी मंडल के पुंगुडा ग्राम पंचायत के अंतर्गत सोनापुर गांव का मादवी सुरेश (18) शराब का आदी था और रोजाना अपनी मां माडवी पार्वती से झगड़ा करता था। सोमवार को होली के त्योहार पर उसने शराब पी और सुबह होली खेलने निकल गया। दोपहर 3 बजे सुरेश घर आया और शराब के लिए पैसे देने को लेकर मां से झगड़ा करने लगा। जब माँ ने उसे यह कहते हुए डांटा कि मेरे पास पैसे नहीं हैं, सुरेश गुस्से में घर से बाहर चला गया, कुछ ऐसी दवा ले ली जो उसे याद नहीं थी और वापस घर आया। उसने उल्टी की और अपनी माँ को बताया कि उसने दौड़ने के लिए एक दवा ली है। वह पहले ही बेहोश हो गया था और गिर गया। परिवार के सदस्यों द्वारा सुरेश को तुरंत वांकिडी सरकारी अस्पताल ले जाया गया। वहां से उन्हें एंबुलेंस से आसिफाबाद अस्पताल ले जाया गया। डॉक्टरों ने बताया कि वहां इलाज के दौरान शाम 6:30 बजे उनकी मौत हो गई। वांकिडी एसएसआई रामुलु ने कहा कि मृतक की मां मादवी पार्वती द्वारा मंगलवार को दर्ज कराई गई शिकायत के अनुसार मामला दर्ज कर लिया गया है और जांच की जा रही है।

पीएसयू एवार्ड में एनएमडीसी का उत्कृष्ट प्रदर्शन

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे बड़ा लौह अयस्क उत्पादक एनएमडीसी ने 22 मार्च को नई दिल्ली में आयोजित 10 वें गवर्नेंस नाउ पीएसयू एवार्ड में पाँच पुरस्कार जीते।

पद्मश्री डॉ. संजीव बगाई और सेवानिवृत्त पुलिस महानिदेशक श्रीमती निर्मल कौर इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित थे। एनएमडीसी की ओर से अधिशासी निदेशक सत्येन्द्र राय ने एवार्ड प्राप्त किया। यह एवार्ड भारत को सही मायनों में डिजिटल राष्ट्र बनाने के लिए संगठन के प्रयासों और प्रतिबद्धता को मान्यता प्रदान करता है।

सीएमडी (अतिरिक्त प्रभार)अमिताभ मुखर्जी को उनके दूरदर्शी नेतृत्व और भविष्यवादी दृष्टिकोण के लिए प्रतिष्ठित सीएमडी लीडरशिप एवार्ड से सम्मानित किया गया और महाप्रबंधक (नैगम संचार) जय प्रकाश को कम्यूनिकेशन लीडर अवॉर्ड प्रदान किया गया।

अपने परिवर्तनकारी सामाजिक विकास पहल और लौह अयस्क एवं इस्पात उद्योग की प्रगति हेतु प्रतिबद्धता के लिए राष्ट्रीय खनिक ने सीएसआर प्रतिबद्धता (समग्र), खनन क्षेत्र में नवाचार और एचआर उत्कृष्टता (समग्र) - श्रेणियों में पुरस्कार प्राप्त किए ।

इस अवसर पर सत्येन्द्र राय ने कहा, इन प्रतिष्ठित पुरस्कारों को प्राप्त करना सम्मान का विषय है। ये सभी अवॉर्ड इस सेक्टर के विकास में हमारे योगदान को मान्यता प्रदान करते हैं और बेहतर प्रदर्शन करने व असाधारण परिणाम देने के लिए हमारा आत्मविश्वास बढ़ाते हैं।

ईसीआईएल में लक्ष्य निर्धारण पर मनोवैज्ञानिक प्रशिक्षण

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। इलेक्ट्रॉनिक्स कॉरपोरेशन ऑफ इंडिया लिमिटेड (ईसीआईएल), हैदराबाद में कॉरपोरेट प्रशिक्षण एवं विकास केन्द्र (सीएलडीसी) द्वारा कॉरपोरेशन के विकिरण संसूचक एवं उपकरणीकरण प्रभाग, नियंत्रण एवं स्वचालन प्रभाग, सामरिक इलेक्ट्रॉनिक्स प्रभाग, संचार प्रणाली प्रभाग, ऐन्टेना उत्पाद एवं साटकॉम प्रभाग के इलेक्ट्रॉनिक्स, इलेक्ट्रिकल, मैकेनिकल तथा सिविल इंजीनियरिंग के प्रशिक्षुओं के लिए लक्ष्य निर्धारण (गोल सेटिंग) विषय पर मनोवैज्ञानिक कार्यशाला का आयोजन किया गया।

कॉरपोरेशन के प्रबंधक (प्रशिक्षण एवं विकास) तथा प्रभारी, सीएलडीसी डॉ राजनारायण अवस्थी ने प्रोफेशनल क्षेत्र में लक्ष्य-निर्धारण के विभिन्न मनोवैज्ञानिक आयामों, लक्ष्य की परिभाषा, लक्ष्य का स्वरूप, लक्ष्य सेट करने के विभिन्न तकनीकी पक्ष, शार्ट टर्म लक्ष्य तथा लांग टर्म लक्ष्य इत्यादि उप विषयों पर प्रस्तुतीकरण दिया।

प्रशिक्षण कार्यक्रम में सभी प्रतिभागियों ने अपने प्रोफेशलन क्षेत्र में लक्ष्य-निर्धारण की केस स्टडी का विश्लेषण किया। प्रतिभागियों ने छोटे समूह बनाकर आपस में एक दूसरे के लक्ष्य निर्धारण में आने वाली चुनौतियों पर विचार विमर्श किया। इस प्रक्रिया से प्रशिक्षुओं में संवाद कौशल, निर्णय लेने की क्षमता, अनुभव उत्प्रेरण तथा टीम भावना को विकसित करने का प्रयास किया गया। भारत सरकार के विकसित भारत संकल्प को साकार करने में इस प्रकार का प्रशिक्षण कार्यक्रम अत्यंत उपयोगी है। इस प्रशिक्षण कार्यक्रम में हिन्दी-तेलुगु भाषा में लक्ष्य निर्धारण के महत्व एवं इसकी प्रयोजनमूलकता पर भी प्रकाश डाला गया।

कार्यक्रम के आयोजन में डॉ सीएच अंबेडकर, अजहर सुल्तान, संगम कुमारी, संध्या कुमारी ने योगदान दिया।

सीरवी समाज ने मनाई होली

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। सीरवी समाज शमशाबाद बडेर में होलिका महोत्सव बड़े धूमधाम से मनाया गया। रविवार को रात्रि 11:15 बजे को बडेर प्रांगण में होलिका दहन किया गया।

होलिका दहन के पहले गैर मंडली द्वारा राजस्थान की पारम्परिक वेशभूषा में गैर नृत्य किया गया। बोली दाता कोषाध्यक्ष राजूराम परिहार के परिवार द्वारा विधिवत पूजा कर के होलीका दहन किया गया। सोमवार को रामा-सामा के दिन ढुंढ कार्यक्रम का आयोजन किया।

जिसमें समाज के बच्चों की गैरियों ने शानदार नृत्य के साथ ढूंढ की। कार्यक्रम में श्री आई माताजी मंदिर पैदाशापुर तांडा शमशाबाद के अध्यक्ष आशाराम गहलोत, उपाध्यक्ष चेलाराम काग, बाबुलाल पंवार, सचिव भोलाराम पंवार, राजूराम परिहार, नरेश परिहार एवं केशाराम काग, भेराराम परिहारिया, भीकाराम काग, रमेश पंवार, पुखराज पंवार, ओमप्रकाश गहलोत, भूराराम परिहार, हरिराम परिहारिया, जगदीश काग, महिला मंडल की उपाध्यक्षा संतोष देवी परिहार, गंगा देवी काग, भारती परिहारिया एवं समाज के अन्य सदस्यों की उपस्थिति थी।

अपराधियों को अधिकतम सजा दिलाने का प्रयास : डीसीपी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। डीसीपी एलबी नगर प्रवीण कुमार और रंगारेड्डी जिला कानूनी सेवा प्राधिकरण सचिव इंदिरा गार्ला ने रंगारेड्डी जिले में दर्ज पांच पास्को मामलों और एक हत्या के मामले के चार पीड़ितों को मुआवजे के चेक वितरित किए। इस कार्यक्रम में डीसीपी प्रवीण कुमार ने कहा कि वे यह सुनिश्चित करने के लिए कदम उठा रहे हैं कि उनके अधिकार क्षेत्र में दर्ज सभी मामलों की जांच शीघ्रता से हो। उन्होंने कहा कि वे निष्पक्ष जांच करके यह सुनिश्चित करने के लिए कड़ी मेहनत कर रहे हैं कि अपराधियों को अधिकतम सजा मिले।

लाइसेंस बंदूकें सरेंडर करें : पुलिस आयुक्त एम श्रीनिवास

मंचेरियाल, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। रामागुंडम पुलिस आयुक्त एम श्रीनिवास ने रामागुंडम पुलिस आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में आने वाले लाइसेंसी आग्नेयास्त्रों को तुरंत सरेंडर करने के आदेश जारी किए हैं।

शस्त्र अधिनियम 1959 की धारा 21 के अनुसार, आयुक्तालय के अधिकार क्षेत्र में रहने वाले और लाइसेंस प्राप्त आग्नेयास्त्र रखने वाले सभी लोगों को उन्हें निकटतम पुलिस स्टेशन में जमा करना होगा। चुनाव की पूर्व संध्या से पहले ही हथियार जमा करा लिए जाएं ताकि शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था में खलल न पड़े और कोई हिंसक घटना न हो।

सीपी ने कहा कि जो लोग अपने हथियार जमा नही करेंगे उनके खिलाफ मामला दर्ज करने में कोई संकोच नहीं किया जाएगा। जमा किए गए हथियार चुनाव प्रक्रिया पूरी होने के बाद 7 जून को वापस लिए जा सकते हैं। इस संबंध में राष्ट्रीयकृत बैंकों, सार्वजनिक क्षेत्र के संगठनों में काम करने वाले सुरक्षा कर्मियों और गार्ड ड्यूटी पर तैनात लोगों को छूट दी जाएगी।

प्रतिनिधि मंडल ने किया बालाश्रमों,सरकारी विद्यालयों का दौरा

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। बद्रीविशाल पन्नालाल पित्ती ट्रस्ट, लोहिया समता न्यास तथा अग्रवाल सेवा के प्रतिनिधि मंडल ने बालाश्रमों में रह रहे तथा सरकारी विद्यालयों में पढ़ रहे बाल-बालिकाओं हेतु चलाई जा रही अपनी सेवा योजना के क्रियान्वन हेतु विभिन्न सरकारी विद्यालयों तथा बालाश्रमों का दौरा किया।

प्रतिनिधी मंडल में सेवा दल के संयोजक अजित गुप्ता, विनय सी अग्रवाल, कैलाश केडिया, दीपक गुप्ता तथा रत्नम राजू ने गवर्नमेंट हाई स्कूल नया बाजार बड़ी चावड़ी, गवर्नमेंट हाई स्कूल ए सी गार्ड तथा एस आर डी रेनबो होम, चूड़ी बाजार का दौरा कर उनकी आवश्यकताओं के विषय मे जानकारी प्राप्त की। पित्ती ट्रस्ट, लोहिया समता न्यास के चेयरमेन शरद ब पित्ती ने बताया कि ट्रस्ट द्वारा नियमित रूप से सरकारी विद्यालयों, वृद्धाश्रमों तथा बालाश्रमों आदि का दौरा कर उनकी जरूरतों का पता लगाने के बाद उन्हें उनकी आवश्यकता अनुसार पंखे, ट्यूब लाइट, वाटर कूलर, अलमारी, फ्रिज, सिलाई मशीन, कंप्यूटर, प्रिंटर, फर्निचर आदि प्रदान किये जाते हैं। आवश्यकता पड़ने पर जरूरत अनुसार सोलार पैनल भी लगा कर दिये जाते हैं। उन्होंने बताया कि नगर स्थित गवर्नमेंट स्कूल, वृद्धाश्रम तथा बालाश्रम इस सेवा योजना का लाभ उठा सकते हैं।

होली के अवसर पर बोइनपल्ली स्थित भावना कोलोनीवासियों के साथ सिकंदराबाद एवं बोइनपल्ली मार्केट व्यापार संघ के अध्यक्ष ए गौतम जैन, पदम गोयल, विनय सिंग जैन, राखी लोढा, गौरव गोएल, वी प्रथम जैन, गौरव नाहटा, बबीता गोएल, तरूणी जैन, सुरभी गोएल, दर्शन जैन, अमित एवं अन्य लोंगों ने रंग खेलकर उत्सव का आनंद लिया।

भावसार विजन इण्डिया हैदराबाद द्वारा महिला दिवस एवं होली मिलन सम्पन्न

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भावसार विजन इण्ड्रिया हैदराबाद क्षेत्र -104, की महिला दिवस एवं होली मिलन समारोह न्यू नल्लाकुंटा में संपन्न हुआ। इस अवसर पर मुख्य अतिथि के रूप में एबीवी फाउंडेशन की अध्यक्ष काव्या रेड्डी उपस्थित थी । उन्होंने दर्शकों को अटल बिहारी वाजपेयी फाउंडेशन की विभिन्न पहलु के बारे में बताया, जिसमें शैक्षिक पाठ्यक्रमों और वित्तीय सहायता के माध्यम से महिला सशक्तिकरण पर जोर दिया गया।

बीवीआई के राष्ट्रीय सचिव मनीष सूत्रावे, एनईसी सदस्य प्रशांत नीमकर और उप क्षेत्रीय गवर्नर मोहन राव देवतराज ने इस अवसर पर उपस्थित थे।

इस कार्यक्रम के अंतर्गत होली उत्सव में प्रतिभागियों ने भाग लेकर पारंपरिक होली उत्सव में खुशी का आनंद लिया। सभी उम्र के लोगों ने कई मनोरंजक खेलों में शामिल हुये। विजेताओं को अतिथियों द्वारा पुरस्कार प्रदान किए गए। इस अवसर पर निर्देशक मण्ड़ल 2024 के पदाधिकारियों में अध्यक्ष प्रवीण पतंगे, मंत्री अर्चना बास्तुकर, कार्यक्रम सहयोगी अश्विनी पतंगे, शीतल नीमकर, हेमारानी परंकर एवं अन्य परामर्शदाता कार्यकारिणी मण्ड़ल एवं सदस्य उपस्थित थे।

क्रिकेट मैच के दौरान चप्पे-चप्पे पर रहेगी पुलिस

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 17वें संस्करण टाटा आईपीएल-2024 के पहले शेड्यूल के क्रिकेट मैच 27 मार्च 2024 और 5 2024 को (रात्रि मैच) राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम, उप्पल, हैदराबाद में आयोजित किए जाएंगे। राचकोंडा सीपी तरुण जोशी ने बताया कि स्टेडियम में लगभग 39,000 बैठने की जगह है। मैच के दिनों में किसी भी अप्रिय घटना से बचने के लिए एक श्रृंखला उप्पल क्रिकेट स्टेडियम के सुचारू संचालन के लिए अभूतपूर्व उपाय किए गए। टाटा आईपीएल-2024 क्रिकेट मैचों के खिलाड़ियों और दर्शकों की सुरक्षा के लिए विभिन्न समन्वय से व्यापक बंदोबस्त व्यवस्थाएं की जा रही हैं। विंग, जैसे सुरक्षा विंग, यातायात-300, कानून और व्यवस्था (918), टीएसएसपी/एआर बल 12 प्लाटून, ऑक्टोपस 2 टीमें, माउंटेड पुलिस-10, वज्र-10, और अन्य विंग जैसे एसबी, सीसीएस स्टाफ, अग्निशमन दस्ते के साथ एसओटी और 4 फायर टेंडर के साथ कुल लगभग 2800 पुलिसकर्मी बंदोबस्त के लिए तैनात हैं। गेट नंबर 1 केवल खिलाड़ियों के लिए है, अन्य को अनुमति नहीं है। दर्शकों को उनकी टिकटिंग और निकासी योजना के अनुसार गेट के माध्यम से अनुमति दी जाएगी। किसी भी आपातकालीन स्थिति से निपटने की पूरी तैयारी है। स्टेडियम और उसके आसपास कुल 360 सीसीटीवी कैमरे लगाए जा रहे हैं। वाहन जांच बिंदुओं, पार्किंग स्थलों सहित स्थानों पर स्थापित किया गया। स्टेडियम के पूरे क्षेत्र, मार्ग और पार्किंग क्षेत्रों को कवर करें। सभी की निगरानी के लिए एक संयुक्त कमांड और नियंत्रण कक्ष भी स्थापित किया गया है।

शेरीलिंगमपल्ली स्थित श्री आईमाता बडेर में समाज बन्धुओं द्वारा होली महोत्सव पर आयोजित पुजा-अर्चना, होली दहन, चंग की थाप पर रंगारंग गैर नृत्य, बच्चों के ढूंढोत्सव व भोजन-प्रसादी कार्यक्रम में उपस्थित अध्यक्ष मनोज चौधरी, मांगीलाल सोनपरा, विनोद गेहलोत, महिला अध्यक्षा इन्द्रा गेहलोत, गीता देवड़ा, पुष्पा गेहलोत, पदाधिकारी व समाज बन्धु।

सिखवाल भवन पंचायती बाडा सिकंदराबाद में होली मनाते हुए समाज के अध्यक्ष विजयकुमार उपाध्याय, मंत्री तुलसीराम व्यास, किशोर उपाध्याय, राकेश व्यास, रामदेव नागला, गोपिकिशन उपाध्याय, मिश्रीलाल व्यास, मुकेश पाण्डिया, गोपाल व्यास, बिरमदेव व्यास, ओमप्रकाश उपाध्याय, अविनाश व्यास, हितेष व्यास आदि।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग...

पाकिस्तान में...

डेरा इस्माइल खान में भी 4 आतंकी ढेर :

पाकिस्तान की सिक्योरिटी फोर्सेस ने 25 मार्च को डेरा इस्माइल खान में भी स्पेशल ऑपरेशन चलाया। इसमें 4 आतंकियों को मार गिराया गया। पाक फौज के मुताबिक ये आतंकी मुल्क में हुए कई हमलों के लिए जिम्मेदार थे। इनके हमलों में कई सुरक्षा कर्मी और आम नागरिक मारे गए थे।

बीएलए के टारगेट पर चीन ही क्यों?

पाकिस्तान में मौजूद चीनी नागरिकों और उनके कारोबार पर खतरे को लेकर एक स्पेशल इन्वेस्टिगेशन किया था। इसकी रिपोर्ट के मुताबिक पाकिस्तान के तमाम आतंकी संगठन चीनी नागरिकों और उनके कारोबार या कंपनियों को ही निशाना बनाने की साजिश रच रहे हैं। इसकी वजह यह है कि बीते 5 साल में यहां उनकी ताकत और रसूख बहुत तेजी से बढ़ा है।

कई जगहों पर तो वो स्थानीय लोगों से भी ज्यादा ताकतवर हैं। आतंकी संगठनों को लगता है कि चीनी नागरिकों की वजह से उनकी कम्युनिटी या इलाकों को नुकसान हो रहा है और वो उनके कारोबार छीन रहे हैं। शुरूआती तौर पर कराची और लाहौर जैसे इलाकों में चीनी नागरिकों के कारोबार और ऑफिसों पर हमले हुए।

चीनी नागरिकों के लिए अलग प्रोटेक्शन यूनिट :

2014 में पाकिस्तान सरकार ने चीन के नागरिकों की सिक्योरिटी के लिए स्पेशल प्रोटेक्शन यूनिट बनाई थी। इसमें 4 हजार से ज्यादा सिक्योरिटी ऑफिशियल्स शामिल हैं। ज्यादातर सिक्योरिटी अफसर फौज से ताल्लुक रखते हैं। ये यूनिट 7567 चीनी नागरिकों को स्पेशल सिक्योरिटी मुहैया कराती है। इनमें ज्यादातर वो अफसर और वर्कर हैं जो सीपीईसी से जुड़े प्रोजेक्ट्स पर काम कर रहे हैं।

बीजेपी सांसद...

घोष इसी सीट से भाजपा के लोकसभा प्रत्याशी है। कीर्ति ने एक वीडियो मैसेज जारी करते हुए कहा, घोष की अभद्र टिप्पणी से एक नारी का अपमान हुआ है। घोष की मानसिक स्थिति ठीक नहीं है।

वे किसी अस्पताल में जाकर अपना इलाज करवाएं।

कीर्ति ने कहा, भाजपा नेताओं की ऐसी मानसिकता नारी शक्ति को अपमानित करती है। उन्होंने पहले मां दुर्गा के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणी की थी। उन्होंने सीएम के बारे में जो कहा, उसके लिए उन्हें पॉस्को एक्ट के तहत गिरफ्तार किया जाना चाहिए।

मंत्री बोले-मोदी...

कोई भी राजनीतिक दल, जिसने युवाओं को निशाना बनाया हो, कभी बच नहीं पाया है।

उधर, भाजपा नेता और पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय महासचिव सीटी रवि ने ने सोशल मीडिया पर लिखा, लोकसभा चुनाव में कांग्रेस बुरी तरह से हारने वाली है। कांग्रेस के नेता इसे भांप गए हैं। इसलिए ये लोग निचले स्तर पर पहुंच गए हैं। ये लोग प्रधानमंत्री मोदी को तानाशाह भी कहते हैं।

'यूपीएससी समय...

अर्थशास्त्र के जानकार और रियल स्टेट पर नजर रखने वाले विशाल भार्गव ने एक्स पर पोस्ट कहा, असहमत. यूपीएससी कई लोगों के लिए एक सपना है। किसी दूसरी नौकरी के जरिए क्या आपके पास इतनी शक्ति और इतनी कम जवाबदेही है? अधिकांश नौकरशाह छोटा व्यवसाय चलाने में सक्षम नहीं होंगे, दुनिया को बदलने की बात तो दूर की बात है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

विराट बोले- मुझे टी20 प्रमोशन के लिए इस्तेमाल करते हैं

पर मुझमें काफी खेल बाकी; अचीवमेंट नहीं, टीम की जीत के लिए खेलता हूं

बेंगलुरु, 26 मार्च (एजेंसियां)। पंजाब किंग्स से मैच जीतने के बाद बेंगलुरु के ओपनर विराट कोहली ने कहा कि उनमें काफी टी-20 क्रिकेट बाकी है। कोहली ने कहा कि उनके नाम का इस्तेमाल टी-20 क्रिकेट को प्रमोट करने के लिए किया जा रहा है। लेकिन उनमें काफी खेल बाकी है। वह अब आंकड़े और अचीवमेंट्स नहीं, टीम की जीत के लिए खेल रहे हैं। पंजाब के खिलाफ विराट ने 77 रन की पारी खेली और टीम को 177 रन का टारगेट चेज करवाया। कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे और ऑरेंज कैप भी हासिल की।

फैंस से बोले- सिर्फ दो मैच हुए, ओवर एक्साइटेड ना हों

विराट ने मैच के बाद इंटरव्यू में कहा, 'ओवरएक्साइटेड न होना, अभी बस 2 ही मैच हुए हैं। लोग स्टैट्स और अचीवमेंट्स की बातें करते हैं, लेकिन आखिर में यादें ही बाकी रह जाती हैं। राहुल (द्रविड़) भाई भी कहते हैं, जब आप क्रिकेट की फील्ड पर उतरते हैं तो दिल खोलकर खेलते हैं।

फैंस के सामने और फ्रेंड्स के साथ जब आप दिल खोलकर खेलते हैं तो आप अच्छी यादें बनाते हैं, इन्हें आप करियर खत्म होने के बाद भी याद करना चाहते हैं। फैंस का प्यार, ये रिश्ते और टीम का सपोर्ट सालों से मुझे मिल रहा है और मैं इसके लिए शुक्रगुजार हूं।'

विकेट गिरने पर कंडीशन को समझना जरूरी

कोहली ने कहा, 'मैं ओपनिंग कर रहा हूं और ओपनर के रूप में टीम को अच्छा स्टार्ट दिलाना मेरी जिम्मेदारी है। लेकिन लगातार विकेट गिरेंगे तो आपको कंडीशन भी समझना जरूरी है। आप खराब शॉट खेलकर आउट नहीं हो सकते। पिच बैटिंग के लिए उतनी भी अच्छी नहीं थी, यहां रन बनाना मुश्किल था, तब मैंने समझा कि यहां क्रिकेटिंग शॉट्स खेलकर ही रन बनाए जा सकते हैं।

मुझे बस दूसरे एंड से थोड़ा साथ चाहिए था, जो मिला नहीं। ग्रीन, मैक्सवेल और अनुज मेरे सामने लगातार आउट हो गए, तब मुझ पर जिम्मेदारी भी बढ़ गई। निराश था कि गेम फिनिश नहीं कर सका, गेंद मेरे पाले में थी और उसे बाउंड्री के बाहर जाना चाहिए था। लेकिन डीप पॉइंट पर कैच हो गया। फिर भी 2 महीने बाद क्रिकेट खेलना और टीम की जीत में कॉन्ट्रिब्यूट कर पाना, मेरे लिए इतना भी बुरा नहीं रहा।'

नाम प्रमोशन के साथ जुड़ा, लेकिन मुझमें टी-20 बाकी है

विराट ने कहा, 'मैं जानता हूं कि दुनिया में मेरा नाम अब टी-20 क्रिकेट को प्रमोट करने के लिए जोड़ा जाने लगा है, लेकिन मुझे लगता है कि मेरा खेल अब भी बाकी है। मैं अब भी मैच जिता सकता हूं।

मैं कवर ड्राइव को गैप में अच्छे से खेलता हूं, लेकिन रबाडा और

अर्शदीप मुझे आसानी से इस शॉट को खेलने नहीं देंगे। इनके सामने बाउंड्री ढूंढनी पड़ती है, इसलिए आगे निकलकर इनसाइड आउट शॉट खेलना बेहतर ऑप्शन है।'

पिछले 2 महीने नॉर्मल महसूस किया

विराट से पूछा गया कि क्रिकेट से दूर फैमिली के साथ पिछले 2 महीनों के बारे में आप क्या कहना चाहेंगे। इस पर कोहली ने कहा, 'हम देश में नहीं थे, हम ऐसी जगह थे, जहां लोग हमें पहचानते नहीं थे। परिवार के साथ मैंने उस वक्त को दिल खोलकर जिया, हम आम आदमी की तरह सड़कों पर घूम रहे थे। 2 महीने तक मैंने नॉर्मल महसूस किया। परिवार के रूप में यह अनुभव अच्छा रहा।

परिवार के साथ, 2 बच्चों के साथ चीजें पूरी तरह से बदल जाती हैं। अपने बड़े बच्चे के साथ आपके कनेक्शन अलग रहते हैं। मैं भगवान का शुक्रगुजार हूं कि अपने परिवार के साथ 2 महीने का समय भी अच्छे से बिता सका।'

2 महीने में फैंस का शोर भूल गया था

विराट ने आगे कहा, 'ब्रेक के बाद जब घर लौटा और मैदान पर उतरा तो फैंस के शोर से चौंक गया। पिछले 2 महीने की शांति में इस आदत को मैं पूरी तरह से भूलने लगा था, लेकिन वापस लौटा तो समझा यह अनुभव भी जीवन का अहम हिस्सा है।'

ऑरेंज कैप के लिए नहीं खेल रहा

हर्षा भोगले ने विराट को टूर्नामेंट का टॉप रन स्कोरर बनने के लिए ऑरेंज कैप दी। साथ ही कहा कि इस कैप को पहने रखिएगा, आप पर अच्छी लगती है। इस पर विराट बोले, 'मैं अब कैप, अचीवमेंट और आंकड़ों के लिए नहीं खेल रहा। मेरे लिए यह एक मौका है कि RCB और फिर टीम इंडिया के लिए बेहतर से बेहतर परफॉर्म करूं। मैं फैंस को भी बस यही वादा करूंगा कि आने वाले समय में भी इसी तरह परफॉर्म करना जारी रखूंगा।'

कोहली ने लगाई मैच विनिंग फिफ्टी

आईपीएल में रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया। इस जीत में विराट कोहली ने 49 बॉल पर 77 रन बनाए। वह एक समय 16 ही बॉल पर 32 रन बना चुके थे, लेकिन उनके सामने 4 बैटर्स आउट हो गए। उन्होंने यहां संभलकर बैटिंग की और फिफ्टी लगाकर टीम को जीत के करीब पहुंचा। विराट मैच खत्म करने से पहले आउट हो गए और उनके विकेट के बाद टीम को 47 रन और चाहिए थे। यहां दिनेश कार्तिक और महिपाल लोमरोर ने 48 रन की पार्टनरशिप की और टीम को मैच जिता दिया। विराट के 2 मैचों में 98 रन हो गए हैं और इसी के साथ वह 17वें सीजन के टॉप रन स्कोरर भी बन गए।

विराट ने लिया था क्रिकेट से 2 महीने का ब्रेक

विराट इस साल जनवरी, फरवरी और मार्च के बीच 2 महीनों तक क्रिकेट से दूर रहे। वह अपने दूसरे बच्चे के जन्म के लिए पत्नी और परिवार के साथ विदेश गए थे। 15 फरवरी को उनके बेटे अकाय का जन्म हुआ, जिसके बारे में विराट ने सोशल मीडिया पर जानकारी दी। इस दौरान वह इंग्लैंड के खिलाफ 5 टेस्ट की सीरीज नहीं खेल सके, जिसे भारत ने रोहित शर्मा की कप्तानी में 4-1 से जीता।

विराट ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स के खिलाफ मैच से वापसी की। इसमें वह 20 बॉल पर 21 ही रन बना सके, जिस कारण टीम को हार का सामना करना पड़ा। लेकिन दूसरे मैच में जीत के साथ आरसीबी ने 17वें सीजन में 2 अहम पॉइंट्स हासिल कर लिए।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी : पहली बार होंगे 5 मुकाबले

कंगारूओं को उनके घर पर हराना आसान नहीं; जानें आंकड़े

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट ने मंगलवार को अपने आगामी महिला व पुरुष क्रिकेट टीम का शेड्यूल को जारी किया। इसके साथ ही भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच होने वाली बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-25 का भी ऐलान हो गया है।

ऑस्ट्रेलिया क्रिकेट बोर्ड ने मंगलवार को 2024-25 का समर शेड्यूल जारी किया। कंगारू मेंस टीम इस साल के अंत में पाकिस्तान के खिलाफ वनडे सीरीज-टी20 सीरीज और भारत के खिलाफ 5 टेस्ट मैचों की बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेलेगी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के इतिहास में ऐसा पहली बार हो रहा है जब भारत और ऑस्ट्रेलिया 5 टेस्ट मैच खेलेंगे। इससे पहले तक दोनों टीमों के बीच अमूमन बीजीटी में 4 मुकाबले खेले जाते थे।

नवंबर में ऑस्ट्रेलिया जाएगी भारतीय टीम

सीरीज के लिए भारतीय टीम नवंबर में ऑस्ट्रेलिया का दौरा

करेगी। बीजीटी 2024-2025 का पहला टेस्ट 22 से 26 नबंवर के बीच पर्थ में खेला जाएगा। सीरीज का दूसरा मैच 6 से 10 दिसंबर के बीच एडिलेड में होगा। यह मुकाबला डे-नाइट मैच होगा। टूर्नामेंट के तीसरे मैच में दोनों टीमें ब्रिसबेन में टकराएंगी। यह मैच 14 से 18 दिसंबर के बीच होगा। सीरीज का चौथा टेस्ट 26 से 30 दिसंबर के बीच मेलबर्न में खेला जाएगा। साथ ही बीजीटी का आखिरी टेस्ट 3 से 7 जनवरी के बीच सिडनी में खेला जाएगा।

बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी 2024-2025 शेड्यूल

पहला टेस्टः 22-26 नबंवर, पर्थ
दूसरा टेस्टः 6-10 दिसंबर, एडिलेट (डे-नाइट)
तीसरा टेस्टः 14-18 दिसंबर, ब्रिसबेन (गाबा)
चौथा टेस्टः 26-30 दिसंबर, मेलबर्न
पांचवा टेस्टः 3-7 जनवरी, सिडनी

कंगारूओं को उनके घर पर हराना आसान नहीं

भारत और ऑस्ट्रेलिया के बीच अब तक 16 बार बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी खेली गई हैं। इसमें से 10 बार टीम इंडिया ने बाजी मारी है और कंगारू टीम ने 5 बार ट्रॉफी जीती है। 2003-04 में खेली गई ट्रॉफी 1-1 से ड्रॉ हुई थी। बॉर्डर गावस्कर ट्रॉफी के लिए भारतीय टीम अब तक 7 बार ऑस्ट्रेलिया के दौरे पर गई है। इस दौरान 4 बार कंगारू टीम ने जीत दर्ज की है और 2 बार भारत को जीत मिली है। 1 सीरीज ड्रॉ भी रही है। ऐसे में कंगारूओं को उनके घर में हराना भारतीय टीम के लिए आसान नहीं रहने वाला है। हालांकि, अच्छी बात यह है कि ऑस्ट्रेलिया में खेली गईं पिछली 2 बीजीटी सीरीज (2018/19, 2020/21) में भारत को जीत मिली है। वहीं बीजीटी 2022/23 भारत में खेली गई थी और भारत ने इसे 2-1 से जीता था।

पिछली 5 बीजीटी ट्रॉफी

2014/15: ऑस्ट्रेलिया जीता (2-0)- ऑस्ट्रेलिया में
2016/17: इंडिया जीता (2-1)- इंडिया में
2018/19: इंडिया जीता (2-1)- ऑस्ट्रेलिया में
2020/21: इंडिया जीता (2-1)- ऑस्ट्रेलिया में
2022/23: इंडिया जीता (2-1)- इंडिया में

विराट टी-20 में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय

आईपीएल में 50 से ज्यादा हाफ सेंचुरी लगाने वाले दूसरे बैटर

IPL में सबसे ज्यादा अर्धशतक

बैटर	मैच	अर्धशतक
डेविड वॉर्नर	177	61
विराट कोहली	239	51
शिखर धवन	219	50
रोहित शर्मा	244	42
एबी डिविलियर्स	184	40

बेंगलुरु, 26 मार्च (एजेंसियां)। रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु ने आईपीएल-2024 के छठे मुकाबले में पंजाब किंग्स को 4 विकेट से हराया। पंजाब ने 20 ओवर में 176 रन बनाए। बेंगलुरु ने 20वें ओवर में टारगेट हासिल कर लिया।

विराट कोहली प्लेयर ऑफ द मैच रहे। उन्होंने टूर्नामेंट में अपना 51वां अर्धशतक जमाया। वे आईपीएल में 50 से ज्यादा अर्धशतक लगाने वाले दूसरे बैटर और पहले भारतीय बने। विराट टी-20 में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय भी बन गए। उन्होंने सुरेश रैना को पीछे किया। आरसीबी बनाम पीबीकेएस मैच के टॉप रिकॉर्ड्स...

विराट टी-20 क्रिकेट में 100 बार 50+ स्कोर बनाने वाले पहले भारतीय

विराट कोहली के ओवर टी-20 क्रिकेट में 100 बार फिफ्टी प्लस स्कोर हो गए। वे ऐसा करने वाले भारत के पहले और दुनिया के तीसरे बैटर बने। दुनिया में सबसे ज्यादा 50+ स्कोर का रिकॉर्ड क्रिस गेल के नाम है। गेल ने 455 इनिंग्स में 110 बार 50+ स्कोर बनाया है। दूसरे नंबर पर ऑस्ट्रेलिया के डेविड वॉर्नर हैं।

टी-20 क्रिकेट में इंटरनेशल, डोमेस्टिक और लीग क्रिकेट तीनों शामिल हैं। 50+ स्कोर में सेंचुरी भी शामिल होती है। अगर स्कोर 99 रन है तो वह अर्धशतक और 50+ स्कोर है। लेकिन अगर स्कोर 101 रन है, तो वह शतक में गिना जाएगा, लेकिन 50+ स्कोर भी कहलाएगा।

टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय बने विराट

विराट कोहली टी-20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा कैच लेने वाले भारतीय प्लेयर बन गए। उन्होंने पंजाब के खिलाफ एक कैच लेने के साथ ही 173 कैच पूरे कर लिए। उनसे पहले यह रिकॉर्ड सुरेश रैना के नाम था। रैना ने 377 मैचों में 172 कैच लिए हैं।

कौन हैं नमन धीर: एमआई ने पंजाब की डोमेस्टिक टी-20 लीग से खोजा

मुंबई, 26 मार्च (एजेंसियां)। गुजरात टाइटंस के खिलाफ रविवार को मुंबई इंडियंस के डेब्यूटांट नमन धीर ने अपने शॉट्स और बैटिंग से सभी को चौंका दिया। 24 साल के नमन मुंबई के लिए तीसरे नंबर पर बल्लेबाजी करने उतरे और 200 की स्ट्राइक रेट से 10 बॉल में 20 रन बना दिए।

एमआई की इनिंग्स के पहले ओवर में ईशान किशन जीरो पर आउट हो गए। उनके बाद नमन ने अजमतुल्लाह उमरजई की गेंद पर तीन चौके और एक छक्का लगाया। धीर बैटिंग के साथ ऑफ स्पिनर बॉलिंग भी कर लेते हैं। उन्होंने गुजरात के खिलाफ एक ओवर फेंका, लेकिन 13 रन दे दिए।

हरियाणा के अंबाला में पैदा हुए 24 वर्षीय बैटर नमन टी-20 के रेगुलर प्लेयर नहीं हैं। नमन पंजाब रणजी टीम का हिस्सा हैं लेकिन, वे पंजाब के घरेलू टूर्नामेंट शेर-ए-पंजाब टी-20 लीग से फेमस हुए। यहीं से उन पर मुंबई इंडियंस के स्काउट्स की नजर पड़ी।

मुंबई इंडियंस ने पिछले कुछ सालों में सूर्यकुमार यादव से लेकर रोहित शर्मा और कैमरन ग्रीन जैसे कुछ बड़े टी-20 बल्लेबाजों को नंबर-3 पर खिलाया है। सूर्यकुमार इंजरी के कारण शुरुआती मैचों से बाहर हो गए, ऐसे में मुंबई ने नंबर-3 की अहम पोजिशन नमन धीर को सौंप दी।

पिछले साल अगस्त में पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन की लीग शेर-ए-पंजाब टी-20 कप से नमन फेमस हुए। उस टूर्नामेंट की 12 पारियों में धीर ने 192.56 की स्ट्राइक रेट और 42.36 की औसत से 466 रन बनाए।

आईपीएल 2024 के 3 दिन बाद ही 2 खिलाड़ियों की बढ़ी टेंशन, कैसे मिलेगी टीम में जगह?

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल 2024 को अब तीन दिन हो चुके हैं। वहीं शुरुआती मैच में ही दो खिलाड़ी फ्लॉप हो गए थे, जिसके बाद इन खिलाड़ियों पर टी20 विश्व कप 2024 से बाहर होने का खतरा मंडरा रहा है।

आईपीएल 2024 शुरू हुए आज तीसरा दिन है सभी टीमों ने अपना-अपना एक-एक मैच खेल लिया है। टी20 विश्व कप 2024 के नजरिए से भारतीय खिलाड़ियों के लिए आईपीएल 2024 बेहद अहम है। जो खिलाड़ी इस टूर्नामेंट में बेहतर प्रदर्शन करेंगे उनको बीसीसीआई सेलेक्टर्स

आगामी टी20 विश्व कप के लिए टीम इंडिया के स्क्वाड के लिए चुना जाएगा। लेकिन तीन दिन के अंदर ही दो खिलाड़ियों की टेंशन बढ़ने लगी है।

इन 2 खिलाड़ियों की बढ़ी टेंशन

आईपीएल 2024 की शुरुआत में ही जहां एक तरफ कुछ खिलाड़ियों ने धमाकेदार अंदाज में आगाज किया है तो वहीं कुछ खिलाड़ी शुरुआत में ही फ्लॉप हो गए। जिसमें मुंबई इंडियंस के विकेटकीपर बल्लेबाज ईशान किशन और कोलकाता नाइट राइडर्स के कप्तान श्रेयस अय्यर शामिल है। ये दोनों ही खिलाड़ी अपने-अपने पहले मैच में फ्लॉप साबित हुए।

जहां एक तरफ अपने पहले मैच में श्रेयस अय्यर बिना खाता खोले आउट हो गए थे तो वहीं ईशान किशन भी अपने पहले ही मैच में शून्य पर आउट हुए। जिसके बाद इन दोनो खिलाड़ियों की टेंशन अब और ज्यादा बढ़ने लगी है। अगर आगे भी इस सीजन ईशान और अय्यर का प्रदर्शन ऐसा ही रहता है तो टी20 विश्व कप 2024 के लिए इन दोनों खिलाड़ियों को टीम इंडिया में जगह बना पाना काफी मुश्किल हो जाएगा।

बीसीसीआई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट से बाहर है दोनों खिलाड़ी

बीते कुछ दिनों पहले बीसीसीआई ने खिलाड़ियों की नई सेंट्रल कॉन्ट्रैक्ट लिस्ट जारी की थी।

जब ललित मोदी ने आईपीएल के लिए करियर को दांव पर लगाया, किसने रचा था षडयंत्र?

नई दिल्ली, 26 मार्च (एजेंसियां)। आईपीएल के शुरुआत का जिक्र होते ही सबसे पहला नाम जो आता है वो ललित मोदी का ही आता है. हर किसी को मालूम है कि ललित मोदी ने किस तरह आईपीएल को शुरुआत करने की तैयारी की, यहां तक कि अपना करियर भी दांव पर लगा दिया.

डॉन ब्रैडमैन, क्रिकेट का वो नाम जो ना जाने कितनी रिकॉर्ड्स बुक में सबसे ऊपर लिखा जाता है. उनके साथ ही ऑस्ट्रेलिया के लिए खेलने वाले आर्थर मॉरिस से एक बार सवाल हुआ, आपने अपने देश के लिए हज़ारों रन बनाए हैं, इतने लंबे वक्त तक क्रिकेट खेला है लेकिन क्रिकेट से आपको क्या मिला. उनका जवाब सिर्फ एक लाइन का था, क्रिकेट ने सिर्फ गरीबी दी है.

पुराने क्रिकेटर्स से पूछेंगे या फिर इतिहास में जाएंगे तो क्रिकेट तब एक शौक ही था, जिसे जीने के लिए आप को कमाई की कुर्बानी देनी पड़ती थी क्यूंकि क्रिकेट में पैसा नहीं मिलता था. लेकिन समय बदला, आगे बढ़ा और फिर एक लीग आई जिसे हम इंडियन प्रीमियर लीग कहते हैं जहां आज खिलाड़ी सिर्फ दो महीने क्रिकेट खेलने के करोड़ों रुपये लेते हैं, जहां एक बॉल मैच का हाल और खिलाड़ी की किस्मत दोनों ही बदल देती है. लेकिन इस बड़ी लीग के बनने के पीछे भी कई पापड़ बेले गए थे, क्यूंकि हिन्दुस्तान जैसे मुल्क में इस तरह का बड़ा प्रयोग करना इतना आसान भी नहीं होता है.

आईपीएल के शुरुआत का जिक्र होते ही सबसे पहला नाम जो आता है वो ललित मोदी का ही आता है. हर किसी को मालूम है कि ललित मोदी ने किस तरह आईपीएल को शुरुआत करने की तैयारी की, यहां तक कि अपना करियर भी दांव पर लगा दिया. लेकिन ललित मोदी की कहानी पर आएं, उससे पहले इस खेल में एक और ट्विस्ट है. दरअसल, बीसीसीआई को मालूम चल गया था कि क्रिकेट में पैसा ब्रॉडकास्टिंग से ही बनाया जा सकता है और इसी के दमपर वो दुनिया का सबसे अमीर बोर्ड बन भी रहा था.

अब कई कंपनियां चाहती थीं कि उन्हें भी क्रिकेट के मीडिया राइट्स मिल जाएं, साल 2004 में ज़ी एंटरटेनमेंट की ओर से इसके लिए अप्लाई किया गया. लेकिन राइट्स नहीं मिले, 2006 में भी कोशिश हुई तब भी नहीं मिले. उसके बाद ज़ी एंटरटेनमेंट के मालिक सुभाष चंद्रा ने साल 2007 में अपनी ही एक लीग चालू करने का फैसला कर लिया, नाम था इंडियन क्रिकेट लीग. ये सिर्फ दो सीजन चली और इसी एक तरह से बागी लीग का नाम दिया गया, बीसीसीआई को इतना गुस्सा आया कि इस लीग से जुड़े हुए क्रिकेटर्स, कमेंटेटर्स या किसी भी अन्य अधिकारी पर बैन

की धमकी दे डाली. रिजल्ट ये हुआ कि सिर्फ दो साल में ही ये लीग बंद हो गई.

सुभाष चंद्रा ने शुरू किया था आईसीएल

अब वापस ललित मोदी और आईपीएल की कहानी पर आते हैं. ललित मोदी करीब 2002-03 के बाद से ही बीसीसीआई में अपनी पैठ बनाने की कोशिश में लगे हुए थे. शुरुआत हिमाचल प्रदेश क्रिकेट एसोसिएशन से हुई, वहां वो पूरी तरह सफल नहीं हुए, फिर राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन और पंजाब क्रिकेट एसोसिएशन में भी गए. राजस्थान क्रिकेट एसोसिएशन में ललित मोदी का दबदबा बढ़ने लगा था, क्यूंकि तब राजस्थान की मुख्यमंत्री वसुंधरा राजे थीं और वो ललित मोदी की दोस्त थीं ये कहा जाता है कि इस वजह से ललित मोदी को काफी सपोर्ट मिला था.

साल 2006-07 में ललित मोदी ने पहली बार इंडियन प्रीमियर लीग का सपना देखा. उन्होंने बोर्ड में इसकी बात की और तब कुछ सदस्यों ने इसका मज़ाक भी उड़ाया. पत्रकार बोरिया मज़ूमदार ने ललित मोदी और आईपीएल को लेकर एक किताब लिखी, जिसमें ये दावा किया गया कि बीसीसीआई के कई अधिकारी ये चाहते थे कि ललित मोदी का ये प्रोजेक्ट फेल हो जाए, ताकि बोर्ड में उनकी बढ़ती ताकत घट सके. ललित मोदी उस वक्त तक बीसीसीआई के उपाध्यक्ष बन गए थे, राजस्थान क्रिकेट बोर्ड में उनकी ताकत थी और तब के बोर्ड अध्यक्ष शरद पवार समेत अन्य लोगों से उनके संबंध बेहतर हो चुके थे. ललित मोदी विदेश में खेले जाने वाली एनबीएल या ईपीएल जैसी लीग से प्रभावित थे, आईपीएल को लेकर उन्होंने इसी की केस स्टडी भी की थी. उनको भरोसा था कि ये सफल हो जाएगा, लेकिन कैसे? ये किसी को मालूम नहीं था, ललित मोदी आईपीएल के लिए माहौल तैयार कर ही रहे थे तभी उनके लिए एक अच्छी खबर आई कि टीम इंडिया ने साल 2007 का टी-20 वर्ल्ड कप जीत लिया. इससे भारत में इस फॉर्मेट के लिए एक भरोसा-सा जग गया.

ललित मोदी कैसे अपने इस ड्रीम प्रोजेक्ट को बेच रहे थे, इसका अंदाज़ा इसी बात ले लगाया जा सकता है कि टी-20 वर्ल्ड कप 2007 में भारत इंग्लैंड का जो मैच हुआ, जहां युवराज सिंह ने वो 6 छक्के जमाए थे उस मैच में ललित मोदी स्टैंड्स में एक टी-शर्ट पहने हुए थे जिसपर IPL लिखा था और ये आईपीएल शुरू होने से करीब 8 महीने पहले की कहानी है.

ललित मोदी सब तैयारी कर रहे थे, लेकिन सवाल ये था कि आईपीएल में पैसा कौन लगाएगा और क्यों लगाएगा. ललित मोदी ने जिन लोगों को टीम खरीदने के लिए पिच किया, उन्हें समझ नहीं आ रहा था कि आखिर पैसा देकर मिलेगा क्या, क्योंकि यहां ना कोई प्रॉपर्टी मिलने वाली थी, ना कोई स्टेडियम मिल रहा था. तो ललित मोदी को ये समझाने में काफी वक्त लगा कि आखिर अगर कोई आईपीएल में पैसा लगाएगा तो आखिर उसे मिलेगा क्या, क्यूंकि ललित मोदी के कनेक्शन बिजनेस से लेकर बॉलीवुड और बाकी फील्ड में थे ही तब उन्होंने उन कनेक्शन का इस्तेमाल करके शुरुआती इन्वेस्टर्स को इकट्ठा किया.

और इस तरह शाहरुख खान से लेकर शिल्पा शेट्टी, मुकेश अंबानी, प्रीति जिंटा समेत अन्य कई बड़े नाम आईपीएल के इस इवेंट में हिस्सा लेने के लिए तैयार हुए और क्रिकेट इतिहास की सबसे बड़ी लीग का जन्म हुआ. 18 अप्रैल, 2008 को आईपीएल का पहला मैच खेला गया था. उससे पहले खिलाड़ियों की बोली लगी थी, जिसको लेकर भी काफी बवाल हुआ था.

बीआरएस सरकार के भ्रष्टाचार पर चर्चा के लिए तैयार

मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने दी हरीश राव को चुनौती

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। उत्पाद शुल्क, पर्यटन और संस्कृति मंत्री ने पूर्व मंत्री, विधायक हरीश राव को किसानों की समस्याओं, सिंचाई परियोजनाओं और पिछली बीआरएस सरकार के भ्रष्टाचार पर चर्चा करने के लिए तैयार रहने की चुनौती दी है। उन्होंने समय, तारीख और स्थान तय करने की मांग की। मंत्री जुपल्ली कृष्ण राव ने मंगलवार को गांधी भवन में विधायक कासिरेड्डी नारायण रेड्डी, शंकर, वामसीकृष्ण और राजेश रेड्डी के साथ मीडिया से बात की। मंत्री जुपल्ली ने हरीश राव की उस टिप्पणी का खंडन किया जिसमें उन्होंने कहा था कि अगर फसल नुकसान का मुआवजा नहीं दिया गया तो वह सचिवालय का घेराव करेंगे। उन्होंने पूछा कि मूल फिल्म तो सामने है और बीआरएस में जो भ्रष्टाचार हुआ है, उसका भी पर्दाफाश होगा, आपकी सारी गलतियां उजागर होने के बाद आप कहां सिर रखेंगे। उनका कहना है कि वे हरीश राव सचिवालय का घेराव करेंगे बीआरएस नेताओं ने पिछले दस वर्षों में राज्य के खजाने को घेरा है। उन्होंने कहा कि आपके अविवेकपूर्ण निर्णयों के कारण आज तेलंगाना राज्य में ऐसे हालात पैदा हुए हैं और मूल बीआरएस नेताओं को किसानों और कृषि के बारे में बात करने का कोई नैतिक अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस सरकार उन किसानों की मदद करेगी जिनकी फसल असामयिक बारिश के कारण बर्बाद हो गई है। सीएम रेवंत रेड्डी ने फसल के नुकसान पर तुरंत प्रतिक्रिया दी और अधिकारियों को फसल के नुकसान पर एक व्यापक रिपोर्ट प्रस्तुत करने के लिए याद दिलाया। रिपोर्ट आने के बाद किसानों को मुआवजा दिया जाएगा और अगली बरसात से फसल बीमा योजना लागू की जाएगी। चावल दाताओं की कठिनाइयां और भ्रष्टाचार पिछली बीआरएस सरकार की गलती है, बीआरएस के सत्ता में आने के बाद तेलंगाना राज्य में किसान आत्महत्याएं नहीं रुकीं और पिछले दस वर्षों में 6,651 किसानों ने आत्महत्या की। मेदिगड्डा परियोजना ढहना आपकी गलती नहीं? उन्होंने कहा कि राज्य को कर्ज के ढेर में बदल दिया गया है। लेकिन सीएम रेवंत रेड्डी के नेतृत्व वाली कांग्रेस सरकार ईमानदारी के साथ काम कर रही है। उन्होंने कहा कि हम जनता से किये वादे पूरे कर रहे हैं। बीआरएस नेताओं ने गिरी हुई राजनीति से बचने की इच्छा व्यक्त की है।

केटीआर बोले- भाजपा को सिर्फ क्षेत्रीय नेता रोक सकते हैं

केजरीवाल-ममता और केसीआर इसमें सक्षम कांग्रेस में मुकाबला करने की ताकत नहीं

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के हैदराबाद में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) के वर्किंग प्रेसिडेंट केटी रामाराव ने मंगलवार को एक बैठक में कांग्रेस की आलोचना की। केटीआर ने कहा कि भाजपा को सिर्फ क्षेत्रीय नेता रोक सकते हैं।

उन्होंने कहा, दिल्ली के सीएम अरविंद केजरीवाल, बंगाल की सीएम ममता बनर्जी और तेलंगाना के पूर्व सीएम के चंदशेखर राव भाजपा को रोकने में सक्षम हैं। कांग्रेस पार्टी भाजपा से मुकाबला नहीं कर सकती है। केटीआर ने कहा, आज अगर आप पूरे देश में देखें तो केवल क्षेत्रीय नेता ही हैं, जो भाजपा को रोक सकते हैं। कांग्रेस इतनी ताकतवर नहीं है कि बीजेपी को रोक सके। कांग्रेस ने भाजपा से मुकाबला करने की अपनी ताकत और ऊर्जा खो दी है।

केटीआर का दावा, तेलंगाना के सीएम कांग्रेस छोड़ भाजपा में जाएंगे :

बीआरएस नेता ने आगे कहा, एक तरफ राहुल गांधी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के बारे में कहते हैं कि चौकीदार चोर है। दूसरी तरफ तेलंगाना में उनके सीएम ए. रेवंत रेड्डी पीएम मोदी को अपना बड़ा भाई बताते हैं।

केटीआर ने दावा किया कि सीएम रेड्डी लोकसभा चुनाव के तुरंत बाद भाजपा में शामिल होंगे। वे पिछले चार महीनों से प्रधानमंत्री मोदी की तारीफ करके इसका संकेत दे रहे हैं। केटीआर ने कहा कि अगर ये आरोप गलत है को तेलंगाना सीएम से जीवन भर कांग्रेस में रहने की सार्वजनिक घोषणा करें। केटीआर ने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने पिछले साल विधानसभा चुनावों के दौरान बीआरएस पार्टी की छवि खराब करने की कोशिश की थी। कांग्रेस ने एक अभियान चलाकर बीआरएस को भाजपा की बी टीम बताया था।

एससीआर ने अखिल भारतीय लोको कैब प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार जीता

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पटियाला लोकोमोटिव वर्क्स में आयोजित लोको कैब प्रतियोगिता में दक्षिण मध्य रेलवे ने प्रथम पुरस्कार जीता। यह पुरस्कार संयुक्त रूप से इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुडा और डीजल लोको शेड, वटवा, पश्चिम रेलवे द्वारा साझा किया जाता है। प्रतियोगिता में विभिन्न जोनल रेलवे के तेरह लोकोमोटिव ने भाग लिया।

रेलवे बोर्ड ने चालक दल की थकान को कम करने और लंबे समय तक काम करने के दौरान आराम प्रदान करने के लिए जोनल रेलवे को इलेक्ट्रिक लोको के कैब को अपग्रेड करने की सलाह दी थी। इसमें समग्र परिवेश, शोर अलगाव, एसी सह थर्मल इन्सुलेशन सुधार, जल रहित मूत्रालय, सीट सुधार, फर्श सुधार, आसान ठीक सिग्नल एक्सचेंज, सामान रखने का प्रावधान, आगामी सावधानी चेतावनी प्रणाली, बेहतर लुक वाले ग्लास सफाई तंत्र, सिंगल को कवर करने की सलाह दी गई थी। कुंजी संचालन, सीट पर रहते हुए सभी स्विचों तक पहुंच की सुविधा के लिए डेस्क संशोधन, सन वाइजर में सुधार, क्रू वॉयस और वीडियो रिकॉर्डिंग सिस्टम और ड्राइवर सलाह आदि। तदनुसार, इलेक्ट्रिक लोको शेड, लालागुडा के 10 साल पुराने डब्ल्यूएजी9एचसी लोकोमोटिव को अपग्रेडेशन के लिए चुना गया और नवीनतम सामग्री के साथ सुविधाओं को सफलतापूर्वक लागू किया गया और चालक दल के लिए विभिन्न ड्राइविंग सहायता और अन्य सुविधाओं के लिए अत्याधुनिक प्रौद्योगिकियों का उपयोग किया गया है। कैब के थर्मल इन्सुलेशन और शोर अलगाव से, तापमान में 12.4 डिग्री सेल्सियस की कमी और 13 डीबी तक शोर में कमी हासिल की गई। एक एर्गोनॉमिक रूप से डिज़ाइन किया गया एफआरपी (फाइबर प्रबलित पॉलिमर) आधारित ड्राइवर डेस्क जिसमें चालक दल के बैठने के दौरान संचालित करने के लिए पुन: व्यवस्थित स्विच और लोको पायलट और सहायक लोको पायलट के काम को कम कठिन बनाने के लिए आपातकालीन ब्रेक वाल्व को स्थानांतरित किया गया है। सहायक लोको पायलटों के साथ-साथ लोको पायलटों को वास्तविक समय की जानकारी प्रदान करने के लिए सहायक लोको पायलट पैनल में एक रिपीटर ड्राइवर डिस्प्ले यूनिट, डिजिटल सिग्नलिंग पावर मॉनिटरिंग (एसपीएम) रिपीटर, डिजिटल ट्रबल शूटिंग डायरेक्टरी भी प्रदान की जाती है। अन्य महत्वपूर्ण विशेषताएं जैसे, पेंटोग्राफ और फॉर्मेशन निगरानी प्रणाली, शंटिंग के दौरान बफर जोन का दृश्य, ऑटो हेड लाइट डिमर जैसी नवीन वस्तुएं, चकाचौंध को कम करने के लिए कैब और स्पॉट लाइट के लिए रोशनी ठीक नियंत्रण, एसएलएएम (लोको एसेट के लिए सॉफ्टवेयर) के साथ लिंक करने के लिए अपग्रेड करने योग्य डिजिटल लॉग बुक प्रबंधन), पावर विंडो, इलेक्ट्रिक वाइपर, फुट स्टेप लाइटिंग, शोर रहित कैब पंखे, उन्नत अग्निशामक संचालन प्रणाली प्रदान की जाती है। केबिन में चालक दल की आवाजाही को आसान बनाने के लिए, सीएबी2 में 285 लीटर और सीएबी1 में 89 लीटर की जगह वाले सामान रैक उपलब्ध कराए गए हैं।

सैन्य अभ्यास में शामिल होकर यूएस नेवी के जवान खुश

कहा- भारतीय नौसेना से बहुत कुछ सीखा

विशाखापट्टनम, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। भारत और अमेरिका की सेनाओं के बीच पूर्वी समुद्र तट पर सोमवार 18 मार्च से संयुक्त युद्धाभ्यास 'टाइगर ट्रायम्फ-2024' जारी है। इस मौके पर यूएसएस समरसेट के भूतल युद्ध अधिकारी ब्रंजिक ने भारतीय नौसेना कर्मियों के साथ विशाखापट्टनम में समय बिताया। अधिकारी ने खुशी व्यक्त करते हुए कहा कि उन्होंने भारतीय नौसेना से बहुत कुछ सीखा है।

बता दें कि इस युद्धाअभ्यास का उद्घाटन समारोह 19 मार्च को आईएनएस जलाश्व पर हुआ। समरसेट तीन सैन एंटोनियो श्रेणी के उभयचर परिवहन डॉक जहाजों में से एक है, जिसका नाम 11 सितंबर, 2001 के आतंकवादी हमलों के दौरान खोए गए लोगों के सम्मान में रखा गया है।

नौसेना के साथ बिताया गया समय रहेगा यादगार :

समरसेट पर भूतल युद्ध अधिकारी ब्रंजिक ने कहा, हमें विशाखापट्टनम में भारतीय नौसेना कर्मियों के साथ बिताया गया समय बहुत पसंद आया। हमने उनसे बहुत कुछ सीखा और हमारे पास उनके साथ गेम खेलने के दौरान कुछ बेहतरीन यादें भी हैं। 'टाइगर ट्रायम्फ 2024' भारत और अमेरिका के बीच एक द्विपक्षीय, त्रि-सेवा अभ्यास है। इसका उद्घाटन समारोह 19 मार्च को आईएनएस जलाश्व पर हुआ। अभ्यास का हार्बर चरण 18-25 मार्च तक विशाखापट्टनम में आयोजित किया गया था। इसमें प्री-सेल चर्चा, पेशेवर विषयों पर विषय विशेषज्ञ आदान-प्रदान और विभिन्न कार्यों की योजना और निष्पादन प्रक्रियाओं पर विचार-विमर्श शामिल था।

क्या है यूएसएस नेवी समरसेट :

ट्रायम्फ 2024 के हिस्से के रूप में, यूएसएस नेवी समरसेट जहाज विशाखापट्टनम आया, जो एक सैन एंटोनियो-क्लास उभयचर परिवहन डॉक जहाज है। इसके प्रत्येक डेक में फ्लाइट 93 के स्मृति चिन्ह हैं, जिसमें मेमोरियल रूम की ओर जाने वाला एक रास्ता भी शामिल है, जिस पर यात्रियों के नाम अंकित हैं। इससे पहले शनिवार को, यूएसएस समरसेट के चालक दल ने कहा कि वे विशाखापट्टनम की अपनी यात्रा और टाइगर ट्रायम्फ के हिस्से के रूप में भारतीय नौसेना के साथ संयुक्त अभ्यास के शानदार अनुभव को हमेशा याद रखेंगे।

जहाज के एक पायलट एशले अंबुएहल ने कहा, इस जहाज पर एक हजार से अधिक नाविक और नौसैनिक यात्रा करते हैं, जिसमें दर्जनों सैन्य वाहनों को ले जाने की क्षमता है। नाव की मरम्मत के लिए एक कार्यशाला है। इसके अलावा एक उड़ान डेक है जिसपर विमान और हेलीकॉप्टर उतर सकते हैं और तैनात हो सकते हैं।

31 मार्च तक जारी रहेगा युद्धाभ्यास :

बता दें कि टाइगर ट्रायम्फ, का अर्थ ट्राई-सर्विसेज इंडिया-यूएस है। उभयचर अभ्यास, अमेरिकी और भारतीय सशस्त्र बलों के बीच एक संयुक्त अभ्यास है जो मानवीय सहायता और आपदा राहत तैयारी और अंतरसंचालनीयता को बढ़ाने पर केंद्रित है। यह बंदरगाह चरण और समुद्री चरण सहित 18 से 31 मार्च तक आयोजित किया जा रहा है।

कविता की गिरफ़्तारी पर हरीश राव की टिप्पणी

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। पूर्व मंत्री हरीश राव ने कहा कि कांग्रेस पार्टी दो लाख ऋण माफ करने के अपने वादे में गलत थी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस पार्टी ने दो लाख का कर्ज माफ करने की बात कही, किसानों के लिए बोनस की बात कही, लेकिन किया कुछ नहीं। हरीश राव ने सवाल किया कि अब पेंशन नहीं मिलती और 24 घंटे बिजली नहीं मिल रही है। हरीश राव ने आरोप लगाया कि बीजेपी और कांग्रेस एक हैं। कांग्रेस ने कभी मुसलमानों को कैबिनेट मंत्री नहीं बनाया, लेकिन केसीआर ने मुसलमानों को उपमुख्यमंत्री और राजस्व मंत्री बनाया था। उन्होंने कहा कि बजट में मुसलमानों के लिए फंड में कटौती की गई और रमजान तोहफा भी नहीं दिया गया।

हरीश राव यह कहते हुए भड़क गए कि बीजेपी का रवैया है कि उसके खिलाफ बोलने वाले जेल में हों। केजरीवाल को ग़ैरक़ानूनी ढंग से गिरफ़्तार किया गया और विपक्षी दलों के खिलाफ मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

बाइक चोरी करने वाला गिरोह गिरफ्तार, 17 मोटरसाइकिलें बरामद

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। जीडीमेटला पुलिस ने मंगलवार को 17 मामलों में कथित रूप से शामिल तीन बाइक अपराधियों को गिरफ्तार किया और उनके पास से 17 मोटरसाइकिलें बरामद कीं।

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान कामारेड्डी जिले के गोगुला देवसहायम उर्फ देवा (27), मेडक जिले के रेड्डी रमेश (27) और कामारेड्डी जिले के मन्ने राजू (35) के रूप में की गई है। एक अन्य संदिग्ध कलाल शिव कुमार गौड़ (23) फरार है।

पुलिस के मुताबिक, तीनों कॉलोनियों में घूमते थे और सड़कों पर खड़ी बाइक चुराते थे। गिरोह डुप्लिकेट चाबियों का एक सेट रखता था और बाइक के ताले खोलने के लिए इसका इस्तेमाल करता था। वाहनों को बाद में बाजार में औने-पौने दाम पर बेच दिया गया, जीडीमेटला इंस्पेक्टर, पी श्रीनिवास राव ने कहा।

बरामद किए गए वाहन जीडीमेटला, सुराराम, जगतगिरिगुट्टा, नरसापुर, कामारेड्डी, येलारेड्डी और मेडक टाउन से चुराए गए थे।

सीएम रेवंत रेड्डी का दिल्ली दौरा

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी कल दिल्ली जाएंगे। वह लोकसभा चुनाव के मद्देनजर दिल्ली में सीईसी की बैठक में हिस्सा लेंगे। इसी क्रम में तेलंगाना की बाकी लोकसभा सीटों पर उम्मीदवारों को लेकर नेतृत्व से चर्चा की जाएगी। इस बीच, तेलंगाना कांग्रेस अंतिम सूची पर काम कर रही है। सीएम रेवंत रेड्डी ने विशेष रूप से संसद चुनावों में बहुमत से सीटें जीतने पर ध्यान केंद्रित किया है। इस क्रम में पार्टी नेताओं और पदाधिकारियों को दिशा-निर्देश दिये गये।

मालूम हो कि नौ लोकसभा सीटों के लिए उम्मीदवारों का चयन हो चुका है। बुधवार को होने वाली बैठक में 8 और सीटों की अंतिम सूची घोषित होने की संभावना है।

पुलिस ने छापा मार तीन महिलाओं को बचाया

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद एसओटी टीम ने सोमवार रात माधापुर में एक घर पर छापा मारा। पुलिस ने आयोजक, दो ग्राहकों और एक मैनेजर को पकड़ लिया और उनके पास से 57,500 रुपये नकद, छह मोबाइल फोन जब्त कर लिये।

गिरफ्तार व्यक्ति निधि माधापुर स्थित अपार्टमेंट बिल्डिंग में वेश्यावृत्ति का आयोजन कर रही थी। गिरफ्तार आयोजक सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म के माध्यम से ग्राहकों से संपर्क करता था और 3000 से 4000 रुपये के बीच वसूली करता था। गुप्त सूचना पर छापेमारी कर तीन पीड़ित महिलाओं को बचाया गया।

अंतरराज्यीय चोरी गिरोह को पकड़ा, 35 तोला सोना जब्त

हैदराबाद, 26 मार्च (स्वतंत्र वार्ता)। 23 घर तोड़ने के मामलों में कथित तौर पर शामिल अंतरराज्यीय चोरों के पांच सदस्यीय गिरोह को शादनगर पुलिस ने मंगलवार को गिरफ्तार किया। पुलिस ने उनके पास से 35 तोला सोना बरामद किया है।

गिरफ्तार किए गए व्यक्ति जो महाराष्ट्र के मूल निवासी हैं, नियमित रूप से शहर आते थे और विभिन्न इलाकों में चोरियां करने के बाद अपने मूल स्थान लौट जाते थे, ऐसी जानकारी डीसीपी शमशाबाद नारायण रेड्डी ने दी।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.